

Э. Д. С. С.

7  
ЗБЕК  
ТИЛИНИНГ  
ТАРИХИЙ  
МОРФОЛОГИЯСИ

ЎЗБЕКИСТОН ССР ФАНЛАР АКАДЕМИЯСИ

А. С. ПУШКИН НОМИДАГИ ТИЛ ВА АДАБИЁТ ИНСТИТУТИ

Э. ФОЗИЛОВ

ЎЗБЕК ТИЛИНИНГ  
ТАРИХИЙ МОРФОЛОГИЯСИ

Масъул муҳаррир  
филология фанлари доктори  
Ғ. АБДУРАҲМОНОВ

ЎЗБЕКИСТОН ССР „ФАН“ НАШРИЯТИ

ТОШКЕНТ-1965

484821

Ушбу китоб туркий тилларнинг энг қадимий ёд-горликлари морфологиясини ёритишга бағишланган. Бунда бой фактик материаллар асосида суз туркумларининг форма ва маъно тараққиёти бирма-бир байн этилади. Бу китоб туркий тиллар, жумладан, ўзбек тили тарахий тараққиёти процессини аниқлашда катта аҳамиятга эга.

Китоб тил ўқитувчилари, турколог мутахассислар, илмий ходимлар ва филология факультети студентларига мўлжалланган.

Фозилов Э.

Ўзбек тилининг тарихий морфологияси. Масъул муҳаррир филология фан. д-ри Ф. Абдурахмонов. Т., «Фан» нашриёти, 1964.  
144 бет. (ЎзССР ФА А. С. Пушкин номдаги Тил ва адабиёт ин-ти).

#### КИТОБДА ҚАБУЛ ҚИЛИНГАН ШАРТЛИ ҚИСҚАРТМАЛАР

- ЕнПТ — С. Е. Малов. Енисейская письменность тюрокв М.—Л., 1952.
- ПМК — С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности Монголии и Киргизии. М.—Л., 1959.
- ОнгП — Онгпский памятник. С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности Монголии и Киргизии. М.—Л., 1959.
- Ми — Памятник хану Могияну. С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности Монголии и Киргизии. М.—Л., 1959.
- КТя — Памятник в честь Кюль-Тегина (малая надпись). С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.
- КТб — Памятник в честь Кюль-Тегина (большая надпись). С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.
- Топ. — Памятник в честь Тоньюкука. С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.
- Гки. — Гадательная книжка. С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.
- Хуаст. — Хуастуанифт. С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.
- Сувр. — Суварна („Золотой блеск“). С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.
- ПВ — Поклонение волхвов. С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.
- Юр. — Юридические документы. С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности. Тексты и исследования. М.—Л., 1951.
- Т Т I — W. Bang and A. von Gabain. Türkische Turfantexte I, SPAW, Phil. hist. Kl. XV, Berlin, 1929.
- Т Т II — W. Bang and A. von Gabain. Türkische Turfantexte II SPAW, Berlin, 1929.
- Т Т III — W. Bang and A. von Gabain. Türkische Turfantexte, III, SPAW, Berlin, 1930.
- Т Т IV — Bang and A. von Gabain. Türkische Turfantexte, IV, SPAW, Berlin, 1930.
- Т Т V — W. Bang and A. von Gabain. Analytischer Index zu den fünf ersten Stückchen der Türkischen Turfan texte. SPAW, XVII—XX, Berlin, 1931.

- TT VI — A. von Gabain und G. R. Rahmeti. Türkische Turfantexte VI. Das Buddhistische sutra „Säkiz Jükmäk“, SPAW, X, Berlin, 1934.
- TT VII — A. von Gabain. Türkische Turfantexte VIII, Texte in Brahmischrift. ADAW, 1954.
- TT IX — A. von Gabain. Türkische Turfan texte IX, Ein Hymnus an den Vater Mani auf „Tocharisch“ B mit alttürkischer Übersetzung. DAWB, Berlin, 1958.
- TT X — A. von Gabain. Türkische Turfan — Texte X, Das Avadana des Dämons Atavaka, Bearbeitet von Tadeusz Kowalski, Berlin, 1959.
- ME — W. Bang. Manichäische Erzähler. Museon, t. XLIV, Louvain, 1931.
- Man., I — A. Le Coq. Türkische Manichaica aus Chotscho, I, APAW, Berlin, 1912.
- Man., II — A. Le Coq. Türkische Manichaica aus Chotscho, II APAW Phil.-hist. Kl. Nr 3, Berlin, 1919.
- Man., III — A. Le Coq. Türkische Manichaica aus Chotscho, III ARAW Phil. — hist. Kl., Nr 2, Berlin, 1922.
- AF — A. Gabain. Altürkische Grammatik, Leipzig, 1950.
- U Sp. — W. W. Radloff. Uigurische Sprachdenkmäler. L., 1928.
- Zwei ug. Runeninschriften — G. J. Ramstedt. Zwei uigurische Runeninschriften in der Nord Mongolei, JSFOu XXX, Helsingfors, 1913, pp. 1—63.
- Cypr. — Suvarnaprabhasa (Сутра „Золотой блеск“). Текст уйгурской редакции, изд. В. В. Радловым и С. Е. Маловым. Bibliotheca Buddhica, XVII, вып. I—VIII, СПб., 1913-1917.
- Th — W. Radloff. Tisastvustik. Ein in türkischer Sprache bearbeitetes buddhistisches Sutra. Bibliotheca Buddhica, XII, СПб., 1913—1917.
- TC — W. Bang ve R. R. Arat. Türki Cehenemler üzerine Uygurca parçalar. T. M.
- Vür. Шт. — W. Bang und A. von Gabain. Ein Uigurisches Fragment über den Manichäischen Windgott. U J b, 1928.
- KP — P. Pelliot. La version ougoure de l'histoire des princes Kalyanamkara et Papamkara. Leiden, 1914.
- MG — W. Bang. Manichäische Hymnen. Museon, t. XXXVIII, Louvain, 1925.
- UI — Müller F. W. K. Uigurica (I), APAW, Berlin, 1908.
- UII — Müller F. W. K. Uigurica II, APAW, Berlin, 1910.
- UIII — Müller F. W. K. Uigurica III, Uigurische Avadanabruchstücke (I—VIII), APAW, 1920, Phil. — hist. Kl. N. 2, Berlin, 1922.
- UIV — Müller F. W. K. Uigurica IV, SPAW, Phil.-hist. Kl. XXIV, Berlin, 1931.
- LT — W. Bang und G. R. Rahmeti. Lieder aus Alturfan. AM, 1933.
- Ork. — Hüseyin Nâmik Orkun. Prens Kalyanamkara ve Papamkara. Istanbul, 1940.
- ETY — Hüseyin Orkun. Eski türk yazitlari. Istanbul, 1941, cilt I, II, III, IV.
- Л. — W. Bang und G. R. Arat. Die Legende von Oghur Qaghan. Berlin, 1932.
- МЛW. Bang. Manichäische Laienbeichtspiegel. Museon, 1923.
- ИСГТЯ I, II — Исследования по сравнительной грамматике тюркских языков, часть первая, М., 1955; часть вторая, М., 1956.
- APAW — Abhandlungen der K. Preuss. Akademie der Wissenschaften, Berlin.

- JSFOu — Journal de la Société Finno-Ougrienne, Helsinki.
- KCSA — Körösi Csoma — Archivum, Budapest.
- KSz. — Keleti Szemle, Budapest.
- MSFOu — Mémoires de la Société Finno-Ougrienne, Helsinki.
- NSoS — Mitteilungen des Seminars für orientalische Sprachen, Berlin.
- RO — Rocznik Orientalistyczny, Kraków.
- SBAW — Sitzungsberichte der Bayerischen Akademie der Wissenschaften, Berlin.
- SPAW — Sitzungsberichte der Preussischen Akademie der Wissenschaften, Berlin.
- STO — Studia Orientalia, Helsinki.
- ZDMG = Zeitschrift der Deutschen Morgenländischen Gesellschaft, Leipzig.

\* \* \*

- |                                |                            |
|--------------------------------|----------------------------|
| бошқ. — бошқирд тили           | түх. — түхор тили          |
| грек — грек тили               | уйғ. — уйғур тили          |
| ж. — журнал                    | хак. — хакас тили          |
| кар. — корейс тили             | хит. — хитой тили          |
| нр. — ногой тили               | чув. — чуваш тили          |
| санскр. скр. — санскрит тили   | шор. — шор тили            |
| сб. — сборник                  | яп. — япон тили            |
| ср. — пер. — средне-персидский | узб. — ўзбек тили          |
| сүд. — сүд тили                | қозоқ. — қозоқ тили        |
| тат. — татар тили              | қум. — қумиқ тили          |
| турк. — турк тили              | қ. қалп. — қорақалпоқ тили |
| туркм. — туркман тили          | NF — Neue Folge            |

## СЎЗ БОШИ

Маълумки, ўзбек миллий тили ўз тараққиётида мураккаб процессларни кечирди. Ўзбек миллий тилининг тараққиёт қонунлари ва унинг бошқа тиллар билан бўлган алоқаси ва муносабати ҳанузгача тўлиқ ва мукамал ўрганилмаган.

Шуни алоҳида қайд қилиш керакки, бу проблемани илмий ҳал қилишда эски обидалар тилини ўрганиш, шубҳасиз, катта аҳамият касб этади.

«Ўзбек тилининг тарихий морфологияси» деб номланган китоб уч қисмдан иборат:

I. Эски обидалар тилининг морфологияси

II. XI—XIV аср ёдномалар тилининг морфологияси

III. XV—XIX аср ёдгорликлар тилининг морфологияси.

Бу иш — «Эски обидалар тилининг морфологияси» — туркий тиллар учун муштарак бўлган қадимги обидалар тилини ёритишга бағишланади.

Ушбу ишнинг ёзилишида ўзларининг самимий маслаҳатлари ва дўстлик ёрдамларини аямаган барча ўртоқларга авторчин қалбдан миннатдорчилик изҳор этади.

## КИРИШ

Ўзбек тилининг тарихий морфологиясини илмий асосда ўрганиш тилшуносликнинг актуал проблемаларидан саналади. СССР ФА корреспондент аъзоси Б. А. Серебренников жуда тўғри қайд қилганидек, туркий тиллар тарихий морфологиясини яратишда, дастлаб бу тиллар учун энг қадимда муштарак бўлган муҳим хусусиятларни аниқлаш керак бўлади. Бу эса ҳар бир конкрет туркий тилининг кейинги тараққиёт процессини тўғри ёритишда, уни чуқур илмий таҳлил қилишда катта аҳамият касб этади.

Айрим морфологик формаларнинг архитипларини аниқлашда, қатор туркий тилларнинг морфологик қурилишининг такомиллашини ўрганиш борасида энг қадимги обидалар тили жуда муҳим манба бўлиб ҳисобланади.

Одатда қадимги текстлар дейилганда ўрхун-енисей обидалар тили тушунилади. Ҳақиқатан ҳам ўрхун-енисей текстлари тил тарихи учун жуда қимматлидир. (Мазкур текстларнинг топиллиш, ўқилиш ва ўрганилиш тарихи совет турколог олимлари С. Е. Малов, И. А. Батманов, В. М. Насилов, А. М. Шчербакларнинг асарларида тўла ёритилган).

Ўрхун-енисей текстлари билан бирга уйғур, турфон, манихей ёдномалари ҳам беқийёс муҳим манбалардан саналади. Шуни айтиш керакки, мазкур текстларни баъзан қадимги уйғурларники деб баҳолайдилар. Бизнингча, масалага бундай қараш етарли асосга эга эмас.

Уйғур, манихей, турфон текстларини уйғурларники деб қараш мазкур текстларни чуқур ўрганишдан келиб чиқади. Аслида бу текстлар Ўрта Осиёдаги туркий халқларнинг ҳам умумий мулки деб баҳолашни керак.

Юқорида қайд қилинган барча текстларнинг ҳар бири ўзинга хос хусусиятларга эга бўлсада, улар орасида тил жиҳат-

дан ўхшашлик ва яқинлик ҳам мавжуддирки, бу нарса ўз вақтида Альберт Лякок, П. Пелльо, В. Банг, А. Габэн каби олимларнинг диққатини жалб этган эди.

Бу ишда қуйидаги обидаларнинг морфологик қурилиши ўрганилди:

- С. Е. Малов, Памятники древнетюркской письменности, М.—Л., 1951; Енисейская письменность тюрков, М.—Л., 1952; Памятники древнетюркской письменности Монголии и Киргизии, М.—Л., 1959; Таласские эпиграфические памятники, Материалы Уэкомстариса, 7; Два уйгурских документа, Сборник статей В. В. Бартольда, Ташкент, 1927; Древнетюркские надписи с надписями бассейна р. Талас, «Известия АН СССР», Отдел гуманитарных наук, 1929.
- П. М. Мелиоранский, Памятник в честь Кюль-Тегина, ЗВО, т. XII, вып. II—III, СПб., 1899; Документ уйгурского письма Султана Омаршейха, ЗВО, т. XVI, вып. I, СПб., 1904.
- В. В. Радлов, Ярлык Токтамыша и Темир-Кулуга, ЗВО, т. III, СПб., 1888.
- В. В. Радлов, П. М. Мелиоранский, Древнетюркские памятники в Кошо-Цайдаме, Труды Орханской экспедиции, вып. IV, СПб., 1897.
- И. А. Батманов, З. Б. Арагачи, Г. Ф. Бабушкин, Современная и древняя Енисея, Фрунзе, 1962.
- И. А. Батманов, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности, Фрунзе, 1959.
- ФЭИ Из-я Шэн (КНР) и Э. Тенишев, Три новых уйгурских документа из Турфана, «Проблемы востоковедения», 1960, № 5.
- Иштван Эрдейи, Новая руническая надпись из Венгрии, «Эпиграфика Востока», XII.
- З. Б. Арагачи, Памятник с Эленста, Ученые записки Тувинского научно-исследовательского института языка, литературы и истории, вып. IX.
- А. М. Шербак, Новая руническая надпись на камне, Ученые записки Тувинского научно-исследовательского института языка, литературы и истории, вып. IX; Знаки на керамике из Саргала, «Эпиграфика Востока», XII.
- Э. Р. Рыгдыло, О знаках на плитках с руническими надписями, «Эпиграфика Востока», IX; К древнетюркским рунам Прибайкалья, «Эпиграфика Востока», VIII. «Эпиграфика Востока» (IV, V, XI, XII) журналы А. Н. Бернштам, Э. Р. Рыгдыло, Ю. Л. Араичин, Э. Р. Тенишевлар руник обидаларидан абрим текстларин келтиришган.
- W. Radloff, Uigurische Sprachdenkmäler, L., 1928
- W. Radloff und S. Malof, Suvarnaprabhasa, Bibliotheca Buddhica, XVII, вып. I—XVIII, СПб., 1913—1917.
- A. von Gabain, Altürkische Grammatik, Leipzig, 1950.
- F. W. K. Müller, Uigurica — I—IV, ABAW 1908; ABAW 1010; ABAW 1922; ABAW 1931.
- A. von Gabain, Türkische Turfan — Texte VIII—X; ABAW 1954; ABAW 1958; ABAW 1959.
- A. V. Le Coq, Türkische Manichaica aus Chotscho I—III, ABAW, Berlin, I 1922; II 1919; III 1922.

W. Bang und A. von Gabain, Türkische Turfan — Texte I—VII, 1929—1936.

W. Bang und A. von Gabain, Analytischer Index zu den fünf ersten Stücken der Türkische Turfan — Texte SPAW, Berlin, 1931.

W. Bang und A. von Gabain, Ein uigurisches Fragment über den Manicheischen Weltgott, uJ, Bd. VIII, n. 3—4, Berlin 1928.

W. Bang, Manichäische Hymnen, Museon, t. XXXVIII, Louvain, 1925.

G. R. Rachmatli, Zur Heilkunde der Uiguren, SPAW, Phil — hist — Kl., XXIV, Berlin, 1930.

W. Radloff, Tiuastuvistik. Ein in türkischer Sprache bearbeitetes buddhistisches Sutra, Bibliotheca Buddhica, XII, СПб., 1910.

G. J. Ramstedt, Zwei uigurische Runeninschriften in der Nord Mongolei, JSFOU, XXX.

W. Bang ve R. R. Arat, Türlü Cehenemler üzerine Uygurca Parçalar. Vilh. Thomsen. Decchiffrement des inscriptions de l'Orkhon et de l'Lehissee. Copenhague, 1894.

W. Radloff, Die Altürkischen Inschriften der Mongolei; 1—3, СПб., 1895; Neue Folge, СПб., 1897.

V. Thomsen, Turcica. Helsingfors, 1916 кабилар.

Китобда фойдаланилган обидалар ҳақидаги тула маълумот «Библиография»да келтирилган.

Юқорида кўрсатилган обидаларнинг тил хусусиятларини ўрганишга бағишланган илмий ишларни уч гуруҳга бўлиш мумкин:

1. Кўпчилик тадқиқотчилар эски текстларни нашр қилганда баъзи грамматик формаларни изоҳлаб ҳам берганлар: В. В. Радлов, П. М. Мелиоранский, С. Е. Малов, И. А. Батманов, А. М. Шербак, Э. Р. Тенишев, В. Томсен, Ю. Немец, В. Котвич, Т. Ковальский, А. Ленок, В. Банг, А. Габэн, Р. Арат, М. Ряснен, Г. И. Рамстедт, Х. Н. Оркун ва бошқалар.

2. Баъзи тадқиқотчилар мазукур текст тилининг грамматик харақтеристикасини берадилар: И. А. Батманов, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности, Фрунзе, 1959; И. А. Батманов, З. Б. Арагачи, Г. Ф. Бабушкин, Современная и древняя Енисея, Фрунзе, 1962; В. М. Насилов, Язык орхоно-енисейских памятников, М., 1960.

Юқорида келтирилган ёдномаларнинг баъзилари А. М. Шербак асарида ҳам кўрилган («Грамматический очерк языка тюркских текстов X—XIII вв. из Восточного Туркестана», М.—Л., 1961). Чет давлатларда чиққан ишлардан проф. А. Габэн асарлари диққатга сазовор «Altürkische Grammatik», 2. verbesserte Auflage, Leipzig, 1950. A. von Gabain, Altürkische. Philologiae turcicae fundamenta. Jussu et auctoritate Unions Universae Studiosorum rerum orientalium, ediderunt J. Deny, K. Grönbech, H. Schell, Zeki Velidi Togan. I, 1959, Wiesbaden.

Бу ишларда жуда бой фактик материал билан бирга, илмий-назарий жиҳатдан қимматли фикрлар ҳам баён қилинган.

3. Баъзи бир тадқиқотчиларнинг ишлари эса, қадимги текстларнинг айрим морфологик, синтактик, фонетик масалаларига бағишланган: А. Н. Кононов, А. М. Шчербак, А. Исломов, Г. Айдаров, Д. Насилов, В. Г. Кондратьев, А. Габэн, А. Темир ва бошқалар.

Биз ўз ишимизда бу олимларнинг қимматли илмий тадқиқотлари натижаларидан фойдаландик.

Ишимизда ёдгорликлардан олинган кўпгина мисоллар ҳозирги замон ўзбек тилига таржима қилиб берилди, айрим ҳоллардагина таржима қилинмади. Техник сабабларга кўра *н* кўпинча *н*, *ө* базан *б*, *у-ў* билан берилган ва ёдномалардан олинган мисоллар анча соддалашган транскрипцияда келтирилган.

## ОТ

Отлар гуруҳини ташкил қилган сўзлар семантик нуқтан назардан турли-туман бўлиб, грамматик жиҳатдан сўз ясовчи аффикслар, эгалик, сон, келишиқ кўшимчалари билан харақтерланади.

Ёдгорликлардаги от туркумига кирувчи барча сўзларни икки гурӯпага, яъни атоқли ва турдош отларга ажратиш мумкин.

5 Булардан турдош отлар мазкур баҳсининг асосини ташкил этади. Атоқли отлар эса нисбатан кичик бир гуруҳни ўз ичига олади. Масалан: одамларнинг шахсий номлари [Култигим, Қапаган, Тонуқуқ, Чур, Йаглақар қан ата, да Туған Тутуқ, Тэнси, Хиродис қан, Қутаи, Әркилиқ қан, М(а)ғаради, Қолуды Бинтун, Толу қара, Мысыр Улуг, Әнч қара, Қол қара, Қудлуг Тәмүр], географик номлар<sup>1</sup> [Көгмән, Тамир қапығ, Шантун йазы, Амры, Аны, Байырқу, Бәнлигән, Бидилқым, Қочу, Тоғу], киши, ҳайвон лақаблари [Азман ақ 'от лақаби', Әсиз 'от лақаби'], астрономик номлар (Утарид 'Меркурий') каби.

6 Отлар гап структурасида эга, кесим, тўлдирувчи, аниқловчи каби функцияларда келади.

Отлар гапда бирлик ёки кўplikда, у ёки бу келишиқ, ё эгалиқ аффикси билан қўлланади.

### КўПЛИК КАТЕГОРИЯСИ

Отлар сон жиҳатдан бирлик ва кўplikка бўлинади. Бирлик маъносини ифодалашда махсус курсаткич иштирок этмайди.

<sup>1</sup> A. von Gabain. Über Ortsbezeichnungen im Altürkischen. Berlin, 1950.

Отларда кўплик маъноси морфологик, синтактик, лексик йўл билан ифода этилади. Ёдгорликларда отларнинг кўплик шакли асосан **-лар, -лардир**<sup>2</sup>.

Саноқли ўринлардагина кўплик аффикси **-ла, -ла** кўри-нишига эга: *ёйрлэтэ йатмыш кэрэк* 'ерларда ётиши керак' (ТТ VIII, 58).

Баъзан **-лар** аффикси эгалик қўшимчасидан сўнг келади: *тэнримлэрим* 'тангриларим' (Сувр., 155).

**-лар, -лар** бир қатор маънолар билан қўлланади:

Эркалаш маъносида (Pluralis honorificus): *тўрт бин ат-ларым йилқим* 'тўрт минг отим, йилқим' (ЕнПТ., 183); *тайларым* 'тойларим' (ЕнПТ., 74); *эмрэк оқўклэрим* 'севимли болаларим' (Сувр., 622); *огланларым* 'ўғлоним' (ПВ., 134); *эй эдгуларим*, *тэнримлэрим* 'эзгуларим, тангриларим' (Сувр., 155) каби.

<sup>2</sup> **-лар** аффиксининг этимологияси ҳақида бир қатор олимларнинг фикрлари билан қуйидаги ишларда танишиш мумкин: Н. А. Баскаков, К вопросу о происхождении условной формы на **-са, -се** в тюркских языках, Сб. Акад. В. А. Гордлевскому\* М., 1953, стр. 57—58; В. А. Богородицкий, Введение в татарское языковедение в связи с другими тюркскими языками, 2-е изд., Казань, 1953, стр. 167—168; А. Н. Кононов, Грамматика современного турецкого литературного языка, М.—Л., 1956, стр. 99; А. Ф. Фуюлов, Узбек тилида кўплик категорияси, Тошкент, 1944, 3—10-бетлар; Г. И. Рамstedт, Введение в алтайское языковедение, Морфология, М., 1957, стр. 25. 1. Deny, Türkçede 'ler' edatinin menşei Üçüncü Türk Dil Kurultayı, 1936, İstanbul, 1937, S. 291—295. A. C. Emre, Türkçede çoğul belgisi—lerin etimolojisi üzerine bir araştırma Türk Dili, seri II N 5—6, 1941, S. 105; Fuat Koseratif, Çoğul takdimini çıkaranı (—menşei) nedir? Türk Dili, seri III, N 10—11, 1947, S. 13—15; W. Bang, Studien zur vergleichenden Grammatik der Türkischen Sprachen, SPAW, XXXII, 1916, S. 924. T. Kowalski, Zur semantischen Funktion des Plural suffixes lar, İar in den Türkischen Sprachen, Krakow, 1936. O. Pristak Tschuwasschische Plural suffixe, Studia Altaica, v, 1957, S 137—155; C. Brockelmann, Osttürkische Grammatik der islamischen Literatursprachen Mittelalters, Leyden, 1954, S. 150—152; G. J. Ramstedt, Die Pluralendung mo.—nar tö—lar. ISFO, N 55, 2, Helsinki, 1951, S 35—36; M. Räsänen, Aus der türkischen Formenlehre I, Das türkische Plural-suffix lar—İar. Helsinki 1939; M. Räsänen, Materialien zur Morphologie der türkischen Sprachen, Helsinki, 1957, S. 52—56; K. Gränbech, Der türkische Sprachbau, I, Kopenhagen, 1936, Kapitel II, Die Mehrzahl, S. 65—111; P. Aalto, Altaica II, The suffixes—lar, —nar—İar, Studia Orientalia, XVIII, 7, Helsinki, 1952, S. 10—17; N. Poppe, Plural suffixes in the Altaic Languages, UAJ, Bd. XXIV, 1952 N 3—4, S. 65—83. N. Poppl., studies on Altaic and Uralic Plural Suffixes. Finnischugrische Forschungen, Helsinki, Bd. 31, 1953 S. 26—31, 3. Sinoor. On some urai—altaic plural suffixes. Asia Major, 1952 new series, vol. II, part 2; W. Kotwicz, Les pronoms dans les langues altaiques. Krakow, 1936, S. 23—30.

Маънони кучайтириш учун: *кўрклэ оглагу кўзлэри* 'гузал кўзлари' (ТТХ, 449); *қинари, гнтрвита улати тирилэр* 'ирин ойунин ирлайу будийу айаларын қавишуруп ирактын тире бурхангы бэз йыва турдоьлар' 'Қимнари Гандарви ва бошқа тангрилар куй, ўйин қилиб, оёқларини қовуштириб узокдан тангри Бурхонни мақтадилар' (ТТХ, 143—147); қиёслам: *айасым қавишур* (ТТХ, 262); *өз этөзлэри* 'уз вужуди' (ТТVIII, 69); *иқи эмилэри* 'иқки эмиги' (ТТХ, 446); *қимлэр* 'қимдир' (ТП, 69).

Гиперболик-кучайтириш маъносида: *оз бэ коьуларри* 'уз юраги' (Сувр., 609); *қунқуйларнын йурэклэри* 'бекаларнинг юраги' (ТТХ, 12) каби.

Тахмин маъносида: *қирқ йыллар* '40 йилча' (ЕнПТ., 81). Бирор нарсанинг кўплиги, ортиқлигини курсатади: *тоз топрақлар* 'тузон' (ТТVIII, 9); *инанчлар* 'ишончлар' (Сувр., 625); *тсанлары* 'ағилықлари' 'бойлик ва дон омбори' (Сувр., 607).

Қиши ёки предметнинг бирдан ортиқлигини билдиради: *бэглэри* 'беклари' (Тон.); *бурқанлар* 'бурхонлар' (Хуаст., 118); *эрлэр* 'ботирлар' (ЕнПТ., 26); *йақлэр* 'руҳлар' (Сувр., 154); *тангычлар* 'хизматчилар' (Сувр., 620); *сўзлэр* 'сўзлар' (Юр., XIII, 210); *сўнүклэр* 'суйяклар' (Сувр., 618).

Кўплик аффикси кўпинча уюшқч бўлак составидаги сузларнинг ҳар бирига кўшилиб келади: *йақлэр ичкэклэр* 'арвоқлар' (ТТХ, 328); *бгузлэр тоғлар* 'дарё ва тоғлар' (Сувр., 618); *қуртлар қонулар* 'қурт-қўнғизлар' (Сувр., 614) каби.

Баъзан уюшқч бўлакнинг биринчи сузига кўшилиб, маъноси бошқа сузларга ҳам тегишли бўлади: *брисстаглэр* *ғратаг* *пдвахтаг* 'брисстаглэр, хрестаглэр ва падвахтаглэр' (Хуаст., 119); *тўрт атларым йилқим* 'тўрт отим, йилқим' (ЕнПТ., 83) каби.

Айрим ўрида аниқловчи бўлиб келган сифатга қўшилиди: *ақлар булут* 'оқ булутлар' (ЛТ., 5); *қаралар булут* 'қора булутлар' (ЛТ., 1).

Кўплик аффикси **-лар, -лар** эски руник ёдномаларида феълларга қўшилиб келмайди. Феъллар билан **-лар, -лар** аффиксининг келиши (эга билан кесимнинг сонда мослашуви) сўнгги давр тилида, чунончи, турфон, манихей, уйгур текстларида мавжуд: *дындарлар ичэ қигинч бирдилэр* 'диндорлар шундай жавоб бердилар' (ТТII, 2); *тыкмылар бардоьлар* 'жониворлар келдилар' (ТТХ, 12); *бэглэр инанчлар бэглэнтурдоьлар* 'беклар ишончли одамларни узига келтирдилар' (Сувр., 625) каби.

Текшираётган давр ёдгорликларида кўплик, жамлик маъносиди (-**а**н, -**а**н, -**т**) аффикслари ҳам қўлланади. Буларнинг истемол доираси жуда тор бўлган: *эрэн* 'эр' (КТб., Гкн., U III); *эрэн қыркын* 'эр ва қизлар' (U III, 45); *оглан* 'ўғил', *бртэн* 'оташ' (АГ., 61) каби.

-**т** аффиксини қуйидаги сўзларда учратдик: *тарқат* 'рутба' (КТм., 28, *тарқан*); *аллаут* 'ботир(лар)' (U III, 65); қиёсланг: *аллағу* 'рутба' (КТб., 47); *тигит* (*тигин*); *шаданит* 'рутба, титул' (КТм., 28); *урунут* 'аскар' (Сувр., 401); *урунғу* 'кураш, уруш'; *байагут* 'бой' (U II, 36, 37); *байағу* 'бойлик'; *ташғут* 'шеър' (Ман., II, 7); қиёсланг: *ташғур* 'шеър ўқимоқ') *қийит* 'қийинлик' (Сувр., 51), *қийын* 'азоб'; *сут* (*сүн*) 'сут' каби.

-**т** билан келган айрим сўзлар шу давр тилида бирлик маъносини англатади: *тигитлар*, *тигинлар* (Сувр., 414, 608, 609, 416). Кўплик маъноси бошқа усуллар билан ҳам берилди (фелъ баҳсига қаранг).

Иккинчи усулда сўзнинг ўзак-негизи орқали ифодаланган маъно жамлик, кўпликни кўрсатади: *будун* 'халқ', *су* қўшин, *қаврағ* 'тўда', *эл* 'эл', биз, сиз каби.

Булар қаторига *кўз*, *кўғуз*, *муйуз*, *икиз*, *тиз*, *мўнўз* каби сўзлар ҳам киради.

Шуларда ва шунга ўхшаган сўзларда -**з** аффикси жуфт ёки кўплик маъно янглатувчи қўшимча сифатида қаралади<sup>1</sup>.

Синтактик йўл билан кўплик маъноси отнинг сон ёки миқдор билдирувчи сўз билан бирикши натижасида ҳосил бўлади: *уч эчим* 'уч акам' (ЕнПТ., 61); *йўз тилеким* 'юз тилагим' (ТТ VIII, 53);

Сўзларнинг такрорланиши натижасида: *мунча мунча* 'кўп', *оқуш оқуш* 'жуда кўп'; *эрүш оқуш браман* 'жуда кўп браманлар' (U II, III, 16); *өлгусуз өкүш* 'сон-саноқсиз' (U III, 12—15).

### Эгалик категорияси

Бир предметнинг маълум шахсга ёки предметга қарашли эканлигини ифодалаш уч йўл билан берилди: морфологик, синтактик, морфологик-синтактик.

<sup>1</sup> Маҳмуд Қошғарий, *Девону луготит турк*, Тошкент, 19-бет; K. Grönbach, *Der türkische Sprachbau*, Kopenhagen, 1936, S. 58; A. von Gabain, *Altürkische Grammatik*, Leipzig, 1950, S. 61; D. Spono, *On some ural-altaic plural suffixes*, АМ, N 3, vol. II, pt. 2, Leipzig, 1951, S. 208.

<sup>2</sup> -**з** аффикси ҳақида С. Е. Малов, А. Н. Колонов, Н. К. Дмитриев, Н. А. Баскэков, А. Фулод, Т. Ковальский, В. Банг, М. Рясанев, Г. И. Рамстедт, Б. Муинкач, Ю. Немец, Л. Дигети каби олимларнинг ишларида батафсил маълумот берилган.

Морфологик усул махсус эгалик аффикслари билан ифодланади. Булар қуйидагилар:

### Бирлик

- I шахс -**м**, -**ым**, -**им**, -**ум**, -**ўм**, (-**ам**, -**эм**)  
 II шахс -**ң**, -**ың**, -**иң**, -**уң**, -**ўң**, (-**аң**, -**эң**)  
 III шахс -**сы**, -**си**, -**зы**, -**зи**, -**ы**, (-**и**), -**и**, (-**и**).

### Кўлик

- I шахс -**мыз**, -**миз**, -**муз**, -**мўз**, -**ымыз**, -**имиз**, -**умуз**, -**ўмуз**, (-**амаз**, -**эмэз**)  
 II шахс -**ңыз**, -**ңиз**, -**ыңыз**, -**иңиз**, -**уңуз**, -**ўңуз** (-**аңаз**, -**эңэз**)  
 III шахс -**сы**, -**си**, -**зы**, -**зи**, -**сылар**, -**силар**, -**зылар**, -**зилар**, -**ылар**, -**илар**.

Мисоллар: *алтымш йашымда* 'олтмиш ёшимда' (ЕнПТ., II); *сүси* 'аскари' (КТб., 32); *Илтәреш қаған билди осин үчүн*, *алпын үчүн Табгачқа йети йәғирми сүкүшди* 'Элтереш хоқон билими, баҳодирлиги учун Табғочқа 17 марта қўшин торди' (Тон., 64); *көнүлүм* 'қўнглим' (ТТ II, 41); *эдин товарын* 'мол-мулкнинг' (ТТ I, 9).

Эгалик аффиксларининг -**ам**, -**им**, -**амаз**, -**аң**, -**амыз** каби вариантлари жуда кам қўлланилади: *қанамаз* 'отамиз' (Ман., I, 10); *адамимыз* 'адамимиз' (U IV, 19); *қылмышамаз* 'қилганимиз' (U IV, 112); *сачымаз* 'сочимиз' (U III, 55); *айган* 'сўзинг' (Ман., III, 23) каби.

Шуни ҳам айтиш керакки, -**ым**, -**им**, -**ум**, -**ўм**, -**уң**, -**ўн**, -**умуз**, -**ўмуз**, -**ымыз**, -**имиз** каби вариантларнинг қўлланилишида муайян мунтазамлик сақланмайди. Ҳатто бир сўзнинг ўзида ҳар хил вариантлар келади: *дэум* 'узим' (ПМК., 34; ТТ X); *дэим* (МН., 19; КТм).

Баъзи туркологларнинг фикрича, эгалик аффикслари кишилик оломларидан келиб чиққан. Кишилик оломларининг (*мэн*, *сэн*, *ол*, *биз*, *сиз*) эгалик аффиксларига айла-

<sup>3</sup> Н. К. Дмитриев, Категория принадлежности, ИСГТЯ, II т. М., 1956, стр. 22—27; Э. В. Севортян, Категория принадлежности, ИСГТЯ, II т. М., 1956, стр. 38—44; Г. И. Рамстедт, Введение в алтайское языковедение, Морфология, М., 1957, § 38; В. Котвич, Исследование по алтайским языкам, М., 1962; W. Radloff Die Altürkische Inschriften der Mongolei, Neue Folge, Spб, 1897, S. 73—74 O. Böhtlingk, Über die Sprache der Jakuten, Spб, 1851; W. Kotwicz, Les pronoms dans les langues altaïques, Krakow, 1936, S. 10. 87.

ниш процессида I шахс олмошидан (-*ман*) -*эн*, II шахс олмошидан (*сэн*) -*сэ* элементи тушиб қолган деб изоҳ берилди. Бу фикрга қўшилиш қийин.

Чунки нима сабабдан биринчи шахс олмошидан -*эн* элементи, яъни сўнги бўгин, иккинчи шахс олмошидан биринчи элемент -*сэ* тушиб қолган ва *н* бурун товушига айланган деган саволга қониқарли жавоб берилмайди. Шунинг учун юқоридаги фикр ҳақиқатдан узоқдек туюлади.

Бизнингча, эгалик аффикслари асосида кишилик олмоши эмас, бошқа бир элемент бор. Бу элемент қаратқич келишиги аффикси билан ҳам боғлиқ бўлса керак. Қиёсланг: I ш. м. II ш. -*н*; I ш. к. -*м* + *з*, II ш. к. -*н* + *з*, демак, эгалик асосан *м* ва *н* бўлиб, булар тарихан бир манбадан пайдо бўлган қадимги сўз ясовчи -*н*, -*р*, -*к*, -*м* аффикслар билан ҳам боғлиқ бўлса керак.

III шахс эгалик аффиксини баъзи олимлар III шахс олмошига, баъзилар эса, -*сын* || -*син* элементига боғлайдилар<sup>6</sup>.

**Синтактик йўл.** Бунда қаратқич келишигидаги от эгалики, унга мансуб бўлган предмет эгалик аффиксисиз келиб, қаралмиши ифодалайди: *мэнин эр* 'менинг ботирларим' (ПМК., 36); *бэгин от* 'бекнинг оти' (КТб., 31); *қара тэмирнин борлуқ* 'Қора темирнинг узумзори' (Юр., XIII, 210); *ол йэқнин йумишчи* 'у руҳнинг хизматчиси' (Сувр., 156) каби.

**Морфологик-синтактик йўл.** Бунда эгаликнинг икки усули қайтарилади, яъни биринчи марта қаратқич келишиги билан, иккинчи марта эса эгалик аффикси билан берилади: *мэнин будуним* 'менинг халқим' (МН., 17); *анын савы* 'унинг сўзи' (Хуаст., 117); *сэнин савын* 'сенинг сўзинг' (У III, 10); *бизин кылычмыз* 'бизнинг қиличларимиз' (ТТ IV, 37); *бизин эмгэкимиз* 'бизнинг қийинчилигимиз' (ТТХ, 68); *сизин илинзидэ* 'сизнинг элингизда' (ТТ II, 17) каби.

Абстракт эгалик маъноси қаратқич келишиги билан вужудга келади: *биз сизин* 'биз сизники' (ТТ III, 8); *сизин мэ* 'мен сизники' (Ман., III, 24); *мэнинлар ол* 'меники' (У III, 27).

Ёдномаларда асосан биринчи ва учинчи усул билан эгалики ифодалаш кенг қўлланилган. Бошқалари эса жуда кам ўринда учрайди.

<sup>6</sup> В. М. Насилов, Язык орхоно-енисейских памятников, М., 1960, стр. 27.

Отлар гапда бирор келишикда келиб, бошқа сўзлар билан турли муносабатда бўлади. Бу муносабатнинг шаклланиш тарихи жуда узоқ ўтмишга эга.

Қадимги ёдномалардаги келишиклар баҳсини текширган олимлар обидлар тилида мавжуд бўлган келишиклар сонини турлича курсатадилар: В. В. Радлов қадимги туркий ёдгорликлардаги келишикларни 8 тга бўлади: *Indefinitiv, Genetiv, Dativ, Accusativ, Instrumental, Locative (Abiatiu), Quantitativ, Directiv*.

И. А. Батманов қадимги енисей ва бошқа текстларнинг келишиклари ҳақида ёзар экан, унда 6 та келишик мавжудлигини қайд қилади: именительный (основной), родительный, винительный, дательно-направительный и инструментальный, местный.<sup>7</sup> В. М. Насилов ўрун-енисей ёдномаларидаги келишикларни 7 га бўлади: основной (прямой), винительный, инструментальный (творительный), дательный, направительный, местно-исходный<sup>8</sup>. Келишикларни бундай бўлиш А. Исломовнинг эски ёдномалар тилининг келишиклар системасига бағишланган асарига ҳам учрайди<sup>9</sup>.

Баъзан бу келишиклар грамматик (бош, қаратқич, тушум, восита) ва пайт-макон (жўналиш, ўрин-пайт, чиқиш) келишикларига ажратилади.

Ёдномаларни текшириш натижасида келишикларни грамматик ва пайт-макон группаларига бўлиш ўринсиз топилди, чунки қадимги ёдномаларда улар маъно ва функцияси жиҳатидан бири иккинчиси ўрнида кенг қўлланган. Эски оби-

<sup>7</sup> W. W. Radloff, Die Altürkische Inschriften der Mongolei, N. F. SpB., 1897, S. 60.

<sup>8</sup> И. А. Батманов, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности, Фрунзе, 1959, стр. 110—111.

<sup>9</sup> В. М. Насилов, Язык орхоно-енисейских памятников, ИВЛ, М., 1960, стр. 24—34.

<sup>10</sup> А. Исломов, Употребление падежей в языке древнетюркских памятников, Ученые записки Семипалат. гос. пед. ин-та, вып. 3, Семипалатинск, 1957, стр. 244.

Проф. А. Габан эски ёдгорликлардаги келишикларни қуйидагича бўлади: *Kasus Indefinitus, Genetiv, Dativ, Accusativ—Abiatiu, Instrumental, Agnativ, Direktiv. A von Gabalin. Altürkische Grammatik, Leipzig, 1950, S. 88—89.* Ҳозирги замон туркий тиллардаги келишиклар системасини текширган олимлар ҳам келишиклар сонини турлича белгилашди. Қиёсланг: Э. В. Севортян, Категория падежа. ИСТЯ, т. II, М., 1956, стр. 45—65.

А. Фулом, Узбек тилида келишиклар, СССР ФА Ўзбекистон филиалининг асарлари, II том, филология, 2-китоб, Узбек тилининг илмий грамматикаси учун материаллар, Тошкент, 1941.

далар тилида ҳар бир келишик узининг асосий функциясида ишлатилганда эди, у вақтда юқоридаги классификациядан фойдаланиш мумкин бўлур эди. Қадимги ёдгорликлар тилида куйидаги келишиклар мавжуд:

1. Бош келишик (маҳсус курсаткичага эга эмас).
2. Қаратқич келишиги **-ның, -ниң, -нуң, -нўң, -наң, -нәң, -ың, -иң, -ун, -ўң.**
3. Тушум келишиги **-ғ, -г, -ығ, -иг, -уғ, -ўғ, -ағ, -эг, -ы, -и, -н, -ны, -ни.**
4. Восита келишиги **-н, -ын, -ин, -ун, -ўн, -ан, -ән.**
5. Жўналиш келишиги **-ғару, -ғарў, -қару, -қарў, -ғар, -ғар, -ру, -рў, -ра, -рә, -қа, -кә, -ға, -гә, -а, -ә.**
6. Ҷўрин-пайт келишиги **-да, -дә, -та, -тә.**
7. Чиқиш келишиги **-дан, -дән, -дын, -дин, -дун, -дўн, -тан, -тән, -тын, -тин, -тун, -тўн.**

Келишиклар аффикси узак ёки негизга привативлик, сон, эгаллик аффиксларидан сўнг қўшилиб келади. Бир узакка икки келишик аффикси қўшилиб келиши ҳам учрайди: *мунтақа* 'бунда' (У III, 69; Ман., III 25); *бизнига* 'бизга' (КТб., Сувр.) *бизнигә* 'бизда' (Тон., Ман., 33); *бизнида* 'бизда' (Сувр., 61); *антада* 'унда', ўша ерда' (Хуаст., 118; Усп., 14; Ман., II); *сәнтадә* 'сенда' (У IV, 36); *тайтақа* 'эртага' (Усп., 13) каби.

Ёдномаларда қаратқич келишигидан сўнг жўналиш, ўрин-пайт, чиқиш каби келишикларнинг қўлланиши кўп мисолларда учрайди. Қадимги текстларда ўрин пайт, жўналиш (асосан *ра* курсаткичидан сўнг) келишикларидан сўнг **-ғи, -қи, -ки** аффиксларининг келиши мумкин:

Келишик аффиксларининг айрим маънолари кумакчи сўзлар орқали ҳам ифодаланади (бу ҳақда кумакчилар баҳасига қаранг).

Келишик аффиксларини қабул қилган бир талай сўзлар вақт ўтиши билан равишланиб (адвербиализация) кетган.

Отдан бошқа сўзларнинг олмош, от маъносига кўчган (отлашган) келишиклар билан турланиши кенг тарқалган ҳодисадир (келишикларнинг бу ҳолатда узига хос маъно ва функцияларга эга эканлиги ҳақида тегишли ўринда ёри-тамиз.)

## БОШ КЕЛИШИК

Бош келишикдаги сўз шахс, предмет ва ҳодисаларнинг номини курсатиб, бошқа келишиклар унга қўшилиб келади.

Бош келишикнинг маҳсус курсаткичи бўлмай<sup>11</sup>, гап структурасида бир кўп маъно ва функцияларга эга. Бу маъно ва функциялар айниқса эски руник обидалари тилида мавжуд бўлиб, ёдномаларда бош келишик бошқа келишикларнинг деярли ҳамма функциясини бажариб келади. Бу ҳол эски ёдномаларда келишиклар системасининг маъно ва функциялари ҳали тула шаклланиб етмаганлиги, феълларнинг бошқариш функциялари ҳали бирмунча тугалланмаганлиги, гап структураси, сўз тартиби ва уларнинг тузилиши каби ҳолатлар билан изоҳланади.

Бош келишикдаги сўзлар ёдномаларда эга вазифасида қўлланади. Унинг бу функцияси энг кенг тарқалган функция саналади. *ол ат анта олти* 'у от ўша жойда ўлди' (КТб., 31); *Табғач қаған йағғимиз эрти* 'Табғоч хоқон душманимиз эди' (Тон., 62); *бурқанлар кәлмиш* 'бурхонлар келди' (ТТ VI, 06); *ол ймә барти* 'у ҳам борди' (ТТ VIII, 13); *каби*.

Эски ёдномалар учун шу нарса характерлики, эга вазифасида кўпинча жонли предметлар қўлланади. Масалан: Туноқуқ ёдномасидаги 122 гапнинг фақат 11 тасида эга вазифасида жонсиз предмет келади<sup>12</sup>. Жонли предметнинг эга вазифасида кўп келиши Култегин ёдномасида ҳам қайд қилинади. Юқоридаги ёдгорликларда жонли предметнинг бунчалик кўп қўлланиши ёдномаларнинг мазмунин билан изоҳланади. Руник ёдномаларда эга вазифасида кишилик олмошларининг келиши жуда сийрак учрайди. Кишилик олмошнинг қўлланиши иш-ҳаракатнинг бажарилишида субъектнинг ҳаракатини алоҳида қайд қилиш тақозоси билан боғлиқ.

А. Исломовнинг кузатишича, 144 шахси гапнинг фақат 18 тасида эга кишилик олмошлари билан ифодаланган. Руник обидалар тилида иш-ҳаракатни бажарувчи субъектнинг ҳаракати **бз, бзўм** олмоши билан алоҳида кучайтирилади.

Бош келишикдаги сўз гапда қўшма кесим составида унинг от қисми вазифасида қўлланади. Қўшма кесим *эр змоқ*, *бол* 'булмоқ' феъллари ёрдамида ифодаланади: *бзўм шад эртим* 'ўзим шод эдим' (КТб., 30); *аз будум йағи болти* 'аз халқ душман бўлди' (КТб., 32); *олти сувлы*

<sup>11</sup> Шу сабабдан бўлса керак, баъзи талқиқотларда маъзур келишик ҳақида ҳеч нарса айтилмаган. С. М. Мугаллибов, Филология ва лексика тарихидан қисқача очерк. Тошкент, 1959, 35—36-бетлар.

<sup>12</sup> А. Исламов, Употребление падежей в языке древнетюркских памятников, Уч. зап. Семипалат. гос. пед. ин-та, вып. 3, Семипалатинск, 1957, стр. 244.

тэг түтүшлүг болурлар 'үт ва сувдек бир-бирига қарши буладилар' (ТТ VI, 64—5).

Преликатив аффикслар билан кесим булиб келади: *ол барча йәкләрнин қылынчы ол* 'у барча руҳларнинг ишидир' (ТТ VI, 66-7).

Бош келишик қаратқич келишиги функциясида. Бунда бош келишикдаги от изофанинг биринчи компоненти булиб келади. Изофали конструкцияда қатнашган қаралмиш эғалик аффикси ёки эғалик аффиксиз келиши мумкин. Эғалик аффиксини олмай келган изофали бирикма келиб чиқиши жиҳатидан энг қадимийдир.

Бунинг сунгги тараққиёти натижасида изофали бирикмадаги кейинги компонент (қаралмиши) эғалик аффикси билан қулана бошлаган.

Эски ёдномалар тилида иккала ҳолатнинг қулланишини учратамиз: *тоқуз оғуз будун* 'тўққиз ўғуз халқи' (Тон., 61); *турк будун* 'турк халқи' (Тон., 61); *изгил будун* 'изгил халқи' (КТб., 32); *турк оғуз бағлари будун* 'турк ва ўғуз бекалари, халқи' (КТб., 30); *қирғиз будун* 'қирғиз халқи' (Тон., 63).

Изофали бирикмадаги бош сўзга қаратқич келишигининг қулланилиши тил тараққиётининг сунгги даврига тааллуқлидир.

Бош келишик тушум келишиги функциясида. Бундай вақтда бош келишикдаги сўз объектни билдирди: *Табғач қантә бәдизчи кәлүртүм* 'Табғоч хондан наққош келтирдим' (КТм., 28); *үч отуз балық сьды* 'йигирма уч шаҳарни йўқ қилди' (Тон., 62); *Бәгуз таш тоқтәдмиз* 'мангу тош тикдәм' (КТм., 28); *бәсүш көнүл қотғыл* 'қайғули кўнгилини қўйғил' (ТТ I, II); *Тәтрү сақым тарқарғил* 'ёмон халели қўйғил' (ТТ, II); *дз бдунүз биртиниз* 'уз маслаҳатингизни бердингиз' (ТТ III, 101) каби.

Бош келишик восита келишиги функциясида. Бу ҳолат руник ёдномаларида кўп учрайди: *эки үч бин сүмүз кәлтмигиз* 'икки-уч минг аскар билан кетишимиз (керак)' (Тон., 62); *сү барын тиди* 'қўшин билан бор деди' (Тон., 63); *оғузғару сү ташықдмиз* 'ўғуз томон қўшин билан чиқдик' (КТб., 33); *сү сүләпан* 'аскар билан чиқиб' (КТб., 29); *тил талашур* 'тил билан талашади' (ТТ I, 10);

Бош келишик жўналиш келишиги функциясида. *Саз диндарлар йарлықасар* 'сиз диндорларга буюрсангиз' (ТТ II, 49).

Бош келишик ўрин-пайт келишиги функциясида. *Мағи Қурған қишлап йазына оғузғару сү ташықдмиз* 'Мағи

қурғонда қишлаб, ёзда ўғузлар томон қўшин торгдик' (КТб., 33); *үч әлиг йашым адырылдым* 'қирқ уч ёшимда айрилдим' (ЕнПТ., 43); *Отукан йир олурыл* 'Утикан ерда қолиб' (КТм., 28); *окуш тәлим бәрүнч көнүл тутғыл* 'жуذا кўп шодлик, хурсандлик кўнгилда тутгин' (ТТ I, 11).

Бош келишик чиқиш келишиги функциясида. *Қадашим адырылдым*, *ийү қунда қунчуйым*, *сәкиз оғлым адырылдым* 'дўстларимдан айрилдим, қасрдаги канизакларимдан айрилдим, саккизта ўғлимдан айрилдим' (ЕнПТ., 68); *әдзү қадашим адырылдым* 'эзгу дўстларимдан айрилдим' (ЕнПТ., 36); *йол асар* 'йўлдан аданса' (ТТ I, 18); *ажун ажуна узун бдун тәгинларур* 'ҳаётдан ҳаётга узун вақт олиб борадилар' (У III, 4); *көнүлтәки әдзүләри кун кунинә битих* 'кўнгилдаги эзгу (ниятлари) кундан кунга усди' (ТТ III, 131).

Бош келишик изофал функциясида. *Иним Күлтигин* 'иним Күлтетин!' (КТб.)

Бош келишик ундалма (вокатив) функциясида. *Турк бәлләр будун, буни әшидин!* 'Турк бекалари, халқи буни эшитинг!' (КТм., 28).

#### ҚАРАТҚИЧ КЕЛИШИГИ

Қаратқич келишиги қуйидаги аффикслар билан ифодаданган: *-ның*, *-ниң*, *-нун*, *-нүн*, *-наң*, *-нәң*, *-ың*, *-ий*, *-уң*, *-ўң*<sup>19</sup>. Бу аффикслардан *-ның*, *-нун*, *-наң*, *-ың*, *-уң*, *-уң* шакллари қаттиқ узақли сузлар билан, *-ниң*, *-нүн*, *-нәң*, *-иң*, *-ўң* юмшоқ узақли сузлар билан келади. Масалан: *қаннын*, *Бабыркунун*, *буханларнан*, *тадықын*. *Чурын*, *кимүн*, *йүлтүзүнн*, *кәнтүнүн*, *кишинән*, *бизин*.

Брахми ёзувида турфон текстларида *-ноң* шакли ҳам учрайди *бгнб* 'онанинг' (ТТ VIII, 30).

Бу аффиксларни ишлатишда маълум бир мунтазамлик, аффикс қўшилган сўз билан қатъий уйғунлашиш каби ҳолат бир ҳолидага келмаган. Юқорида санаб утилган вариант-

<sup>19</sup> С. В. Ястремский, Палежные суффиксы в якутском языке-Иркутск, 1898; В. А. Богородицкий, Имя существительное: склонение (простое и притяжательное) и сравнительный очерк падежных окончаний татарского языка. Введение в татарское языкознание в связи с другими тюркскими языками. Изд. 2-е. Казань, 1953; Э. В. Севортян, К истории падежной системы в тюркских языках. Уч. зап. Воен. инст. иностр. языков, № 6, 1948, стр. 95. Н. А. Баскаков, Соотношение значений местоимений в тюркских языках, Институт языкознания. Доклады и сообщения, т. I, М., 1952, стр. 135. M. Räsänen, Materialien zur Morphologie..., S. 56—57. J. De nuy Grammaire de la langue turque, Paris, 1921.

ларнинг қадимги обидаларда қўлланиши маълум бир сўз туркумига кирган сўзлар билан белгиланмайди, яъни сўнгги давр тилларида, масалан, «Қутадуғу билик» «Девону луғотит турк» да қаратқич келишигининг *-ың, -иң, -уң, -ўң* шакллари билан қўлланилиш доираси олмошлар билан чегараланган бўлиб, улар бошқа сўзлар билан ишлатилмасан<sup>14</sup>, ўрхун-енисей, уйғур, турфон, манихей ёдномаларида эса бундай чегараланиш кузатилаётди. Масалан: *мэнин, бизин, бэгин, эвин, бэгини, бурханларнай, бурханларний* каби.

Қаратқич келишигининг руник обидалар тилида қўлланиш доираси тор бўлган, сўнроқ уйғур, манихей, турфон текстларида ва бошқа ёдгорликларда кенгайган. Унинг маъносини қаралмиш билан ифодаланган предметнинг маълум шахс, предметга тегишли, қарашли эканлигини англатади: *Билгэ қаганин будуны* 'Билга хоқоннинг халқи' (Онг., П. 9); *мэнин сүм* 'менинг аскарим' (ПМК., 37); *мэнин сабым* 'менинг сўзим' (КТм., 28); *Күлтегинин алтунун күмүшин* 'Күлтегиннинг олтинини, кумушини' (КТб., 30); *мэнин күчүм* 'менинг кучим' (Сувр., 613); *бу мэнин этбэзүм* 'бу менинг вужудим' (Сувр., 611); *мэнин сақиччым* 'менинг фикрим' (ТТ VIII, 28); *мэнин синлим* 'менинг сингим' (ТТХ, 484); *бурханларнай эрдисиси* 'бурханларнинг шеърлари' (У III, 30; 32-3); *улуғларнын қылынчларығ қылымыз* 'улуғларнинг ишларини қилдик' (ТТ IV, 2-3) каби.

Юқоридаги мисолларда қаратқич келишиги билан келган сўз қаралмиш билан шахсда мослашади. Қаратқич келишигидаги сўз ўз қаралмиши билан мослашмай келиши ҳам мумкин: *энин киши* 'уйиниғ кишини' (Хуаст., 117); *Сизин эр ат* 'сизнинг эр отингиз' (ЕяПТ., 50); *Қууш бақшынун оқ йир* 'Қууш бақшининг ери' (Юр. II, 206); *Кул қара Қобузнын йир* 'Кул қара Қобузнинг ери' (Юр., II, 206); *Хормузда тэнринин дидим тэг* 'Хўрмузда тангрининг Дидим тек' (ТТ IX, 11); *бодиствынн сунуклар* 'будисатванинг суяклари' (Сувр., 625) каби.

Бутуннинг бўлагини — қаратқич бутунни, қаралмиш унинг бир қисмини, бўлагини англатади:

*адығын қарны* 'айқиннинг қорни' (Гкн., 80); *тбкүзүн азыгы* 'тўнғизнинг озиқ тиши' (Гкн. 80); *бодиствынн дмгэни*

<sup>14</sup> Қ. Каримов, «Қутадуғу билик» тилида келмиш аффикслари ва уларнинг ишлатилишидаги фонетик қонуниятлар, «Ўзбек тили ва адабиёти масалалари», 1962, № 2.

'будисатванинг томоғи' (Сувр., 618); *кишилэрний бойунлары* 'кишиларнинг буйинлари' (Сувр., 156); *бишккний булуни* 'бишккнинг бурчағи' (ПВ., 135).

Қаратқич келишиги турли муносабат ва алоқани билдиради: *турк будунын илик тбрусин тутта бирмиш* 'турк халқининг элини, давлатини қувватлади' (КТм., 28); *атаваки йэкинн күвэнчлиг тағы* 'атаваки руҳининг қувончли тоғи' (ТТ X, 21); *эрклиг қаннин бу йарлыкы* 'эрклик хоннинг бу буйруги' (Сувр., 156); *хамағнын умугы ынағы* 'ҳамманинг ишончи, умиди' (ТТ X, 111); *нэчэ-нэчэ кишилэрний сансыз сақшисыз* 'эзлағузг длармэклэрин көртүм' 'сон-саноксиз кишиларнинг ўлганини кўрдим' (Сувр., 155).

Қаратқич келишигидаги сўз тўдадан қисм, партия маъноларини англатади: *ол уч оғрыларнын бирин аз нызвани оғрынта олурмиш айғғ кишилэр* 'у уч ўғрилардан бирини аз нызвани (бахиллик) юзасидан ёмон кишилэр ўлдирдилэр' (ТТ II, 16).

Қаратқич келишиги абстракт эгалик маъносини англатади: *ол мэнин 'у меники'* (ТТ X, 291); *пышығ эрсэр сенин теп* 'ағар пишган бўлса сеники деб' (ТТ VIII, 12); *қайу мэнин эрдилэр эрсэр* 'қайси бири меники бўлганда эди' (ТТ VIII, 29); *бу нишан биз икэгунин ол* 'бу нишон икковимизникидур' (Юр., XVI, 213); *бу нишан мэв Илчиний ол* 'бу нишон мен элчиники' (Юр., XXVIII, 216); *бу нишан мэв Мэркидиний ол* 'бу нишон мен Маркидиники' (Юр., III, 210) каби.

Қаратқич келишиги тушум келишиги функциясида қўлланади: *айығлы савыннын айлыртты йоқ* 'яхши ёмон сўзининг фарқи йўқ' (ТТ I, 10); *ол айығ қылынчкун билмэз эртим* 'у ёмон ишларни билмас эдим' (Сувр., 155) каби.

Қаратқич келишиги нисбат бериш, қийслаш маъносига: *бодиств тигинийн улуғы* 'будисатва тегиандан энг улуғи' (Сувр., 618); *қаннын улуғы, хондан улуғы* (Сувр., 607); *баш башнын имэ ананд* 'бошлиқларнинг бошлиғи — Ананд' (ТТ VIII, 12).

Ёдномаларда қарашлилик муносабатини ифодалашнинг қаратқич келишигидаган бошқа усуллари ҳам мавжуд.

Қаратқич билан қаралмиш уртасидаги муносабат *-лик, -лык, -лиг, -лүг, -лығ, -луғ* каби аффикслар орқали ифодаланади. Бунда қаратқич келишигининг аффикси маъно ва функция жиҳатидан *-лык, -лығ* шакллариға мос келади:

қанлык суси 'хоннинг аскари' (Гкн., 84); *билиглиг шату* 'билимнинг шотиси' (ТТ III, 15); *бтунмэклиг брт* 'утинчининг оташни' (У III, 51); *этбэлэу агылык* 'вужуднинг хазинаси' (У III, 15); *шиг бэлэу эрдни* 'хаётнинг қимматбахоллиги, усунлиги' (У III, 11); *амраммақлык күч* 'севгининг кучи' (ТТ VIII, 10); *Бурхан эсанки — лыг йолта* 'Бурхон эсанкиннинг йулида' (ТТ X, 10) каби.

### ТУШУМ КЕЛИШИГИ

Тушум келишиги куйидаги аффикслар орқали ифодаланган: *-р, -г, -ыг, -иг, -уғ, -ағ, -эг, -ы, -и, -н, -ни, -ны*<sup>10</sup>.

Едноомалар тилида *-ғ, -ыг, -уг, -ағ* (қаттиқ унли ўзақда), *-г, -иг, ўг, -эг* (юмшоқ унли ўзақда) аффикслари тушум келишигининг бошқа аффиксларига нисбатан кенгроқ қўлланган.

*-ыг, -иг, -уғ, -ўғ, -ағ, -эг* шаклларининг қўлланишида маълум бир мунтазамлик сақланмабди.

Хатто бир еднономанинг ўзида ҳам бу формаларнинг қўлланишида изчиллик сақланмайди: *савыг* 'сўзни' (ТТХ, 10 61) *саваг* 'сўзни' (ТТ X, 477, 466, 21); *бурханаг* 'бурхонни' (ТТ X, 333, 367); *бурханыг* 'бурхонни' (ТТ X, 147, 320/321); *субуг* 'сўзни' (Тон., 63); *сабыг* 'сўзни' (Тон., 63); *қарагуг* 'соқчиларни' (Тон., 64); *аагыг* 'душманни' (Тон., 64); *номуг* 'китобни' (Хуаст., 117); *номыг* 'китобни' (Хуаст., 118); *алтунуг* 'олтинни' (ТТ I, 9); *номуг* 'китобни' (ТТ IX, 18) каби.

<sup>10</sup> И. А. Батманов, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности. Фрунзе, 1959, стр. 106. Э. В. Севортян, К истории каджей, стр. 52—53; Г. И. Рамstedт, Введение в алтайское языкознание, М., 1967, стр. 37, 229.

N. Poppo, Bemerkungen zu G. J. Ramstedts Einführung in die altaische Sprachwissenschaft, SVO 19, M. R ä s z n e n. Materialien zur Morphologie der türkischen Sprachen, Helsinki, 1957.

С. Муталабонинг фикрича XI аср тилида тушум келишиги аффикси феълларга ҳам қўшилб келган: *Кечлар кун ичандан керегинэ олиг*. Бу мисрада *керегинэ* сўзида тушум келишини аффикси қисқарган ҳолда ўзидан кейинги *ол* сўзига қўшилб келган; керегининг ол демаклир' („Морфология на лексика тарихидан қисқача очерк", 37-бет).

Шунинг қайд қилиш лозим бўладики, тушум ва бошқа келишик аффикслари ҳеч бир едномада феъл ўзигагина қўшилб келиб, ўша феълнинг турланишида иштирок этмаган. Феъллар умуман келишиклар билан турланмайди. Келишиклар от ва оташган сўзларга қўшиллади, ҳоло.

Юқорида С. Муталабон келтирган мисолда *ол* феълнига тушум келишиги аффикси қўшилмаган. Бунда ўзақ аффикс *-ин* орқали *олин* ҳосил бўлган ва 'ўзинг учун ол' деган маъно ифодалангани.

Бир ўринда тушум келишиги аффикси *-ғ* сўзнинг сўнгги бўғинидаги унлини ўзгартиради: *сутруг* 'сутрани' (ТТ VIII, 30; санскритча: сутра).

Бу формалар отлардан олдин кўрсатиш, кишилик-кўрсатиш олмошлари келганда қўлланади: *ол сабыг эшитил* 'ўша сўзни эшитиб' (Тон., 63); *ол йилқыг алып* 'ўша йилқиларни олиб' (Мн., 18); *ол сабыг алып* 'ўша сўзларга қулоқ солиб' (КТм., 28); *бу сабаг эшитил* 'бу сўзни эшитиб' (У III, 10-7); *бо қызыг мунда оқ титэйил* 'бу қизни шу ерда қолдирайин' (ТТХ, 543); *бу мунча савыг ичилэринэ бдэлэп* 'акаларига бу сўзларни сўзлаб' (Сувр., 611); *Магылор ол ташни алып*, 'Магилар ўша тошни олиб' (ПВ., 135) кабилар.

Тушум келишигидаги сўз сон билан келганда: *йитинч эриг қылымчады* 'еттинчи эрни қилчлади' (КТб., 32); *эки эриг удышу* 'икки эрни кетма-кет санчди' (КТб., 32); *тоқуз эриг санчды* 'тўққиз эрни санчди' (КТб., 33); *он эриг бдэртимиз* 'унта эрни ўлдирдик' (КТб., 33); *ики йилтимиз* 'уч доки номуг билимиз' 'икки илдинни (асосни) у замонли китобни билдик' (Хуаст., 118); *5 ўчмэклэриг* '5 учинини' (ТТ VIII, 14).

Тушум келишигидаги сўз *бир* сони билан келади. Бунда *бир* саноқ маъносига эга: *бир эриг санчды* 'бир эрни санчди' (КТб., 32); *бир огушуг* 'бир қабилини' (Мн., 17); *бир эриг* 'бир эрни' (ЕнПТ., 79) каби.

Тушум келишигидаги сўз аниқловчи билан бирга келганда: *Қыргыз қаган бдэрти қыз, илик алтымиз* 'кириз хоқонини ўлдирдик, элини олдик' (КТб., 32); *Тургиш буюнуг* 'ода басдымыз' 'Турғаш халқини уйқуда босдик' (КТб., 32); *тўқал билгэ тэри бурханыг йоқ йодун қылмазун* 'жуда билимли тангри бурхонни йўқ қилмасун' (ТТХ, 320); *ким эрди эрки бо бутун йиртинчү йир суудақы алку эллаларыг утмыш йигдэмиз* 'ким экан (у) бу бутун ер юзидаги баҳодирларни йўқотган' (ТТХ, 22); *Сансыз сақшисыз бдэлэуғ* 'сон-саноқсиз жондиларни' (Сувр., 155); *улуғларнын қылынчларыг қылымыз* 'улуғларнинг қилганларини қилдик' (ТТ IV, 2-3).

Тушум келишигидаги сўз атоқли от бўлганда: *аз элтэбариг тутды* 'аз элтабарни тутди' (КТб., 31); *Кўлтмигининг аз эрин иртүрү йтмыыз* 'Кўлтегинини оз эр билан юбордик' (КТб., 32); *бтру анта бултылар Мсиха тэнриг* 'шундан сўнг Мсиха — тангрини тоқдилар' (ПВ., 134).

Тушум келишигидаги сўз жонли предметни билдирганда: *тылыг кэлүрти* 'жосусни келтирди' (Тон., 63); *тигиниг тилэп* 'шаҳзодани қидириб' (Сувр., 621) каби.

Тушум келишигидаги сўз билан кесим ўртасида бир ёки бир неча сўз келганда: *қўйнинг қонлуғча ай* 'жазони кўнглингдайдек эг' (Тон., 63); *будуныг анта буздым* 'халқини уша жойда тор-мор қилдим' (МН., 16).

**-ны, -ни**<sup>10</sup>. Таркибда тил орқа унлилари мавжуд бўлган қаттиқ ўзақли сўзларга **-ны**, юмшоқ ўзақли сўзларга **-ни** қўшилиб келади. Руник обдаларида бу шакл камроқ учрайди. Мазкур аффикс кишилик олмошлари билан (бизни—ЕнПТ., 3+; бизни—Сувр.), эгалик аффиксининг кўпчилигини қабул қилган сўзлар билан (*билгимизни қонўлмузни*—Хуаст., 118; *бўлмузни*—ТТХ, 183; *мунумузни*—Сувр., 154), бирор аниқловчи билан келган сўзларда (*йўз элиг ббзини*—Юр. XVI, 210 *ол битигларни*—Юр., I, 102, *қатум кишини*—Юр. XVI каби) учрайди.

**-н** аффикси биринчи, иккинчи, учинчи шахс бирдик эгалик қўшимчасини олган сўзлардан сўнг қўшилиб келади: *эл Шалчы ақин бинип* 'ала Шолчи оқ отига утириб' (КТб., 32-33); *иниси эчисин билмэз эрти, оғли қаным билмэз эрти* 'укалари акаларини билмас эди, уғиллари оталарини билмас эди' (КТб., 33); *бу сабымни эшид* 'бу сўзмни эшит' (КТм., 27); *Мэнин сабымни сымади* 'менинг сўзмнга қулоқ солмади' (КТм., 28); *Илинин тбрукин* 'элинини давлатинини' (КТб., 30); *тылтақымни* 'сабабини' (Сувр., 154); *бу этбўзмин* 'бу вужудимни' (Сувр., 613); *дбўзмин қонўлмузин* 'фиқру хаёлимни, кўнглимни' (ТТ X, 463); *савын* 'сўзини' (ТТ I, 7); *бўзунин* 'ўзинини' (ТТ I, 7); *қонўлмузинин* 'кўнглинни' (ТТ I, 8) каби.

**-ы, -и**. Бу аффикс муаяян бир доирадаги сўзлар билан ишлатилади. *Кими* (ТТ.); *аны* (Тон., МН); *мэни* (ТТ, Юр.); *сини* (ТТ, Сувр.); *ҳини* (Тон.).

Баъзан *мэнини* ҳам учрайди (ТТ VIII, 61) каби.

Тушум келишигининг асосий функцияси иш-ҳаракатини ўз устига олган объектини ифодалашдир. Бу келишикдаги сўзларнинг кўпчилиги шу маънода қўлланади: *аз*

*элтэ бэриг тутон* 'аз элта барни тутди' (КТб., 32); *ол сабыг алып* 'ўши сўзга кириб' (КТм., 28); *бу саваг эшитип* 'бу сўзнини эшитиб' (U III, 107); *улуғларнин қылынчларыг қылымыз* 'улуғларнинг ишларини қилдик' (ТТ IV, 2-3); *йана камаг тэмизэг кэнтү йанчар* 'яна ҳамма темирни узи янчар' (Ман., 1, 8) каби.

Тушум келишиги иш-ҳаракат ёки воқеа-ҳодисанинг мавжуд бўлишини, эгаллашини англатади: *қаным қағаныг эчим қатуныг кбтүрмиш тэри* 'отамни хоқон қилиб, онамни бекач хоним қилиб қутарган таңгри' (КТб., 31); *азыг ўкўшиг кбртиг* 'озни кўп кўрдик' (Онг., П, 9).

Тушум келишигидаги сўз бор бўлиш, ҳозир бўлиш, мавжудлик (яъни бунала тушум келишиги **-ли** аффиксига тўғри келади), қурол, восита маъноларини англатади: *баз қағаныг балбал тикмиш* 'Баз хоқонли балбал тикди' (КТб., 30); *куғ сэнўниг балбал тикэ биртим* 'қўрсенгунли балбал ўтқаздим' (МН., 18); *будуныг тэри* 'халқи бор таңгри' (ПМК., 35); *қиқырмыш* 'ўнўғ қайқирган ун билан' (ТТ X, 365); *билгэ биллизг кўчүг кўчлэндбүргүлүк толү түгэл пышунмақлыг эдгүг экүсүсүз бүтүргүлүк йўз буанлыг итигин итингегүлүк, толү түгэл билгэ биллизг түпкүргүлүк, алгу бурқанчар ўзэ бигитмиш* (Сувр., 155).

9 Тушум келишиги қаратқич келишиги, эгалик маъносидан қўлланади. *Түрк будуныг аты кўси йоқ болмазун* 'турк халқининг оти, шуҳрати йўқ бўлмасин' (КТб., 31); *нэн бунўг йоқ* 'ҳеч гаминаг йўқ' (КТм., 28); *мэнин эр* 'менинг кишиларим' (ПМК., 36); *бизин кишлэркэ* 'бизнинг кишиларга' (Юр., II, 106); *қолурбиз сизин* 'сизники бўлиб қолурмиз' (ТТ IX, 9); *сэнин тэл* 'сеники деб' (ТТ VIII, 12).

Тушум келишиги жўналиш, ўрин-пайт, чиқиш келишиклари маъносидан қўлланади: *дбўзэн йэриг қонтым* 'ўткан ерига қўндим' (Тон., 62); *Қара сэнэриг йэрлэдим* 'Қора сенгерда жойлашдим' (ЕнПТ., 44); *Чугай қузын, Қора қумуг олурур эртимиз* 'Чугай қуз, Қора қумда жой қилдик' (Тон., 6'); *Аны субуг баралым* 'Ани сувидан борайлик' (Тон., 62); *ишлэмиз тоңлараг кэтмиш кэрэк* 'туқилган тўнлардан воз кечини керак' (ТТ VIII, 58); *айыг қылынчымынни кэнтү дкўнүл* 'ёмон ишларимдан ўзим қойиб' (Сувр., 155); *узэгүни бирисин қабып* 'учовидан бирисини тутиб' (Сувр., 627); *бизни та адын ким болгай* 'биздан бошқа яна ким ҳам бўлиди' (Сувр., 611).

Руник ёдномаларида тушум келишигидаги сўзлар уюшиб келганда уларнинг ҳаммасига тушум келишиги қўшимчаси

<sup>10</sup> Проф. А. Габэн **-ни, -ни** формаси **-г, -ыг, -иг** аффикслардан кейин пайдо бўлиб бошқа тиллардан кирган сўзлар билан қўлланади деб ёзди: А. von Gabaïn. Das Altürkische, S. 28; А. von Gabaïn, Altürkische Grammatik, Leipzig, S. 87. А. Габэннинг фикрича энг қадимги ёдгорликлардан бошлаб ҳозиргача бу форма қўлланилган. Ҳозирча маълум бўлган ёдномалардан энг қадимийси 'Хуастанинфит' саналади. Бу ёдномادا ҳам **-ны, -ни** мавжуд бўлиб, **-г, -ыг, -иг** аффикслари билан параллел келади: *йириг тэриг ким баратмыш* 'ер-қўнни яратди' (Хуаст., 118) *билгимизни қонўлмузни* 'илмимизни, билигимизни, кўнглимизни' (Хуаст., 118).

қушилиб келади: *ябғуг шадыг анта бәрмиш* 'ябғуни шодни ушанда берган' (КТБ., 30); *сачын қулақын, йанақын бычыды* 'сочини, қулогини, ёноқини кесди' (МН., 19); *суйумузны йазуқумузны босуйу бтүнмәк кәргәк әрми* 'айбимиз, гуноҳларимиздан қутулиш учун ўтиниш керак эди' (Хуаст., 119); *әбин барқин айлқын айламадым* 'уйини, қасрини поймол қилмадим' (ПМК., 35) каби.

Руник обидалари тилида жуда кам ҳоллардагина тушум келишиги гапнинг сўнги бўлагига қушилиб келади: *анта бтру түргәш қарлуқыг табарын алып* 'шундан сўнг түргәш қарлуқнинг мол-мулкни олиб' (ПМК., 36); *алтун кумлушг әгритәб әлдә киши қазғандым* 'олтин-кумушни, қимматбаҳо газмолларни ва кишилари олдим' (ЕнПТ., 33).

Сўнги давр ёдгорликларида нikkала ҳолатнинг параллел қўлланишини кўрамыз. Мун қатағларыг қартыг бәзиг йириниг қаныг игег агрыгы қорқынчыг айманчыг 'қайғу гап, яра, жароҳат, қон, йиринг, касал, оғриқ, қурқинч, хавф-сирашни' (Сувр., 614); *кәк алықыг* 'кенглик ва бепоемлики' (ТТ VIII, 25) каби.

Қуйида тушум келишиги билан келган феъллarning айримлари келтирилади: *блур* - 'ўлдирмоқ'; *санч* - 'санчмоқ'; *қирмалаш* - 'қирмалашмоқ'; *тарқар* - 'тарқамоқ'; *көзүн* - 'күринмоқ'; *сөзлә* - 'сўзламоқ'; *әшид* - 'әшитмоқ'; *турғур* - 'турғазмоқ'; *оқы* - 'ўқимоқ'; *ут-йигәд* - 'енгмоқ'; *бул* - 'топмоқ'; *көтур* - 'кўтармоқ'; *көр* - 'кўрмоқ'; *бил* - 'билмоқ'; *тит* - 'титмоқ'; *ти* - 'демоқ'; *бгит* - 'мақтамоқ'; *йар* - 'ермоқ'; *кишә* - 'кишанламоқ'; *артат* - 'йўқотмоқ'; *қон* - 'турмоқ, ҳаёт кечирмоқ'; *кәл* - 'келмоқ'; *айт* - 'жавоб қилдирмоқ'; *қонтур* - 'жойлаштирмоқ'; *башгур* - 'бошқармоқ, ўргатмоқ'; *ит* - 'қилмоқ, этмоқ'; *әлсирә* - 'давлатини йўқ қилмоқ'; *қағансыра* - 'хонликини йўқотмоқ'; *әр* - 'евоқ'; *баз қыл* - 'тинчлантирмоқ'; *кәч* - 'кечмоқ'; *бан* - 'боғламоқ'; *ал* - 'олмоқ'; *башла* - 'бошламоқ'; *қылычла* - 'қилчламоқ'; *бин* - 'минмоқ'; *ур* - 'урмоқ'; *бир* - 'бермоқ'; *бас* - 'босмоқ'; *йоры* - 'юрмоқ'; *ыд*, *ыт* - 'юбормоқ'; *йи* - 'евоқ'; *сы* - 'синдирмоқ'; *олур* - 'қолмоқ'; *йәрлә* - 'уй-жой қилмоқ'; *сақын* - 'ўйламоқ'; *йаратыт* - 'яраттирмоқ'; *сөкүр* - 'чўқтирмоқ'; *изид* - 'кўтарилмоқ'; *йагыла* - 'ўришмоқ'; *қыс* - 'қисмоқ'; *йыг* - 'йикитмоқ'; *аш* - 'ошмоқ'; *кәлтүр* - 'келтирмоқ'; *йүгүрт* - 'йүгуртирмоқ'; *буз* - 'енгмоқ'; *суқ* - 'урмоқ'; *йүкүнтүр* - 'юкиттирмоқ'; *бол* - 'бўлмоқ'; *тик* - 'тикмоқ'; *адырыл* - 'айрилмоқ'; *йоқ йодун қыл* - 'йўқотмоқ'; *тиллә* - 'тиламоқ'; *адыр* - 'айирмоқ'; *қаб* - 'ушламоқ, қамamoқ'; *қод* - 'қуймоқ'; *сат* - 'сотмоқ'; *ач* - 'очмоқ'; *бошү* - 'бушамoқ'; *тут* - 'тутмоқ'; *ййби* - 'елпимоқ'; *йоққыш* - 'йўқ қилмоқ' каби.

Келтирилган мисоллардан кўриниб турибдики, тушум келишиги ўтимли ва ўтимсиз феъллар билан қўлланган.

#### ВОСИТА КЕЛИШИГИ

Восита келишиги *-н*, *-ын*, *-ин*, *-ун*, *-ўн*, *-ан*, *-ән*<sup>17</sup> аффикслари билан ифодаланган. *-ан*, *-ән* шакллари жуда кам учрайди: *тәмйрән*, *қамуган*.

*-н* ушли товуш билан тугаган узакдан сўнг, *-ын*, *-ун* қаттиқ узаклардан сўнг, *-ин*, *-ўн* юмшоқ узакли сузлардан сўнг қушилиб келади.

Восита келишиги иш-ҳаракатнинг содир бўлиш, рўёбга чиқиш, воқеа-ҳодисанинг юз бериш ўрнини билдиради: *Отунқан ирим қышладым* 'ўтинкан ерида қышладим' (ПМК., 36); *киши ажунын булмыш айлануқларыг* 'киши дунёда тошган хатоларини' (ТТ X, 16-17); *тәйрйид кут буйан кәлтүр орпанды* 'улуг ўнгир бахти давлати ўзингда урнашди' (ТТ I, 72); *бағрын йатып* 'бағрида ётиб' (ТТ IV, 6) каби.

Восита келишиги иш-ҳаракатнинг бошланиш нуқтаси, чиқиш, ўтиш ўрни, процессинг ўзи берган ўрни каби маъноларни билдиради: *бу йолын йорысар* 'агар бу йўлдан юрса' (Тон., 62); *ол йолын йорысар у йўлдан юрса* (Тон., 62); *кәргүн сақышын Шыл башын йүрә кәлтү* 'Күргу, Сақиш Син — бошидан эриб келди' (ПМК., 35); *бу қылычын үзүти бошуммағай* 'бу ишидан вужуди бўшалмағай' (ТТ II, 31-32); *тукәл билгә тнри тнрис бурхан әсанкылы йолта бодиствләр йорыгын йорытур әркән...* 'туғал билмили тангриларнинг тангриси бурхон Асанқининг йулида Буди-сатва йуригидан юрар экан...' (ТТХ, 10) каби.

Восита келишигидаги сўз ҳаракатининг ўзига йўналганлигини, процессинг восита келишигидаги сўзга қаратилганлигини, сабабини билдиради: *ичин ташын адычыг бәдид уртуртым* 'ичига, ташқарисига бошқача нақш урдирдим' (КТм., 28); *бәгләрин будунм әртәнү этимаг итди*. 'бекларига, халқига юқори мартаба мойил қилди' (Мн., 19); *бунқа ташын бәкун тикәр бән* 'ғамда тошга мангу ёдгорлик ўрнатаман' (ЕнПТ., 95); *йадылып орун орун сайу*

<sup>17</sup> W. Radloff, Altürkischen Inschriften der Mongolei, Nene Folge, SPb., 1897, S. 83; А. К. Боревко в. Очерки истории узбекского языка. Советское востоковедение. VI, М.—Л., 1949, стр. 29; В. М. Насипов. Язык орхон-енисейских памятников. М., 1960, стр. 26; Р. И. Рамstedт. Введение в атайскую языковедение. М., 1957, стр. 49; M. Räsänen. Materialien zur Morphologie der türkischen Sprachen, S. 69.

ҳар жойга ёйилиб' (Сувр., 622); *ач барс ачмақ сувсамақ эмгэкин эртингү сағылыи унакииа дэгэли турур* 'оч барс очқиш, сувсаш қийинчилиги туфайли жуда сиқилиб ўлаёди' (Сувр., 610); *анын қорқды, бээди* 'шу сабабли қўрқди, безди' (ТТ II, 32) каби.

Восита келишиги пайт маъносини англатади: *ол йыл кўзүн илэрү йорыдым* 'ўша йил кузда илгари (шарққа)га юрдим (ПМК., 36); *отуз артуқк сэгиз йашыма қишын қытан тапа сүлэдим отуз артуқк тоқуз йашыма йазын татабы тапа сүлэдим* 'уттиз саккиз ёшимда қишда қи-танлар томон қўшин тортдим, уттиз тўққиз ёшимда ёзда Татабилар томон қўшин тортдим' (Мн., 18); *йарын йанра-йур* 'эрталаб яғлар' (Гнк., 81); *кўнин сайу тэнрикэ* 'ҳар кўни тангрига' (Хуаст., 119); *айын сүлэдим* 'ёзда қўшин тортдим' (Мн., 18) каби.

Иш-ҳаракатнинг давом қилиш пайтини билдиради: *й-лын айын турқару эр барқ ичиқтэ* 'йил, ой бўйи уй—қаср ичида' (ТТ VIII, 71).

Восита келишиги кўпинча биргалик (комитатив) маъносини билдиради. *Түрк будун қанын болмайын* 'түрк халқ хони билан будмай' (Тон., 61); *қағанымын сүлтэ-димиэ* 'хоқон билан қўшын тортди' (Тон., 64); *Улуғ Ир-кин азқына эрин тэзип барды* 'Улуғ Эркин озгина эр билан қочиб кетди' (КТБ., 31) *утру эки айлыг киши отлын соқушмыш* 'сунгра икки ойлик фарзанди билан учрашди (ГКн., 80); *басқуқин кэлэрүп* 'басқуқ билан келиб' (ТТХ., 366); *савларын сөзләшип* 'узаро сўзлашиб' (Сувр., 609);

Восита келишиги иш, процессининг юз беришидаги қурол, восита маъноларини англатиб келади. Бу маъно кенг истеъмолда булган семантика саналади: *тилин сөзлэп... қол-қақын эшидил* 'тили билан сўзлаб... қўлоғи билан эшитиб'... (Хуаст., 119); *адақын йорил... элигин сукуп...* 'оёғи билан юриб... қўли билан пайпаслаб'... (Хуаст., 120); *сүнйүгин асдымыэ* 'найза билан очдик' (Тон., 662); *элигин тутды* 'қўли билан тутди' (КТБ., 32); *оқын атып* 'ўқ билан отиб' (ТТ IV, 12); *қарақдықын кутэ түрүрлар* 'қўшин билан сени кутиб турурлар' (Сувр., 155); *кўчин тутиб* 'куч билан тутиб' (Юр., XVI, 213); *йашлыг кўзин йағлау* 'ёшли кўз билан йағлаб' (ТТХ, 298); *қылычын сангчылы ограда* 'қилич билан сангчани отилди' (ТТХ, 353); *қаттыг ўчин қи-қырты* 'қаттиқ уи овоз билан қийқирди' (ТТХ, 361); *қолын будйай* 'қўли билан ўйнаб' (У II, 24) каби.

Восита келишиги иш-ҳаракатнинг бажарилишидаги ҳолатини, бажарилиш усулини ифодалайди: *эртиш ўгу-*

*эзүг кэчигсизин кэрдимиз* 'Иртиш дарёсини кўприксиз кечдик' (Тон., 63); *тэнрикэ арығын тэгэди* 'тангрига тоза (бўлиб) етмади' (Хуаст., 118); *Кўлтигин йадағын оллауи тэгди* 'Кўлтегин яёв ҳужумга отилди (КТБ., 31); *тоз топрақ дэин сөн-ди* 'тузон ўзича сунди, тушди' (ТТ I, 7); *айанчан кёнулин йу-кўнгу* 'ҳурмат, эҳтиромга тулган кўнги билан ўтиниш керак' (ТТ III, 1); *кёзин қувақын* 'кўзи билан қўвониб' (ТТ X, 438); *сақынчыг кёнулин алпын эмгэкин илоркынта олурғалы тынлады* 'уйчан хаёл ва машаққат билан тахтга ўтиришга розилик берди' (У III, 10-8) каби.

Восита келишиги бирор нарсанинг предметда мавжудлигини, бирор нарсдан юзага келганини англатади: *эрин улғатым* 'эр бўлиб улғайдим' (ЕнПТ., 57); *тэмйрэн итил* — 'темирдан қилинмоқ' (Ман., 8, 11); *адайын лачын* 'оёқли лочин' (Сувр., 67); *түзүн қанларым* 'ҳимматли ота-ларим' (У III, II, 11) каби.

Айрим мисолларда восита келишиги аффикс -луғ аффикс билан қўшилиб келиб, мураккаб форма ҳосил қилади: -луғун. Бу шакл восита маъносидда қўлланади: *йэклэрлуғун сэнйү* 'руҳлар билан урушмоқ' (АГ., 30).

Руник ёдномаларида мавжуд булмаган -ла, -лэ аффикс ийгур, турфон текстларида восита келишиги аффикси уринда қўлланган. Мазкур аффикснинг истеъмол доираси чекланган бўлиб пайт, ҳолат каби маъноларда ишлатилади: *тўнлэ елўмлўг оғры кэлип* 'тунда ўлим келтирувчи ўғри келиб' (У III, 14; 8—10); *қара тўнлэ* 'қора тунда' (У III, 25, 18); *кимлэрнин тўнлэ йэмэ кўндүз йэмэ* 'кимларнинг тунда ҳам, кўндүз ҳам' (ТТ VIII, 14); *кёрклэ кавэсэ тоқылык инимиз эртин* 'кўрқка эга қоматли инимиз эдин' (Сувр., 619) каби.

Руник ва бошқа қадимги ёдгорликларда восита келишиги аффикс уюшқ бўлакни ташкил қилган ҳар бир сўзга қўшилиб келади: *йадағын йоланын* 'яёв яланг' (КТБ, 31); *сақынчын сёзин қылычын йэмэ кёзин кёрүп...* 'хаёл иш ва кўз билан кўриб (Хуаст., 119) каби.

Сунгги даврда уюшқ гапнинг ҳар бир компонентига ёки унинг энг кейинги сўзига қўшилиб келишини кузатамиз: *кўбүшин сақынчын ыдымыш* 'орзу-умид билан юборди' (ТТХ, 501); *кэндул унин* 'кўнгул ва овози билан' (Сувр., 155); *пусуслуғ қадгулуқын* 'гам-қайғу билан' (Сувр., 627) каби.

Восита келишиги билан феълларнинг руйхатини келтиришдан аввал шуни ҳам қайд қилиш керакки, текшириладётган давр ёдномалари тилида восита келишигининг маънола-ри бирлэ, ўзэ каби кўмақчилар билан ҳам берилган.

Бу кўмакчиларнинг истемол доираси кейинги давр тилда кенгайиб, восита келишигининг маънолари ва функциялари қисман кўмакчиларга ва қисман бошқа келишларга: жуналиш, урин-пайт, чиқши келишларига аста-секин ўтади.

Анализ қилинаётган даврда буларнинг параллел истемолда бўлганини кузатамиз.

Қуйида восита келишиги билан феълларнинг баъзиларини келтирамиз: *қйшла-қйшламоқ*; *йоры-йормоқ*; *сўлэ-уршмоқ*, *қўшин тортмоқ*, *-ид*, *ит-йобормоқ*, *йанра-қўнграмоқ*, *ары-лок бўлмоқ*, *оримоқ*, *йурэ кэл-йурб келмоқ*, *тут-тутмоқ*, *бол-бўлмоқ*, *кэл-келмоқ*, *ташық-қарши чикмоқ*, *тошиқмоқ*, *сбэлэ-сўзламоқ*, *гапирмоқ*, *эшид-эшитмоқ*, *длэлэ-атака*, *ҳужум қилмоқ*, *ач-очмоқ*, *бар-бормоқ*, *қабыш-қовушмоқ*, *бин-минмоқ*, *ур-урмоқ*, *ит-этмоқ*, *бир-бермоқ*, *кэч-кечмоқ*, *соқуш-учрашмоқ*, *тэк-тегмоқ*, *тик-тикмоқ*, *қыл-қилмоқ*, *урсық-урилмоқ*, *сықыл-сиқилмоқ*, *тит-титмоқ*, *қолун-сўрамоқ*, *тиланмоқ*, *қыкыра-қийқирмоқ*, *бир-бермоқ*, *салын-солинмоқ*, *тоқы-урмоқ*, *улы-улиммоқ*, *тэбрэ-тебрамоқ*, *те-демоқ*, *блур-ўлмоқ*, *кир-кирмоқ*, *тыгла-тингламоқ*, *йыгла-йыгламоқ*, *оқы-ўқимоқ*, *куээн-қувонмоқ*, *титрэ-титрамоқ*, *кёр-күрмоқ*, *қал-қолмоқ*, *санч-санчмоқ*, *бил-билмоқ* қабилар.

Восита келишиги ўтимли ва ўтимсиз феъллар билан келган.

### ЖУНАЛИШ КЕЛИШИГИ

Жўналиш келишиги аффикслари *-ғару*, *-гэрү*, *-қару*, *-кэрү*, *-гэр*, *-ғар*, *-ру*, *-рү*, *-ра*, *-рэ*, *-қа*, *-кэ*, *-га*, *-гэ*, *-йа*, *-йэ*, *-а*, *-э*<sup>18</sup> дир. *-ғару*, *-гэрү*, *-қару*, *-кэрү* истемол дои-

<sup>18</sup> W. Radloff. Die Alttürkische Inschriften der Mongolei, NF, Spb., 1897, S. 63. С. Е. Малов, Памятники древнетюркской письменности, стр. 45; В. М. Насилов, Язык орхоно-енисейских памятников, М., 1960; Э. В. Севортян, Категория падежа. ИСГТЯ II, стр. 60; А. Исламова, Употребление падежей в языке древнетюркских памятников, стр. 276; О. В. Захарова, Дательно-направительный падеж в языке «Кутадгу билиг», стр. 74; А. М. Шербак, Грамматический очерк языка тюркских текстов X-XIII вв. из Восточного Туркестана, М.-Л., 1961, стр. 85; Ф. Г. Исхаков, Имя существительное, ИСГТЯ II, стр. 103; J. Deуу, Grammaire de la langue turque, Paris, 1921.

Баъзи тадқиқотларда жўналиш келишиги кўшимчаларига *таба*, *табару* кўмакчиси киритилди, бу ҳақда С. Муталлибов «Морфология ва лексика тарихидан кичикча очерк» асарида куйидагиларни ёзади: «XI аср тилида жўналиш келишиги яна бошқа формалар билан ҳам ифодаланган. Масалан: *ул манинг тобору келди*. *Тобору* кўнимчаси ишнинг тамом бўлганлигини ҳам аниглади. *Манинг тобо келди*. Баъка *қурман алмиш* бу сўзлар *тобо* гапларида *тобору*, *тобо* сўзлари жўналиш келишиги

раси кенг бўлган аффикс саналади. Бу аффикс охири унли, жарангли ва жарангсиз ундошлар билан тугаган сўзларга қўшилиб келади. Мазкур шаклларнинг жарангли ундош билан бошланган варианты (*-ғару*, *-гэрү*) Култегин, Тўноққўқ обидалари тилида учраса, бошқаларида ихквала вариант қўланади: *тэрикерү* 'тангрига, тангри томон' (Хуаст., 119), *тэригэрү* (Гкн., 84) кэби.

Жўналиш келишигининг *-ғару*, *-гэрү* шакллари ҳаракатнинг ташқарига бўлган йўналишини кўрсатади. Жўналиш келишигида келган сўз ҳаракатининг жуналиш ўрини билдиради: *Табғачғару Қуни сэнкүгү идмыш Кутанғару Тейра сэмиз идмыш* 'Табғача Қуни Сентунки, Қутанга Тунграсемини уйборган' (Топ., 61); *Магы курган қышлар йазыма оғузғару сү ташықдымыз* 'Магикўргонда қишлар, ёзда ўғузлар сари қўшиш тортди' (КТб., 33); *тэри йирингүр баргаймэн* 'тангри ерига бораман' (ТТН, 1); *кэнтү тойынгару* 'ўз шаҳари томон' (Le Coq, S. 13, AW 1909, 1210)

Агар кесим тугалланган ҳаракатни аниқлаш, бунда жўналиш келишигидаги сўз ишнинг сўнгги чегарасини, нуқтасини кўрсатади: *биз уйгурғару кэлтүк* 'биз уйгур мамлакатига келдик' (Ман., III, 46); *ол бдун тэри илг ббү хан қурағару кэлти* 'шунда тангри Илг — Бугу хон йиғилишга келди' (ТТ II, 33-34).

Жўналиш келишигидаги объект узоқ ёки яқин бўлиши мумкин ва шунга қўра ҳаракат узоқдаги ёки яқиндаги предметга қаратилган, йўналтирилган бўлади. Умуман *-ғару*, *-гэрү* аффикси ҳаракат қайси нуқта, чегарада бўлиши унинг узоқ, яқиндан қатъий назар қўшиллаверади: *бизинару кэллүрди* 'бизга келтирди' (Хуаст., 119); *эбинеру кэлмиш* 'уйига келди' (Гкн., 30); *уясынару бирэ сөбинү кэлп* ('барс)

кўнимчаси *-га* аффикс функциясида келган (38-бет). Келтирилган сўзлардан кўриндики, «Очерк» атори форма, кўнимча ва сўз ўрталарини тушуначаларини фарқида бормасдан *тобо*, *тобору*га нисбатан қўлаётган. Даставвал шунга қайд қилиш керакики, *тобо*, *тобору* (тўри ўқилиши: *тапа* || *таба* тапару || табару) форма ҳам эмас, кўнимча ҳам эмас. *Тапа*, *тапару* соф кўнимчилар. Мазкур кўмакчилар С. Муталлибов ёганидек, ишнинг тамом бўлганлини аниқлатмайди. Эски ёдномаларда, жумладан, XI аср тилида бу кўмакчи ҳаракатнинг бирор томонга йўналганлигини кўрсатиб, *сару*, *томон*, *қараб* маъноларига тўри келади (ПМК., 37, ТТХ, 71; 152. У III, 53). Бунаён ташқари *тапа* қарин маъносидан *оғуз бодун тапа* 'ўғузларга қарин' КТб., 31; *Табғач тапа* 'Табғачларга қарин' КТб., 31), мақсад маъносидан *отун сансар тапа тоғмиш тэс* му 'тўз ғуноҳди Сансар учун тугилгандекми?' У II, 20; *уз тапа көвөгези* 'кисал тўғрисидан сўрасан' ТТН, 10) қўланади.

уясига томон қувониб севиниб келур' (Гкн., 82); *тəбəсина-рү бармиш* 'теваси томон келди' (Гкн, 80); *сизинəру* 'сиз томон' (Ман., III, 24); *хангару* 'хонга' (Ман; III, 31); *бэу-нүзгару* 'ўзингизга' (Ман., III, 27); *қутунузгару* 'бахтингиз томон' (Ман., III. 31) каби.

Мақсад маъносини англатади: *күчиг бəртүкгару сақын-мати* 'куч беришни уйламади' (КТб., 29).

-*гару*, -*гару* аффикси сўзлар жонли предмет англатувчи отлар (*қағангару*, *оғузгару*, *уйгургару*, *хангару*, *илиггару*, *апа тарқангару*, *тəбəсинару* 'туясига', *бəгинəру*, *йонти-нару* каби), урин, жой, макон англатувчи отлар (*йиркəру*, *йишгару*, *Табгачгару*, *уйасинару*, *əбингару* каби), абстракт маъноли отлар (*тəнригару*), *бэүтгəру* 'руҳга' (Ман., III, 31), қутунузгару 'бахтингизга' (Ман., III, 25), олмошлар (*бизинə-рү*, *санару*, *банару*, *сизингəру* ва ҳоказо) каби сўз группаларига қўшилиб келган. Бу сўзлар ёдномалар лексикасининг катта бир гуруҳини ташкил қилади. Демак, бу давр ёдномалар тилида -*гару*, -*гару* шакллари жўналиш келишининг маҳсулдор аффикси сəналади.

Мазкур аффикс кўпинча ҳаракат, юриш феъллари (les verbes de mouvement) бошқарган сўзларга қўшилиб келган: *бар*-'бормоқ', *ид*-'эргашмоқ', *аш*-'ошмоқ', *кəл*-'келмоқ', *таш-ық*-'тошиқмоқ', *сүлə*- 'кўшин тортмоқ', *қон*-'қонмоқ', *айт*-'етмоқ', *түш*-'тушмоқ' каби.

Базан бошқа феъллар билан бошқарилган сўзларга қўшилиб келган: *бтүн*-'утинмоқ', *сақын*-'уйламоқ', *айид*-'айтмоқ', *тут*-'тутмоқ' каби.

-*гару*, -*гару* аффиксини қабул қилган баъзи сўзлар шу келишик қўшимчаси арханклашиб ўз функциясини йўқотгандан сўнг равиш қаторига утиб кетган.

-*гар*. Бу аффикс -*гару* шаклининг редукцияга учраши натижасида ҳосил бўлган кўрсаткич бўлиб, асосан, *мən*, *сən*, *ол*, *бу* олмошлари билан ишлатилган. Бу аффикс *ол* олмошига қўшилганда, олмошнинг сўнги ундоши *н* га айланади ва жўналиш келишининг бош ундоши *г* билан бирикиб, бурун (*н*) товушини ҳосил қилади: *анар* 'унга'. *Мən*, *сən* олмошларига қўшилганда, буларнинг ўзаги қаттиқлашди: *манар*, *саңар*.

Ёдномаларда *анар* баъзан *анару* шакли билан параллел қўлланган: *анар көрү билик*'уни кўриб билинг' (КТм., II); *анару сүлэмəсəр* 'унга қарши чиқмаса' (Тон., 20); *анару* ТТХ. 503) каби.

-*ру*, -*ру*, -*ра*, -*рə*. Бу аффикс жуда кам қўлланган. Шу сабабли баъзи тадқиқотларда мазкур форманинг мавжудлигига шубҳа билдирилади<sup>10</sup>.

Ёдномалар анализи шуни кўрсатадики, бу аффикс қадимда мавжуд бўлган ва ёдномалар ёзилган давларда анча арханклашган кўрсаткичлардандир.

Бунга қўйидаги мисолларни келтирамиз: *ташру əтили* 'ташқарига чиқилди' (ЕнПТ., 73); *əбру кəлүртим* 'уйга келтирдим' (МН., 16); *əбирү барды* 'уйимга борди' (ПМК., 36); *қатығ* *йасын қоруп ағулуг оқим йүрəкəрə урул* 'қаттиқ ёйини кўриб, ағули ўқини юракка уриб' (У III, 55); *бодисəт оғушлуг йананин йүрəкəрə урды* 'Будисатва туркумига қарали бўлган (фил)нинг юрагига урди' (У III, 59, 4).

Бир қатор сўзларда -*ра*, -*рə*, -*ру*, -*рү* келишик аффикси функциясини йўқотиб, ўша сўзлар билан бирикиб бир маъно англатувчи сўз бўлиб кетган. Булар ёрдамчи, кўмакчи сўзлар, равишлар группасига утган сўзлардир. Масалан: *чирə*, *нарү*, *бəрү* кабилар.

-*а*, -*ə* аффиксининг истезмол донраси тор бўлиб, у биринчи шахс эгалик аффикси -*м* билан келган қаттиқ узакли сўзнинг сўнгигига -*а*, юмшоқ узакли сўзнинг сўнгигига -*ə* тарзида қўшилиб келган; *орнума*; *сизимə*.

Айрим уринларда эгалик аффиксини олмаган сўзлар билан келишини учратиш мумкин: *сизə* 'сизга' (ЕнПТ., 76, 80, 100; ПМК., 63); *тага* 'тоққа' (Мн., 17); *кичə* 'кечқурун' (Гкн., 80).

Уйғур, манихей — брахми ёзув ёдгорликларида ҳам -*а*, -*ə* шакллари асосан биринчи шахс бирлик эгалик аффикси билан қўлланади. Унинг эгалик аффиксини қабул қилмаган сўзлар билан ишлатилишини фақат бир мартагина учратдик. Бу мисолда -*а* восита маъносини билдиради: *сизни əмəт-тим ача сувсамақа* 'очлик', сувсаш билан сизни қийнадик' (ТТ II, 37).

-*қа*, -*кə*, -*ға*, -*га*, -*гə*. Жўналиш келишининг энг кўп қўлланувчи аффикси бўлган -*қа*, -*кə*, -*ға* охири унли, жарангли ва жарангсиз ундошлар билан тугаган сўзларга қўшилиб келади, -*га* шакли учинчи шахс бирлик эгалик аффиксини олиб келган қаттиқ узакли сўзлар билан ишлатилади. -*гə* аффикси эса иккинчи ва учинчи шахс бирлик эгалик аффиксларини қабул қилиб келган юмшоқ узакли сўзларга қўшилиб келади. *Мən*, *сən* олмошларига қўшилиб келганда булар регрессив ассимиляция натижасида *мана*, *сана* шакл-

<sup>10</sup> W. W. Radloff. Die Altürkische Inschriften der Mongolei, NF., SPb., 1897, S. 59.

ларига эга бўлади. Саноқли сўзлардагина жуналиш келишиги аффиксларининг икки марта такрорланиб келгани мавжуд: *кунчуйымгақа* (ЕнПТ., 22).

Жуналиш келишигининг бошқа формалари қуйидаги маъноларда ишлатилади:

1. Ҳаракатнинг умуман ташқи объектга бўлган йўналишини, ташқарига қаратилганлигини кўрсатади: *Табғоч қағанга бардим* 'Табғоч хонига бордим' (ЕнПТ., 33); *илгару кун тоғсиққа* 'илгари кун чиқши (шарқ) томонга' (КТм., 27).

Бу маъно жуналиш келишигининг энг асосий ва қадимий семантикаларидан биридир. Бу ўринда проф. А. Габнининг: «Жуналиш келишиги қадимғ вақтда ўрин келишиги бўлган», — деган фикрига<sup>20</sup> қўшилиши қийин. Чунки бу келишкнинг макон маъноси унинг йўналиш маъносидан ташкил топган.

Йўналиш маъноси кўмакчи сўзлар билан конкретлашади. Чунончи ўрхун-енсей, турфон, манихей обидалари тилида йўналиш маъносини конкретлаштириш учун *тағи* сўзи қўлланади.

Макон-йўналиш маъносининг аниқлашишида, конкретлашишида *тағи* кўмакчисидан бошқа сўзлар ҳаминишироқ эга бошлайди. Сунги давр тилида, руник ёдномаларида учрамаган, йақин сўзини қайд қилиш мумкин: *Мамыка қызқа йақин келип...* 'Мамика қызга яқин келиб' (ТТХ, 471); *барзқа йақин барты* 'барзга яқин борди' (Сувр., 616) каби.

Жуналиш келишиги процесс қаратилган, йўналган предметни кўрсатади. Бунда кесим орқали аниқлашган процесс жуналиш келишигидаги объектга қаратилган бўлади. *Табғач қағанга кўрмиш* 'Табғоч хоқонга буйсунди' (КТб.); *Табғач қағанқа йағи болмыш* 'Табғоч хоқонга ёв булди' (КТб.); *йасы ташқа йаратымдым* 'яси тошга ёздирдим' (ПМК., 36).

Жуналиш келишиги мақсад маъносини билдиради: *қамлык сўси авқа ўнмиш* 'хон аскари овга чиқди' (Гки., 84); *қан сўкэ бармыш* 'хон урушга борди' (Гки., 82); *эр авқа бармыш* 'эр овга борди' (Гки., 81); *илинчүкэ барты* 'дам олишга борди' (Сувр., 608) каби.

Жуналиш келишиги пайт маъносини билдиради. Бу келишкнинг қўшимчасини олган сўзининг семантикасига қараб пайт маъноси узоқ муддатли ёки маълум даражада чекланган бўлади. Пайт маъносини ифодалашда бу келишк аффикслари *йыл*, *ай*, *од* (вақт), *кун*, *йаш*, *йанық* (число), *йаз*

*қыш* каби семантикаси пайт-вақт тушунчаси билан боғлиқ бўлган сонларга қўшилиб келади.

*Қул тигин қон йылақа йшти йағирмикэ учды* 'Култегин қуй йили ўн еттинчида учди (ўлди)' (КТб., 33); *Сөкизинч ай бир йанықа су йорийын* 'саккизинчи ой биринчи числода аскар тортайин' (ПМК., 35); *букүнки күнкэ тағи* 'бугунги кунгача' (ТТХ, 97); *Йаны йылынн икк йерминч айына* 'янги йилнинг 12 ойида' (ТТ I, 10) каби.

Баъзан пайтнинг давомчилигини билдиради: *күминэ айына* 'кун бўйи, ой бўйи' (АГ., 30).

Жуналиш келишигининг пайт маъноси ўрхун-енсей ёдномалари тилида жуда кенг тараққий қилган. Кейинчалик эса бу семантиканинг нисбатан торая боришини кўрамин. Чунки бу семантика энди ўрин-пайт келишиги ёрдамида берилла бошлайди.

Ишнинг, процесснинг, ҳолатнинг юз беришидаги сабабини билдиради: *нэкэ қорқурбис* 'нега қўрқамиз' (Тон., 63); *турук болмышымқа икк йаным йиркэ кирип уйулул тэлингэли турур* 'чарчаганим учун икки ёним ерга кириб ўйилиб тилиниб турар' (У III, 37, 2-3);

*азу дик сөзлэшмэккэ* 'ёки турли нарсалар ҳақида сўзлашгани туфайли' (ТТ VIII, 49); *ағрымшқа* 'оғригани туфайли' (У III, 37) каби.

Қурол, восита комитатив, яъни биргалк маъноларини аниқлатади: *тоқуз оғузқа йэти сүнүй сүнүшдүктэ* 'туққиз уғуз билан етти марта урушганда...' (ПМК., 27); *бөрликэ сооқумиш* 'бури билач учрашган' (Гки., 182); *эдзүгэ бөкмөдим* 'эзуга тўймадим' (ЕнПТ, 38); *Тигуэй Тайиш башлап Кидай тайишларқа көнэкиэрмөн* 'Тигуэй Тайишдан тортиб қидай тайишлар билан кенгашаман' (Юр., I, 202); *ол қамшылығ арыққа таврақ бардылар* 'ўша захот қамшили ариқдан бордылар' (Сувр., 625); *йүккэ йаралмыш* 'юк билан ортилган' (ТТ VIII, 16) каби.

Ишнинг бажарилишидаги ҳолат маъносини билдириб келади: *қирқизығ уқа басдымыз* 'қирғизларни уйқусида босдик' (Тон., 62).

Жуналиш келишиги ўрин, макон маъносини аниқлатади: *нэн йордэки қағанлығ будунқа бунтүгш бар эрсэр* 'бирор ердаги хоқоннинг халқи орасида иш ёқмаси бор бўлса...' (Тон., 64); *Табғач илинэ қылынтым* 'Табғоч элида илм олдим' (Тон., 61); *нэлүк тонгай ол күнэшкэ олурур ол* 'нима сабабдан музласин, қуёшда утирса' (Гки., 84); *Бу бу-*

<sup>20</sup> А. von G ab a in, Das Alttürkische, S. 29.

луққа экин турса... 'бу узумзорга экин экилса' (Юр., X, IX, 214); *икинди ажуна* 'иккинчи дунёга' (ТТ VIII, 31).

Баъзан макон маъносини ифодалашда жўналиш келишининг *-йа, -йэ* шакллари қўлланилган: *бэрийэ* 'бериди' (Тон., 61); *йырайа* 'шимолда' (Тон., 61); *куруйа* 'ғарбда' (ПМК., 35) каби.

Бу форма кейинги давр ёдгорликларида учрамайди.

Бирор нарсадан ажралди, маҳрум бўлиш, тарк этиш каби маъноларни англатади: *уйар бэгимкэ адырылым*, *уйар қадашымқа адырылым* 'донгдор бегимдан айрилдим, машҳур дўстларимдан айрилдим' (ЕнПТ., 21); *эгүк қатум йэримкэ адырылым* 'эгүк — қатун еримдан айрилдим' (ЕнПТ., 19) каби.

Ухшатиш, қиёлаш, нисбат бериш каби маъноларни англатади: Бу маъно ўрхун-енисей обидалари тилида учрамайди. Асосан, турфон текстларида келади: *бэ қорқынчына артуқрак қорқул...* 'уз қўрқинчидан ортиқроқ қўрқиб' (ТТХ).

Жўналиш келишиги изоҳлаш маъносиди: *улаққа бэрдим* 'кира учун арава ҳақи бердим' (USp., 31); *қаланқа элчигэ бэрмишим* 'элчига солиқ юзасидан бердим' (Usp., 38).

Жўналиш келишиги аниқловчи вазифасида: *бына башы* 'нинг боши' (АГ., 29); *турнайа қуш* 'турна қуш' (Гки., 84); *пусеу қадоғуқа кёнули* 'тўла қайғули кўнгли' (Сувр., 623) каби.

Жўналиш келишининг юқорида келтирилган маъноларидан кўриниб турибдики, бу келишч гапда мақсад, сабаб, равиш ҳоли, воситали тўларувчи, кесим каби функцияда қўлланади.

Жўналиш келишиги уюшиб келган сўзларнинг ҳар бирига ёки уларнинг энг сўнгисига қўшилиб келади: *будуныма кўнимэ қадашым адырылым* 'халқимдан, қабиладан, дўстларимдан ажралдим' (ЕнПТ., 31); *анимэ оғлымэ ётлэдим* 'инимга, уғлимга насиҳат бердим' (Онг., П, 9); *қаным элимкэ талдым* 'хонимга, элимга хизмат қилдим' (ЕнПТ., 37); *бағым будунымқа адырылым* 'қабилда, бўлинмама, халқимдан ажралдим' (ЕнПТ., 52) каби.

Сўнгги давр тилида ҳам бу ҳолат сақланган: *бёкэ қанқа* 'онамга, отамга' (Сувр., 619).

Жўналиш келишиги билан келган феълларнинг баъзилари қуйида келтирилади: *қылым* 'қилинмоқ'; *қорқ* 'қурқмоқ'; *қазған* 'эришмоқ'; *бар* 'бормоқ'; *тайан* 'таянмоқ'; *адырыл* 'адырыл 'айрилмоқ'; *бёк* 'бахр олмоқ, баҳраманд бўлмоқ'; *йоры* 'юрмоқ'; *тал* 'топинмоқ'; *йағы* 'бол 'душман

бўлмоқ'; *сўлэ* 'қушин тортмоқ'; *эр* 'эмөк'; *кит* 'кетмоқ'; *кир* 'кирмоқ'; *бл* 'ўлмоқ'; *тэг* 'тегмоқ'; *дтун* 'утинмоқ'; *уч* 'учмоқ'; *кбр* 'курмоқ'; *ай* 'айтмоқ'; *кэл* 'келмоқ'; *ти* 'демоқ'; *турғур* 'турғизмоқ'; *ал* 'олмоқ'; *оқы* 'ўқимоқ'; *эгирт* 'бақирмоқ'; *илин* 'илинмоқ'; *қыл* 'қилмоқ'; *йэрлэ* 'қуйламоқ'; *йалбар* 'ёлвормоқ'; *инан* 'ишонмоқ, инонмоқ'; *сад* 'сотмоқ'; *бити* 'ёзмоқ'; *қон* 'қўнмоқ'; *илт* 'элтмоқ'; *сық* 'сиқмоқ'; *йорит* 'юритмоқ'; *йэт* 'ётмоқ'; *тэгур* 'тегизмоқ'; *алсық* 'олдирмоқ'; *сэвит* 'севдирмоқ'; *тоқы* 'ёрмоқ'; *уч* 'учмоқ'; *тэг* 'югурмоқ'; *эмгэн*, — *эмкэн* 'қийналмоқ'; *соқууш* 'учрашмоқ'; *тик* 'тикмоқ'; *тарқар* 'тарқамоқ'; *бас* 'босмоқ'; *урсуқ* 'урилмоқ'; *бан* 'боғланмоқ, боғламоқ' кабилар.

### √ Ўрин-пайт келишиги

Ўрин-пайт келишиги қуйидаги аффикслар билан ифодаланган: *-да, -дэ, -та, -тэ*<sup>21</sup>.

Охири жарангли ва жарангсиз ундошлар билан тугаган қаттиқ узакли сўзлардан сўнг *-да, -та, -ма*, юмшоқ узакли сўзлардан сўнг *-дэ, -тэ* аффикслари қўлланилган.

Ўрин-пайт келишиги иш-ҳаракатнинг содир бўлиш, рўёбга чиқиш, воқеа-ҳодисанинг юз бериш ўрнини билдиради: *Тайған кёлтэ тирилитим* 'Тайған йулда аскар туладим' (ПМК., 36); *Бурғуда йэтим* 'бурғуда етдим' (ПМК., 35); *исиг кумга аганамыш тэг* 'иссиқ кумда оғанагандек' (Сувр., 626); *бурханда* 'бурханда' (ТТХ, 54); *бойнида* 'бўйнида' (ТТ VIII, 53) каби.

Иш-ҳаракатнинг ёки ҳодиса-воқеанинг бажарилдиш пайтини билдиради; *ол кунтэ тэгди* 'уша кунни етди' (Тон., 64); *алты йашымта қан адырылым* 'олти ёшимда отасиз қолдим' (ЕнПТ., 64); *уч йашымда қансыз болдим* 'уч ёшимда отасиз бўлдим' (ЕнПТ., 21); *қырқ йашымда адырылым* 'қирқ ёшимда айрилдим' (ЕнПТ., 80) каби.

Бу маъно асосан енисей ёдномалари тилида учрайди. Бошқа руник ёдномалар тилида худди шу маънода жўналиш келишиги ишлатилади.

Шуни қайд қилиш керакки, енисей обидаларида вақт, пайт маъносиди ўрин-пайт билан параллел равишда жўналиш келишиги ҳам қўлланади. Баъзан бир жумлада иккала келишик ҳам учрайди: *бэш йашымтэ қансыз қалып тоқуз*

<sup>21</sup> A. von Gabain. Alttürkische Grammatik, Leipzig; M. Räsänen. Materialien zur Morphologie der türkische Sprache, S. 61. I. Nemeth. Probleme der Türkischen Urzeit Analecta Orientalia Memoriae Alexandri Csoma Körös Dicata, Budapest, 1942—1947.

*йағирми йашымға бәсүз болтум қатыгланп отуз йашымға оғб болтым* 'беш ёшимда отасиз қолиб, 19 ёшимда она-сиз қолиб қатигланиб, 30 ёшимда ўга булдим' (ЕнПТ., 81); *бир йәтмиш йашымға кәк тәһридә* '61 ёшимда күк осмон' (ЕнПТ., 81); *бәш йағирми йашымда табғач қанға* '15 ёшимда Табғач хонға' (ЕнПТ., 33) каби.

Үрин-пайт келишигининг вақт маъносидә келиши турфон, манихей, уйғур ва бошқа ёдгорликларидә ҳам мавжуд; *букунки күнтә* 'бугунги кунда' (Сувр., 622); *ол оғурта* 'уша вақтда' (Сувр., 607).

Юқоридәгилардан маълумки, бу келишкенинг пайт маъноси ўзаги пайт-вақт семантикаси билан боғлиқ булган сўзлар орқали ифодаланади. Шу билан бирга, пайт маъноси ҳаракат, ҳолат, воқеа-ҳодисә билдирувчи отлар орқали ҳам берилади.

*Кул тәгин ол сүнүшдә отуз йашайур әрти* 'Култегин уша уруш вақтида үттиз ёшда эди' (КТб., 32); *Турғәш будунниг уда басдым* 'Турғаш халқини уйқуслиа босдим' (МН., 17).

Бу давр тилида мазкур маъно айниқса сифатдошининг -дук, -дүж формалари билән кенг учрайди.

Иш-ҳаракатнинг, воқеа-ҳодисенинг бошланиш үрни, чиқиш нуқтасини билдиради. Бу маъно текширилаётган давр ёдномаларидә жуда кенг истеъмолда булган; *Түңкүт қағанда бблбн кәлти* 'Тебег хоқонидан кул келди' (КТб., 33); *қырқызда йантимиш* 'қирғизлардан қайтдик' (Тон., 61); *йағдыда бошана бошаналадым* 'душмандан қутулдим' (ПМК., 36); *оғлы бзинтә қанынта обкәләлән* 'ўғли она-отасидан ушқаланиб' (Гкн., 84) каби.

Енисей ёдномаларидә бу маъно кўпроқ *адырыл* -'айрилмоқ' феъли билән қўланади.

Үрин-пайт келишигининг шу маъноси уйғур, турфон, манихей текстларидә ҳам кенг қўлланилган: *күзинтә исиг йаши тәкүйдү...* 'күзидан иссиқ еш тўкиб...' (Сувр., 624); *ймә тсуп йазуқларынта озты* 'тез орада гуноҳларидан қутулдилар' (ТТ IV, 14); *бдун күнтүн булунда берүнчәлүг бил йилтирди* 'атрофдан майин шамол эсди' (ТТ I, 3); *агыр әмгәктә куртулзунлар* 'оғир қийинчлықдан қутулсинлар' (ТТ VI, 21); *бәг әбинтә бнүн бардылар* 'бег уйидан қайтиб кетдилар' (У III, 10-9); *ичиг дзунтә адрыгалы анук турғыл* 'иссиқ жонингдан ажралышга тайёр турғил' (У III, 56, 11); *түкәл билгә тәһри тәһрисә бурханта адынкимчи...* 'түла билдимди тангри тангриси бурхондан ўзага кимки' (ТТХ, 107-110) каби.

Процесснинг юз берган, пайдо булган жойини билдиради: *тәһридә болмыш* 'осмонда пайдо булган' (КТм., 27); *йағыз йирдә тикә днми* 'қора ердан говға кутарилди' (ТТ I, 10); *ағызларынта йалын днми* 'оғизларидан олов чикди' (ТТ IX, 10); *қатунынта тоғмыш* 'хотинидан туғилган' (Сувр., 607) каби.

Үрин-пайт келишиги қиёслаш, нисбат бериди, ўхшатиш маъносидә: *бизинтә эки учы сымарча артуқ әрти* 'икки учи бизга қараганда ярим марта кўп ортақ эди' (Тон. 63); *дзүмтә йигләр* 'ўзимдан яхши' (АГ, 30); *йаруқта йаруқ* 'әнг ёруғ' (АГ., 30) каби.

Иш-ҳаракатнинг бирор предметға йўналганлигини кўрсатади: *Тинәси оғлы йатымға тағда тәғмиш* 'Тинәси ўғли ётган тоққа етди' (Тон., 64); *түңкәр тағда тәғип тоқдым* 'Тунгкәр тоққа етиб ҳужум қилдим' (МН., 18); *Уларны барча бир йирдә йағынлар тириңләр* 'уларни барчасини бир ерга йитинләр, тўплагилар', (У III, 28; 5-6); *Кбәл ичинтә от кирди* 'кўндал ичига ўт кирди' (ТТ I, 7); *әтбәздә айагчл тәг орнагу бирди* 'сенинг узингга турдан жой берди' (ТТ I, 11); *кәнту бзи дк кбәлдинтә келти* 'ўзининг кўнгалыга келди' (ТТ X, 36); *йүрәкимтә санчыг кирил* 'юрагимга санчиг кириб' (У III, 37, 7).

Үрин-пайт келишиги сабаб, восита, қурол, комитатив каби маъноларни билдиради: *идишимта аяқымта бнч қанча барырмән* 'идишсиз қандай борақан' (Гкн., 63); *оғланым әрдә марымчыча бол* 'ўғлим ботирликда устозинг каби бул' (ЕнПТ., 84); *анын күчинтә* 'узинг кучи билән' (ТТ IX, 18); *бириси толғақта тыныммы атым* 'бириси тўлғоқ билән нафасини олди' (Сувр., 154); *тоимн тбрүсинтә йорықай му мән* 'руҳий қондалар билән юраганими?' (Юр., I, 202) каби.

Үрин-пайт келишигидаги сўзлар гап таркибидә үрин, пайт ҳоли, воситали тўлдирувчи, кесим каби функцияларда келади.

Үрин-пайт келишиги жўналиш келишиги функциясида келади: *әр әрдәммидә ббкәдим* 'әрдамимга, ботирлигимга тўймадим' (ЕнПТ., 80); *башын йирдә йойды* 'бошини ерга бекитди' (У III, 64; 17) каби.

Руник ёдномаларидә бу келишк қўшимчалари ушқиқ бўлақил сўзларнинг деярли ҳар бирига қўшилиб келади: *ыда ташда қалмышы* 'дарахтзор тошда қолгани' (Тон., 61).

Сўнги давр тилида ушқиқ келган сўзларнинг ҳар бирига ёки уларнинг охиригисига қўшилиб келади: *тағда арық-*

та 'тогда ариқда' (Сувр., 608); бурханнин кучинтэ күсунитэ 'бурхоннинг кучида, истагида (ТТ X, 246); йалбармақ агырынмақ мүнрэмэк ынчықдалмақта улаты эшиткэли умагулуқ уллэри узэ йанғура турур 'ёлвориш, оғриқ, дод-вой, эшитиб бўлмайдиган товушлар билан янғар' (Сувр., 156).

Куйида ўрин-пайт келишиги билан келган феълларнинг баъзиларини келтирамиз: *обкалә* - 'газабланмоқ'; *тэз* - 'югурмоқ'; *оз* - 'ўзмоқ'; *қал* - 'қолмоқ'; *бол* - 'булмоқ'; *бар* - 'кетмоқ'; *тилэ* - 'тиламоқ'; *қыл* - 'қилмоқ'; *эр* - 'эмоқ'; *соқуш* - 'учрашмоқ'; *тамкала* || *тамғала* - 'тамғаламоқ'; *азы* - 'сезмоқ'; *йэт* - 'етмоқ'; *қатыла* - 'қушилмоқ'; *қонтур* - 'қундирмоқ'; *йорал* - 'жойлашмоқ'; *санч* - 'санчмоқ'; *бэр* - 'бермоқ'; *тоқы* - 'туқнашмоқ'; *олур* - 'утирмоқ'; *соқуш* - 'уришмоқ'; *қо* - 'қуймоқ'; *бл* - 'ўлмоқ'; *тэк* - 'тикмоқ'; *буз* - 'бузмоқ'; *йантур* - 'қайтармоқ'; *қабыш* - 'қовушмоқ'; *йөттур* - 'күтармоқ'; *тэз* - 'тегмоқ, етмоқ'; *көр* - 'күрмоқ'; *тэкзин* - 'кезмоқ'; *бök* - 'түймоқ'; *адырыл* - 'айирмоқ'; *бошун* - 'бүшалмоқ'; *өтүн* - 'үтнмоқ'; *кэл* - 'келмоқ'; *йан* - 'қайтмоқ'; *ай* - 'айтмоқ'; *түт* - 'тутмоқ'; *кит* - 'кетмоқ'; *адыр* - 'айирмоқ'; *бан* - 'боғламоқ'; *кубран* - 'қушилмоқ'; *олур* - 'булмоқ'; *истэ* - 'изламоқ'; *истамоқ*; *тапыш* - 'топишмоқ'; *бурт* - 'бүртмоқ'; *сачыл* - 'сочилмоқ'; *агына* - 'оғанамоқ'; *қал* - 'қолмоқ'; *тök* - 'түкмоқ'; *тор* - 'туғилмоқ'; *тапыш* - 'топишмоқ'; *қод* - 'қуймоқ'; *арыт* - 'аритмоқ'; *йалын* - 'эпинмоқ'; *йүри* - || *йоры* - 'юрмоқ'; *илт* - 'элтмоқ'; *куртул* - 'қутулоқ' кабилар.

#### У ЧИҚИШ КЕЛИШИГИ

Чқиш келишиги куйидаги аффикслар билан инфодаланган: *-дан*, *-дэн*, *-дын*, *-дин*, *-дун*, *-дүн*, *-тан*, *-тэн*, *-тын*, *-тин*, *-тун*, *-түн*<sup>22</sup>.

Урхун-енисей ёдномалари тилида чқиш келишиги В. В. Радловнинг фикрича, мавжуд бўлмаган<sup>23</sup>. Бү фикрни кейинчалик бир қатор олимлар ҳам тасдиқлади<sup>24</sup>.

<sup>22</sup> W. Bang, Ungarische Jahrbücher V, S. 392—408; M. Räsänen, Aus der türkischen Formenlehre, ISFOU, S. 45; M. Räsänen, Materialien zur Morphologie der türkischen Sprachen, S. 62; Y. Benzing, Tschuwassische Forschungen, 2 DMG, 96; N. Poppe, Türkisch—tschuwassische vergleichende Studien, Islamica 1, s. 421. A. von Gabain, Über Ortsbezeichnungen im Altürkischen, STO 14, 5, 5, 13. G. Y. Ramstedt, A Korean Grammar, M. SFOU 82, 5, 154. Г. И. Рамstedт, Введение в алтайское языкознание, стр. 33.

<sup>23</sup> W. W. Radloff, Altürkischen Inschriften der Mongolei, NF, SPB, 1898 p. 64—65.

<sup>24</sup> Н. К. Дмитриев, Грамматика башкирского языка, стр. 61; Грамматика кумыкского языка, стр. 67. Л. Н. Харитонов, Современный якутский язык, АКГиЗ, 1947, стр. 108. А. И. Исхаков, Қазырт қазақ тілі, Алматы, 1954, 232-бет.

Кейинги текширишлар натижасида ўрхун-енисей ёдномалари тилида мазкур келишкнинг мавжудлиги аниқланди<sup>25</sup>.

Руник обидаларда чқиш келишиги жуда кам учрайди: *йарықлыг қантан* (В. Радлова кандын) *кэлип йана элтди?* 'қурол-яроғлик қайдан келиб сени тарқатди, тор-мор қилди' (КТб., 30; Мелиоранский 70; Радлов 136); *сундулиг қантан кэлипан сүрэ элтди* 'найзалик қайдан келиб сүриб кетди' (КТб., 30; Мелиоранский 70; Радлов 136); *бидөн қағанғару сү йурылым тимис* 'ўнгдан (шарқдан) хоқон томон қўшн тортайлик деди' (Тон., 63).

Баъзан чқиш келишиги тошларга икки марта ўйилган: *оғуздан тан* (В. Радлова *оғуздындин*) *көрүз кэлиги* 'оғузлардан жосус келди' (Тон., 61); *ташынындин* 'ташқаридан' [G. Ramstedt Zweif Uelg. Runenschriften] каби.

Уйғур, манихей, турфон ёзув ёдгорликларида чқиш келишиги кенг иستهволада булган. Буларда чқиш келишиги иш-ҳаракатини бошланиш нуктасини, чқиш ўрнини, жойини билдиради: *ол анын ким таштан ашқа ичкүкэ қаттап эрүр* 'уни ким ташқаридан ошга, ичкиликка тақлил қилмоқда' (Ман., III, 6-6); *балиқдын балиқча улудын улуща элдин элкэ тынчы сачи болуп йорыдымыз* 'шаҳардан шаҳарга, қабиладан қабилага, эздан элга эшитувчи, сүз ташувчи бўлиб юрдиқ' (ТТ IV, 20—21); *тэрири йэринтэн инти* 'тангри уз еридан тушди' (Ман., III., 35); *эвин барқтын дянлэр* 'уйдан, қасрдан чқиқдилар' (ТТ, III., 137); *тоны баштан адақа тэги* 'туни бошдан оёққача' (Ман., 13) каби.

Харакат ёки процесс кимдан ёки нимадан бошланганини билдиради: *ёз қонўлунизэртин* 'ўз кўнгилларингиздан' (ТТ VIII, 43); *кэнтү балэринтин* 'узларингдан' (U II 48); *ики көзүнтин* 'икки кўзидан' (ТТ X 339); *тэридин тамыдан йоқару ағдукта* 'осмондан, жаҳаннамдан юқори күтарилганда...' (Ман., 13) каби.

Харакат ёки процесснинг бошланиш пайтини, вақтини билдиради: *ман илкисиздин бэрү* 'бошидан бошлаб' (Сувр., 612); *бүнүч айытын бэрү* '10 ойдан бери (USp., 532); *анындын бэрү* 'ўшандан бери' (Юр., I, 202) каби.

Бирор нарсадан ажралиқ, холос бўлиш, қутулиш маъносини билдиради: *балиқ сувынтин адырылып* 'балиқ

<sup>25</sup> Э. В. Севортян, К истории надежной системы в тюркских языках, стр. 96. А. Исламов, Употребление падежей в языке древнетюркских—текстов, стр. 283. А. von Gabain, Altürkische Grammatik, S. 88—89.

судван айрилиб...' (Сувр., 626), эмэкклэринтин 'мушкул-ликларидан кутулиб' (Сувр., 155).

Харакат ёки процессинг содир бўлган ўрнини билдириб, ўрин-пайт келишинга мос келади: *илтин қантын босум бар* 'элда, хонда қайғу бор' (ТТ I, 9).

Сабаб маъносини билдиради: *агримтин 'огриқ туфайли'* (ТТ VIII, 67).

Харакат ёки процессинг йўналишини билдиради: *қабулдин йынақ* 'қайси томондан' (ТТ X 83); *тағдин йынақ* 'тоғ томондан' (Сувр., 156); *ташдын сынар* 'ташқаридан' (ТТ IX, 42); *тўртдин сынар* 'тўрт томондан' (U II, 37); *қабудин сынар* 'қайси тарафга' (U IV, 36); *кўнтин йынақ* 'жанубга' (U II, 45).

Чиқиш келишининг *йынақ, сынар* каби сузлар билан келиши куйироқда батафсил изоҳланган.

Бир предмети бошқа бир предмет билан қоғиштириш маъносини билдиради: *бу сен антан кэркөк* 'бу сен ундан кэрвасан' (ТТ VIII, 65); *тэнри-а айминтын ўстўнки* 'тангри Ангминдан юқориси' (ТТ X, 303).

Чиқиш келишигидаги суз тўдадан қисм, бутундан бўлак каби маъноларни билдиради: *ол таштын алып би-рени ташқа қат* 'у тошдан олиб олдиндаги тошга ташла!' (ТТ VIII, 64).

Тушум келишиги функциясида қўлланади: *бэгтин ишитин кэрсарсен савқа қирқ-эллрсэн* 'бекдан иши ҳақида сўрасанг, мақтовга сазоворсан' (ТТ I, 14).

Уюшқч бўлакли гапларда кўннча ҳар бир сузга қўшилиб келади: *бэгтин ишитин* (ТТ I, 14); *дөмин барқинин битилар* 'уй-жойдин кетдилар' (ТТ III, 137) каби.

Қўйида чиқиш келишиги билан келган феълларнинг бэъзилари келтирилади: *олур* 'утирмоқ'; *тэг* 'хужум қилмоқ'; *кэд* 'келмоқ'; *эр* 'эмөк'; *ал* 'олмоқ'; *ун* 'унмоқ, пайло бўлмоқ'; *бар* 'бормоқ'; *кёр* 'кўрмоқ'; *тўш* 'тушмоқ'; *ады-рыл* 'айирмоқ'; *тоғ* 'туғилмоқ'; *тарқар* 'тарқамоқ' каби.

#### АКУАТИВ ФОРМАСИ

Акуатив формаси сифатида *-ча, -чэ* шакллари *ва-тэг, -тэк, -таг* қўмакчилари қўлланади. Буларни бэъзи олимлар (В. В. Радлов, А. Габэн) келишик бобида кўришади.

*-ча, -чэ*<sup>30</sup> формаси ўхшатиш, қиёслаш маъноларини билдиради: *қаннин субча йўгурти* *сёнқун тагча йатды* 'қоннинг сув-

<sup>30</sup> С. Ф. Фузандов, А. Зайончковский, Г. И. Рамстедт, М. Рисинец, К. Брокельман каби олимларнинг фикрлари ҳақида-

дай оқди, сувларинг тоғ бўлиб ётди' (КТБ., 31); *қушча 'қушдай'* (ЕяПТ., 95); *дмчэ борча кэлти* 'ўт ва олов каби келди' (КТБ., 32); *кун тэнричэ* 'кун тангридай' (Ман., III, 33).

Тахмин, чама маъносиди: *йўзчэ эр* 'қариб юзга яқин киши' (Мн., 18); *эжигчэ эр* '50 га яқин киши' (Тон., 43); *азча 'озгина'* каби.

Иш-ҳаракатнинг бажарилиш усули, йўли: *торусинчэ 'қонуи буйича'* (КТБ., 30); *нолча тўручэ* 'қонда-қонуи буйича' (Хуаст., 119); *кўнлўнчэ 'истаганичча'* (Тон., 63); *кўнлўнчэ 'кўнглингдек'* (ТТ I, 7); *қанча (қаннчча)* 'қандай қилиб' (ГКн., 83); *кучум йитмишинчэ* 'кучим етганича' (Юр., I, 203); *тәничэ* 'тег қилиб' (Юр., XIII) каби.

Сифатдошга (*-қун, -қын, -ғын, -зин, -кин*) қўшилиб пайт маъносини билдиради: *бузқунча* 'ўлганча' (Онг., П, 9); *биркинчэ 'берганча'* (Юр., XXVII, 215); *ймэ тардан кигинчэ* 'Тархон келганча' (ТТ II, 19) каби.

Пайт маъноси бошқа суз туркумидан ҳам ҳосил бўлади: *бурунча* 'бурунги (одат) буйича' (Юр., I, 202); *анчақинчча* 'шу орада' (Сувр., 620) каби.

Иш-ҳаракатнинг бажарилиш ҳолатини англатади: *йогурча* 'кетиши билан' (Тон., 27); *улуғ оғлим агрп йоқ болча* 'катта ўғлим огриб йўқ бўлганда' (МН., 18).

Восита, сабаб маъносиди: *сэвкинчэ йорп* севгандан юриб (Хуаст., 118); *они йолча бармик* 'бошқа йўздан борган' (ПВ., 136); *сизин савыннчэ дтўнўзчэ йорыгайм* 'сизнинг суэингиз, маслаҳатингиз билан юраман' (ТТ II, 49-50); *днй йолча йорутды* 'бошқа йўздан юритди' (ПВ., 136).

Қўлик, жамлик, кучайтириш маъносиди: *қалты биллишиннзлэрчэ* 'худди билимингиздай' (ТТ VIII, 8); *қалты амрашмишыннзлэрчэ* 'худди сизнинг севингиздай' (ТТ VIII, 8); *кимчэ ким 'кимда ким'* (Юр., XVI, 213) каби.

Бир қатор сузлар равиш гуруҳига ўтган. *-тэг, -тэк, -таг*<sup>30</sup>. Бу аффикс ўхшатиш, қиёслаш, таққослаш маъносиди қўлланади: *қаган суси бори тэг* 'хоқон аскарни бунридек' (КТБ., 29); *айғысы қон тэг* 'душмани қуй-

ги маълумот А. Н. Кононовнинг 'Грамматика современного узбекского литературного языка' асарида келтирилган, 363-бет; А. Н. Кононов ва Ж. Деяни этимологияси буйича: *-ча < чаг* - вақт, чоғ. Ж. Деяни, Грамматика, стр. 918. В. Комбус-за < zala V. Kotvitz. Studia nad Językami altajskimi, RDI-318 Krakow, 1953, S. 15; 2. Korkmaz. Türk dilinde caek ve bu ek ile yapılan isim teskilleri üzerine bir deneme, TDAJB, 1948, S. 43.

<sup>30</sup> Бунинг этимологияси А. Н. Кононов, Н. К. Дмитриев, Ж. Деяни, Ю. Банг, К. Брокельман, Г. И. Рамстедт, М. Хартман каби олимлар томонидан текширилган. Н. А. Кононов, Грамматика современного узбекского литературного языка, стр. 285.

дек' (КТб., 29); Умай тэг 'Умай каби' (КТб., 31); *кайик муйуш тэг* / кийик шоудек' (ТТ I, 8); *кас тини тэг* 'кас товушидек' (ТТ I, 11); *эм — тыкы тэк* 'эндигидек' (Сувр., 116); *антаг* каби.

Үхшатиш, қиёслаш маънолари юқоридаги аффиксларнинг иштирокисиз ҳам берилди. Бу усул энг қадимий бўлса кедрак. Масалан: *атий кун йатимды* 'отинг хушбуй модда каби ёйилди' (ТТ I, 13); *ачыг унин сыгта йагмур йагымдылар* 'қаттиқ товуш билан йиғлаб ёмғир каби ёш оқиздилар' (У III, 13, 5-6).

#### ОТЛАРНИНГ ЯСАЛИШИ

Маълумки, тилдаги янги сўзларнинг кўпчилиги қадимдан мавжуд бўлган ўша тилнинг ички воситалари орқали ясалади. Бу воситаларга синтактик, морфологик, фонетик лексик каби усуллар киради.

Бу давр тилида морфологик ва синтактик йул билан сўз ясаш кенг истеъмолда бўлган.

**Синтактик йул билан от ясаш.** Икки (баъзан ундан ортиқ) сўз узаги узаро бириктишдан қўшма сўзлар пайдо бўлиб, буларнинг қуйидаги кўринишлари мавжуд.

Икки синоним сўзнинг узаро қўшилиши натижасида ташкил топган жуфт сўзлар: *эбдз* (Сувр., Ман., У, 11); *ийд йилпар* 'хушбўйлик' (У I, 30); *адманал* 'шухрат, (УSp., 60); *агы барам* 'бойлик' (Ман., I, 15); *қуа чечэк гул* (У I, 30); *умук йнак* 'дўст, уртоқ' (Сувр., 612).

Компонентлари бир-бирига энд маъноли сўзларнинг бириктишдан ташкил топган жуфт сўзлар: *огул қыз* (Ман., I, 15); *ака иши* (УSp., 22).

Баъзан жуфт сўзлар *-лы, -ли* жуфт боғловчиси билан қулланади: *тўмли кўнли* 'туну кун, сутка' (МН., 19); *инили эчили* (КТб., 29); *тэрсли онлы эдугули айығлы* 'ўнгр-тескари ва яхши-ёмон' (ТТ VI, 196) каби.

Сифатловчи синтагма типидagi қўшма сўзлар: *тиши киши* 'хотин, аёл' (Ман., III., 22); *удчы эр* 'чупон' (КР., 35); *йудлузчы эр* 'мунажжим' (Ман., III, 30); *кайикчи эр* 'овчи' (У III, 58); *қарабаш* 'чўри, асира' (УSp., 110). Кул тэгин 'киши исми' (КТб.); *огулумни длтүрүп амын эти узэ кэсмэ аш кигүрү тэзинтим* 'ўглимни ўлдириб, унинг этидан қийма ош пиширдик' (У III 65, 1-2).

**Морфологик усул билан от ясаш.** Ёдномалярда аффиксация йули билан от ясаш жуда кенг истеъмолда бўлган. Қуйида бу аффиксларни келтирамыз.

**-чы, -чи**<sup>27</sup>. Бу аффикс шахс билдирувчи отлар ясаид. Ёдномалярда **-чи, -чы** қўшимчаси жуда махсуддордир.

**Отларга қўшилиб шахсининг маълум фаолиятига мансуб эканини кўрсатади:** *тэнричи* 'тангрига хизмат қилувчи, воисгўй' (Хуаст., 117), *тэнри* > хит. *тэнри* 'тангри, худо, осмон'; *номчи* 'шариат йўлининг тарғиботчиси' (Хуаст., 117) ном 'китоб, қонда', (тўх, сўғд., ном, грек. номос); *сабчы*; 'воисгўй; оратор' (Гкн., 81, саб' сўз, гап); *төтүкчи* 'судья, қонуншунос' (ТТ VIII, 29, төр — т + эк); *тапығчы*, *тапағчы* 'хизматчи' (Сувр., 620); *тапығ* 'хизмат' (ТТ X 249); *элчи* 'элчи' (Юр., XIX); *буйанчи* динга эътиқод қилувчи' (Юр., I, 202, буйан < скр. бунйа 'хизмат');

**Бирор характер-хусусиятига кўра шахс номини билдиреди:** *армақчы* 'йулдан оздирувчи, васваса қилувчи' (КТб., 29; *бармақ*, *армақ* < арба — 'аврамоқ'); *бечшичи* 'учакувчи' (ТТ IX, 41; *оғаш* — учрашув); *тагунчы* 'тил'ёғламачи' (ТТ X 457, *тагун* 'хушомад') каби.

**Кулол, ускуна аглаувчи отларга қўшилиб, ўзак орқали ифодаланган маънонинг эгаси эканлигини кўрсатади:** *қобузчы* 'қубузчи' (ПМК., 79); *сўнүгчи* 'найзачи, (ПМК., 83); *сўнүг* 'найза' каби.

**Предмет аглаувчи сўзларга қўшилиб, шахсининг ўзак орқали ифода этилган иш билан шугулланишини кўрсатади:** *бөдизчи* 'нақош' (КТб., МН., *бөдиз* 'нақш', *тамгачы* 'тамгачи' (КТм.); *ыгаччы* 'ёғоч (билан) ишловчи' (ТТ VII, 90, *игач* 'ёғоч'); *қайлычы* 'аравакаш' (ТТ VIII, 95); *қайлы* 'извош, арава', *тузчы* 'туз ишлаб чикарувчи' (ТТ VIII, 100); *битизчи* 'хаттот' (ТТ IX, 40; *битиз* — 'хат'); *эмчи* 'табиб' (ПВ., 135; *эм* усимлик); жуфт холда: *отачы эмчи*; *тарығчы* 'леҳқон' (ТТ X, 14); *оачы* 'овчи' (КР., 8); *балиғчы* 'балиқчи' (КР., 8); *бағчы* 'боғбон' (УSp., 22) каби.

**Шахсининг вақтинча ҳолатини ёки предмет орқали ифодаланган маънога муносабатини кўрсатади:** *йугчы сыгытчи* 'азада йиғловчи' (КТб., 29); *отгачи* 'қарздор' (Хуаст., 117; *отгэ қарз*); *турушчы* 'ҳимоячи, домий' (Сувр., 156; *туруш* 'ҳимоя'); *алимчы* 'кредитор' (Сувр., 155); *биримчи* 'қарздор' (Хуаст., 119) каби маъноларда келади.

**-чы, -чи** аффикси **-гу, -гү** сифатдошига қўшилиб қўшма аффикс **-ғучы, -гучи** аффиксини ясаид. Бу сифатдош ор-

<sup>27</sup> Бу аффиксининг этимологияси бир қатор олимлар, муночи В. Банг, А. К. Боровков, А. Ф. Гуаюмов, Ф. А. Абдуллаев, Н. Ф. Каталов, Ш. М. Мелиоранский, Ж. Дени, Г. И. Рамстедт, М. Рясинен томонидан текшириган.

қали ясалган отларнинг айримлари отлашиб келиши ҳам мумкин.

**-чы, -чи** аффикси **-да, -дә, -та, -тә** шаклларига қўши-  
ляб **-дачы, -дәчи, -тачы, -тәчи** сифатдош аффиксини  
ясади.

**-хан, -қан** (ҳит < хуан 'администратор'); **қаған** 'улуг  
хон, хоқон'<sup>28</sup>; **бурқан** 'будда' (Хуаст., 117); **ҳит** < **бийәт**,  
**бур** 'будда'; **Илиққан** 'киши оти' (ПВ., 135); **Тарқан** 'ки-  
ши оти' (Тон., КТм., ЕнПТ.); кар < **тар** 'билимдон; эксперт'.

**-оаш: қа қадаш** 'катта ва кичик ака' (ТТ VI, 63-4);  
**адаш қадаш** 'дўст, биродар, қариндош' (Хуаст., 90); **қақа-  
даш** 'қариндош' (У III 6; 2).

**-гүн, -гун, -қун, -гүн: кәлингүн** 'келин (лар)' (КТб., 49);  
**инийгүн** 'ини (лар)' (КТб., 51); **қунқуйгун** 'бека (лар)';  
**әлгин** 'ҳиммат' (ЕнПТ.,) каби.

**-и: оғучим** 'онажоним' (АГ., 59); **атачим** 'отажоним'  
(АГ., 59).

**-ча, -ча: авыча** 'ота, кекса чол' (КР., 19), **абучка**  
(УСр., 32) 'қари, кекса чол, ота'.

**-лығ, -лиғ, -луқ, -луқ, -луғ, -луғ**<sup>29</sup>  
Руник ёдномаларни дастлаб ўқинган олим В. Томсен, бу  
ёдномалардан **-лык, -лик** абстракт маъноли отлар, **-лығ, лиғ**  
сифатлар ясалишини қайд қилади.

П. М. Мелиоранский Култегин текстини анализ қилиш  
асосида **-лык, -лик** абстракт отлар, **-лығ, -лиғ** нисбий  
сифатлар ясаши ҳақида ёзади.

В. В. Радлов юқоридики зикр этилган аффиксларни от ва  
сифат ясовчи кўрсаткич сифатида қарайди<sup>30</sup>. Бу аффикслар  
от ва сифат ясашда иштирок қилади.

<sup>28</sup> G. J. Ramstedt. Altürkische und mongolische Stud., JSFOu,  
1939.

<sup>29</sup> Бу аффиксининг этимологияси ҳақида В. В. Радлов, П. М. Мелиоранский, Е. В. Корш, Н. К. Дмитриев, А. Н. Кононов, Н. А. Баскаков, В. Ванг, В. Котвич, Ж. Дени, Г. И. Рамстедт, А. У. Элаеве каби олимларнинг фикрлари мавжуддир.

<sup>30</sup> W. Radloff, Altürkische Inschriften der Mongolei, NFs 47-49, П. М. Мелиоранский, Памятник в честь Коа-Тегина, ЭВО, т. XII, вып. II-III, СПб., 1899, 95-бет. Ф. Е. Корш бошқарароқ фикрла буган: Ф. Е. Корш По поводу второй статьи проф. П. М. Мелиоранского о тюркских элементах в языке «Сялоо о полку Игореве». Известия Отделения русского языка и словесности АН, т. XI, кн. I, СПб., 1906, 32-бет. А. Габэн от ва сифат ясовчи аффикс деб қарайди А. von Gablenz, Altürkische Grammatik, S. 60.

Бу давр тилида энг кенг тарқалган маъно ўзақ орқали  
ифодаланган семантикага эгаллик билдириш:<sup>31</sup> **йарақ-  
лығ** 'қуролли' (КТб., Тон.); **сүнүелиғ** 'найзали, найзабоз'  
(КТб., 30); **кучлиғ** 'кучли' (Тон., 62), **бәгилик** 'қаттиқ'  
(КТб., 32); **дәрт бутлағ** 'тўрт оёқли' (Хуаст., 117); **ағу-  
луғ** 'заҳарли' (Хуаст., 117); **сәкиз адақлығ** 'саккиз оёқли'  
(ЕнПТ); **туғлығ** 'байроқдор, байроқли' (ПМК., 35); **тамға-  
лык** 'тамғали' (ЕнПТ., 49); **алтунлык** 'олтинли' (ЕнПТ., 26);  
**қутлағ** 'қутли, бахтли' (ЕнПТ., 84); **қанатлығ** 'қанотли'  
(КТб., 80); **булутлағ** 'булутли' (Гкн., 84); **мәнилик** 'қувонч-  
ли' (Гкн., 84); **әрдәмлиғ** 'әрдамли' (Гкн., 81); **ағалығ** 'ёғ-  
ли' (Гкн., 81); **тәңрилик** 'тәңгрили' (Гкн., 81); **айлығ** 'ойли'  
(Гкн., 81); **бәглиғ** 'бегли' (Гкн., 84); **әркилиғ** 'кучли' (Гкн., 81);  
**тонлағ** 'тўнли' (Сувр., 154; тон < скр. thāna 'кийим');  
**сәғилиғ** 'севимли' (Сувр., 607) каби.

**Йалтрықлығ** 'ялтироқ' (Сувр., 155); **атлығ** 'отли' (Сувр.,  
156); **бәлгүлүғ** 'белгили' (Сувр., 155); **бусушулүғ** **сақынлығ**  
'қайғу гамли' (ТТ X, 64); **пақырлығ** **көзлүғләр** 'пақирли  
кўзалилар' (ТТ IX, 16); **бутлуғ** 'бутли' (ТТ IX, 17); **орна-  
лығ** 'жойли' (ТТ VIII, 12); **иглиғ** 'хаста' (ТТ VIII, 12); **асы-  
лығ** 'фойдали' (ТТ VIII, 43) каби.

Юқоридики келтирилган мисолларнинг кўпчилиги нисбий  
сифатлардир. Эгаллик маъносидати отларга кучлидагиларни  
ҳам келтириш мумкин: **башлығ** 'бошлиқ' (КТб., 29-30); **қул-  
лығ** 'қулдор' (КТб., 30); **кўнлиғ** 'қул эғаси' (КТб., 30); **ат-  
лығ** 'отлик' (Сувр., 154) каби.

Белги, хусусият, ҳолат каби маъноларни англатади:  
**кўрлиғ** 'алдам' (КТб., 29); **тәблүғ** 'ғаламислик' (КТб., 29);  
**ичлиғ** 'ҳомилдор' (ТТ X, 36); **дәмәклиғ** 'ўлим' (Сувр., 613);  
**тынлығ, тынлэг** 'жонивор' (ТТ X 524); **көнүлүғ, көнбәлде**  
'ахлоқ, онг, фикр, хаёл' (ТТ VIII, 68); **адғырлык** айғир по-  
даси' (Гкн., 80); **суғлүғ** 'тошқини' (ТТ VIII, 15); **чихшапатлык**  
'онглилик, ахлоқ кодекси' (ТТ VIII, 85 < сүғд, чихшапат <  
түх. šiksanada 'қоида, ахлоқ'); **урғуғ** **йүзлүғ** 'қавм-қардош'  
(Юр., XVI); **уғулүғ** 'имконият' (Сувр., 154) каби.

Сўзнинг ўзағида ифодаланган предметнинг тўпланган,  
жам бўлган ўрнини кўрсатади: **бөрлүк** 'узумзор' (Юр.,  
XXII, XIX); **қамышлығ** 'қамишзор'; **әтлик** 'гўшт дўкони'  
(ТТ V, 12); **йәмшилик** 'боғзор' (У I, 28; Сувр., 31); **куш-  
луғ** 'қушлар жойи' (Гкн., 84) каби.

<sup>31</sup> Ахмед Джеват Эмре қадимги ёлгорликларда асосан ўрни  
маъносини айтлатган аффикс деб санайди. Бу фикрга қўшимши кийин.  
А. Е. А. М. rе. Tärkede isim temelleri. İstanbul, 1943, S. 168.

Бирор нарсагиниң сақланиш ўрнини, жойини кўрсатади: *ағылмығ* 'қимматбаҳо нарса сақландагын жой' (Сувр., 607); *барымдығ* 'өмбор' (Сувр., 607) каби.

Бирор предметни аңлатади: *узунтонлуғ* 'кийим' (Хуаст., 117); *көрүклүг* 'деказ' (Гкн., 81); *бурунлуғ* 'бурундүк' (Гкн., 81) каби.

Сүз узагининг модификацияси учун хизмат қилад: *нәгулун* 'нимага' (ПВ., 135); *қылынчлығ* 'қилиқ' (ТТ VIII, 30); *қамағлық* 'хамма' (ТТ VII, 41) кабилар. Сифат бобида қайтарик булдишига йўл қўймаслик мақсадида маэкур шақлларнинг сифат ясовчи маънолари от бобида берилди.

Феълдан от ясаш. *-нақ*: *орунчақ* 'жой' (У III, 31, 9, 10).

*-нч*, *-нчу*: *сақынч* 'фикр, уй, хаёл, сезги' (Хуаст., ТТ., Сувр., ва бошқалар); *сөвинч* 'сөвинч' (ТТ., Сувр.); *қылынч* 'иш, қилиқ, кирдикор' (Хуаст., ТТ); *күвәнч* 'қувонч' (ТТ VIII); *иринч* 'бахтсизлик' (Сувр., ТТ); *қорқынч* 'қурқинч' (Гкн., ТТ, Сувр. ва бошқалар); *айынч* 'хавфсираш' (Сувр.); *көзунч* 'армуғон, соғва' (ПВ., 135); *отунчу* арз, доклад, илтимос' (Тон.); *бусанч* 'ғам, қайғу' (Гкн., 80); *булғанч* 'изтироб, гантиш, эсанкираш' (Тон.); *тарқанч* 'тарқаш' (Тон.); *айынчу* 'овунч' (Гкн.); *алқынчу* 'үлим' (Ман.); *тайанч* 'таянч' (У III); *айманч* 'қурқинш' (Сувр.) кабилар.

*-ш*: *йумыш* 'иш' (Сувр.); *ағыш* 'оғиш' (ТТ); *иниш* 'тушиниш' (ТТ); *бүгүш* 'оқлик' (У II, 9, 12); *тәркиш* 'тошиниш' (Ман., III, 17, 14); *көшүш* 'истак' (Сувр., 615).

*-ж*: *батым* 'ботим' (КТБ., МН.); *блум* 'үлим' (Гкн., 81); *бирим* 'қарз' (Сувр.); *бирим алым* 'солқи' (Юр., XIX); *йәйим* 'өзик-овқат' (УСр., 3); *йарым* 'ярым' (Юр., XXIV) каби.

*-тық*: *йантық* 'ен бағир, қиялик' (Тон., 26).

*-т*: *сығыт* 'қаттиқ йиги' (КТБ., 29); *ығыт* сығыт 'йиғи-сиги' (Сувр., 154); *блүг* 'үлим' (У III, 4, 12); *арт* 'довон ошини' (Гкн., 10) каби.

*-дәк*: *бәлиндәк* 'паралич' (Сувр., 154); *әмйүрүндәк* 'додар-дармон' (Сувр., 615).

*-мур*: *йағмур* 'ёмғир' (У III, 13); *алмыр* 'өлғич'.

*-қақ* *-кәк*, *-ғақ*: *йәк иккәк* 'демон, рух' (Хуаст., 57); *йумғақ* 'думалоқ' (ПВ., 135); *қызғақ* (ЕнПТ, 693); *йалпырақ* 'барғ, япроқ' (Тш., 32) каби.

*-қ*, *-к*, *-ғ*, *-г*, *-ық*, *-ик*, *-уқ*, *-үк*<sup>22</sup> *йишмақ* 'юмшоқ' (КТМ., 27); *орнақ* 'жой' (Сувр., 614); *отруг* 'орол' (ТТ V, 30); *орнағ* 'тахт' (ТТ V, 30); *қарақ* 'күз қорачиги' (ТТ V, 35);

*қылық* 'қилиқ' (ТТ V, 37); *билиқ* 'билим' (ТТ V, 9), *йаруқ* 'әрик' (Гкн., 39, Сувр.); *қышлаг* 'қишлоқ' (Гкн., 78, ТТ V); *йайлаг* 'яйлов' (Гкн., 86).

*-қу*, *-ку*, *-ғу*, *-гү*: *бәлғ* 'белғи' (Сувр., 612); *бәлин-ләгү* 'қурқинч, даҳшат' (Сувр., 608); *қутрулғу* 'қутулиш' (Сувр., 10); *тапынғу* *йүкүнғу* 'топиниш, юкниниш' (ПВ., 135); *орнанғу* 'жой' (ТТ V, 30).

*-н*, *-ын*, *-ин*, *-ун*, *-үн*, *-ан*, *-ән*: *йалын* 'ёлқин, аланға' (Сувр., 616); *йаран* 'яроқли' (Гкн., 59); *әкин* 'әкин' (Юр., 19); *қарын* 'қорин' (Гкн., 10); *қойун* 'қуйин' (Сувр., 6); *йалан* 'ёлқин' (У III, 30, 31); *толын ай* 'тулин ой' (АГ., 79).

*-ған*, *-гән*, *-ғын*, *-гин*, *-ғун*, *-гун*, *-қан*, *-кән*, *-қун*, *-күн*, *-қын*, *-қин*<sup>23</sup> *қузғун* 'ботир' (Гкн., 83); *базған* 'босувчи' (Ман., I, 8, 10); *тиркин* 'күпчилик' (Сувр., 614) каби.

*-ға*, *-гә*, *-қа*, *-кә*: *қысқа* 'қисқа' (АГ.); *бзгә* 'үзгә' (УСр., 32); *бошқа* 'бошқа' (АГ., 62);

*-ғач*, *-гәч*, *-қач*, *-кәч*: *қысғач* 'қисқич' (Ман., 1, 8); *ач-қач* 'очқич' (АГ., 71).

*-а*, *-ә*, *-ы*, *-и*, *-у*: *әгә*, *үгә* 'мақтов' (УСр., 288); *қайа* 'қоя' (Гкн., 99); *көзүңү* 'күзгү' (ЕнПТ.); *йахшы* 'яхши' (УСр., 234); *әгри* 'әгри' (Тон., 48); *қалысыз* 'қолдиқсиз' (АГ., 70); *қутада* 'бахт' (У II, 86, 38) каби.

*-д*: *йыд* 'хид' (Сувр.); *тод* 'тула' (АГ., 70); *кид* 'кет' (Сувр.).

22 *-гүл*: *тирнәгүл* 'йиғувчи' (МЛ., 36).

*-п*: *толап* 'барп', *топ* 'хамма'; *қол* 'хамма' каби.

*-л*: *ынал* 'рутба' (АГ., 72); *түкәл* 'туғал' (ТТ).

Бир күп отлар бошқа сүз туркумларининг субстантивацияси (отлашиши) натижасида пайдо бўлган. Бу давр тилида *-мақ*, *-мәк* ҳам от ва ҳаракат номи ясаган: *отунмәк* 'пободат, дуо, намаз; пушаймон, тавба' (Хуаст., 124); *бузулмақ* 'бузилиш' (Сувр., 613); *артамақ* 'йүк қилиш' (Сувр., 613); *унитмақ* 'унутиш' (ТТ VII, 10); *йанылмақ* 'адашини' (ТТ VIII, 10); *атқанмақ* 'сүкниниш' (ТТ VI, 462); *ачмақ* 'очлик' (Сувр., 610); *қуванмақ* 'қувониниш' (ТТ VIII, 34) каби.

22 К. Брокельман *-қан* < *ық*, *-ын*; О. Бетлинк *-қын* < *қын*, *-к*; Н. К. Дмитриев *-қын*, *-қан*, *-ған* сифатдошидан. Н. К. Дмитриев, Лфлекс *قار* в новоосманском языке Караг: Н. К. Дмитриев. Стр. Строй тюркских языков М., 1962, стр. 109.

## СИФАТ

Сифат предметнинг белгисини билдириш учун хизмат қилади. Одатда предметнинг белгиси бевосита ёки билвосита (предметнинг бошқа бир предметга бўлган муносабати орқали) ифодаланади. Шунга кўра сифатлар икки гурпуага бўлинади: аслий сифатлар, нисбий сифатлар.

Ёдгорликларда аслий сифатларнинг қўлланилиши характерлидир. Уларнинг предметга хос бўлган қуйидаги маъноларда келишини учратамиз.

1. Предметнинг рангини, тусини билдиради: *ала* 'ола'; *ақ* 'оқ'; *боз* 'бўз'; *қара* 'қора'; *йашыл* 'яшил'; *кёк* 'кўк'; *йағыз* 'қорамтир, кулранг, қўнғир'; *орун* 'оқ, оқинш'; *йўрун* 'оқ'; *қизил* 'қизил'; *улэз* 'қора, қоп-қора'; *тўнэриг* 'қора, даҳшатли' каби.

2. Предметнинг хусусиятини билдиради: *исиг* 'иссиқ'; *тула* 'тула'; *ачығ* 'аччиқ'; *қари* 'қари'; *йаш* 'еш'; *сэмиз* 'семиз'; *арығ* 'тоза'; *йўйқа* 'юпқа'; *қуруғ* 'қуруқ'; *улуғ* 'улуғ'; *йымшақ* 'юмшоқ'; *соғуғ* 'совуқ' каби.

3. Предметнинг сифати хусусиятини, характерини билдиради: *али* 'қаҳрамон'; *билгал* 'билмилли'; *кузгун* 'ботир' каби. 4. Предметнинг пайт-мақонга нисбатан сифатини билдиради: *идиз* 'катта, новча', *дн* 'унг'; *кони* 'тўғри'; *тўз* 'тўғри'; *эгри* 'эгри'; *асра* 'пасг'; *қалми* 'қалин'; *сол* 'чап'; *шук* 'тўғри'; *қын* 'тўғри'; *ирақ* 'вироқ' каби.

5. Предметнинг ички сифатини билдиради: *сў эсэп* 'омон-эсон'; *йэг* 'яхши'; *кэд* 'бағри тош, раҳмсиз, шафқатсиз'; *айығ* 'эмон'; *йабыз* 'яблақ'; *ёвуз*; *йавуз* 'ёвуз'; *эдгү* 'эзгү'; *игид* 'эмон, сохта' каби.

6. Предметнинг сонини, миқдор ва даражасини билдиради: *аз* 'оз'; *қабы* 'оз'; *дкүш* 'кўп'; *сансыз* 'дкүш'; *жуда* 'кўп'; *тэглим* 'кўп'; *қоп* *ишин* 'ҳамма ишинг' (ТТ, 13) каби.

Предметнинг ташқи сифатини билдиради: *арық* 'орпқ'; *тэглүк* 'кўр', *туруқ* 'озғир' каби.

Сўз ўзагида ифодаланган предметга, бирор хусусиятга эга эканлигини билдиради: *эрдэмлиг* 'ердамли'; *эрклиг* 'кучли'; *йылсығ* 'бой' каби.

Сўз ўзагида ифодаланган предмет, хусусиятга эга эмаслигини билдиради: *йазуқсуз* 'гуноҳсиз'; *этлигсиз* 'этсиз'; *қорқунчсуз* 'қўрқинчсиз' каби.

Эстетик тушунчани билдиради: *кёвсэж* 'чиройли, келишган'; *сидиқ* 'чиройли'; *сўсук* 'пок, тоза' каби.

Предметнинг бошқа бир қатор сифат хусусиятларини билдиради: *бай* 'бой'; *чығай* 'камбағал'; *ач* 'оч'; *йугурук* *чопонғич* бош 'буш'; *длүг* 'ўлик'; *чыған* 'камбағал' каби.

Булардан ташқари ёдгорликларда бошқа маънода келган сифатларни ҳам учратиш мумкин.

Пайт маъносида келувчи сифатлар: *бўгүнки* 'бугунги'; *эмтықы* 'эндиги, ҳозирги'; *йаны* 'янги'; *йайлығ* 'ёзги'; *бэнгү* 'мангу'; *мэнгу* 'мангу' каби.

Предметнинг ўрнига, пайтга муносабатини билдиради: *битигдэки* 'хатдаги'; *йэрдэки* 'ердаги'; *кёйүлтэки* 'кўнглидаги'; *балықтақы* 'шаҳардаги'; *ажунтақы* 'дунёдаги' каби.

Ёдгорликларда учраган сифатлардан юқорида санаб ўтилганларнинг состави туб ва ясама сўзлардан иборатдир.

Предметнинг белгиси ўта ортиқлигини кўрсатувчи интенсив формалар ёдгорликларда сифатнинг биринчи бўғинини маъмул тартибда такрорлаш ёки сифатларнинг олдидан махсус сўзларни келтириш йўли билан берилади.

Оддий даражадаги сифатнинг биринчи бўғинини маъмул тартибда такрорлаш йўли орқали интенсив маънони бериш эски руник ёдномалари тилида учрамайди. Бу усул уйғур, турфон текстларида санокли ўринларда келади: *қал қара тунла* 'қоп-қора тунда' (ТТ III, 28); *қып қизыл* 'қип-қизил' (U IV, 8, 38) каби.

Интенсив, орттирма маънонинг оддий даражада келган сифатлар олдидан махсус сўзларнинг келиши билан берилиш усули ёдномаларда кенг истемолда бўлган. Масалан: *эн*, *ан*; *эн* *илки* 'энг биринчи, биринчи' (КТБ., 31); *ан* *бирэ дэ орнынта* *йатыл* 'энг аввал ўз ўрнида ётиб' (U III, 43, 29); *ан* *башлайу* 'энг аввал' (Сувр., 154) каби.

*анығ*: *анығ* *йаблақ* 'жуда ёмон' (Гкн., 53); *анығ* *эдгү* 'жуда соз, эзгү' (Гкн., 9).

*кэд*, *кэт* (В. Банг бу сўз сўғд тилидан ўзлаштирилган деб ёзади): *кэд* *кэнүл* *тэгүрүп* *тилэнлэр* 'жуда ўтинчли кўнги билан тиланглар' (ИВ., 134).

*түз*; *түз* *кэримчсиз* *бурдан* *қутым* *бултунуз* 'ҳеч нарса билан тенглаша олмайдиغان Бурхон бахтинин топди' (ТТ,

III, 66); *тўз кәринчсиз* 'жуда юқори' (ТТ IV, 57); *тўз кәринчсиз* 'ҳеч тенглаша олмайдиган' (ТТ II, 13).

**Йиғ:** *йиғ ўстўнки бурхан кутын булуп* 'энг юқоридаги Бурхон бахтин топиб' (ТТ IV, 57); *йиғ ўстўнки тәһри миз* 'энг юқоридаги тангримиз' (ТТ III, 166); *йиғ бахшысы* 'энг уста ўқитувчиси' (У III., 62,9).

**чун:** *балықта чун силк туруп арқышларқа сав тўтүзүб инчә тил тидилар* (У III, 29, 14—5).

**эртиңгү, эртиңгү;** *эртиңгү ағыр* 'ўта оғир' (ПВ., 135); *эртиңгү улуғ бай* 'жуда кучли, улуғ бой' (ТТ VI, 72); *эртиңгү улуғ тўрлүг иш* 'жуда кўп турли иш' (У III, 27,8); *сақалы эртиңгү кўп әрди* 'соқоли жуда кўп әди' (У III, 30, 30).

**эртүдин:** *эртүдин ачуғын* 'жуда очик' (ПВ., 134).

**бәдүк:** *бәдүк улуғ жуда катта* (Сувр., 338).

**артүк:** *артүк әрүш әрүр* 'жуда кўп әди' (ТТ II, 61);

*артүк кучлүг* 'жуда кучли' (ТТ VI, 73).

**чоқ:** *чоқ йалынлығ* 'жуда оташли' (УSpr., 46).

**түгәл:** *түгәл билгә тәһри* 'жуда билимли тангри' (У III, 62, 29).

**үр:** *үр кич бдун* 'жуда кеч вақт' (У III., 14, 12); *ур кич болты* 'жуда кеч бўлди' (У III, 90, 19).

**қоп:** *қоп тўрлүг* 'жуда кўп турли' (У III., 27).

**әти, ады, иди:** *әти* 'жуда, ўта' (КТб., 33); *иди әсүк* 'жуда қалбаки' (Сувр., 627); *иди адыран* 'жуда бошқа' (Сувр., 612); *ады* (ТТ II 30).

Ортириш, кучайтириш маъноларини синтактик бирликлар орқали ҳам берилади: *йаруқта воруқ улуғ әрдәмлиг* 'ёруғлардан ёруғ улуғ санъатли' (АГ., 172); *түкәл билгә тәһри тәһриси бурхан* 'илмида етишган тангриларнинг тангриси бурхон' (ТТ X, 10); *улуғ тәһриләр улуғи* 'буюк тангриларнинг улуғи' (АГ., 172); *тәһри тәһриси бурхан* 'тангриларнинг тангриси Бурхон (Будда)' (ТТ IV, 46-7); *улуғ улуғи түкәл билгә билеглиг тәһри тәһриси* 'улуғларнинг улуғи, тула билимли тангриларнинг тангриси' (ТТ VI, 05—6) каби.

Бундай ҳолат ёдгорликларда кам учрайди.

Сифатнинг қиёслаш, чоғиштириш маъноси *-рак, -рәк* аффикслари ва аналитик йўл билан ифода этилади: *-рак, -рәк* аффиксларининг руник обидлар тилида қўлланишига дуч келмадик.

Бу форма манихей, турфон, уйғур текстларида учрайди:

*йигрәк* 'яхшироқ' (Сувр., 154); *бкүшрәк* 'кўпроқ' (Ман., 31); *ортукрақ* 'ортиқроқ' (ТТ II, 71).

Чоғиштириш, қиёслаш маъносини ифодадашда урин-пайт келишини билан *-рак, -рәк* қўшимчаларини қабул қилган ёки бу аффиксларни олмаган сифатлар иштирок этиши мумкин: *әжырта ймә қатыграқ сәнин кәндүлүнни утгуарак билтим* 'диамантдан ҳам қаттиқроқ қўнглинг борлигини энди яхши билдим' (У III, 26; 14-6); *бу йиртинчүдә синидә устун сәвгүлүк таплагулуқ әд тавар булмаман* 'бу дунёда сендан устун севимли, итоғат қилишли молу мулк топмасман' (У III, 83; 3-4); *муқтада йегрәк* 'бундан яхши (роқ)' (КР., 23).

Текширилаётган давр тилида оз бўлса-да, сифатларнинг отлашини ҳодисасига дуч келамиз: *кичиккә тәги* 'кичиккача' (Хуаст., 117); *әдгүси уйури* 'бойи ва зўри' (Гкн., 42); *брунүм қарам* 'оқ қора отим' (ЕнПТ., 63); *брунки қотықы севинти* 'юқоридагилар, наstdагилар севинди' (ТТ I, 12).

#### СИФАТЛАРНИНГ ЯСАЛИШИ

Синтактик усул билан сифат ясалиши. Бу усулда икки (баъзан уч) сифат узаклари ўзаро бирикиб жуфт, қўшма сифатлар ташкил этади: *йабмыз йаблақ* 'ёмон' (ТТ III, 15); *чоғлуғ йалынлығ* 'оташли, оловли' (ТТ I, 11); *аруқ туруқ* 'озгин' (ТТ I, 10); *ач туруқ* 'оч' (Сувр., 612); *иринч йарлығ* 'камбагал, қашшоқ' (Сувр., 612); *йоқ чығай* 'қашшоқ' (ТТ II, 13); *асан түкәл сог* (КР., 19); *әдгү бәли* 'доннишманда' (КР., 18); *адасмыз тудасмыз* 'хавфсиз' (КР., 18) каби.

**Морфологик усул билан сифат ясалиши.** Сифат ясовчи аффикслар асосан от ва феълларга қўшилиб келади: *-чығ, -чық, -чик, -чиг; адынчығ* (адын 'бошқа') 'бошқача, махсус' (КТм., МН.); *тайланчығ* (тайлан 'ҳайратда қолмоқ') 'ажойиб, ажабланарли' (ПВ., 135; ТТ X, 450); *мунадынчығ* (мунадын 'ҳайрон қолмоқ') 'ҳайрон қоларли' (ТТ X, 21, У IV, 28); *қорқынчығ* 'қўрқинчли' (Сувр., 613), *йарсынчығ* 'қўрқинчли, даҳшатли' (Сувр., 613); *танланчығ* *мунадынчығ* (жуфт ҳолда) 'ажойиб, ғаройиб' (У III, 39, ТТ X, 21), *йарсынчық* 'қўрқинчли, даҳшатли' (Сувр., 613); *йарынчық* *йарынчық* (жуфт ҳолда) (Сувр., 614); *кәйиргәннич* 'ҳаяжонли, ташвишли' (Сувр., 633); *көзләнич* 'истакли' (АГ., 66), *қасынчығ* *қорқынчығ* 'қўрқинчли' (ТТ VI, 91) каби.

*-дам, -тәм:* *әрдәм* 'эр хуссиятига эга' (ЕнПТ., Гкн., ТТ VIII); *йинтәм* 'донмий' (Сувр., 157); *биртәм* 'тула'

(Сувр., 157); *кундем* 'куёшли' (ТТ V, 27), *тэнридем* 'илохий' (ТТ V, 46) каби.

-*чыл*: *атчыл* 'отга кунгли мойил' (ЕяПТ., 98).

-*гыл*, -*зи*, -*қы*, -*ки*: *айрыақы* 'шимойи' (Тон., 61); *сув ичраки* 'сувдаги' (Ман., 1,35); *ажундақы* 'дунёдаги' (Сувр., 155); *устунки* 'устигади' (ТТ IV, 57); *устунги* 'баландаги' (ТТ III, 166); *анкунги* 'ажунда' 'энг сунги дунёда' (U III, 90, 19); *азгы* 'ёзги' (U I, 32) каби.

-*кэн*: *тэнрикэн* 'илохий' (Ман., I, 31); *пэрикэн* 'париваш' (Ман., II, 32), *пэтикэн* 'етти юлдуз (катта айиқ)' (ТТ VII, 65);

-*к*, -*қа*, -*г*, -*з*: *артуқ* 'ортиқ' (ТТ II, 61); *тунэриг* 'ашадий' (ТТ IX, 41); *қаниг* 'дахшати' (ТТ III, 67); *куруғ* 'куруқ' (ТТ); *арыз* 'тоза' (U I); *дуг* 'утинчли' (ТТ I, 8); *йағуқ* 'яқин' (ТТ V, 54); *ақсағ* 'шал' (Ман., III, 49); *соғич* 'совуқ' (ТТ I, 11); *исиг* 'иссиқ' (Сувр., 623) каби.

-*ил*, -*ыла*, -*ал*, -*эл*: *қызыл* 'қизил' (Тон., 52); *түгэл* 'тугал' 'түла' (ТТ IV, 55; U III, 62; 9); *абрунил* 'ёрқин' (Сувр., 28).

-*ғун*, -*қын*: *кузгун* 'ботир' (Гки., 83); *асқын* 'осилган'

-*мыр*: *алмыр* 'қизғанч' (ТТ VI, 71).

-*ыз*, -*из*, -*з*: *идиз* 'баланд' (Сувр., 616); *йабиз*, *йавуз* 'ёвуз' (КТб., 26).

-*ғу*, -*гү*, -*ку*, -*кү*: *адынагу* (Сувр., 611); *эдгү* 'эзгү' (Хуаст., 118);

-*н*: *қазан* 'қозонган' (ЕяПТ., 38); *булуи* 'бурчак, эл, чегара' (КТб., 28); *бруи* 'оқ' (Гки., 83); *отун* 'утин' (АГ., 65); *айанчан* 'хурматли' (ТТ V, 9); *кбэвичан* 'кувончли' (ТТ VI, 72).

-*та*, -*тэ*: *қанта* 'қонли' (АГ., 66).

Ёдномаларда бир қатор сифатлар мавжудки, булар келишик, равишдош ва бошқа сүз ясовчи аффикслар орқали ясалган: *көркэл* 'чиroyли'; *толул* 'тулин'; *адын* 'бошқа'; *эски* 'эски'; *устун* 'баланд'; *алдын* 'пастки'; *толу*, *тола* 'түла' каби (равиш баҳсига қаранг).

## ОЛМОШ

Ёдгорликларда мавжуд булган олмошларни узига хос маъно ва функциялари жиҳатидан қуйидаги олти группага бўлиш мумкин:

- Кишилик олмошлари
- Кўрсатиш олмошлари
- Узлик олмоши
- Сўроқ олмошлари
- Виргалик олмошлари
- Белгилаш олмошлари

### КИШИЛИК ОЛМОШЛАРИ

Тарихан туркий тилларда кишилик олмошлари биринчи ва иккинчи шахсда махсус сўзлар билан ифодаланган, учинчи шахс кишилик олмоши кўрсатиш олмоши сифатида қўлланган.

Биринчи шахс кишилик олмоши ёдномаларда *ман* ва *бэн*<sup>1</sup> шаклларига эга. Бу сўзларнинг узаро фарқи *б* | *м* дан иборат бўлиб, маъно ва функция жиҳатдан адъекватдир. *Бэн* шакли текширилайётган давр обидаларидан Туноқул, Моюнчур, енисей каби текстларда учрайди. Бу сўз келиб чиқиши жиҳатидан уғузчадир. *Мэн* ёдномаларда *бэн*га нисбатан кўпроқ учрайди. У Култегин, Моғиланхон, 'Ирқ би-

<sup>1</sup> А. Н. Кононов, И. А. Батманов фикрича, бу икки вариантдан *бэн* қадимий бўлиб, *мэн* эса бурун товуши *м*-нинг таъсири натижасида пайдо бўлган. А. Н. Кононов, Грамматика современного узбекского литературного языка, стр. 172, И. А. Батманов, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности, Фрунзе, 1959, стр. 70. *Мэн* ҳақида қаранг: Г. И. Рамастедт, Введение в алтайское языкознание, М., 1957, стр. 69—70.

тиг". „Суварна“, манихей, уйгур, турфон текстларида кенг истеъмолда булган.

Иккинчи шахс кишилик олмоши сифатида *сэн* қўлланади. Биринчи ва иккинчи шахс куплиги *биз*, *сиз* сўзлари орқали ифодаланади. Демак, кишилик олмошлари *мэн*, *бэн*, *сэн*, *биз*, *сиз* билан ифода этилган. Булардан *н*, *э* ундوشлар ва *э*, *и* ундиларининг табиати ҳақида бир қанча олимларнинг (чунончи В. Шотт, В. В. Радлов, В. Мункачи, С. Е. Малов, А. Н. Кононов, Н. А. Баскаков, В. Котвич, Л. Лигети, В. Банг, А. Габен каби) фикрлари мавжуддир<sup>2</sup>.

Кишилик олмошларининг келишиклар билан турланиши отларга ўхшайди.

Кишилик олмошларининг ёдгорликларда турланиши тубандагича: *мэн*, *бэн*.

**Бош келишик** *мэн*, *бэн*

**Қаратқич келишиги** *мэнин* (баъзан *мэнин* ПМК., 36); *минин* (КР., 80); *бэнин*.

**Тушум келишиги** *мини* (Сувр., Юр., ТТХ каби); *мэни* (ТТ IX, 12) *мэнни* (ТТ VIII, 61), *бини*

**Жўналиш келишиги** *мана*, *бана*

**Ўрин-пайт келишиги** *минтэ* (Ман., 29); *мэнтэ*, *миндидэ* (U IV, 286), *минтэдэ* (U II, 21)

**Чиқиш келишиги** *мэндин*, *минтин*, *мэнтин*

### *сэн*

**Бош келишик** *сэн*, *си*

**Қаратқич келишиги** *сэнин* баъзан *синин* (U III, 8).

**Тушум келишиги** *сини*, *сэни*

**Жўналиш келишиги** *сана*

**Ўрин-пайт келишиги** *синтэ*, *синтэдэ* (ТТ X, 32, U IV); *синидэ* (ТТ, V), *синтидэ* (Сувр., 326).

**Чиқиш келишиги** *сэнтин*, *синитин* (ТТ X 536, U III, 48).

### *биз*

**Бош келишик** *биз*

**Қаратқич келишиги** *бизин* (сўнгги даврда *бизнин* ТТ VII).

**Тушум келишиги** *бизни*

<sup>2</sup> W. Radloff. Die Altürkische Inschriften der Mongolei, SPb., 1897, S. 572. С. Е. Малов. Памятники древнетюркской письменности, стр. 51—52; И. А. Баскаков, О соотношении значений личных и указательных местоимений в тюркских языках, Ин-т языкознания, Доклады и сообщения, I, М., 1952, стр. 132—142.

**Жўналиш келишиги** *бизкэ* (ЕнПТ., 66, КТб.,); *биз(и) нэ*, *бизинэ* (КТб., Сувр., ПВ. на бошқалар), *бизинэру*, *бизинэр*

**Ўрин-пайт келишиги** *биз(и)нтэ* (Тон.,); *бизинтэ* (Ман., 1, 35); *бизнидэ* (Сувр., 611); *бизтэ*

**Чиқиш келишиги** *биздин*, *бизнидин*, *бизиндин*

### *сиз*

**Бош келишик** *сиз*, *сизлэр*

**Қаратқич келишиги** *сизин*, *сизнин* (Ман., 1, 10); *сизлэрнин*

**Тушум келишиги** *сизни*, *сизлэрни*

**Жўналиш келишиги** *сиз(и)ңэ*, *сизинэ*, *сизэ*, *сизимэ*, *сизлэркэ*, *сизлэринэ*

**Ўрин-пайт келишиги** *сиздэ*, *сизинтэ* (Ман., 1, 10); *сизнидэ*, *сизиндэ*, *сизлэрдэ*

**Чиқиш келишиги** *сиздин*, *сизнидин*.

Кишилик олмошларининг *мэн*, *сэн* шакллари куплик қўшимчаси *-лэр* ни қабул қилиб келмайди. Фақат сўзловчи, тингловчи шахсни билдиради. Биринчи шахснинг кўлиги ҳам *-лэр* аффиксини олмайди ва *мэн*, *сэн* каби шахслардан иборат булган бир гуруҳни кўрсатади. Бу сўз фақат куплики ифода этади. *Сиз*<sup>3</sup> олмоши куплик ва ҳурмат маъноларида келади. Руник обидалар тилида унинг куплик маънода қўлланиши қайд этилади. Сунгроқ ҳурмат маънода келишини учратамиз; *сиз тэнрим* 'сиз тангримсиз' (ТТ III, 42); *сизлэр киртинизлэр* 'сизлэр кирдингизлар' (ПВ., 135).

Шахсга нисбатан ҳурмат маъносидеда қўллана бошланиш сабабли *сиз* бирлик деб тасаввур этилиб, куплик семантикасини англатишда *-лэр* қўшимчасини қабул қилади. Кишилик олмошларининг восита келишигида қўлланишини учратмадик.

Кишилик олмошлари ёдномаларда жуда кенг истеъмолда булган. Балки уларнинг бунчалик кўп қўлланиши феълларда шахс билдириш ҳали тўла шакланмаганлигидандир. Биринчи, иккинчи шахс предикатив аффикслар тарихан биринчи, иккинчи шахс кишилик олмошларидан келиб чиққан.

<sup>3</sup> *Биз*, *сиз* олмошларидаги *э* ни купчилик олимлар қадимда куплик ясовчи аффикс деб қарамади.

Кўрсатиш олмошлари *ол*, *бу* (*бо*)лардан иборатдир. Ўрхун-енсей обидалар тилида *шу* олмоши йўқ даражада. *Ол* олмошининг морфологик состави туркологияда қуйидагича тахминланади: *ол қадиман ан, ин, ын* бўлиб, булар *и/ы* узагича бориб тақалади. Қадимда туркий тилларда *и, ы* олмоши мавжуд бўлган. Бу ҳақда О. Бёлгинг дастлаб маълумот берган. Кейинги текширишлар бу фикрни тасдиқлади.

Эски ёдгорликларда *ы/и* олмошидан бир қанча дераватлар сақланган, чунончи ичпич || ынчыч — dann, aber, pämlieh (ТТ VIII, Ull, ТТХ); aber, trotz (ТТV); ынча || инча — so (ТТ VIII), ein solcher (ТТХ\*); *инчэк* || *ынчақ*, (У II, Ман., I, ТТ II) яъни 'шундай қилиб, лекин, бироқ' каби маъноларга эга: *инару* || *инэру* 'нари' ва бошқалар. Мазкур олмош билан *а* ҳам боғлиқ.

'Суварна'да бир ўринда *ан* учратдик: *ан битиг* 'бу китобда' (Сувр., 155).

*а<sup>5</sup>* ҳам дераватларда сақланиб қолган: *анча — та* || *анчада* 'шундан сўнг, ушанда' (ТТ V, Сувр.); *антаг* || *атэг* 'шундай' (Тон., КТб., Гкн., Сувр., ЁнПТ.; Ман., II); *анчагынча*, *анчақынча* 'шу орада' (Сувр.); *анчулайу* 'шундай' (ТТ IX), *антырдын* 'ушандан' (У II, 45); *андыран*, *антран* 'шундан бошлаб' (Сувр., 612) каби.

Шундай қилиб *ол* олмоши қадимги ёдгорликларда мавжуд бўлиб, унинг архитипи обидаларда сақланиб қолмаган. *Ол* олмоши *бу* каби асосан кўрсатиш маъносида қўлланилган. Мазкур олмошлар отлар каби келишниклар билан турланган:

**Бош келишник** *ол*, *бу* (*бо*)

**Қаратқич келишиги** *анын*, *мунун*

**Тушум келишиги** *аны*, *буну* (Мн., КТп.); *муны*

**Жўналиш келишиги** *анар*, *ана*, *анару* (ТТ X, 32); *муна*

**Ўрин-пайт келишиги** *анта*, *анда*, *антада* (Хуаст., 118, У I, 30, Ман., II, У III); *антадата* (АГ., 94); *мун-*

<sup>4</sup> O. Böhlingk. Über die Sprach der Jakuten, Spb., 185, S. 171. Э. К. Пекарский. Словарь якутского языка, СПб., 1907, I, стр. 938 W. Bang. Vom Kökürtschen zum Osmanischen I. АРАУ, 1917, N. 6, S. 36. Г. И. Рамсфелд. Введение в алтайское языкознание, стр. 74. Ф. Д. Ашпизин. Указательные частицы в тюркских языках, Известия АН СССР, О а я, 1958, том XVIII, вып. 5, стр. 420-421.

<sup>5</sup> Қўйсланг: чув., анчағ, ўзб., ундай бошқ., қозоқ., қалп., нг., тат., турк., туркм., ўзб., анл, уйғ., хак., тат., энэ., уйғ., айна, эйнэ кум., она, шүр., оно каби.

*тада* (Сувр., У III, Ман., III); *мунта* (Сувр.); *бунта* (ЁнПТ, 98, КТм., 28); *мунда* (ТТ VIII), *мунтуда* (КР., 37).

**Чиқиш келишиги** *анын*

**Восита келишиги** *анын олар*, *булар*

**Бош келишник** *олар*, *булар* (*болар*)

**Қаратқич келишиги** *аларнын*, *буларнын*

**Тушум келишиги** *оларни*, *буларни*

**Жўналиш келишиги** *оларқа*, *буларқа*

**Ўрин-пайт келишиги** *оларда*, *буларда*

**Чиқиш келишиги** *олардын*, *булардын*

Ўрхун-енсей обидалар тилида *ол* ва *бу* олмошлари бир семантик қаторни ташкил қилади: *ол — бу*.

Ёдгорликларда бу олмошлар дейктик ва анафорик маъноларни билдиради: *ол сабыг эшитип, қағангару ол сабыг ыттым* 'у сўзни эшитиб хоҳонга буларни айтдим' (Тон., 62); *ол ат анта длати* 'бу от уша жойда айтди' (КТб., 31); *ол ддун ол икки тигитлэр* 'ушанда буникки маликлар' (Сувр., 176); *ол ддун бу уч тигитлэр* 'уша вақт бу уч маликлар' (Сувр., 174) каби.

*Ол* ёдномаларда предиктив аффикс вазифини келати: *бардуқ ырда ддгүг ол эринч* 'борган ерда мартаба топдик' (КТб., 39).

Худди шу функцияда *бу* олмоши ҳам учрайди: *бирүк битиг оқимши ддгу қилинч эрдэми бу* 'хат, китоб ўқиган эрдاملилардир.'

Ёдномаларда *ол* ва *бу* олмошлари урин-макон, восита келишниклари билан келганда, купинча, равиш бўлиб қўлланади (ТТ VI, 70).

#### Ўзлик олмоши

Текширилаётган давр тилида *дз*, *көнтү*, *көндү* купинча от бўлиб келади. Бу сўзлар шахс, вужуд, умр, ҳаёт, ўзлик каби маъноларда қўлланган: *дзүм узун болсун* 'ёшинг, ҳаётинг узун бўлсин' (Гкн., 83); *амрағ исиг дзин ўзгил* 'унинг сеvimли жонини ўзгил' (У III, 55; 5).

Шу сабабли бўлса керак ёдномаларда *дз<sup>4</sup>* купинча *эт* сузи билан жуфт, баъзан такрорий сўз бўлиб келади; *дтдз*

<sup>4</sup> A. von Gabain. Altürkische Grammatik, S. 95

<sup>7</sup> А. Н. Кононов. Юкорида кўрсатилаган асар. 178-бет; М. Рясаян, Морфология., 38-бет. Буларга яна қуйидагиларини қўшиш мумкин: В. Банг икки ўринда бу сўзинг этимологиясида тўхтаган аз<э+з бунда е 'ўйламоқ эга омақ'; өз 'ўйламоқ, ўйлаш' сўнгра 'вужуд, ҳаёт'; отаз 'эт ва руҳ'; W. Bang. Das negative verbum, S. 115. аз<а 'эсга ол-

(U III, 54); *этэзүм* 'вужуд' (Сувр., 175); *өз өз* (U III, 54); *өз этбэзүмүзлөркө* (ТТ VIII, 43); *өз этбэзкө* (ТТ VIII, 46) каби.

*өз, этбэз* отлар каби турланади:

### өз, этбэз

Бош келишик *өз, өз этбэлери* (ПВ., 135).

Қаратқич келишиги *өзүм* (Мн., 19, Гкн., 83); *этбэзүм* (Сувр.).

Тушум келишиги *өзин* (Гкн., Ман., 1); *өзүмизни өзүлин* (КТм., ТТХ 539); *этбэзүг* (ТТ VIII, 32; Сувр.); *этбэзин* (U III, 54); *этбэзүмин* (Сувр.).

Восита келишиги *өзин* (ЕнПТ., ТТ I, 7); *этбэзин* (Сувр., 179).

Жуналиш келишиги *өзимә* (Мн., 19); *өзийә* (Гкн., 82); *өзинә* (ТТ V Сувр.), *өзүмкә* (ТТХ, 537); *өзикә* (Гкн., 82).

Ұрин-пайт келишиги *өзтә* (Сувр., 611); *өздә* (ЕнПТ., 22); *өтбэзинтә* (ТТ VIII, ТТХ, U, II).

Чиқиш келишиги *өзләринтия* (U II, 48); *этбэзүмтин* (Сувр.). *кәнтү, кәндү* (ТТ, VIII).<sup>8</sup>

Бу сүз үрхун обидаларыда *өз* олмоши билан параллел қўлланган. Енисей ёдномаларыда бу олмошларнинг қўлланышыга дуч келмадик, *кәнтү өз* сүзига нисбатан камроқ учрайди.

Агар *өз* бир қатар дереватларга эга бўлса, (*өзлүк, өзгә, кәнтү* сүзидан ясалган бирорта ясама сүз мавжуд эмас. *Кәнтү* ҳам жуфт сүз ясадила иштирок қилады: *кәнтүөзү* (U II, 48); *кәндү өзи* (ТТ VIII, Сувр.); *өзкәнтү* (ТТ I, 40). Баъзан такрорланиб ҳам келади.

*Кәнтү* сүзи тубандагича турланади:

моқ, ұйламоқ'; W. Bang, Türkologische Briefe IV JL Ligeti бу сүзнинг этимологиясини бошқачароқ берган: *оч ойг + ойыс ~ өвүг* || ср. *obes - ün*

өг

өгег > өјүр ~ өвүз

[<өbes - ün <ryb + yvar > var || ср. монг. өber, өгер <өber] L. Ligeti A. török hosszu maganhdzok. 3-4, 75. Гомбоц мўғул тилидаги өчи, ич 'юрак артерияси' сүзи билан солиштириди: 2 gomboc. Az alibaj nyelve... 1905, S. 248-249.

<sup>8</sup> Бу сүз ҳақида бир қатар олимларнинг (чунончи, С. Е. Малов, Е. И. Убрятова, А. Н. Кононов) фикри мавжуд Ф. Краэнтц фикрича; венгер тилидан ўзлаштирилган: F. von Kraetzit Türkische S 132-133

### ОЛМОШЛАРНИНГ КЕЛИШИКЛАР БИЛАН ТУРЛАНИШИ

бош.к.	қарат. к.	тушум к.	восита к.	жуналиш к.	ў.-п. к.	чиқиш к.
<i>мән</i>	<i>мәниң, мәннәң</i>	<i>мәни, мәни мәннәң</i>		<i>мәңә</i>	<i>мәннә, мәннә, мәннәдә, мәннәдә</i>	<i>мәннәң, мәннәң, мәннәң</i>
<i>бән</i>	<i>бәниң</i>	<i>бәни</i>		<i>бәңә</i>		
<i>сән, сә</i>	<i>сәниң, сәннәң</i>	<i>сәни, сәни</i>		<i>сәңә</i>	<i>сәннә, сәннәдә, сәннәдә, сәннәдә</i>	<i>сәннәң, сәннәң</i>
<i>биз</i>	<i>бизнәң, бизнәң</i>	<i>бизни</i>		<i>бизкә, бизнәңә бизнәңә, бизнәңә</i>	<i>бизнә, бизнәңә, бизнәңә</i>	<i>бизнәң, бизнәңнәң, бизнәңнәң</i>
<i>сиз, сизләр</i>	<i>сизнәң, сизнәңнәң, сизләрнәң</i>	<i>сизни, сизләрнәң</i>		<i>сизнәңә, сизә, сизнәңә, сизләрнәңә</i>	<i>сиздә, сизнәңдә, сизләрнәңдә</i>	<i>сизнәң, сизнәңнәң</i>
<i>ол</i>	<i>олнәң</i>	<i>олни</i>	<i>олнәң</i>	<i>олнәң, олнәңә</i>	<i>олнәңдә, олнәңдә</i>	<i>олнәңнәң</i>
<i>бу(бо)</i>	<i>букуң</i>	<i>буннә, буннә</i>		<i>буннә, буңнә</i>	<i>буннә, буннә, буннәдә, буннәдә</i>	
<i>олар</i>	<i>оларнәң</i>	<i>оларни</i>		<i>оларқә</i>	<i>олардә</i>	<i>олардннәң</i>
<i>булар болар</i>	<i>буларнәң</i>	<i>буларни</i>		<i>буларқә</i>	<i>булардә</i>	<i>булардннәң</i>
<i>өз</i>	<i>өзүң</i>	<i>өзин, өзимизни</i>	<i>өзин</i>	<i>өзимә, өзнәңә, өзүмкә, өзикә</i>	<i>өзтә, өздә</i>	<i>өзләриннәң</i>
<i>кәнтү</i>	<i>кәнтүнәң</i>	<i>кәнтүни, кәнтүңнәң</i>	<i>кәнтүн</i>	<i>кәнтүкә, кәнтүңкә</i>	<i>кәнтүтә</i>	<i>кәнтүдннәң</i>

бош келишик кэнтү

қаратқич келишиги кэнтүниң

тушум келишиги кэнтүни, кэнтүниң (ТТ I, 8)

восита келишиги кэнтүн (ТТ I, 7)

жүналиш келишиги кэнтүкэ, кэнтүнкэ (ТТ I, 40)

урин-пайт келишиги кэнтүтэ

чиқиш келишиги кэнтүтин

### СҮРӨК ОЛМОШИ

Сүрөк олмошлари узига хос семантика билан фарқланади. Күпчилик сүрөк олмошлари асосан уч узак билан боғлиқ, яъни *қа, нэ, ким*. *Нэ 'нима' но бар эрмиш 'нима бор эди' (Хуаст., 118), кучайтириш маъносиде: бар му нэ 'ахир борми?' (Тон., 62); қайси маъносиде: нэ қағанқашиг кучиг бэрурмен 'қайси хоқонга ишимни, кучимни бераман' (КТб., 29); нэ киши 'қайси киши' (Ман., 17); 'нима бўлибди' маъносиде: сүт оқыл кэлти нэ 'сүт оқиб кетди, нима бўлибди?' (Сувр., 621); 'қандай' маъносиде: нэ ойун 'қандай ўйин' (Сувр., 157) каби.*

Бу олмошнинг турли аффикслар, жумладан, келишик аффикслари ва кумакчилар қўшилиб келган қуйидаги ҳолатлари учрайди:

*нэ учун:* урхун-енисей обидаларида бу биринка қўлланмайди. Турфон, „суварна“, манихей текстларида қўлланиши қайд этилади: *нэ ўчун тир тисэр 'нима учун деб сўраса' (ТТХ 544, ТТ VIII, 40); нэ ўчун 'нима учун' (Ман., I, 23, 29) каби.*

*нэ йанлығ:* *нэ йанлығ ймэ.* 'қандай қилиб' (ТТ VIII, 8), *нэ йирдэ:* *нэ йирдэ 'қай ерда' (Хуаст., 118).*

*нэгү:* *биз икэгү нэгү тип бтүнэллим 'биз иккаламиз қандай қилиб утинайлик' (Сувр., 620); бу барс нэгү йийур 'бу барс нима эмоқда' (Сувр., 610); нэгү ишкэ огрылар мэн 'қайси ишга ўзимни йулласам' [Юр., I, 202].*

*нимэ:* *нимэ 'нима' (ТТ VIII).*

*нэгүлүк:* *сизлэр нэгүлүк анча кэд қачарсизлэр 'сизлар нима сабабдан бунча тез қочасизлар?' (Сувр., 154).*

*нэлүк:* *қанығ нэлүк ол бэглиг ол кбнэки нэлүк тонгай ол 'қандай қилиб сув қурисин, агар у бекники бўлса, қандай қилиб ариқ қурисин' (Гки., 84); сэн нэлүг кэлдиң 'нима учун сен келдинг' (Ман., 33).*

*нэгүл:* *бу олмош нэлүк олмошининг метазезага учраган вариантидир. нэгүл 'нима учун' (ТТ VI, 32).*

*нэкэ:* *нэкэ қорқурбиз 'нимага қўрқамиз' (Тон., 63).*

*нэдэ:* *нэдэ бтрү йоқ 'нима учун йуқ' (Ман., III, 12).*

*нэчэ:* *нэчэ йазыптымиз 'қаңчалик алашсак' (Хуаст., 51); нэчэ тэнлиг 'нэчэ танлик' (ТТ X, 37).*

Баъзан такрорланиб ҳам келади: *нэчэ нэчэ кишилэрник... 'нэчэ -нэчэ кишилэрнинг...' (Сувр., 155).*

*нэчэдэ:* *нэчэдэ Анити атлығ 'шунда Анити отлик' (ТТ X 539); нэчэдэ Инчү атлығ 'шунда Инжу отлик' (Сувр., 619).*

*нэчакэтэги:* *нэчакэтэги 'қачонгача, қандай қилиб' (ТТ VIII, 43).*

*нэчүк:* *нэчүк йорийин 'қандай юриб' (Гки., 83); эмти нэчүк қылайин 'энди қандай қилай' (Сувр., 155).*

*нэчүкин:* *нэчүкин турур муни тэг 'қандай қилиб бундай турур' (Сувр., 626); нэчүкин эргэр... 'на бўлса ҳам' (Сувр., 609).*

*нэтэг:* *нэтэг ол 'қандай' (Гки., 81); нэтэг қылмыш 'қандай қилган' (Сувр., 155).*

*нэмэн:* *нэмэн 'қандай қилиб' (Ман., I, 10, 9).*

*нэгүдэ:* *нэгүдэ 'қайда' (U II, 5, 17).*

*қач:* *қач кун 'нэчэ кун' (ТТ V, КР, 6); қач қата 'нэчэ марта' (КР., 8). Урхун-енисей ёдномаларида қач нэн эрсэр биринмаси күп учрайди: қач нэн эрсэр 'нима бўлса ҳам' (Тон., 63).*

*қачан:* *Бу олмош асосан ўйғур, турфон, манихей обидаларида келади: қачан блүм йағи 'қачон ўлим — душман (ёв)' (Сувр., ТТ X 547); қачан йиркэ тэндүктэ 'қачон ерга етганда' (Сувр., 627) каби.*

*қайу:* *Бу олмош ўйғур, турфон, манихей обидалар тилида кенг истеъмолда булган: қайу ол ўч 'қайси ол уч...' (ТТ VIII, 67); қайу йултуз 'қайси юлдуз' (U II, 4, 22); қайуда 'қай ерда' (U IV, 8); қайулар 'қайсилэр' (ТТ V, 13); қайутын сынлар 'қай томондан' (U II, 19; 2) каби.*

Баъзан қанйу шаклида ҳам учрайди: *қанйу қайси' (Ман., III, 20, 4); қанйуда 'қайда' (U II, 6; 13); қанйугару 'қай ерга' (ТТ VI, 23); қанйуда 'қайерда' (ТТ II, 11) каби.*

*қаны:* *элим амты қаны 'элим энди қани?' (КТб., 29); қаганым қаны 'қоним қани?' (КТб., 29).*

*қанта, қанда:* *кичиг оғлум қанта 'кичик ўғлим қайда?' (Сувр., 624); қанда 'қайда' (ТТ VIII, 45).*

*қалты:* *Бу олмош Хуастуаниф, ўйғур, манихей, турфон текстларида кенг истеъмолда булган.*

*қалты:* *қалты 'қандай қилиб' (Хуаст., 118); қалты турк (U IV, 41); қалты 'қандай, ухшаш, шундай' (Сувр., 608, 613, 625; U I 58) каби.*

**ким:** Бу олмош ўрхун ёдноларидан Култегин, Моғилонхон текстларда қайд этилган. Сўроқ олмоши сифатида 'Хуастуанифт', уйгур, манихей, турфон каби текстларда кенг истеъмолда бўлган.

**ким артаты** 'ким йўқ қилади' (КТб., 30); **ким йаратмыш** 'ким яратган' (Хуаст., 118); **кимкэ** 'кимга' (ТТ VIII, 15); 'кимни' (ТТ X 107); **кимлэр** (ТТ VIII 41) каби.

Юқорида санаб утилган олмошлардан **қачан**, **қайу**, **қанйу**, **ким** ўрхун-енисей ёдноларидан сўнг яратилган обидалар тилида nisбий боғловчилар вазифасида ҳам қўлланади (бу ҳақда боғловчилар баҳсига қаранг).

## БИРГАЛИК ОЛМОШИ

Шахс ва предметнинг иш-ҳаракатда умумий иштирокини ва ҳаракат шахс ва предмета тула оид эканлигини кўрсатувчи сўзлар сифатида **алқу**, **қоп**, **бутун йумқы**, **бунча**, **қаммаг**, **тбзў** кабилар учрайди.

**қоп:** руник обидалар тилида кенг истеъмолда бўлган: **қоп йағи эрмиш** 'ҳамма душман эди' (КТб., 30); **қоп йазуқ-ди** 'ҳамма гуноҳлардан' [Хуаст., 119]. Айни маънода сўнгги обидаларда келади (Ман., 9, ТТ IX, 11, Ман., 36; ТТ VIII) каби.

**бунча:** Бу сўз кўп маъноларни англатиб келади. Бу маъноларга **бари**, **барча** ҳам киради (КТб., 33, ПМК., 37).

**барча** (<ба + р + ча): Бу олмош манихей, турфон, уйгур текстларида келади: **барча** 'ҳамма, бутун, бари' (ТТ, Ман., Сувр.) каби.

**қаммаг** (қиёсланг: ср. пер.<hamag 'ҳамма'). Бу сўзнинг ёдноларда қуйидаги вариантлари бор: **қамығ**, **қамуғ**, **қаммағу**, **қаммағун**, **қамығун**. Бундаги сўнгги -н восита келишиги аффиксидир. Буларнинг маъноси 'ҳамма барча, бари' дир (Хуаст., Гкн., Сувр., U, Ман., ТТ. Гкн., Уср ва бошқалар).

**тбзў** 'ҳамма, барча' (Сувр., 624).

**алқу** (<ал + қу). Бу сўз бир неча вариантга эга: **алғу**, **алқугу**, **алқа алқугун**; **алқу тындығ** 'ҳамма, барча жониворлар' (ТТ X 98).

Айни маънода уйгур, турфон, манихей текстларида учрайди.

**йумқы** (<йум + қы) 'бирга, бари' (Сувр., 622).

**бутун** (<бут + ын): **бутун этбзи** 'бутун вужуди' (Сувр., 156), қаранг: (ТТ X, 251, 293; ТТ VIII, 88) каби.

Баъзан юқорида санаб утилган белгилаш олмошлари жуфт ҳолда келади: **қаммаг** 'барча ҳамма' (ТТ IX, 41) каби. **тбзў**, **тбэ**, **тбзун** 'ҳамма' (Ман., I, ТТХ 51, ТТ V каби).

Белгилаш олмошларига **сайу**, **тэгма**, **нэң** каби сўзларни киритса бўлади. **Сайу** сузи белгилаб, аниқлаб келган сўзлардан сўнг келади. У руник, уйгур, турфон, манихей обидаларида учрайди: **кун ай сайу** 'ҳар кун ва ҳар ой' (Хуаст., 119); **йир сайу** 'ҳар ерда' (Сувр., 625); **сайу** 'ҳар' (ТТ X, 436) каби.

**тэгма:** енисей ёднолари, турфон, манихей текстларида келади.

**нэң:** **нэң йэрдэки** 'ҳар қандай ёрдами' (Тон., 64).

Бу сўз биргалик маъносида ҳам келади (ТТ VIII). Баъзан такрорланиб қўлланган: **нэң нэң сабым эрсэр** 'қандай сўзим бўлса ҳам' (КТб.). Шунини қайд қилиш керакки, **нэң** булишсизлик маъносини кўрсатмайди. Булишсизлик семантика **нэң** орқали берилмасдан, шу **нэң** келган гапнинг кесими билан ифодаланади: **нэң бунығ йоқ** 'ҳеч ғамим йўқ' (КТм., 27).

## СОҢ

Тил системасида маълум бир группа сўзлар борки, булар абстракт сонни, миқдорни, саноқни, туғрироғи, предметнинг санаш, жойлашиш, бажарилиш тартибини билдиради. Шунинг қайд қилиш керакки, туркий тилларда сон системаси, ҳар қайси халқ тилида бўлгани каби, бирданига эмас, балки аста-секин пайдо бўлиб, узгариб келган. Шунинг учун сонлар, умуман, тил системасида энг қадимги ингредентлардандир, деган қараш унчалик ишонарли эмас. Чунки бу фикр баъзи тиллар учун туғри бўлса-да, лекин бошқа баъзи тиллар учун туғри бўлиб чиқмайди, чунки айрим тилларда сон категориясига нисбатан янги ёки бошқа тиллардан ўзлашган сўзлар саналади<sup>1</sup>. Маълумки, ҳозирги туркий тилларда *миллион*, *миллиард* каби сўзлар ҳинд-европа системасидаги тиллардан ўзлашган. Қадимги ёдномаалар тилида астрономик катта сонлари ифодаловчи сўзлар хитой, санскрит каби тиллардан ўзлашган.

**Саноқ сонлар.** Текширилаётган давр обидаларида саноқ сонлар қуйидаги формада қайд қилинади:

<i>бир</i> (баъзан <i>бирр</i> , <i>пирр</i> ) — 1	<i>элик</i> , <i>элиг</i> — 50
<i>ики</i> ( <i>эки</i> ) — 2	<i>алтмиш</i> ( <i>алтмыс</i> ) — 60
<i>уч</i> — 3	<i>йитмиш</i> ( <i>йэтмиш</i> ) — 70
<i>тўрт</i> 4 (бир ўринда чар сўзига дуч келдик УШ, 30, 26)	<i>сэкиз он</i> — 80
<i>биш</i> (баъзан <i>би</i> , <i>беш</i> )	<i>тоқуз он</i> — 90
	<i>йуз</i> — 100

<sup>1</sup> Масалан, ҳозирги япон тилининг сон системаси тарихан хитой тилидан ўзлашган. Шундай тиллар ҳам борки, уларда иккитадан ортқ саноқ сон бўлмайди, қолган сонлар ўрнида қўшма сўзлар, мураккаб иборалар ишлатилади. Морис Сводеш, К вопросу о повышении точности в лексикостатическом датировании, Сб. «Новое о лингвистике», вып. 1. Издательство иностранной литературы, М., 1960, стр. 61.

*алты* — 6  
*йити* (баъзан *йти*, *йэти*, *йити*) — ТТ III, 79)  
*сэкиз* — 8  
*тоқуз* — 9  
*он* — 10  
*йигирми* (*йэгирми*) — 20  
*отуз* — 30  
*қырқ* — 40

*мин* (баъзан *бин*, *бын*) — 1000  
*түмән* — 10000  
*бан* (хит. *wan* яп. <map>) — 10000  
*түк түмән* сон-саноқсиз колти (<санскр. *коти*); *найут* (<санскр. *найута*) асанки (<санскр. *асамкх-йейа*).

Булар жуда катта астрономик сонларни билдиради.

Юқорида келтирилган саноқ сонлардан аксарияти туб сонлардир. Бу сонлар ёрдамида саксон, тўқсон каби ясама сонлар ҳосил қилинади: *сэкиз он*, *тоқуз он*.

Тарихий жиҳатдан 20, 60, 70 сонлари ҳам ясамадир.

Ёдномааларда ҳамма саноқ сонлар бир маънолидир. Бироқ *бир* сони бундан мустасно. Бу сон ўзининг асл маъносидан ташқари *қандайдир*, *кимдир*, *нимадир* каби маъноларни ҳам билдиради. Бундай ҳолларда предмет ёки белгини умуман ёки тахминан кўрсатиб, конкрет моҳияти, сони аниқланмайди.

Масалан: *бир тапыгчы* 'қандайдир қизматчи' (Сувр., 177); *бир балық* 'қандайдир бир шаҳар' (Сувр., 156).

*Бир* саноқ сон яна қуйидаги маъноларни ҳам билдиради, чунончи 'айрим, баъзи бир' [*бир киши йанмысар* КТм., 28]; 'ухнаш', 'бир хил', 'айни ўзи' [*сабы бир* Тон., 63]; 'катта' [*бу бир йумғақ таш* ПВ., 135]; 'қўрқинчи', 'ашаадий' [*бир антағ сав* Сувр., 177]; 'марта', 'фақат', 'ёлғиз' [*бир модсар* КТм., 28; *кэгән йолы бир эмши* Тон., 62]; 'жуذا', 'жуذا ҳам', 'фақатгина' [*бир тэгүрмәди* КТб., 31; *бир улуг* Сувр., 173; *бир кбзингә тәш* ТТ II, 29]; 'бу даражада' [*бир йаруқы* ТТ VIII, 32] кабилар.

Юқоридаги маъноларнинг ишлатилишида контекстнинг ҳам роли бор. *Бир* сонининг қайд қилинган семантик функцияларидан асосий ўринни ўз маъноси 'бир' ташкил этади ундан сўнг 'ноаниқлик' маъноси туради.

*Бир*, *икки*, *уч*, *тўрт*, *биш*, *алты*, *йити*, *сэкиз* каби саноқ сонлар катта миқдордаги сонларни ясаш учун хизмат қилади. Едгорликларда катта миқдордаги сонлар ясалишида паст миқдордаги сондан сўнг ўнликлар келади:

- 11 — *бир йэгирми* (Хуаст., 118, ПМК., Сувр. каби)
- 12 — *ики йэгирми* (КТб., ТТ III, ТТ IV, ТТ X каби)
- 13 — *уч йэгирми* (КТб. каби)
- 14 — *тўрт йэгирми* (Хуаст. каби)

- 15 — биш йәғирми (ЕнПТ., ТТ VIII каби)  
 16 — алты йәғирми (КТб., ЕнПТ., ТТ IV, У III каби)  
 17 — йәти йәғирми (КТм., ЕнПТ., МН., ТТ III каби)  
 18 — сәкиз йәғирми (МН., ПМК., ТТ I, ТТ III)  
 19 — тоқуз йәғирми (МН., ТТ I).

Санок сонларнинг йәғирми (йәғирми) — 20 дан ортық микдордагылары ҳам мавжуд: 21 — бир отуз (ЕнПТ., КТб., ТТ VIII); 22 — ики, әки отуз (МН., ПМК.); 23 — үч отуз (Тон.); 24 — төрт отуз (ТТ II, ТТ III); 25 — биш отуз (ТТ IX); 26 — алты отуз (ПМК., ЕнПТ., ТТ IX); 27 — йәти отуз (КТб., МН., ТТ IX), 28 — сәкиз отуз (ТТ IX); 29 — тоқуз отуз (ТТ IX); 31 — бир қырк (КТб.); 32 — ики қырк (ТТ I), 33 — үч қырк (ТТ I); 35 — биш қырк (ЕнПТ.); 36 — алты қырк (ТТ I); 38 — сәкиз қырк (У III ЕнПТ.); 39 — тоқуз қырк (ЕнПТ., У III); 42 — ики (әки) әлиг (ЕнПТ., ТТ VIII); 43 — үч әлиг (ЕнПТ., ТТ IX); 45 — биш (бәш) әлиг (ТТ I, ТТ VIII); 46 — алты әлиг (ТТ I); 49 — төкүз әлиг (ТТ I, ЕнПТ.); 61 — бир йәтмиш (ЕнПТ., У III); 63 — үч йәтмиш (ЕнПТ.); 65 — биш йәтмиш (Онг., II.); 67 — йәти йәтмиш (ЕнПТ.); 68 — сәкиз йәтмиш (ЕнПТ.); 79 — тоқуз сәкиз (У III); 115 — йүз бәш йәғирмә (ЕнПТ.); 145 — йүз биш илиг (У III); 162 — йүз ики йәтмиш (У III.); тоқуз он төрт — 94 (У III); тоқуз он биш — 95 (У III.) каби.

Санашнинг бу хил системасы билан бирга Күлтегин, Моғилонхон обидаларида ва бошқа обидалар тилида параллел равиншда бошқа бир хил санаш усули, яъни үнликдан сүнг аниқ маънога әга булган бирлик келади. Бунда үнлик ва бирлик сонлар ұртасыда *артуқ* 'ортық' сүзи келади: *қырк артуқы йәти йөли* 'қырк етти марта' (КТб., 30); *отуз артуқы төрт 'үттиз түрт'* (МН., 18); *отуз артуқы бир 'үттиз бир'* (МН., 17); *отуз артуқы үч 'үттиз үч'* (МН., 17); *отуз артуқы сәкиз 'үттиз сәкиз'* (МН., 18); *бир түмән артуқы йәти биш '17 миң'* (МН., 18) каби.

Сүнгги пайтлардагы обидаларда бу икинчи хил санаш системасы аста-секин биринчи хил санаш системасыни сиқиб чықара бошлаб, үзи кенг қўллана бошлайды. Тилининг тараққиәти нәтижәсида *артуқ* сүзи аста-секин истәемолдан чықа бошлайды.

Шундай қилиб, ҳозирги түркий тилларда мавжуд булган санаш системасынинг шаклланиши учун жуда күп вақтлар ұттан. Биринчи типдагы санаш системасы фақат уйғурлар тилида 11 дан 30 гача булган сонларда сақланиб қолған<sup>2</sup>.

<sup>2</sup> С. Е. Мәзов, К изучению турецких числительных. Сб. Академия Наук СССР акад. Н. Я. Марра, Л., 1935, стр. 271—277. С. Е. Мәзов, Язык желтых уйгуров, Аама-Ата, 1957, стр. 178.

Едномаларда 102, 105, 190, 250, 300, 350 каби санок кейин қуйндагы тартибда ҳосил қилинади: аввал бирлик, сонлар юзлик, миңлик ва бошқалар келади, масалан *алты йүз* — 600 (ЕнПТ., 73); *йәти йүз* — 700 (КТб.); *миң* — 1000 (Гск.); *йүз ики* — 102 (Юр., XIII); *йүз биш* — 105 (У III); *ику йүз әлиг* — 250 (У III); *төрт йүз тоқуз он алты* — 496 (ТТ IV); *йүз тоқуз он* — 190 (ТТ X); *төрт түмән* — 40000 (МН.); *он түмән* — 10000 (Тон.) каби.

**Тартиб сонлар.** Тартиб сонлар предмет сирасыни, тартибини билдириб *-ич*, *-ичи*, *-үчи*, *-үчи* ва *-пти*, *-нди* аффикслар ёрдамида ясалади. Ҳамма тартиб сонлар санок сонлардан юқордагы аффикслар орқали ясалади.

Бироқ *бир* сонининг ўзи тартиб сон ясашда деярли иштирок этмайди. Қадимги обидаларда биринчи сүзи ўрнида илки (ил олдинги томон, олд<sup>3</sup>+ки сүз ясовчи аффикс). *Илки* сүзи биринчи маъносда Күлтегин, Моғилонхон «Хуастуанифт» каби ёдномаларда учрайди: илки күн 'биринчи кун' (МН., 18), илки сү 'биринчи, олдинги аскар' (МН., 17) каби.

Нисбатан кейинги даврлардагы йезу обидалар тилида *илки* сүзи билан бирга биринчи маъносда *баштыңқы*, *баштың* сүзи қўлланади: *баштыңқы* (Сувр., 155); *баштың* (Сувр., 493); *баштыңқы* улуш 'биринчи бўлим' (У III 4) каби.

Айрим уриларда *бир* сүзининг ўзи *биринчи* маъносда келади: бир Қушал әдгү 'биринчи Қушала әзгү' (У III 5) каби.

Бир сонининг *-ичи* аффикси билан келиши анча кейинги давр тилларида учрайди.

*-пти*, *-нди*<sup>3</sup> кўрсаткичлари фақат *ику* сони билан қўлланади. Едномаларда тез-тез *кипти* || *әкипти* формалари, баъзан эса *икинди* формасы учраб туради; ҳатто баъзан бир йезу ёдгорликларида иккала вариант ҳам учрайди *икинти*, *икинди* 'иккинчи' (ТТ VIII, 31, 60, 72).

Мазкур сон жуналиш келишигининг кўрсаткичи билан қўлланиб, икки хил қуринишга әга: *бир икиндиқа*, *бир икиндишқә* 'бири иккинчисига'. Бу форманинг турфон текслари, «Олтуң ёруқ», «Уйғурика»да учраши ҳам қайд этилган. Баъзи долларда бу формалар параллел ҳам қўлланади: *бир*

<sup>3</sup> Проф. Кааре Гренбекнинг фикрича, *-пти*, *-нди* аффикси *-и* ва *-т* *-д* қисмларга бўлинади. Кейинги элементни у *-ти* аффикси билан боғлайди. Бу аффикс *әдгүт* каби сўзларда учрайди. А. М. Шчербак бу фикрга қўшмаган ҳолда, мазкур аффиксини қадимда кенг тарқалган сифатдош формасы *-нди*, *-пти* билан боғлаш керак дейди; А. М. Шчербака, Грамматический очерк языка тюркских текстов X-XIII вв., стр. 121.

икиндикэ, бир икиндишкэ 'бири икинчисига' (ТТ VIII, 71, 80). Бу бирикмада феъл биргалик даража аффиксини олади: *бир икинтикэ қарышур* 'бири икинчиси билан қарышар' (ТТ VIII, 71); *бир икинтикэ тэтиллэр* 'бир-бирига гапирдилэр' [U III, 65]; *бир икинтикэ савлашил* 'бир-бирига сузлашиб' (ТТ II 55-56); *бир икинтишкэ оқишу* 'бири икинчисига ўқиб' [U III, 68] каби.

Лекин ушбу бирикмада феъл ҳар вақт биргалик даражада келавермайди: *бир икинтишкэ тидиллэр* 'бир-бирига дедилэр' (ТТ X, 250, 25).

Бирикмаларнинг параллел қўлланиши, буларнинг семантик оттенкалари билан изоҳланади, бошқача қилиб айтганда, феъл биргалик даража формасида келганда, биргалик (узуро) ҳаракатнинг маълум даражада кучайиши кўзга яққол ташланади. Маънонинг бу оттенкаси биргалик даража курсаткичи *-ш* билан ифодаланади.

Шуни айтмоқ керакки, ёдгорликларда 'иккинчи' маъносига *адим* 'бошқа икинчи' (қиселанг: ёқутча *атин*) қўлланади: *икинти ажун* [U III 86], *адим ажун* (ТТ X 12).

3, 4, 5, 6, 7 ва шу каби тартиб сонлар ёдгорликларда *-нч* аффикси ёрдамида ҳосил қилинади:

*илки* (*баштыңқы*) — биринчи  
*икинти* (*икинди*) — икинчи  
*учунч* — учинчи  
*тўртүнч* — туртинчи

*бешинч* — бешинчи

*алтынч* — олтинчи

*йитинч* — еттинчи

*сәкизинч* — саккизинчи

*тоқузунч* — туққизинчи

*онунч* — ўнинчи

*бир йигирминч* — ўн биринчи  
*ики йигирминч* — ўн икинчи  
*уч йигирминч* — ўн учинчи  
*тўрт йигирминч* — ўн туртинчи

*беш йигирминч* — ўн бешинчи  
*алты йигирминч* — ўн олтинчи  
*йети йигирминч* — ўн еттинчи

*сәкис йигирминч* — ўн саккизинчи  
*тоқуз йигирминч* — ўн туққизинчи

*йигирминч* — йигирминчи

Обидалар тилида жўналиш келишигининг аффикси санок соннинг аниқланиши, нумератив сўзи йуқ бўлган тақдирда унга қўшилиб келади ва тартиб маъносини англатади: *бир отузка* — 21-нчида (ПМК., 37); *йәти отузка* — 27-нчида (КТб., 33) каби. Бу ҳодиса 20 дан ортық бўлган сонларда ҳам учрайди: *бир йәгирмикэ* — 11-нчида (ПМК., 36); *йити йәгирмикэ* — 17-нчида (КТб., 33); *беш йәгирмикэ* — 15-нчида

(ПМК., 35); *алты йәгирмикэ* — 16-нчида (ПМК., 38); *сәкис йигирмикэ* — 18-нчида (Юр., XXVIII) каби.

Сунгги давр ёдгорликларида бу хил тартиб сонлар истеъмождан чиқади. Тартиб сонлар *-нч* орқали ифодаланади: *ики йигирминч* '12-нчи' (ТТ I, 10); *беш йуз артуқы ики отузунч* — 523-нчи (Ман., I, 12) каби.

**Жамловчи сонлар.** Ёдиомаларда жамловчи сонлар *-ғу*, *-әғу*, *-ағу*, *-укү*, *-кү* аффикслари ёрдамида ҳосил қилинади.

*-ғу* аффикси тарихий жиҳатдан қадимги сўз ясовчи *-ғу* аффиксига бориб тақалади. Жамловчи сон маъносига куп ҳолларда бирдан унғача бўлган санок сонлар қўлланади. Жамловчи сон аффиксининг *бир* сонига қўшилиб келиши *бирнинг* қадимда куп маъноли бўлиши билан изоҳланади. Жамловчи сонларга мисоллар: *бирғу* — биров (Сувр., 154); *икәғу*, *акисү*, *иккисү* 'икков' (Юр., XVI, 212; Юр., XXVIII, 216; ТТ VIII, 64; U III, 82); *учәғу*, *учүкү* (Тон., 61; TTVIII, 10; Сувр., 177) каби.

Жуда спорадик тарзда *-әғу* аффикси 10 дан юқори сонларга қўшилади: *йүз йүзәғу* 'юз-юз бўлиб' (ТТ III, 76).

Айрим мисолларда *-ғун*, *-н*, *-ғулук* аффикслари ҳам жамловчи сон ясади: *икигүн* 'икков' (Ман., III, 14); *әкүн* 'икков' (Ман., 8); *бирғулук* 'ҳамма' (U III, 15, 19) каби.

**Айирувчи сонлар.** Булар санок сонларга *-рэр*, *-ар*, *-әр*, *-сар* аффиксларини қўпиши билан ясалади: *бирэр* 'биттадан' (ТТ VII, 28); *бирэр бирэр* 'битта-биттадан' (U III, 37); *ики үчрэр* — икки учтадан (ТТ VIII, 65); *икирэр* — иккитадан (ТТ VIII, 68); *учар* 'учтадан' (U II, 29); *бешәр* 'бештадан' (КР., 24); *алтырар* 'олтитадан' (УСр., 34); *тоқусар* — туққизтадан (ТТ VIII, 64); *онар* 'ўнтадан' (ТТ II, 91).

Восита келишиги курсаткичи *-ин*, *-ым* ҳам айирувчи сон ясади: *бирин* 'биттадан' (ТТ VIII, 30); *әкин* 'иккитадан' [Онг II, 9] каби.

*-и*, *-си*, *-иси* каби эгалик аффикслари ҳам айирув сонни ясади: *бирин* 'бириси' (Сувр., 154); *бири әкиси* 'бири иккиси' (КТб. 32); *тўртүнчи* 'туртинчиси' (Сувр., 154); *икинтиси* 'иккинчиси' (Сувр., 173) каби.

*-дин* ҳам айирувчи сон ясади: *икидин* 'иккитадан' [Ман., III, 8].

Баъзан ҳолларда айирув маъноси такрор йўли билан ифодаланади: *бир-бир* 'биттадан' [ТТ VIII, 64]; *бир бир әр* 'биттадан киши' (ТТ II, 91) каби.

**Доналик сон.** Булар *-та*, *-да* ёрдамида ясалади. Ҷрхун-енесиёй ёдиомаларида бу аффикс учрамайди. Булар қадимги обидалардан турфон текстларида келади: *бирта* 'битта'

(ТТ VIII, 73); *әтмиш икида* 'етмиш иккита' (ТТ VIII, 65) каби.

**Чама сонлар.** Тахминий санақ тушунчасини билдириш учун аффиксация усули билан ҳосил қилинган формалар эски ёдномалар тилида учрамайди. Бу маъно синтактик усул билан берилади, яъни қуйи тартибдаги бирлик сонга юқори миқдордаги сон билан келади: *бир ики* 'бир иккита' (ПМК., 36); *эки үч* 'икки үч' (Тон., 62); *төрт, бәш* 'түртта, бешта' (ТТ VIII, 65) каби.

**Ноаниқ сонлар.** Бу сонлар шу билан характерланадики, булар санақ маъносини равиш функцияси билан, баъзилари эса сифат функцияси билан бирлаштиради. Бунинг туб сабаби (фақат) сифат ва миқдорнинг ички боғланишидадир.

Текстларда ноаниқлик маъносидан кўпинча қуйидаги равиш ва белгилаш олошлари қўлланади: *үкүш 'күп', тәлим 'күп', сансыз 'сонсиз', әруш, үлүкүсүз, әрүш әлгүсүз өкүш сансыз өкүш* 'сон-саноқсиз, бунсуз 'сонсиз'; *коп 'күп', аз 'оз', анчакыйа 'өзгина', барча 'барча', қамағ, қамуг, қамығ 'ҳамма', қамағу, қамағун, алку, бутун, йумқи 'барча, ҳамма' кабилар.* Шуни ҳам қайд қилиш керакки, бир группа сўзлар борки, булар 'қисм', 'ярим', 'ҳовуч' каби маъноларни ифодалайди: *үлүғ 'қисм' (Тон., 61); үләсик (П. М. Мелноранский уқиниша өлсик 'қисм' (КТ., 28); йарым, бөлүк үлүш 'ярим' (ТТ X, 63; Юр., XXVIII); сынар 'ярим' (МН., 17); үч йарым төрт йарым (ТТ VIII, 63); аяча аш бирмиш, атудча сув тутмыш 'бир ҳовуч ош берган; бир ҳовуч сув тутган' (Сувр., 168) каби.*

**Нумератив сўзлар.** Санақ системасида нумератив сўзлар сонлардан сўнг қўлланади. Ёдномаларда нумератив сўзлар вазифасида қуйидагилар келади:

**йолы** — марта: *үч йолы* 'үч марта' (У II, 41); *төрт йолы* 'түрт марта' (МН., 17); *беш йолы* 'беш марта' (КТб., 32); *алты йолы* 'олти марта' (МН., 17); *бир йолы* 'бир марта' (ТТ VIII, 51); *қырқ артуқи йити йолы* 'қырқ етти марта' (ЕнПТ., 61); *бир икинчи үчүнч йолы арызун, алқинзун* 'бир, икки, үч марта тоза бўлсин, йуқолсин' (ТТ IV, 65).

**қат, қата** 'марта': *иқи қата* 'икки марта' [ЕнПТ., ТТ VIII, USp]; *үчүнч қата* 'учинчи марта' (Сувр., 156); *үчәр қата* 'үч марта' [У I, 29]; *беш қата* 'беш марта' (ПМК., 72); *алты қат* 'олти марта' (ТТ X 24); *беш қат* 'беш марта' (ТТ III, 59); *тоқуз қат* 'тўққиз марта' (Ғн., 83);

*он қат* 'ун марта' (ТТ I, 11); *тоққуз түрлүғ қат* '9 марта' (ТТ IV, 42-43); *бирәр отуз қата* '21 марта' (У I, 45).

**қалын, бағ, бағлык** 'боғ': *йүз иқи бағ, йүз иқи бағлык* '102 боғ' (Юр., XIII, 210); *алты бағ* 'олти боғ' (ЕнПТ.); *йүз әлиғ қалын* '150 боғ' (Юр., XVI, 212).

**тас, кўри, кўр, бадыр** 'ўлчов': *отуз тас* '30 ўлчов' (Юр., II, 206); *бир кўр бор* 'бир қумғон май' (Юр., II, 206); *иқи кўри* 'икки ўлчов кюри' (Юр., VII, 208); *он иқи бадыр* '12 бадыр' (Юр., XXVII, 215); *әғирми иқи бадыр* '22 бодир (ўлчов)' (Юр., XXVII, 215).

**әним** 'қисм' *үч әним* 'үч қисм' (ТТ X, 216).

**тўрлүғ** 'тур, турли': *иқи тўрлүғ* (ТТ VIII); *үч тўрлүғ* (У III, ТТ X 42); *төрт тўрлүғ* (ТТ VIII, 46); *бәш тўрлүғ* (ТТ IV, 26); *алты тўрлүғ* (ТТ X, 18); *йити тўрлүғ* [Хуаст., 118];

**тўрлүгин** 'марта' *мин тўрлүгин титрәйур* 'минг марта титрамоқда' (ТТ I, 13); *йүз тўрлүгин* 'юз марта' (ТТ I, 17) каби.

**қурлайу** 'марта': *үч қурлайу* 'үч марта' (Тш., 29).

**йапағ** 'қат': *беш йапағ* 'беш қат' [У III, 33, 37].

**қуврағ** 'туда': *минлиғ түмәнлиғ қуврағ* 'минглик тумәнлик тўда' (ТТ II, 57);

**йаңлығ** 'хил': *бир йаңлығ* 'бир хил' (АГ., 105).

Эски ёдгорликларда ҳам *марта, қатларда* англашилмади-ган маъно нумератив сўзларсиз ҳам берилган: *әйти сүнүшди* 'етти марта уришди' (Тон., 64); *тоқуз тәзгинип* 'тўққиз марта айланиб' (ЕнПТ., 61); *он әт сүнүшди* '17 марта уришди' (Тон., 64); *иқи қата тамырым тоқыл үчүнч тоқыйу уматын тинә турур* 'икки марта юрагим уриб учинчи марта ура олмасдан, нафасим тўхтайд' (У III, 37; 27-8); *төрт алқыш* 'түрт қарра мақтов' (Хуаст., 118).

Юқоридаги мисоллардан кўринадики, нумератив сўзлар сўнғроқ тараққий этган ва вақтлар ўтиши натижасида сонлар билан қўллана бошлаган.

Текшириляётган давр обидаларида сонлар субстантивлашган (отлашган) от функциясида қўлланган ва от сингари турланган: *икәғүнийн, икәғүнүн* (Юр., XVI, 213); *икәғүкә* (Юр., XVI); *бир йағирминчқа* '11 га' (ПМК.); *үчәғүнийн* (Сувр., 179); *беш йағирмидә* '15 да' [У III, 46, 14-5] каби.

Қадимги текстларда тарғиб сонлар равишлашган ҳолда, яъни равиш функциясида учрайди: *үчүнч 'учинчидан'* (Ғн., 80); *төртүнч 'тўртинчидан'* (Хуаст., 117); *бешинч 'бешинчидан'* (Хуаст., 117) каби.

<sup>4</sup> В. В. Виноградов, Современный русский язык, М., 1936, стр. 142.

Сонларга махсус аффикслар қўшилиб равиш ясалади: *икилэйу учлэйу* 'икки уч марта' [У III, 59, 5]; *бирлэ* 'бирга'; *икирчкү* 'икки марта'; *биргэру* 'бирга'; *икинтиш* 'қарам-қарши' [У III, 23, 4] каби.

Баъзи ёдгорликларда саноқ сонлар отлар билан бирга бир тушунчани ифодалашда иштирок этади. Бу ҳол хитой, санскрит тилларидан қилинган таржима асарларда учрайди. Бундай тушунчалар калька вули билан пайдо бўлган: *алты қачығ* (У II, 12); *сәкиз түрлүг эмгәк* [ТТ III, 27]; *тёрт тоғум биш ажун алты йолтақы тындығлар бирлэ* (Сувр., 133) каби.

Ёдномаларда 'мангу' тушунчаси аналитик тарада берилади: *бын йиллик тумән күнлик 'мангу'* (ПМК, 36); *мин йил тумән күн 'мангу'* (Юр., XIII; XVI).

## ФЕЪЛ

Обидалар тилида феъл формалари кенг тараққий этган. Обидаларда феъл формалари ранг-баранг ва мураккаб системани ташкил қилади.

**Феъл аспекти.** Ҳар бир феъл категориясида мавжуд бўлган тўрт аспектдан бири бўлиши мумкин; яъни: тасдиқ ёки инкор, бўлишли ёки бўлишсиз.

Феълнинг тасдиқ формаси II шахс буйруқ шаклига тўғри келади.

Инкор формаси феъл ўзагига *-мэ, -ма* аффиксининг қўшилиши билан ҳосил бўлади: *қылма, кэлмэ, кэрмэ* каби.

Феълнинг бўлишли формаси феъл ўзак-негизига равишдош формалари ва у феълнинг (бу феъл иш-ҳаракат, воқеа-ҳодисанинг бўла олиши, юзага чиқишини билдириб келади) қўшилиши орқали ясалади. *Тилин ёк* эдгү қилинчиг адыртлагалы уйур 'ҳозироқ яхши ёмон ишларни ажрата олади' [У III, 12]; сатығ биргәли угаймү эрки си 'сота оласанми?' [У III, 51; 11] каби.

Феълнинг бўлишсизлик формаси феъл ўзак-негизига равишдош қўшимчалари, +у феълга +*ма, -мэ* аффиксларининг қўшилиши билан ҳосил бўлади: *учар қуш учу умадын турды* 'учар қуш уча олмасдан турди' (ТТ I, 7); *тебрәтгәли қамшатғалы умазлар 'тебрата олмаслар'* (ТТ X, 329); *анынтынғлар ёкә нызбаннларын ийа баса умадын...* 'шу сабабли нафасликлар юрак газабини боса олмасдан' (ТТ II, 17) каби.

**Феълнинг шахс, сон формалари.** Шахс ва сон формаларининг қуйидаги кўринишлари учрайди. I группа парадигмаларида I-II шахс кишилик олмошлари, I-II шахс предикатив аффикси сифатида келади. III шахс бирлик учун эса *ол, бу, турур* сўзлари иштирок этади. III шахс кўп-

лиги учун сўнги давр ёдномаларида **-лар, -лар** шакллари қатнашади:

бирлик

кўплик

I ш. **-мэн (бэн)**

I ш. **-биз**

II ш. **-сән**

II ш. **-сиз**

III ш. **-баъзан ол, бу, турур**

III ш. **(-лар, -лэр)**

Мисоллар: *бэн кун тикэр бэн* 'мангу тош тикаман' (ЕнПТ., 95); *тапыкур биз эшидурбиз* 'топинамиз эштамиз' (ТТ IV, 24); *бу йан адогу қилынч қылгу ол* 'яхши ва эзгу ишлар қилиш керак' (ТТ I, 9) каби.

Мааскур группани ташкил қилган I-II шахс кишилиқ олмошларининг состави қадимда тор унлилардан иборат бўлган.

II группа парадигмаси эгалик аффикслари иштирокида тузилади:

бирлик

кўплик

I ш. **-м**

**°мыз, °миз, -муз, -мүз,**

**°мэз, °маз**

II ш. **°н**

**°ңыз(лар), °низ(лэр)**

III ш. **-ы, -и** баъзан *ол, турур*

**-ы, -и (-лар, -лэр).**

Мисоллар: *санчдым* (ПМК); *кэлүртүм* (ЕнПТ., 57) *бартий* (Онг., II 9), *йағды* (Гкн., 84); *басдымыз* (КТб., 32); *йукунтүмүз* (Хуаст., 117); *болтүмүз* (Хуаст., 117); *бардымыз* (Онг., II 9); *кэлтүнизлэр* (U III, 9, 4); *ажунларыг көр-киттиниз* 'дунёларни күргаздингиз' (ТТ III, 58); *көнүллитэки йиг номуг укытымыыз* 'кунгилдаги ток билимини ургатдингиз' (ТТ III, 58) каби.

Баъзан бир феъл формасида I-II тип парадигмалари формалари бирга келиши мумкин. Бу ҳодиса кесимлик аффиксларининг қўлланишида қатъий мунтазамликнинг йўқлигини кўрсатади. Энг қадимги даврларда туркий тилларда кесимлик аффикслари бўлмаган. Кейинроқ бориб, кишилиқ олмошлари ва эгалик формалари кесимлик аффиксига ўтган.

III группа парадигмаси эса буйруқ феълнинг қўшимчалари воситаси билан тузилади:

II шахс **-ғыл, -тил, -қыл, -кил, -ың, -иң, -ыңыз, -иңиз**. IV группа парадигмаси истак-хоҳиш майлининг қўшимчалари воситаси билан тузилади:

I ш. **-ай, -эй, -айын, -эйн** **-алым, -элим**

II ш. **-сун, -зун, -сүн, -зүн, -сун[лар], -зун[лар], -сүн-су, -зу, -сү, -зү, -чун** **[лэр], -зүн[лэр].**

Ёдномалар тилида инфинитив қўшимчаси **-мақ, -мэк** ҳаракат номи, от маъноларини англатиб келади. Баъзан инкор формаси **-ма, -мэ** ни олиб келиши мумкин: *қылмамақ* (ТТ III, 137) каби.

**Майл категорияси.** Ёдномаларда феъл майлларининг қуйидаги турлари mavjud:

1. буйруқ майли
2. истак майли
3. шарт майли
4. аниқлик майли

### ИСТАК МАЙЛИ

Истак майлининг формаси I шахс учун **-айын, -эйн, -йын, -йин**дир. I шахс кўплик формаси **-алым, -элим** ва **-лым, -лим** тарзидадир. Истак майлининг III шахси **-зун, -зүн, -сун, -сүн** орқали ифодаланади. Бу форманинг қисқарган **-зу, -зү, -су, -сү** вариантлари ҳам учрайди. Саноқли уринларда **-чун** варианты ҳам бор. III шахс кўплик **-зунлар -зүнлэр, -сунлар, -сүнлэр**дир. Истак майлининг парадигмаси қуйидагичадир:

шахс	бирлик	кўплик
I	<b>-айын, -эйн, -йын, -йин</b>	<b>-алым, -элим, -лым, -лим</b>
II	<b>-зун, -зүн, -зу, -зү, -чун, -сун, -сүн, -су, -сү</b>	<b>-зун, -зүн, -зунлар, -зүнлэр, -сун, -сүн, -сунлар, -сүнлэр</b>

I шахсининг бирлик ва кўплик формаси истак, хоҳиш, ҳаракатнинг муқарраллиги, бажариллиши лозимлиги каби маъноларни билдиради. У ёки бу маъноларнинг ишлатилиши конкрет контекст билан боғлиқ: *йазы қомайын* 'чўлда қолайин' (КТм., 28); *турк будун блүрэйин уругсиратайын* 'турк халқини улдирайин, уругсиратайин' (КТб., 29); *йынақ сочайын* 'ҳар томонга сочайин' [U III, 12; 5]; *адынагуни блүрмэйин* 'бошқани улдирайин' (U III, 1-3); *ашайын йэйин* 'емоқчман' (ТТ I, 14-8); *аулайын алайын* (Юр., XVI, 213) каби.

Биринчи шахнинг кўплиги Туноқуқ, Мағилонхон, Моянчур, онегин, уйғур, турфон, манихей каби ёдномаларда кенг истеъмолда бўлган: *на басыналым тәғәлим тиоим* 'нимага энгилайлик, қўшин тортайлик' (Тон., 63); *абырыл-малым азмалым* 'айрилайлик, озмайлик' (Онг., II, 9); *кабы-шалым* 'бирга бўлайлик' (ПМК., 37); *бтүнәлим сөзләлим* 'ўтинайлик, сўзлайлик' (Сувр., 620); *барып йүкүнәлим* 'бориб ўтинайлик' (ПВ., 134); *бош болалим* 'бош бўлайлик' (ТТ IV, 32-33); *йазуқлуғ болмалым* 'туноқлик бўлмайлик' (ТТ IV, 65); *биз басутчы болалим* 'биз ёрдамчи бўлайлик' (У III, 9-4).

III шахс истак майлининг қўшимчалари истак, хоҳиш маънолари III шахсга қаратилган бўлади: *йир суб идисиз болмасун* 'ер-сув эгасиз бўлмасин' (КТб., 30); *төбритсүн* 'терлатсин' (Гкн., 83); *ыңча болмазун* 'шундай бўлмасин' (Сувр., 608); *эмгәкис болсун* 'қийинчиликсиз бўлсин' (ТТ IV, 60); *йүкүнмизи саду арызун* 'юкинган сари тоза бўлсин' (ТТ III, 5) каби.

Бу шаклнинг қисқарган вариантлари *-зу*, *-зў* ва *-чун* ёдномаларда истеъмол доираси чекланган форма саналади: *тәһри йарлықазу* 'тангри ёрлиқласин' (Тон., 64; КТб., 31); *болзу 'бүлсин'* (ПМК., 80); *бүдун болчун* 'халқ бўлсин' (КТб., 28).

*-сун*, *-сўн* шакллари руник обидаларида учрамайди. Булар сўнги давр тилида қайд қилинган: *сатсун* 'сотсин' (Юр., XIII, 210); *сөзләри йорымасун* 'сўзлари амалда бўлмасун' (Юр., XVI, 213); *қалсун 'қолсин'* (ПМК., 85).

Руник обидаларида III шахс кўплиги *-зун*, *-зўн* билан берилади (Онг., II, 9; ЕнПТ., 95; Тон., 63) каби.

*-зунлар*, *-сунлар*, *-зўнлар*, *-сўнлар* вариантлари сўнги даврларда қайд қилинган: *сөзләри йорымасунлар* 'сўзлари ўтмасин' (ТТ I, 17); *йинтәм ырыбанта тоғзунлар* 'Нирвонда ҳар вақт тугилсинлар' (ТТ III, 166-167); *көни бирсўнлар* 'тўғри берсинлар' (Юр., VII, 208); *қилмасунлар* 'қилмасинлар' (Юр., XIII, 210) каби.

#### БУЙРУҚ МАЙЛИ

Буйруқ асосан II шахсга қаратилади ва иш-ҳаракатни бажаришга ундайди. Буйруқ майлининг ифодаланиши қуйидагича:

1. *Феъл асоси* (Узақ-негизи) билан: *қорқма әдәүти бтүн, айынма әдәүти йалбар* 'қўрқма, яхши ўтин, яхши ёлвор' (Гкн., 81); *огланым қанқа тап, қатыглан* 'ўғлоним хонга топин, қатиғлан' (ЕнПТ., 84); *уч қата оқи* 'уч марта ўқи' (ТТ VIII, 72); *сөзлә* [ТТ VIII, 19] каби.

Баъзан ўрхун-енисей ва бошқа обидаларда юқоридаги усул билан ифодаланган буйруқ формаси кўплик маънода ҳам ишлатилган: *атлат* 'отланинлар!' (Тон., 62); *тоқуз оғуз бәгләри бұдуны бу сабымн әдәүти әшид, қатығды тынла* 'тўққиз ўғуз бекари халқи бу сўзимни яхшигина эшитинг, қаттиқ тингланг' (КТм., 28); *қатығты ба, әдәүти ба!* 'қаттиқ боғланг, яхши боғланг!' (Гкн., 81).

2. *Буйруқ маъноси* *-ғыл*, *-гил*, *-қыл*, *-кил* шакллари орқали ифодаланади: *қатығланғыл* 'қаттиқлангин' (ЕнПТ., 29); *қылғыл 'қилгин'* (ТТ X, 279); *турғыл 'тургин'* (У III, 56); *алғыл 'олгин'* (ТТ VIII, 65); *тутғыл 'тутгин'* [У I, 7]; *әшидгил 'эшитгин'* (У III, 5); *барғыл 'бергин'* (ПМК., 35); *оурқыл 'ўтиргин'* (У III, 83); 5-6); *бтүнгил 'ўтингин'* (ТТ X, 91); *сақлану көргил* 'сақлаб кўр' (ТТ X, 426); *ипкил йаратқыл* 'этгин яратгин' (Сувр., 156) каби.

*Баъзида бу аффикс кўплик маънода келади: сабымн тўкәти әшидгил* 'сўзларимни тудла эшитинлар' (КТм., 27); *қилсанг*: КТб., 30; КТм., 28).

Буйруқ майлининг кўплиги *-ын*, *-иң* формаси ёрдамда ифода этилади: йәмә игидиң! әмгәтмәң; толғатмаң! яна кўтаринг, қийнатманг, тұлғатманг' (МН., 19); буны көру бил! 'буни кўриб билинг!' (КТм., 28); қара бұдуным қатығланың 'бутун халқим қаттиқланинг!' (ЕнПТ., 26); йәм амранмақ билгинг ағрдан айақ тапың севги, муҳаббат тим-солнин хурматланг, аянғ, иззатланг' (ТТ III, 3); алын әмти 'олинг энди' (ТТ III, 13) каби.

Баъзи уринларда бу форма яқка шахсга нисбатан ҳам қўлланади: сү барын 'асқар билан бор!' (Тон., 63).

3. Буйруқ формаси *-ыңлар*, *-иңләр*, *-уңлар*, *-ўңләр* таради ҳам қўлланади.

Бу форма руник обидалар тилида учрамайди. Мазкур форма 'Ирқ битиг' асари, уйғур, манихей, брахми ёзув ёдномаларида истеъмолда бўлган. 'Ирқ битиг'да *-ыл*, *-иң*, *-ыңлар*, *-иңләр* ўртасида фарқ йўқ даражада.

Буйруқ *-уңлар*, *-ўңләр*, *-ыңлар*, *-иңләр*дә кўпчиликка қаратилгандир: маңа кәдүрүңләр 'менга келтиринлар' [У III, 12, 14]; кәруңләр анын ачыг әмгәникин 'унинг аччиқ гурбатини кўринг' [У III, 24, 4]; әшидниләр 'эшитинлар' (Сувр., 154); барыңлар 'боринлар' (Сувр., 154).

#### ШАРТ МАЙЛИ

Шарт майлининг формаси *-сар*, *-сәр* руник, уйғур, манихей, брахми ёзув обидаларида учрайди. Ушбу форманинг қисқарган варианты *-са*, *-сә*, *-за*, *-зә* турфон текстлари,

юрндик хужжатларда (Юр., XIX) *-сар, -сэр* билэн параллель истрёмолда булган: *йардықасар кэрсэр кэлса (кэлэ), тудса (тудза), талпаза талпамаса* каби. Бу дээр ёднома-лари тилида *-са, -сэ* шаклларининг истрёмол доираси жуда чекланган. Масалан, брахми ёзувли турфон текстида фақат икки уринда *-са, -сэ* келади: *барсалар 'борсалар' (ТТ VIII, А 17); эшитсэлэр 'эшитсалар' (ТТ VIII, А 25)*. Бошқа феъл-лар билэн *-сар, -сэр* қўлланади: *болмасар 'булмаса' (ТТ VIII, В 1); болсар 'булса' (ТТ VIII, Е44), эрсэр 'эса' (ТТ VIII, 33); бушанмасар 'бушамаса' (ТТ VIII, А 36); алсар 'олса' (ТТ VIII, А 38); қыл ар 'қилса' (ТТ VIII, А 45); татмасар 'татмаса' (ТТ VIII, С9); сақынмасар 'уялмасаса' (ТТ VIII, Д 16); кэзмэсар 'кетмаса' (ТТ VIII, К 10); оқытсар 'уқытса' (ТТ VIII, О 16); кэлсар 'келса' (ТТ VIII, А 41); эрмэсар 'эмаса' (ТТ VIII, Д 26); күсэсар 'хоқласа' (ТТ VIII, Е 45); тэсэсар (ТТ VIII, К 1); тэсар (ТТ VIII, Н 6); түкэзмэсар 'тугамаса' (ТТ VIII, 43); түкэмэрсар 'тугамаса' (ТТ VIII, 36); усар (ТТ VIII, 14); тэрсар (ТТ VIII, 33); синмэсар 'синмаса' (ТТ VIII, М 21); ичсар 'ичса' (ТТ VIII, М 21) каби.*

Урхун-енисей ёдномаларида шарт феълнинг предикатив аффикслар билэн келиши учрамайди. Шарт майлининг тусланиши уйғур, манихей, турфон текстларида қайд қилинади. Руник ёдномаларини текширган олимлар шарт формасининг белгиси сифатдош, от ясашда қўлланган деб тахмин қилишадн.

Шарт майлининг тусланиши қуйидагичадир:

- I. *оқсар мэн, оқсар биз, кэлсар мэн, кэлсар сиз*  
II. *оқсар сэн, оқсар сиз(лар), кэлсар сэн, кэлсар сиз(лар)*  
III. *оқсар ол, оқсар(лар), кэлсар(ол), кэлсар(лар)*.

Мисоллар:

- I. ш. *оқсар мэн* (Сувр., 6), *кэрсэр мэн* (Сувр., 12), *оз-гуру умасармн* (У III, 41, 3)  
II. ш. *қылсарсен* (У III, 69), *усар сэн* (Сувр., 11),  
III. ш. *кэлмэсар* (Сувр., 620);  
I. ш. *оқунсар биз* (ТТ IV, 26-27), *оқсарбиз* (Сувр., 620);  
II. ш. *оқсар сиз* (ТТ), *тудсарсизлэр* (Сувр., 405);  
III. ш. *сбэсарлэр* (Сувр., 10), *бэглэр болсарлар* (У III., 69, 20) каби.

Шарт формаси билэн уюшиб келган икки ёки ундан ортик феълларда предикатив аффикси охири феълга қўшилиб келади: *барк элти бу эмэж эмэнгэли қорқсар аймансар сэн...* [У III, 31; 12-13] каби.

Шарт майлининг маъноси ва қўлланиши. Қўшма гап кесимида ифодаланган, лекин бажарилмаган иш-ҳаракатнинг маълум шариотда бажарилиши мумкинлигини аңлатади. Бунда *-сар, -сэр* билэн келган феъл эргаш гапнинг кесими бўлиб, бош гапдаги ҳаракат билэн боғланган бўлади: *Бу қаганинда бэглэриндэ йэриндэ сувинда адырилмасар түрк будун бэун эдэгу кэртэчи эн 'турк халқи хоннинг, беқларинг, еринг, сувингдан айрилмасанг, ўзинг ээгу курсан (топасан)' (МН., 19); бирмэдин кэчүрсэрмэн ил йанынча түчи билэ кэни билэурмэн 'бермасдан кечиктирсам эл олдата фойдаси билэн түгри бераман' (Юр., XXVII, 215); ил тала кбэрсэр сэн тбру йавыз 'касалга дучор бўлсанг бой-лик ҳалок бўлади' (ТТ I, 11); тудбу кириш қылмасар сэн бэунэ қамағ адатын озгайсэн 'бахс қилыб талашмасанг, ўзингни бутун хавф-хатарликдан қутқарсан' (ТТ -I, 14) каби.*

Шарт феъли ёрдамида сабаб эргаш гапнинг кесими ифодланади: *бир тодсар, ачсық бтэзсэн 'бир тўқ бўлганда, очликни унутасан' [КТм., 28]; узэ тэври басмасар, асра йир тэлинмэсар, түрк будун, илдин тбрунни қам артаты 'устингда тағри босмаса, остингда ер тилинмаса, турк халқи, ким (сенинг) давлатингни йуқ қилади' (МН., 69); иол азсар эв тапмаз 'йулдан адашганда, уй топилмас' (ТТ I, 8); киши сбзлэсар сав алқунур 'киши беҳуда сўзласа сўздан пугур кетади' (ТТ I, 8) каби.*

Пайт эргаш гапнинг кесими шарт феъл билэн ифодланади. Бунда эргаш гапда шарт маъно отгенкаси сақланади: *бир киши йанылсар, угышы будуни батукинэ тэги кидмаз эрмиш 'бирор одам адашганда, уни (тутиб) уз қаэмга юбормас эди' (КТм., 28); мунтағ тисэрман бтру ол йаклэр мана йнча тидилэр 'шундай дегандан сўнг уша арвоқлар менга қуйилгаларин айтишдилар' (Сувр., 155); тэбдин йнчаққа кбэрсэрмэн, тбртэ эрклиг қам одурур 'тоғдан атрофга қараганда, тўрида Эрклик хон утирар' (Сувр., 156); қачон бодиствнни этезин башы бирмиш йир орунқа тэгдилэр эрсэр 'қачон будисатвинг бутуи вужуди берилган ерга етганда' (Сувр., 625); сув тамыры қурьсар йаш йавышгу қурийур 'сув қуриганда' яшил барглар қурийди' (ТТ I, 9) каби.*

Истак, мақсад, хоҳиш маъноларини аңлатади: *учэгу бирлэ кна бэсар биз '(қани энди) учовимиз бирга ўласак?' (Сувр., 620); бу туста тирик эсэн қавышсар, бэсар мэнин бтбзу '(қани энди) бу туста тирик омон-эсон бирга бўлсам*

мен үзүн улсам' (Сувр., 623), *азгына кичиги э эмгэкин бг-сэрмн* 'өзгына кичина мушкулуга ярасам' [УШ, 31; 11] каби.

Урхун-енисей текстларида *-сэр, -сар, -са, -сэ* билан ифодаланган шарт эргаш гапнинг кесими бошида ўрни билан *нэч* (Тон., 64), *нэч, нэч* (КТм., 28) каби олмошлар қўлланади. Сунгроқ *қачон, бирўр, бироқ* кабилар қўллана бошлаган.

Шарт формаси *эр* феълига қўшилиб *эрсэр* элементини ясайди ва бу *эрсэр* бир қатор функцияларга эга: истак, зарурлик каби модал оттенкаларни беришда, эргаш гап билан (кўпинча сабаб англатувчи, тўсиқсиз эргаш гап билан) бош гапни боғловчи элемент сифатида қўлланади.

*кэлр эрсэр, кў эр ўкүлүр, кэлмэз эрсэр тымлыг савыг алы олур* (борди-ю) келса, ботир эр кўпачди, келмаса, турли хабарларни тўпла' (Тон., 63); *Суйда бару сақинчым сбзин қылычын он тўрлүг суй йазуқ қылтымиз эрсэр, ничэ икид игдэдимиз эрсэр, йэмэ нэчэ игдэйу антықдымыз эрсэр икид киши тонуқы болтумуз эрсэр, йэмэ йазукуз кишиг нэчэ сбзлэдимиз эрсэр кбнўдин билангин артатдымыз эрсэр, йэмэ нэчэ ўкүш тинлыгыг туралыгыг блүрдүмүз эрсэр, кўн ай тэңри тапаламас исиг нэчэ ишлэдимиз эрсэр, йэмэ илки бзүн бу бзүн узун тонлуғ урылар бз болуп нэчэ йазынтымиз йанылтымиз эрсэр; тэңрим эпти бу он тўрлүг йазуғда босуну бтүнүр биз* Ғумроқликда юриб сўзимиз ва қилмишимиз билан ўн турли гуноҳ, қанча сохта ҳаракатлар қилган, яна неча ёлгон қасамлар ичган, сохта кишилар (манфаати) учун гувоҳлик берган, яна қанчалаб гуноҳсиз кишиларни таъқиб қилган, яна қанча ёлгон сўзларни ишла-ти, уйдирма ва миш-мишлар тарқатиб кўплаб кишиларни камситган, дилини ва эътиқодини бузган, нечалаб макрона ишлар қилган ва яна кўплаб жонли жониворларни жонсиз қилган, қуёш ва ой тангрига хуш келмас ишларни қанчалаб қилган, яна қули баланд (узун) бу давр аёлларига вужудимизни топшириб қўйиб, неча адашган ва гуноҳлар қилган, бунча кўп нафасликларни йўқ қилган бўлсак, эй тангрим энди бу ўн турлиг гуноҳларимиз учун тавба қилиб кечирим сўраймиз, ўтинамиз' (Хуаст., 117).

*Бол* феъли шарт аффиксини қабул қилган феъллар билан келиб ҳар хил модал оттенкаларини кўрсатади: *ўр оғул кбсэсэр, болтун эд тавар тилэсэр, болтун талтин* 'ботир ўғил тилар бўлдинг, молу мулк тилар бўлдинг, топдинг' (ТТ I, 7).

## ФЕЪЛНИНГ АНИҚ МАЙЛИ

Ёдномаларда қуйидаги формалар феълнинг ҳозирги, ҳозирги-келаси ва ўтган замон шаклларини ташкил қилади: 1. *ур, ўр, -ар, -эр, -ыр, -ир, -йур, -йўр, 2. -ғалыр, -галир, -қалыр, -кэлр, 3. -дачы, -дэчи, -тачы, -тэчи; 4. -чы, -чи; 5. -ғай, -гэй; -қай, -кэй, 6. -ғу, -гү, -ку, -қў; 7. -ғулук, -гүлүк, -гүлүг, -қулук, -күлүк; 8. -турур; 9. -мыш эргэй; 10. -ти эргэй; 11. -сун, -сўн, -зун, -зўн, -эйин, -ийн+эрти; 12. -д, -т; 13. -д, -т эрти; 14. -йүк, -йүк, -йүг, -йүг; 15. -йүк, -йүк, -йүг, -йүг+эрти; 16. -дүк, -дүк, -дүг, -дүг, -дык, -дик, -дыг, -диг; 17. -дүк, -дүк, -дүг, -дүг, -дык, -дик, -дыг, -диг, -туқ, -түг, -туг, -туг, -тык, -тик, -тыг, -тиг эрди; 18. -мыш, -миш, -муш, -муш; 19. -мыш, -миш эрди; 20. -мыш, -миш эрмиш; 21. -ур, -ўр, -ыр, -ир, -ар, -эр, -йур, -йўр эрди; 22. -ғай, -қай, -кэй, -гэй эрди; 23. -ур, ўр, -ар, -эр, -ыр, -ир, -йур, -йўр эрмиш; 24. -дачы, -дэчи, -тачы, -тэчи эрди; 25. -дачы, -дэчи, -тачы, -тэчи эрмиш; -д, -т эрмиш каби.*

## ҲОЗИРГИ-КЕЛАСИ ЗАМОН

*-ур, -ўр, -ар, -эр, -ыр, -ир, -йур, -йўр.* Бу замон формаси феъл узак-негизларига *-ур, -ўр, -ар, -эр, -ыр, -ир, -йур, -йўр* шакллари ва шахс аффикстарини қўшиш орқали пайдо бўлади:

## бирлик

- I ш. *қазганур мэн бтүнүрмэн* (баъзан *қазганур бэн*)  
II ш. *қазганур сэн* *бтүнүр сэн*  
III ш. *қазганур* (баъзан *қазганур ол*)

## кўплик

- I ш. *қазганур биз* *бтүнүр биз*  
II ш. *қазганур сиз* (баъзан *қазганур сизлэр*) *бтүнүр сиз* (баъзан *бтүнүр-сизлэр*)  
III ш. *қазганур* (*қазганурлар*) *бтүнүр* (*бтүнүрлэр*)  
Мисоллар: I шахс *қазганур мэн* (КТб., 29); *барырман* (ГКн., 83); *йэйүрмэн* (ТТ X, 277); *тилэйүрмэн* (Сувр., 83); *ишлэйүр биз* (Хуаст., 119); *сбзлэйүр биз* (Хуаст., 119); *тэкинүр биз* (ТТ IX, 9) каби.

II шахс: *усарсэм* (Сувр., 155); *йалтрийур сэн* (ТТ IX, 11); *билрисиз* (КТб., 31); *қачарсизлар* (Сувр., 154) каби.

III шахс: *кдрур* (КТм., 27); *олурур ол* (Гкн., 84); *ужу-лур* (Тон., 63); *қабышыр* (Тон., 61); *барырлар* (ТТ X, 552); *тушар* (Сувр., 618); *сбзлэшэрлар* (Сувр., 155) каби.

-ур, -ур формаси иш-ҳаракатнинг нутқ моментидан сўнг бажарилишини билдиради: *йоққышалым! — тир мэн 'йуқотайлик дейман!'* (Тон., 61); *алқу қа қадаш оғул қыз эд тавар барча мунта қалып мэн адырылып адын ажун-қа барыр мн* (U III, 3-4); *бэг эр сыгылар иш булмадын 'иш тонамдан бек сиқляятп' (Т I, 7), сизлэркэ йрлыкқайур мн 'сизларга буюрпман' (ТТ II, 75) каби.*

Иш-ҳаракатнинг умумий бажарилиши, ҳаракатнинг давом этишининг доимий белгисини билдиради: *кимкэ илэг қазғанур мэн? нэ қағанқа исег күчег бирүрмэн 'ким учун эд олмоқдаман?...Қайси хоқонга куч-гайратимни бераман?' (КТб, 29); йарны кэчэ дшурмэн 'эртлаб, кечаси қатнайман' (Гкн., 80); талудайа йатырпан талладуқымны тутармэн сөбдукимин ишур мэн 'денгизда бўлиб менга ёққан (нар-саларни) тутаман, севганимни ейман' (Гкн., 80); йэк ичкэк эшурур йағы йавлақ алтайур (ТТ I, 80); бу йердэ мун-лугун иштuru басынтуру йору йурсызлар (Ман, III, 30); бу борлуқнын сымсы бндуни Қара Тэмрининг борлуқ ады-рар, кддүни йынақ сымсы окэн адырар, кидин йынақ сымсы бкэн бк адырар, тагтын сымсы Сурықа тэмши борлуқ адырар (Юр., XIII, 210) каби.*

-ур, -ур формаси иш-ҳаракатнинг нутқ моментнда ба-жарилишини кўрсатади: *агыр аймақын эсэнгүлэйу дкүш кбнүгэ айыту идур биз 'зур эхтиром билан ҳаётидан су-раб, бутун кунгил билан тилаймиз (Нт VII—182 б.).*

Иш-ҳаракатнинг келажакда бажарилишини билдиради: *Ил — Тэмиртин бир кўри кунжист алтым кўз ики кўри кунжист бирүр мэн (Юр., VII, 208); кўз йаныда ики бадыр кунжисд кбни бирүрмэн бирмэдин кэчүрсар мэн ил йанын-ча тўши бирлэ кони бирүрмэн (Юр., XXVII, 215) ан кичи Мғастови тигин тақы талиму тэсинмэз тиллэйу тэсинүрлэр (Сувр., 623); мн адырылып адын ажунқа ба-рыр мн (U III, 6:4) каби.*

Утмишда бўлган иш-ҳаракатни ҳикоя қилишда қўлла-ниши мумкин: *антаг ачыг тарқа эмгэклэринтин озқалы кутруққалы умағай сэнтиг мунглауу сбзлэшэрлэр (Сувр., 155); бирисин қабыл илтур болур (Сувр., 627).*

эрки сўзи билан қўлланиб, модаллик отгенкасига эга бўлади: *булу тэгинүр эрки 'балки етар' (U III, 76: 1) каби.*

-қалыр, -кэлир, -ғалыр, -гэлир. Бу аффикс орқали ҳозирги-келаси замон феъли қилиниб, иш-ҳаракат-нинг бажарилиш пайтини билдиради.

-қалыр, -кэлир, -ғалыр, -гэлир шакллари ёрдамда ташкил топган ҳозирги-келаси замон феъли камроқ истеъ-молда бўлиб, воқеа-ҳодисанинг умуман (умум замон) аниқ ҳозирги замонда ёки келажакда бажарилишини билдиради:

*Иа қуруп от атқалыр,*

*Иалынғ қылым тутуп оқ узкалып,*

*Тыт сөгүт будықы йүз түрлүгин титрийур,*

*Артуч сөгүт будықы йүз түрлүгүн ыргалур,*

*Бөрклиг йэк ичкэклар ил тутқалыр.*

*босуч қатғу аг ағрығлар орнағ тутқалыр*

*бэгтин ишитин кэрсэрсин сувақ киркэлэрсин*

*илтин қантын кэрсэрсин алқамакқа тўшкэлэрсин*

*'Бй қурибоқ отади.*

*Йаланг қилич тутубоқ узади,*

*Тилоғоч бутоқи минг марта титрайди,*

*Совур арча бутоқи юз марта қайрылади, титрайди.*

*Берк руҳлар (демон) элни қўлда тутади,*

*Қайғу-алам, оғриг касал (бир) ўриндан силжитмайди.*

*Бек ва бекач ҳақида сўрасанг, шуҳрат қозонасан,*

*Эл ва хон ҳақида сўрасанг мақтовга сазовор бўласан'*

*(ТТ I, 162-171).*

-дачы, -дэчи, -тачы, -тэчи. Бу сифатдош шакллари шахс аффикслари билан қўшилиб келаси замон феъли ясади:

бирлик

кўплик

I ш. қалтачы мэн, кэлтэ-қалтачы, кэлтэчи биз  
чимэн

II ш. қалтачы сэн, кэлтэчисэн қалтачысиз, кэлтэчи сиз

III ш. қалтачы (ол, турур) қалтачы (лар), кэлтэчи

кэлтэчи (ол, турур) (лар)

Мисоллар: *киртэчи сэн (МН., 19); болтачисэн (МН., 19);*

*блүртэчи (Тон., 61); қамылтачы ол (U III); қалтачы биз*

*(Тон., Хуаст., 119); йанылатчысиз (КТм., Мел., 63); илин-*

*туртбичилэр (ТТ VII, 11) каби.*

-дачы, -дэчи, -тачы, -тэчи шакллари африм ўринлар-да эғалик аффикси билан тўсланиб келаси замон феъли

ҳосил қилади: *сэн куруғ қалтачыч 'сён қуруқ қоласан'*

*(U Sp., 24).*

Мазкур форманинг бўлишсизлик маъноси асосан -ма,

баъзан йоқ сўзи билан ифода этилади: *уйатмадачылар (ТТ*

VIII, 44); ол *айкнич үстүн тири алтын йалнуқта ким эрсар кучин тымдатыч йоқ* 'осмондаты таңгри, ердгаи нисон нчда хеч ким йүкки, рухнинг кучини ушлагани' (ТТ X, 1, 57).

Бу форма иш-харакатнинг келажакда бажарилиши ёки харакатнинг нутқ моментидан кейин аниқ бажарилишини билдиради. Руник обидаларида кўпинча шарт эргаш гаили кўшма гапдаги асосий харакатнинг кесими бўлиб келади: *Ол йиргару барсар, турк будун, балтчисан' дтүкэн бир олурьп, арқын тиркши исар, нэн бунгу йоқ, дтүкэн йыш олурсар, бэнгу ил тута олуртачы — сэн турк будун тоқ уша ерга борсанг турк халқи уласан.* Уткан ерда бўлиб (совға учун), карвон юборсан, хеч бир гаинг йүк, Уткан халқи орасида қолсанг, мангу эл яратиб қолсан (АГ., 28); *ол эки киши бар эрсар, сини Табгачыг длауртэчи, тирмэн, онрэ Кытаныг олуртэчи тирмэн, бини огузуг длауртэчи бк тирмэн* 'агар киши бўлса, сени Табгочни улдиради, дейман. Олдида китангни улдиради — дейман. Мени угузни, албатта, улдиради, — дейман' [Тон., 61]; *анча сақынтым, кбздэ йаш кэлсэр, этидэ кбнудтэ сыгыт кэлсэр, йантуру сақынтым, қатыгды сақынтым.эки шад улайу инийгуним огланым бэглэрим будуным кбзи қашы йаблач болтачы тил, сақынтым* 'кўп уйладим, кўзда ёш келса, вужудида йиғини салса, яна қайта уйладим, чуқур хаёлга чулғади. Икки шод ва нним, ўғлим, бекаларни, халқимнинг кузи-қоши ёмон бўлади деб уйладим' (КТБ., 33);

*-дачы, -дэчи, -тачы, -тэчи* формаси келаси замон маъносида қўлланади: *ббдкэ қбримэ бэглэр гу йанылтачысиз* 'будга (тахтга) кирган бекалар ахир хато қиласиз' (КТм., 28); *бнрэ қытайда, бэрийэ Табгачда қуруйа қурданта, йирайа огузда, эки уч бин сүмүз кэлтэчи биз* 'унга (шарққа) Қитанга, жанубга, Табгочга, фарбга, қурданга, шимолга ўғузга, икки уч минг аскаримиз билан келамиз' (Тор., 62).

*Қэйрэдэ бдин йантачы* 'Қайрадан қайтаман' (ПМК., 34); *улуг агыр йүк тэг түшдэчи қамлтачы ол* 'катта оғир юкдек тушади' (ТТ III, 18); *мангу орунқа тэгүрдэчи* 'мангу ўринга олиб боради' [У III, 11, 5] каби.

Иш-харакатнинг доимий, турғун белгиларини англатади: *номы уч павлақ йолта түшмиш тынлыларыг бру тартип низванилаг йагыдын оз гурдачи ол* 'Бурхон китобининг (илмининг) қийматни шундаки, уч ёмон йулга тушган жонликларни юқори кўтариб (кўтқариб) Низвони ёдан кўтқаради' [У III, 18; 31-32]; *илиг бэд кбнудли ўкүш саваг бил-*

*тэчи ол* 'Илиг бек кўнгли кўп сўзни биледи' [ТТ X, 498] каби.

Эҳтимол, модал маъно оттенкалари *күк* юкласи орқали берилади: *айгучыси билгэ эрмиш, қач нэн эрсар бл уртэчи күк* 'маслаҳатчиси билимли экан, нима бўлса ҳам голиб чиқади, шекилли' (Тон., 62); *қач нэн эрсар бизни длауртэчи күк* 'нима бўлса ҳам бизни улдиради шекилли' [Тон., 63].

*-дачы, -дэчи, -тачы, -тэчи* формаси *бол-* билан келади: *бу қамг турк будун тиринэ йазуқ қилтачы болғайлар* 'бу ҳамма турк халқи таңгрига гуноҳ қилувчи буладилар' [ТТ II, 10].

*-дачы, -дэчи, -тачы, -тэчи* формаси эр билан келади: *синин утүнч ни эригинисни эртэчи эрүлэр* [ТР VIII 69]; *нызваныз ўклиттэчилэр эрүр* (ТТ VIII, 10); *уттачы эрмэзимэн* [ТТ VIII, 46] каби.

*-чы, -чи, -мачы, -мэчи.* Бу шакллар шахс аффикслари билан қўшилиши натижасида ҳозирги-келаси замон феъли ҳосил бўлади. Иш-харакатнинг нутқ моментидан сунг содир бўлишини билдиради (долженствование оттенкасига эга) *блмэчи йэтмэчи сэн* 'қийналасан уласан (қийналишинг, улишинг керак)' (ПМК., 36); *бу йолын йорсар, йарамачы* 'бу йулдан юрсанг ярамайди (Тон., 62); *қачан нэн эсүк сбз-лэмэчи мэн* 'хеч қачон ёлгон сузламайман' (АГ., 116); *ол ада ймэ сизлэркэ тэгмэчи ол* 'бу бало сизларга тегяди' (АГ., 116); *булуны ол* (Ман., III, 11, 14) каби.

*-гай, -қай, -кэй, -гэй.* Бу форма келаси замон ҳосил қилади:

#### бирлик

#### кўплик

- |  |                                 |
|--|---------------------------------|
| I ш. <i>болғай мэн, кэлкэй сэн</i>     | <i>болғай биз, келгэй биз</i>   |
| II ш. <i>болғайсэн, кэлгэй сэн</i>     | <i>болғайсиз, келгэй сиз</i>    |
| III ш. <i>болғай (ол), кэлгэй (ол)</i> | <i>болғай(лар), кэлгэй(лар)</i> |

Бўлишсизлик формаси *-ма, -мэ* орқали ҳосил қилинади: *болмағай, кэлмэгэй.* Суроқ юкласи шахс аффиксидан сунг ёки олдин келади: *йорықай мун мэн* (Юр., 1, 202) каби. Учинчи шахс бирлик учун урни билан *ол* қўлланади: *бл-гэй ол* (Ғки. 81); *кэткэй ол* (ТТ V, 62) каби.

Бу форма иш-харакатнинг келажакда бажарилишини билдиради. Иш-харакат, воқеа-ҳодисанинг маълум бир моментда содир бўлишини кўрсатмасдан, ҳаракат умуман келажакда рўй беришини англатади. *Мунтада кэзиринч тынлыг болғай му* 'бундан бошқа туган жонлик буладими?'

(Сувр., 616); *нэгүдэ болгай ол 'қандай қилсин'* (Гки., 82); *бәлкі йарагай* (Гки., 80); *ада әртгөй әдгү кәлгәй* 'адоват ұтади, яхшилик келади' (ТТ I, 9); *аны үчүн тәрири йирик булгайбиз* 'шунинг учун тангри ерини тонамиз' (ТТ II, 17); *сиз мині йарамқагай номқа тутгай дымдор қылгайсиз* (ТТ II, 39-40); *қаншуда йығышақлар сартлар булсар алқунн дльүргәй бир тириг ыдмағайлар* (ТТ II, 15-16) каби.

Мәзкур формада келган феълнинг семантикаси ва гапнинг контекстига қараб **-гай**, **-қай** гумон, тахмин, тилак, мақсад, истак, хоҳиш каби маъноларни англатиши мумкин (Сувр., 620, ПВ., 135; Сувр., 529-30 каби).

Бу давр тилида **-гай**, **-қай**, **-кәй**, **-гәй** модал маъно от-тенкаларини англатиб келмаган. Модал мазмунн **әрнич**, **әрки** каби сузлар орқали берилган: *қодгай әрки* 'қўяр шекилли' (ТТ X, 259); *булгай әрки биз* (Сувр., 609); *қайу талап болгай әрки* [U IV, 77]; *әдгү ном тымлағалыбулгай әрки мән* (U III, 29; 4-5); *ол әрдни бизнә ада тудга кәлгәй әрки* [U III, 56; 2-3], *кәнтү билингәй әрнич* (КР., 10) каби.

Бәзйи уринда **-гай**, **-қай**, **-кәй**, **-гәй** шакллари **-га**, **-қа**, **-кә**, **-гә** кўринишга әга. Буларнинг қайси бири әнг қадимги форма дегән саволга ҳозирги олимлар орасида бир фикр мавжуд бўлмай, бәзйилар даставвал **-гай**, **-қай** шакллари бўлиб, булардан **-га**, **-қа** пайдо бўлган деб гумон қи-лашади. Бизнингча бу икки кўриниш қадимги вақтдаги диалектал хусусият билан изоҳланади. Мәзкур формалар руник обидялар тилида учрамайди.

**-гу**, **-гү**, **-ку**, **-кү**. Бу сифатдош формаси эгалик аффикслари билан тусланиб келаси замон феълини ҳосил қилади. Бўлишсизлик формаси **-ма**, **-мә** шакллари ва инкор билдирувачи **йок** сўзи ёрдамида инфодаланади: *қилмақу* (ТТ IV, 18); *барғуси йок* (ТТ X, 465) каби.

Текширилган ёдномалар тилида асосан учинчи шахсда қўланади.

Иш-ҳаракатнинг келажакда бажарилишини билдиради: *мәтин кбйүдүм йүрәкми ситмәдә әни кирип барғуси йок* 'менинг йорагим, кунглим сендан ўзгани истамайди' (ТТ X, 465-66) каби.

Иш-ҳаракатнинг бажарилиши кераклигини, лозимлигини англатади. *Торушта тудушта санлангу ол әд йол тилә-мәктә йшағу ол* 'уруш-жанжалдан сақланиш керак, бой-лик, бахт орттиришдан эҳтиётлик керак' (ТТ X, 15).

**-гулуқ**, **-гүлүқ**, **-гулуқ**, **-қулуқ**, **-күлүқ**. Бу сифатдош формаси предикатив функциясида, асосан III шахсда келади.

Мәзкур функцияда қўланиши (эс ки) урхун-енисей обидялар тилида қайд этилмаган.

**-гулуқ**, **-гүлүқ** уйгур, брахми, мөникей обидялар тилида кенг исетьмолада бўлган. У иш-ҳаракатнинг бажарилиши кераклигини, лозимлигини, истак, мақсадни англатиб келади:

*кбйүл ичинтә ст кирди*

*қадғу бар бошунгулуқ* —

'кбнгил ичинга ўт кирди,

қайғу бор (ундан аябатта) қутулиш керак' (ТТ I, 7),

*аш ичкү йок ким бу оланурмиш ачбарыг тигүргүлүк* 'озық-овқат йўқки, бу улаётган оч бәрси тириктиришга' (Сувр., 610); қаранг: (Сувр., 615; 616, 614, 154, 611, 627 каби); *бу тоди сансар ичмәтәки тымғорыг кәчә эмәкгүлүк толғатғулуқ* бу Сансар ичидиғи жонивсрларни қандай қийнамоқ, тўлғатмоқ керак (булади)' (ТТ II, 16) каби.

Урни билан III шахс предикатив қўрсаткичи **ол** билан қўшилиб келади: *кузатғулуқ ол* 'кузатиш керак (булади)' (ТТ VIII, 7); *ашигүлүк ол* 'эшитиш керак (булади)' (ТТ VIII, 15; яна қаранг: ТТ VIII, 23, 39, 42, 43 каби).

Бәзйи бўлишсизлик маъносида **әрмәз** билан қўланади: *алғулуқум әрмәз* 'ола билмайман' [U III, 59,4]; *айыг қлычларыг қылғулуқ әрмәз* 'ёмон ишларни қилиш керак эмәс' (ТТ VIII, 25); *ада тудга тәгүргәли уғулуқ әрмәзләр* (U IV, 259); *нән алынларқа тайанып өз йишкүлүк әрмәз* (ТТ VIII, 39, яна қаранг: ТТ VIII, 25, 39, 35, 18 каби).

**турур**. Ёдномаларда **турур** отларга қўшилиб келиб предикатив қўшимча сифатида қўланади: *ай қызим мин ибирлә бир огушлуғ турур сән* 'эй қизим мен билан бир урулгансан' (ТТ X, 472); *Ташын бир антаг сав турур* 'ташқарида шундай бир гап -сүз бор' (Сувр., 622); *пусусы эмәкки ўкүш турур* 'қайғу-ғамн күлди' (Сувр., 623); *ағыр турур* 'огирдир' (ПВ., 135); *мучулауу сав турур* 'шундай сўз мавжуддир' (Сувр., 154); *қутрулуғум йок турур* 'қутулиш иложим йўқдир' (Сувр., 155); *икки эмәкләри итигил йаратығлығ турур* (ТТ X, 446); *қоп оғрын илиг бәгин барлығын тымлағалы ануқ турур* 'биз ҳар доим Илг бекнинг буйругини танилағали тайёрмиз' [U III, 28; 14; яна қаранг: ТТ I, 8, U III, 43; 11] каби.

**-матын**, **-мәтин** равишдоши билан келиб ҳаракат-ҳолатнинг бажарилиш пайтини қўрсатади: *бир қары дкүзүг билдин бизә қомурсга йишиш қамшайу уматын турур* 'бир қарн ҳүкизини майда чумолилар талаб егани учун юра олмаптаи' (Гки., 82); *икй дкүзүг бир боқарсықа кәлмиш қамшайу уматын турур* 'икки ҳүкиз бир арқонга боғлангани

учун юра олмаяпти' [Гкн., 82]; *йылкы аэмэ кбтуру турур* 'йылкы (от) ҳам кутара олмаяпти [ПВ., 135].

-*ып*, -*ип* равншоши билан құлланып, хозирги замон давом матносини аңлатады: *яна бир құл алқалы мини билэн кониләшип турур* 'яна бир құл олип мақсадыда мен билан маслахатлашмоқда' [Юр., I, 203]; *тәкип турур* 'тегмоқда' [ТТ IX, 16] каби.

Батын -*гәли*, -*галы* равншоши билан келәди: *муна әмти балық ичинә киргәли турур* 'әнди шахар ичига кирмоқчидир' (ТТ X, 12) *әлгәли турур* 'үлмоқчидир' (Сувр., 610).

-*у*, -*ү*, -*а*, -*ә*, *йу*, -*йү* равншоши билан құлланады: *әтезүм бк кбзуну турур* 'вужудим күрнмоқда' (ТТ X, 462); *босуш қадгу бәлгәси әнирә турур* 'қайғу-алам белгисини изламоқда' (ТТ I, 10); *барча йанқыра турур* 'барча (нарса) янгрмоқда' (У II, 24); *дтәкларин адырлайу турурлар* 'гүнохлари билан бир-биридан фарқланмоқда' (Сувр., 156); *сини күтә турурлар* 'сени кутмоқдалар' (Сувр., 155); *қашы қапақы кбзуну турур* 'қош-қовоғи күрнмоқда' (ТТ X, 437); *аллығ чәвишлик кишиләр алтайу турур* 'мунофиқ, фирибгар кишилар алданмоқда' (ТТ I, 7); *ытты йыпары бура турур* 'хиди бурқимоқда' (ТТ I, 15) каби.

*турур* әски ёдномаларда -*йур* сифатдоши билан ҳам құлланып келәди: *йаргун кишикән йайлаг тағыма агылан йайлайур турур* мән (Гкн., 64). Бу ҳолат бошқа шахслар учун ҳам қадимда характерли бўлиши тахмин қилинади.

\* \* \*

Текшириләётган давр тилида яна бир қатор замон формалари мавжудки, буларни санаб ўтишга тўғри келәди:

Ўтган замон -*п әр* феъли: *айығ қылычымны кәнту дкүнп әрти* 'ёмон ишларин ҳақида ўзим пушаймон қилган әдим' (Сувр., 155).

-*мыш*: *Азу бизин әмрәк дкүмүмүз ән кичиги Мғаст-виг ықынмыш әртәй му биз* (Сувр., 622).

-*д*, -*ти әр*: *йәкләр тәсирмиләйү авлап илтиләр әргәй* (У IV, 232).

-*сун*, -*сүн*, -*зун*, *зүн*, -*әйин*, -*йин* (истак майли аффикслари -*әр*). Бу конструкция ҳақида В. В. Радлов алоҳида тухталиб, унинг әски ёдномалар тилида опатив (истак), бажарып бўлмайдиган истак матносини билдирганини қайд қилади: *йарылсун әрти* 'ёрилса әди, лекин ёрилмади', *кирәйин әрти* 'кирсам бўлар әди, лекин кира олмадим'.

<sup>1</sup> W. Radloff. Altürkische Studien II, Spb., 1896, S. 222.

Ҳайғур, брахми ёзувларида мазкур конструкцияни учратамиз: *көрмәйин әрти муны тәг улуг сыйғ әмгәкиг* (Сувр. 62.); *йир йарылзун әрти*, *йиркә кирәйин әрти* (У I, 37), *амрақлартын адырлағулук, әмгәк болмазун әрти* (Сувр., 609) каби.

#### ЎТГАН ЗАМОН ФЕЪЛЛАРИ

-*д*, -*т*. Бу форма эгалик аффиксларининг қўшилиши билан ҳосил қилинади.

#### Бирлик

- I ш. -*сым*, -*дим*, -*тым*, -*тим*, -*дум*, -*дүм*, -*тум*, *түм*, -*дым*, -*дәм*, -*там*, -*тәм*.  
II ш. -*дың*, -*диң*, -*тың*, -*тиң*, -*дуң*, -*дүң*, -*туң*, -*түң*.  
III ш. -*ды*, -*ди*, -*ты*, -*ти*.

#### Кўплик

- I ш. -*дымыз*, -*димиз*, -*тымыз*, -*тимиз*, -*дамаз*, -*дә-мәз*, -*тамаз*, -*тәмәз*, -*тымаз*, -*дымаз*.  
II ш. -*дыңыз(лар)*, -*диңиз(лар)*, -*тыңыз(лар)*, -*тиңиз(лар)*, -*тығыз(лар)*.  
III ш. -*ды*, -*ты*, -*дылар*, -*тылар*, -*диләр* (*тилар*).  
Мисоллар:

#### Бирлик

I шахс *тоқым* (МН., 17); *тутдым* (МН., 18); *йағыладым* (ЕнПТ., 81); *йорыдым* (МН., 17); *йорттым* (Тон., 63); *аидым* (Тон., 63); *йайладым* (МК, 36); *йақаладым* (ПМК., 36); *анчуладым* (ПМК., 36); *қобратдым* (КТМ., 28); *санчдым* (ПМК., 36); *йараттыдым* (ПМК., 36); *йаратдым* (МН., 19); *азыдым* (ЕнПТ., 81); *қысдым* (Тон., 61); *йандым* (МН., 17); *йолуқдым* (ПМК., 35); *адырндым* (ЕнПТ., 63); *тапдым* (ЕнПТ., 21); *табдым* (ЕнПТ., 21); *сүләдим* (МН., 18); *тидим* (ПМК., 35); *итдим* (МН., 16); *битидим* (КТМ., 28); *сақынтым* (КТБ., 33); *адырылдым* (ЕнПТ., 79);

<sup>2</sup> П. М. Мелоярский Араб-филолог о турецком языке. А. Н. Кононов. Происхождение прошедшего категорического времени в тюркских языках. Тюркологический сборник. I. М.—Л. 1951, стр. 112-119. Н. А. Баскаков. Причастие на -*ды* (-*ты*) в тюркских языках. Труды Московского ин-та востоков. № 6. 1951, стр. 205-217. Б. О. Орузбоева. Формы прошедшего времени в киргизском языке. Г. И. Рамstedт. Введение в алтайское языкознание.

*ағылым* (ПМК., 64); *олуртым* (МН., 18); *бантым* (ЕнПТ., 17); *йонтым* (ЕнПТ., 19); *ылтым* (ЕнПТ., 39, 51, 80); *қаттылым* (ПМК., 35); *бадистим* (КТм., 28); *йүкүнтүртим* (МН., 19); *блүртим* (ЕнПТ., 17); *сачилинтим* (ПМК., 68); *тирилтим* (ПМК., 36); *киртим* (ЕнПТ., 57); *сөксүртим* (МН., 19); *сүлэтим* (Онг., П, 9); *болтум* (ПМК., 72); *ағтуртум* (Тон., 62); *блүрдүм* (ЕнПТ., 33); *кэлүртүм* (ЕнПТ., 57); *тэгүртүм* (Тон., 62).

**II шахс:** *бэртин* (Онг., П, 9); *блтин йэтин* (ПМК., 36); *уркиттин* (Гки., 81); *йигэдтин бодутун* (ТТ I, 7); *йүгүрдүн* (У III, 31,8).

**III шахс:** *йорды* (Гки., 84); *йағды* (Гки., 84); *турды* (Гки., 81); *қылмлады, санды* (КТб., 32); *удды* (ПМК., 35); *қысды* (Онг., П, 8); *бишди* (Гки., 84); *унди* (Гки., 81); *иикди* (МН., 18); *тэди* (ЕнПТ., 84); *боғузалты* (Тон., 62); *қалты* (Гки., 83); *азты* (Гки., 81); *йүзти* (МН., 17); *блүртим* (МН., 18); *бирти* (ПМК., 35) каби.

#### Күплик

**I шахс:** *басдымыз* (КТб., 32); *ташықдымыз* (КТб., 33); *буздымыз* (КТб., 31); *аидымыз* (Тон., 63); *алқадымыз* (КТб., 53); *бадымыз* (Хуаст., 119); *сүлэдимиз* (Тон., 64); *эртүртимиз* (КТб., 33); *адырылтымыз* (ПМК., 45); *йанылтымыз* (Хуаст., 120); *түйүртимиз* (Тон., 62); *бөлтүмүз* (Хуаст., 117); *блүртүмүз* (Хуаст., 32); *йүкүнтүмүз* (Хуаст., 117); *удунтүмүз* (Хуаст., 117).

**II шахс:** *бардыңыз* (Онг., П, 9); *адырылдыңыз* (ЕнПТ., 48); *йоғладыңыз* (ЕнПТ., 77); *түйшүртиниз* (ЕнПТ., 55); *көлтингизлэр* (У III, 9,4) каби.

**III шахс:** *кэлти* (КТб., 33) каби.

#### БҮЛИШСІЗЛІК ФОРМАДА

**I шахс:** *қылмадым* (ПМК., 36); *йүлмадым* (ПМК., 35); *олурмадым* (КТб., 31); *удымадым* (КТб., 31); *ббкмэдим* (ПМК., ЕнПТ.); *блүрмэдим* (ЕнПТ., 33); *тэгмэдим* (КТм., 27); *көрмэдим* (ЕнПТ., 84); *билгилмэдим* (ЕнПТ., 64) каби.

**II шахс:** *қылмадым, алмадым* (ЕнПТ., 53) каби.

**III шахс:** *қалмады* (Тон., 61); *сымады* (КТм., 28); *бирмэди* (КТб., 33); *талламады* (МН., 17); *қалматы* (ПМК., 35); *олурматы* (Тон., 64); *сақыматы* (КТб., 29) каби.

**I шахс:** *бармадымыз* (Хуаст., 119); *бүтмэдимиз* (ЕнПТ., 150); *қорқмадымыз* (Тон., 63) каби.

**II шахс:** *кэлмэдиниз* (ЕнПТ., 59); *номлатыңыз* (ТТ III, 13); **III шахс:** *көрмэди, ичикмэди* (ПМК.); *қалматы* (ПМК.); *сымады* (ЕнПТ., ПМК.) каби.

**I шахс:** *бармадымыз* (Хуаст., 119); *қорқмадымыз* (Тон., 63).

**II шахс:** *кэлмэдиниз* (ЕнПТ., 59); *бүтмэдиниз* (ЕнПТ., 150).

**III шахс:** *көрмэди* (ЕнПТ., ПМК.)

Едномаларда айрым уринларда эға билан кесим ұртасидағи мөсләшүв эўига хос характерга эға: *буным йоқ әрдим* 'ғамим йүк эди' (ЕнПТ., 26), *қиёслант: қантү будуным әрти* (КТб., 32) *биз әки сү болты* 'биз икки қүшин бұлдиқ' (Тон., 62); *қиёслант: өзүм қары болтым* (Тон., 64) каби.

Уттан замон **-д, -т** феъли иш-қаракатинг утмишда бажарилганлиғи, унинг содир булишида сүзловчи иштирок этганлиғи, узи қатнашганлиғи, иш-қаракатинг аниқ бажарилганлиғини билдиради: *ол суб қоды бардымыз* 'уша сув бүйига бардиқ' (Тон., 62); *Алтун элиғ кэшиғ балимга бантун* 'олтиндан белбоғ белимга боғладим' (ЕнПТ., 17); *әки ай күтдим кэлмэди* 'икки ой күтдим келмади' (ПМК., 35); *йүрун булыт днүп йағмур йағды* 'оқ булут пайдо булиб әмғир ёғди' (ТТ I, 7); *қылыч түшин уқыттымыз* (ёмон) ишнинг нәтижасини тушунтирдинг' (ТТ III, 11) каби.

Иш-қаракатинг утмишда бажарилганлиғини ҳикоя қилиш, айтиб беришда қўлланади, иш-қаракатинг *төгдим қўнладим, алтым суси кэлти* 'ҳамма шахарларга ҳужум қилдим, асир олдим, аскари келди' (Онг. II., 9); *тоқытдым йиғдым басдым йайдым* 'енглим, йиқитдим, босдим; ҳақанимы қырқыз будуним ичикди, йүкүнти, йантымыз 'уришиқ, санчдиқ, голиб чиқдим' (Онг II, 9); *сүнүшдиз, сандымыз қанын олуртимиз. Хақанқа қырқыз будуним ичикди йүкүнти, йантымыз 'уришиқ, санчдиқ, хоқонини улдиридик. Хоқонга қырғыз халқи таслим бұлди, қайғидиқ'* (Тон., 63) каби.

Утмишда реал рүй бермаган иш-қаракатни англатишда қўлланади: *көк тәгридә болтум 'күк тәгридә булдым'* (ПМК., 72).

**-д, -т** формаси *әрки* сүзи билан қўлланыб иш-қаракатинг бажарилишидағи модал маъно оттенкаларини билдиради: *мән кәргәк әрдим әрки* 'мен кәрак әдим шекилли' (У III, 70, 26-27) каби.

**-д, -т әрти.** Феъл узақ-неғизларига **-д, -т** эғалиқ күрсәткичлари **-әрти** феълнинг қүшилиши орқали ҳосил қилинади. Мазкур форма ўрхун-еңсәй обидалар тилида учрамайди.

Турфон, манихей, уйгур, ёзув тилида қўлланиши қайд этилади ва иш-ҳаракатнинг узоқ ўтмишда содир бўлганини аниқлашда: *Ид қан аовна тойын болуп буйан бирзўм узик бош битиг бириб мичи алды эрти йандуру сатқали алмады эрти* (Юр., 1, 203); *тўлумтэ мэн бизүлүг көртүм эрти бу бөлүг*. Азыг тишим қонридул тушут қалдр болты эрти [Сувр., 627]; *биз қазмагун йылқыларнын бирэ йалакүк ажунлароақы айыг қылымларкучинтэ, бу оғурта йылқы ашуньта торғумуз эрти* [Сувр., 154]; *окуш талим тындылғлар булты эрти* [ТТ Ш, 21]; *сбзладим эрти* [У Ш, 6, 11] каби.

Бўлишсизлик маъноси *эрмэз* орқали ҳам ифодаланади: *пусусқа эмгаккэ баситип табрэнчсиз болтум эрмэз му* (Сувр., 627) каби.

*-йук, йук, -йуг, йуг*. Бу форма ўтган замон феълини ҳосил қилади. Ўтган замон *-йук, -йук* феъли руник ёдно-маларда учрамайди. У сунги текслар тилида қўлланган. Унинг парадигмаси қуйидагичадир:

**бирлик**

**кўплик**

- |                                |                          |
|--------------------------------|--------------------------|
| I ш. сақынйук мэн, кэлйук мэн  | сақынйук биз, кэлйук биз |
| II ш. сақынйук сэн, кэлйук сэн | сақынйуксыз, кэлйуксиз   |
| III ш. сақынйук ол, кэлйук ол  | сақын йук, кэлйук        |

**Мисоллар:**

- |                                       |                       |
|---------------------------------------|-----------------------|
| I ш. тўшэйук мэн (У Ш, 54)            | қарийук биз (У Ш, 55) |
| II ш. сақынйук [У Ш, 48]              | орайук сиз [У Ш, 48]  |
| III ш. кэсйук ол [ТТ X, 277, У Ш, 64] | тўкэмэйук (ТТ VIII)   |

Бу феъл формаси маъно томонидан ўтмишда аниқ бажарилган иш-ҳаракатнинг натижаси мавжудлигини билдиради: *бегимни тёрүсин чызыгын ид (т) йукмэн 'бегимнинг йул-йўригини улоқтирдим'* [ТТ Ш, 85,7]; *тири тириси- бурхан йм тёрүсүз тоқусуз эрманмақ тэгиммэкиг артуқрак йирайук ол 'тангриларнинг тангриси Бурхон [Будда] ҳам шариатга хилоф булган севги ҳисларини қоралаган* [У Ш, 83, 25-6]; *ол оғурда бу мунтаг тұл тўшэйук 'ўша вақтда шундай туш курдим'* [У Ш, 54, 13-5]; *мени алатук 'мени олди'* (Юр., 1, 203); *башымыз дагы қара сачымыз учи бёлэки қыргылатйук ол 'бошимиз ва қора сочимиз учи оқариб бўлди'* [У Ш, 55, 16]; *оғулын титгали сана йақын кэл-*

*йук ол 'ўглини титиб' ташлагани сенга яқин келди'* [У Ш, 64, 4-5]; *санару йақын кэлйук биз 'сенга яқин келди'* [У IV, 21-22]; *барча пок гагаг байук тэн 'бутун (вужудини) қаттиқ боғладим'* [У Ш, 83,2; яна қаранг: ТТ X, 277, 485, 483, 335].

Ўтган замон *-йук, -йук* феъли *эрки* сўзи билан келиб, модаль маъно оттенкасига эга бўлади: *улуг илиг нэгу қылағалы оғрайук эрки 'улуг хоқон нима қилишни истар экан'* [У Ш, 68, 23-4].

*-йук, -йук, -йуг, йуг + эр*. Бу форма иш-ҳаракатнинг узоқ ўтмишда бажарилганлиги ва унинг натижаси мавжуд бўлганлигини кўрсатади: *қараза тон кэйдйук эрди 'қараза (монах) тун кийган эди'* [У Ш, 57,7]; *ичип ймэ ол уласини аргант сансардын интин йогуч эртыуэ эрди... қылайук эрди, алку қылғулуг ишлэрин алғйуг эрди 'шундай қилиб Аргант Уласена аста-секин Сансардан бекинган эди... (иш) қилган эди. Ҳамма қилган ишларини (қилиш керак эмас эди) олган эди'* [У Ш, 88,2-4] каби.

Бэвзан *-йук, -йук* феъли *эрмиш* билан ҳам келади: *ан битиг ичинтэ сэкин өз йаши саны сақышы тақы тукэмэ-йук эрмиш тэг 'у китобда (ёзилмишча) сенинг умр ёшинг гүё тугамаган экан'* (Сувр., 155).

*-дук, -дук, дүг, -дүг, -дык, -дик, -дыг, -диг*. Бу шакллар ўтган замон феълини ҳосил қилади. Мазакур форманинг характерли хусусияти шахс кўрсаткичларини олмасдан келишадир. Учала шахс бирлик ва кўплик учун ҳам *-дук, -дук, -дуг, -дүг* ишлатилади.

Ўрхун-енисей ёдномаларида ўтган замон *-дук, -дук* феълни нисбатан кенг истемолда булган. У иш-ҳаракатнинг ўтмишда аниқ бажарилганлиги, сузловчининг ўзи кўрганлиги, билганлиги ва шу ҳаракат тўғрисида гувоҳ сифатида хабар берганлигини кўрсатади: *үзэ тэңри асра йар йарықадук учун көбин көрмэдук кулқақын эшидмэдүк 'юқорида осмон, паства ер ёрлақагани учун күз билан курмадим, кулқок билан эшитмадим'* (МН., 19); *йир сайу бардыг, қоп анта алқынтыг, арылтыг 'ҳамма томонга борди, ўшанда жуда ҳориди, чарчавди'* (КТМ., 28); *ыдүк отүкөн йиш бөдүн бардыг, илгэру барыгма бардыг, қурыгару барыгма бардыг 'сен (эзинг) муқаддас утуқан халқи келдинг. Илгарни (шарққа) борувчилар (билан) бординг, гарбга борувчилар билан бординг'* [КТб., 30]; *турк бөдүн өлтиг 'турк халқи (сен) улдинг'* [КТм., 28]; *Бүкөгүкда сакиз оғуз тоқуз таттар қалмадук 'Букагүкда саккиз ўғиз, тўққиз татар қолмади'* [ПМК., 35]; *йағру барып ўкүш киши өлтиг 'яқин бориб сизлар куп кишилар билан улдингиз'* (КТм., 28);

оглим кишини утузмадуқ 'ўглини, хотинини ютқизмади' (Гки., 82); элтэрэс қаганта адырылмадуқ йанылмадуқ 'Элтереш хоқондан айрилмадик, янглишмадик' (ОнгП., 9); қамыш ара қалмыш тәһри унамадуқ 'қамыш орасида қолған тангри кунмади' (Гки., 83) каби. Қуйида яна икки мисолда утган замон -д феъли билан -дук феълини солиштиринг: *инимэ оглыма анча бтләдим қалйуруп элтэрэс қаганта адырылмадуқ йанылмадуқ* (Онг., II, 9), *исинэ ар кәлти қарлуқ исинэ кәлмәдуқ тиди* (ПМК., 36).

Юқорида келтирилган мисоллардан шундай хулоса келиб чиқадикки, -дук, -дүк, -дуг, дүг, -дыг, -диг, дык, -дик формалари руник обидалар тилида кенг иستهъмолда булган.

Утган замон -дук, -дүк (ва бошқалар) феъли ҳақида Маҳмуд Кошғарийнинг маълумотлари алоҳида диққатга сазовордир. М. Кошғарийнинг хабар беришича язма, тухси, чигил, аргу, уйгур, то Чингача булган қабилалар утган замон аниқ феълини ясашда иттифоқдирлар. Уғузлар, қипчоқларнинг баъзилари, суворилар ва баъзи аргулар тилида -дук, -дүк шакли утган замон аниқ феъли ясади.<sup>3</sup> Маҳмуд Кошғарий маъкур форманинг қўлланишига мисоллар ҳам берган:

- I ш. *мән йа қурдуқ* 'мен ёй қурдим' (МК II, 64)  
 II ш. *мән мунда турдуқ* 'мен бу ерда турдим' (МК II, 65)  
*мән анар тавар бәрдуқ* 'мен унга мол бердим' (МК II, 65)  
 III ш. *тапындуг* 'топийдинг' [МК II, 194]  
*сән аны қачурдуқ* 'сен уни қочирдинг' (МК II, 194)  
 III ш. *ол йа қурдуқ* 'у ёй қурди' (МК II, 64)  
*ол аны урдуқ* 'у уни урди' (МК II, 65)  
*ол кәлдүк* 'у келди' (МК II, 65)  
 Булишсизлик формадан *бармадуқ* 'бормади' [МК II, 65] *кәлмәдүк* 'келмади' (МК II, 66)  
 II ш. *биз йа қурдуқ* 'бизлар ёй қурдик' (МК II, 64)  
*биз агдуқ* 'биз юқори чиқдик' (МК II, 65)  
*биз кәлдүк* 'биз келдик' (МК II, 65)  
 III ш. *олар тагқа агдуқ* 'улар тоққа чиқдилар' (МК II, 65)  
*олар эвкә кирдүк* 'улар уйга кирдилар' (МК II, 65) каби.

Утган замон -дук, -дүк формаси эринч сўзи билан ҳам келиб модал маъно оттенкасига эга булади: *анта қәзр*

<sup>3</sup> М. Кошғарий, *Девону алуғити турк*, II том, Тошкент, 1961, 62—194-бетлар. Девоннинг таржимони ва нашрга тайёрловчиси С. Муталлибов -дүг феълининг бу хусусияти Фарғонанинг айрим районларида сақланган деб, А. Қодирийнинг «Мехробдан чаён» романидан парча келтирди. Бирок парчада -дуг аффикси феъли учрмайди.

*иниси эгисин тәг қылыммадуқ эринч*, *еглы қанын тәг қылыммадуқ эринч* 'шундан сунг иниси акасидек булмади шеклли' [КТБ., 29] каби.

-дук, -дүк, -дуг, -дүг, -дык, -дик, -дыг, -диг, -туқ, -түк, -туғ, -түг, -тық, -тик, -тыг, -тиг эрди. Феъл узакларига -дук, -дүк, -туқ, -түг сифатдош шакллари қўшилиб ва эр ёрдамчи феълининг аниқ утган замон шакли (яъни эрди) орқали утган замон феъли ҳосил қилинади. Бу иш-ҳаракатнинг узоқ ўтмишда руй берганини билдиради: *пабыс бат биз, азыг ўкүшиг көртг эрти* 'ёмонмиш, озин кўп курган эдик' (Онг., II, 9) каби.

Ёдномаларда утган замон (-дук, -дүк, -туқ, -түк эрди) феълининг бўлишсизлик формасига ҳам дуч келдик: *бу одатын озғулук йолунг орукунг көзүмәзинчкүнг бултук эмәз* 'бу балодан қутулиш йўлинг кўринмади (сенга) осойишталик ва шодлик топилмади' (ТТ I, 7, 20-2); *эманмақ нызваны оларда арыты бултүг эмәз* 'уларда ҳеч қандай севги завқи топилмайди' [ТТ X, 526] каби.

-мыш, -миш, -муш, -муш. Феъл узак-негизларига -мыш, -миш, -муш, -муш сифатдош шакллари ва шахс кўрсаткичларининг қўшилиши натижасида утган замон феъли ясалади:

- |        |                             |                                    |
|--------|-----------------------------|------------------------------------|
|        | бирлик                      | кўплик                             |
| I ш.   | <i>ыққынмыш мән, итмиш</i>  | <i>ыққынмыш биз, итмиш биз мән</i> |
| II ш.  | <i>ыққынмыш сән, итмиш</i>  | <i>ыққынмышсиз, итмишсиз сән</i>   |
| III ш. | <i>ыққынмыш (ол, турур)</i> | <i>ыққынмыш (лар), итмиш (лар)</i> |

Мисоллар: *ыққынмыш мән* (Сувр., 626); *итмиш мән* (Гки., 83); *йтүрмиш мән* (Сувр., 623; ЕнПТ., 29); *түсүмиш ол* [Сувр., 177]; *қамышбиз* [ПВ., 135, ЕнПТ., 95]; *қазатылмышлар* [ТТ VIII, 15]; *тавар болмышлар* [ТТ VIII, 9] каби.

Бўлишсизлик формаси -ма, -мә билан утган замон феъли қўлланмайди. Айрим мисолларда бўлишсизлик маъноси йоқ сўзи билан берилади: *бәгим ма мана йавуз йаман қыла*

<sup>4</sup> Бу форма этимологиясининг ҳозирги тиллардаги маъноси ҳақида қаранг: Н. К. Дмитриев, К вопросу о значении османской глагольной формы на -мыш, Записки Коллегии восточведов при Анзатском музее АН СССР, т. II, вып. 1, А. Н. К о и о в о, Турецкая глагольная форма на -мыш, Ученые записки ЛГУ, серия филология, 20, Ленинград, 1939, стр. 34-39.

мышы йоқ 'бегим менга ҳеч бир ёмонлик қилгани йўқ' [Юр., 1, 203] каби.

Мазкур форма эгалик аффикслари билан ҳам предикативлик функциясида қўлланади; *бәш йәғирми йашда алымнишым 'үн беш ёшда олиндим'* (ЕнПТ., 29); *әрдәм қан Алтуға бәрмиши 'әрдамли Алту отаға бағишланади'* (ЕнПТ., 58) каби.

Баъзи уринда шахс ва эгалик кўрсаткичлари қўлланмайди: *анта отру турғәш қарлуғиқ табарни алыб әбин йулым бармыш әбимә тўшмиш 'ушандан сўнг қорлуқларнинг мол-мулқини сотиб, уйларини яқсон қилдим (ҳамма нарсаларини) уйимга келтирдим'* [ПМК., 36]; *қара қум ашмыш 'қора қумдан ўтдик'* (ПМК., 35); *йүкүнүр күн бәдизмиш тобинәдиган куни ясаддим'* (ПМК., 45) каби.

Қадимги ёдномалар тилида *-мыш*, *-миш* формаси иш-ҳаракатнинг ўтмишида содир бўлганини қайд қилиш, ҳикоя қилиб бериш, ҳаракатнинг бирин-кетин бажарилишини кўрсатиш учун қўлланади: *Табғачгару куну сәнукуг удмыш қытангару Тонра сәмиг йдмыш сав анча йдмыш 'Табғоч томон куну Сенгунни юборибди. Қитанга Тонгра—Семни юборибди'* [Тон., 61]; *Аныч бармыш, анар йатып, бир атлыг бармыш тийин 'Ани буйлаб борган, ўша жойда ётиб, бир отлиқ йўл юрган дебди у'* [Тон., 62]; *қаш ичинтә тбрүмиш 'қош ичинда туғилган'* [ТТ III, 115]; *әғүмиз апамыз Бумын қаған тбрт булуғи қысмыш, йғғмыш йаймыш басмыш ол қан болтуқда кәср әл йитмиш ығғымыш 'Отамиз Бумин хоқон тўрт тарафни қисган, йақитган, голиб чиққан шундан сўнг (ўша хон йўқ бўлгандан) кейин халқ (имиз) йўқолди, тарқалди, (Онг., II, 8).*

Юқорида келтирилган *-мыш*, *-миш*<sup>5</sup> билан ҳосил қилинган ўтган замоннинг маънолари руник ёдномалар тилида кенг истеъмолда бўлган. Булар уйғур, турфон, манихей текстларида ҳам кенг истеъмолда бўлган.

Иш-ҳаракат ўтмишида бўлган, лекин сўзловчи ўз кўзи билан кўрмаган: *қанлық суси аққа унмыш, сағир ичра әлик кийиқ кирмиш, қан әшигин тутмыш, қара қамығ суси дьшәрә, тир 'хоннинг аскари уйга қайтибди, сағир (тузоҳ) ичига әлик кийиқ кирибди, хон қўли билан тутибди, халқининг, аскарларининг ҳаммаси севинар дер'* [Гкн., 64]; *тәңрилик қуртга йуртда қалмыш 'тангри йўлидаги (улим олдидаги) хотин уйда қолибди'* [Гкн., 81] каби.

<sup>5</sup> A von Gabain, Altürkische Grammatik, S. 114. A. Gabainning сўнги асаридagi тәъриф ҳақиқатга яқинроқ. A. von Gabain, Das Altürkische. Philologiae turcicae fundamenta. S. 36.

Бу уринда *-мыш*, *-миш* замони ҳақида XI аср автори Маҳмуд Кошғарийнинг „Девону луготит турк“ асаридаги маълумоти диққатга сазовордир. Маҳмуд Кошғарий мазкур формани қуйидагича тәърифлайди: (*-мыш*, *-миш*) сифатдошига келсак, бу ҳамма боблар учун бир тартибга эга, яъни буйруқ феълнинг охирига *м* (م) билан *ш* (ش) қўшилади. [Масалан] *ياقۇر йа қур* дейилади, яъни *ёй қур* [ёйни тузат] сифатдошга айлантириб *қурмыш ёй* ҳам дейилади. Ўзакнинг ҳарфи ўз ҳолича қолиб, унга утими феълларда мана шу икки ҳарф ортирилади: *м* (م) ва *ш* (ش) [*-мыш*, *-миш*]. Керакли уринда *-мыш*, *-миш* утисиз феъл бўлганда ҳам қўшилади. Масалан: *اقتابرمش* эвкә бармыш,

яъни уйга кетибди, лекин мен бун билганим йўқ *اَلْ مَنَّا كَيَلِمِش* ол мана кәлмиш 'у менинг олдимга келибди, лекин мен бун билганим йўқ,' *-мыш*, *-миш* бу ерда *بردى* барды, яъни кетди *كَيَلِي* кәлди, яъни келди ка-

би феъллардаги *دى* (*-ды*), *-ди* қўшимчаси урнида қўлланади. Бу иккисининг ўртасидаги фарқ шундай: керакли феъллардаги *دى* (*-ды*) *-ди* қўшимчаси ҳаракатнинг сўзловчининг кўз олдида содир бўлганлигини ва унинг олдида бажарилганлигини билдиради. [Масалан] *اгар بردى* барды дейилса, у кетди ва унинг кетганини мен аниқ кўрдим деган маънони билдиради, *ميش* *-мыш*, *-миш* эса ҳаракатнинг сўзловчининг йўқлигида содир бўлганини билдиради. [Масалан]: *اَلْ بَرْمِش* ол бармыш яъни у борибди, у кетибди, мен эса

бун билмадим, кўрмадим. *اَلْ كَلِمِش* ол кәлмиш 'у келибди, лекин мен уни кўрмадим'.

Демак, XI аср тилида ҳам гумон, тусмол, шубҳа каби модал маъно оттенкалари мавжуд бўлмаган.

Бу маъно оттенкалари қадимда махсус сўзлар, чунончи *әринч*, *әрки* орқали ифода этилган: *билисиз қаған олым-мис әринч* 'билимсиз хоқон тахтга ўтирган шекилли' [КТ6., 29] каби.

<sup>6</sup> М. Кошғарий, Девону луготит турк. Тошкент, 1961, 62—63-бетлар.

-*мыш*, -*миш* шакли билан ҳосил қилинган феъл форма-  
си *кәргәк* сүзи билан қўлланганда ҳаракатнинг содир бу-  
лиши лозимлигини англатади *смулча сақыммыш кәргәк* 'шун-  
дай фикр юритиш керак' (U III, Ман., III, 13); *муны билмиш*  
*кәргәк* 'буни билиш керак' [ТТ II, 16] каби.

Мазкур форма *болур* билан қўлланганда иш-ҳаракатнинг  
ҳозирги-келаси замонда бажарилишини билдиради: *улуғ эд-  
гу қылынчлар қылмиш болур* 'улуғ эзгу ишлар қилишадиган  
булади' [ТТ II, 18] каби.

-*мыш*, -*миш эрди*. Феъл узақ-негизларига -*мыш*,  
-*миш* + *эрди* эғалик аффиксларини қўшиш ёрдамида ўтган  
замон формаси ясалади ва иш-ҳаракатнинг узоқ ўтмишда  
содир бўлиб, шу ҳаракатдан сўнг иккинчи бир ҳаракат ба-  
жарилган бўлишини, ўтмишда бажарилган ҳаракатни ҳикоя  
қилишда ишлатилади: *илки сў ташықмыш эрди, экин сў*  
*эдбә эрди* 'биринчи отряд жанга кирган эди, иккинчи қу-  
шин уйда эди' [Ми., 17]; *ол эдкә қул қулмығ болмыш, эр-  
ти кун кунлиғ болмыш эрди* 'уша вақт қул қул эгаси  
булган, чүри чүрилик булган эди' (КТб., 30); *қатун йоқ*  
*болмыш эрди* 'хотиним ўлган эди' (Тон., 63); *дәткә қанқа*  
*сәвитмиш эртин* 'ота-онанг севган эди' [Сувр., 619]; *йити*  
*кун эртмиш эрди* 'етти кун ўтган эди' (Сувр., 609); *дәтүн-  
диләр ким кәлүрмиш эрдиләр* 'утиндиларки, уларни келти-  
ришган эди' [ПВ., 134]; *кәнту бзи дк қылмыш эрди* 'узи  
қилган эди' [U III, 90; 18] каби.

Бўлишсизлик формаси: *сбзәтилмиш эрмәз* (ТТ VIII, 18);  
*күрәтмиш эрмәз* (ТТ VIII, 9) каби.

-*мыш*, -*миш* феъли *эрүр* билан қўлланади: *йарық үзә*  
*йарықланмыш эрүр* (ТТ VIII, 16); *йәг татытығ булмыш*  
*эрүр* (ТТ VIII, 53) каби.

-*мыш*, -*миш эрмиш*. Бу замон формаси ёдномаalarda  
тор доирада ишлатилади: *билгә қағанына эрмиш бармиш*  
'билмишнинг хоқонига берган экан' (КТб., 30); *адығлы то-  
нызлы арт үзә соқушмыш эрмиш, адығны қарны йарлы*  
*мыш токузун азығы сынмыш* 'айиқ билан тўнгиз тоғдан  
ошадиган жойда дуч келиб тўқнашибди, айиқнинг қорни  
ёрилибди, тўнгизнинг таши синибди' (Гки., 80) каби.

-*ур*, -*үр*, -*ыр*, -*ир*, -*ар*, -*эр*, -*йур*, -*йүр эрми*. Бу феъл  
формаси феъл узақ-негизларига ҳозирги-келаси замон сифат-  
дош қўшимчалари -*ур*, -*үр*, -*ыр*, -*ир*, -*ар*, (-*эр*), -*йур*, -*йүр*-  
ларни қўшиш ва *эрми* орттириш орқали ҳосил қилинади.  
Бўлишсизлик формаси -*маз*, -*мәз эрми* дир. Бу фор-  
ма маълум бир давр ичида давом қилиб, тақрорланиб  
турган иш-ҳаракатни, воқеа-ҳодиса ўтмишда бўлганини

билдиради. Бунда диққат ҳаракатнинг бажарилишида бўлган  
натижасига эмас, балки воқеа-ҳодисанинг процесс ҳолида  
эквивалентини кўрсатади: *иниси эҳисин билмәз эрми, оғлы*  
*қанын билмәз эрми* 'укаси энасин билмас эди, ўғиллари  
оталарини билмас эди' (КТб., 30); *түрк будун Табғачқа кө-  
рүр эрми* 'турк халқи Табғочка буйсунган эди' [Тон., 61];  
*ол суб қоды бардымыз, санағалы түшүртимиз, атығ ықа*  
*байур эртимиз* ол 'суб буйи бордик, отларни дарахтларга  
боғладик' [Тон., 62]; *Күлтегин ол сунүздә отуз йашайур*  
*эрми* 'Култегин уша урушда 30 ёшда эди' [КТб., 32]; *йум-  
шақ савлар сәләйүр эрди* 'ёқимли сўзлар гапирар эди'  
(КТб., 54); *оларны барча иғитин ағрығынтын ошурүр*  
*эктүрүр эрми* 'уларнинг барчасини касал оғриғидан даво-  
лар, шифолар эди' [Сувр., 586]; *илиз бәз узаты бизни бүр-  
тәр эрди қарвайур эрди* [U III, 17, 15-6]; *ким болур эрми*  
'ким булар эди' (ТТ II, 96).

III шахс кўплик кесимлик кўрсаткичи -*лар*, -*ләр* асосий  
феълга қўшилиб келиши мумкин: *көрүрләр эрми сизинә*  
*тирү* 'сизга томон (тўғри) қарар эдилар' [ТТ III, 81-82];  
*днй барырлар эрди* 'бир-бирига томон боришар эди' [ТТ VIII, 27]  
каби.

-*ур*, -*үр*, -*ыр*, -*ир*, -*ар*, -*эр*, -*йур*, -*йүр* формаси *эркән*  
билан келганда иш-ҳаракатнинг бажарилиш пайтини, вақтин  
(рус тилидаги "когда, в то время как, пока, между тем  
как" каби оборотларга тўғри келади) билдиради: *ймә алқа-  
нур эркән* 'ухлаб ётар экан' (Хуаст., 118); *йатып удыйур*  
*эркән* 'ухлаб ётар эркән' (Сувр. 620); *бу сав тақы кәчмәз*  
*кән* 'бу гап ҳали (орадан) кетмаган' (Сувр., 623); *йатар*  
*эркән* 'ётар экан' [Сувр., 620] каби.

*гай*, -*қай*, -*кәй*, -*гәй*, -*эрми*. Феъл узақ-негизларига  
-*гай*, -*қай*, -*кәй*, -*гәй эрми (эрди)* ларни қўшиш орқали  
ўтган замон формаси ҳосил қилинади.

Иш-ҳаракатнинг узоқ ўтмишда содир бўлганини билди-  
ради: *нән болмағай эрди қанда эрсер турдачы* (ТТ VIII, 45);  
*бу йиркә нән тәзмәгән эрми* [КР., 42]; *бу әмгәкдин оз-  
ғалы күтрүлғалы уғай эрдин* (Сувр., 11) каби.

Кўпликда қўйидагича бўлиши мумкин: *киркәйләр эрди*  
[ТТ VIII, 69]. Бу феъл формаси ҳам *эрки* сүзи билан ке-  
лади: *нә ал алатақ қылсар ми тикиләйү тириз өз болғай*  
*эртим эрки* (Сувр., 155) каби.

-*р*, -*ур*, -*үр*, -*ар*, -*эр*, -*ыр*, -*ир*, -*йур*, -*йүр эрмиш*.  
Феъл узақ-негизларига -*р*, -*ур*, -*үр*, -*ар*, -*бр*, -*ыр*, -*ир*,  
-*йур*, -*йүр* ва *эрмиш*ларнинг қўшилиши билан ҳосил бўлади.  
Бу феъл иш-ҳаракатнинг ўтмишда бўлганини, тамомланган-

лигини, такрорланганлигини билдиради: *йоқаду барыр эрмиш* 'улимга дуч кела бошлаган эди' [КТб., 29]; *амча башгурур эрмиш* 'шундай ургатар эди' [КТм., 28]; *түрк будун йорыйур эрмиш* 'түрк халқи (күчиб) юрар эди' [Тон., 61]; *билмәз эрмиш* 'билмас эди' (Тон., 61); *көрүр эрмиш ми* 'күрәр эдми' (Сувр., 627); *амты сатар тир эрмиш* 'эндн сотамаң дер эди' [Юр., 1, 203]; *тақми булмас эрмиш* 'яна топмас эди' (Сувр., 621) каби.

**-дачы, -дәчи, -тачы, -тәчи, -әрди.** Бу феъл формасининг тусланиш парадигмасы куйидагича:

- I ш. *кылтачы эртим* *кылтачы эртимиз* (биз)  
II ш. *кылтачы эртин* *кылтачы эртиниз* (эртиниз)  
III ш. *кылтачы эрти* *кылтачы эртин* (ләр)

**-дачы, -дәчи, -тачы, -тәчи, әрди (эрми)** утган замон феъл формасы утмишда иш-харакатнинг потенциал бажарилишига, унинг содир булишига имконият борлигини англатишда кулланади: *мән ичилигү бунча башлайу қазғанмасар, түрк будун блтәчи эрти, йоқ болтачы эрти* 'агар мен зүр хара-, кат билан бунча нарсани күлга киритмасам түрк халқи улар, йүк булар эди' (Мн., 17); *Култегин йоқ эрсәр, қоп әлтәчи эртиниз* (КТб., 31); *түрк будун адақ қамашди йаблақ болтачы эрти* 'түрк халқи чарчаб ёмон ақволга тушар эди' (Мн., 17);... *тириги күн болтачы эрти, блүги йуртда йолта қалтачы эртиниз* 'тириги күл булур, үлиги юртда, йўлда қолур эди' [КТб., 33]; *илтәрәш қаған қазғанмасар, йоқ эрти эрсәр, әән өзүм билгә Тонуқуқ қазғанмасар, әән йоқ эртим эрсәр, қапаған қаған түрк сир будин йиринтә бод йәмә, будун йәмә, киши йәмә иди йоқ эрточи эрти* 'Илтереш хоқон күлга олмагаңда эди, йүк булғанда эди, мен үзим билимди Тунюқуқ күлга киритмағанымда эди, мен йүк булғанымда эди, Қапаған хоқон, түрк сир халқи ерида давлат ҳам, халқ ҳам, киши ҳам, бошлиқ ҳам йүк булар эди' [Тон., 64].

**-дачы, -дәчи, [-тачы, -тәчи] әрди** формалари әрки сүзи билан келиб модал маъно оттенкасыга әга: *ким әрти әрки блдуртәчи, джүк киам қачсини тәзуртәчи муны тәг нуусе қадгу әмгәккә* 'ким үлдилар экан сени, азиз үлгем, ким сени бундек қайғу аламга дучор қилди' (Сувр., 626); *ким әрти әрки бытчачы джүк киам бтәзин* 'ким кесар экан менинг сеvimли үғлимнинг этини (Сувр., 626) каби.

**-дачы, -дәчи, -тәчи, -тәчи эрмиш.** Бу феъл формасы ёдномаларда кам учрайди: *нән йәрдәки қағанлық будунқу бунтүги бар эрсәр, нә буны бар эртәчи эрмиш. Түрк билгә қаған илинә бититдим бән билгә Тонуқуқ* 'бирер ерда-

ти хоқонли халқда ишқемасы бор булса, не кулфатга муб-тало булар эди [не ғами бор булар эди]. Түрк билимли хоқон әлида ёздирдим, мен билимли Тунюқуқ' [Тон., 64].

#### СИФАТДОШ

Сифатдош ҳам феъллик, ҳам сифатлик белгиларига әга булиб, маъно ва функциялари билан қадимги обидалар тилида үзига хос урин тутган.

Сифатдош куйидаги аффикслар орқали ясалди: **-дүк, -дүк, -туқ, -түк, -туғ, -түғ.** Бу сифатдош шаклларининг ишлатилишида қатъий бир мунтазамлик сақланмайди: йаңылдүк, билтүк, болтүк қылыңтүк, қылындүк, тәкдүк, тәктүк, каби. Руник обидаларда бу форма унли товуш билан тууган феъллардан кейин **-дүк, -дүк** шаклларда келади. Уйгур ёзуварларида иккала (жарангли ва жарангсиз) вариант кулланади. Бу уйгур ёзувида жарангли ва жарангсизларнинг узаро фарқланмағанидан келиб чиқади.

Мазкур форма күп функцияларда кулланади. Ушбу сифатдош отлашиб келиб, от каби күплик, әгалик қушимчаларини үзига қабул қилади, келишиклар билан турланади, шунингдек күмакчилар билан бирга келади. Бу форманинг субстантивлашган ҳолати текширилган текстларда оз миқдордаги сүзәлардагина учрайди: *умдүк 'умид'* (АГ., 70); *тәгдүк 'хужумини'* (КТб., 31); *билтүкми 'билғанымни'* (ПМК., 28); *қазғантүк 'ғалаба учун'* (Тон., 64); *тәкдүк 'үчүн хужум, уруш учун'* (ЕнПТ., 26); *тәбрәтүк сайу 'тебратган сайин'* (ТТ I, 12); *олуртүк сайу 'үтирган сайин'* (ТТ I, 12) каби.

Сифатлашган ҳолда аниқловчи вазифасини утайди. **-дүк, -дүк** сифатдошининг аниқловчи функциясида келиши обидалар тилида кенг тарқалган ҳодисадир: *бтүнтүк бтүнчүм* - 'қилинган илтимосим' (Тон., 62); *қағанладүк қағаным* 'хүкми сурган хоқонини' (Онг., II, 8); *йандүк йол* 'қайтган йул' (Тон., 64); *бардүк йир* 'борган ер' (КТб., 30).

Мазкур функцияда булишсизлик аффиксини қабул қилиб келиши мүмкин: *ишдмәдүк әткү* 'эшитилмаған сүз' (Тон., 65); *қут булмадүк мидик тынлағлар* 'бахт курмаған содда одамлар' (Сувр., 41) каби.

Шуни ҳам қайд қилиш лозим буладики, дастлабки кулланишида **-дүк, -дүк** формасы әгалик аффикслари билан ишлатилмаған, бошқача қилиб айтганда, ҳозирги түрк тилида мавжуд булган **-дук** нинг әгалик аффикси билан келиши яъни *benim tandigim adam* 'мен таниган одам' типидеги ҳо-

латлар, вақтлар ўтиши билан, кейинги пайтларда тилининг тараққиёти ва тил системасининг сунги ривож, такомилли натижасида пайдо бўлган.

Текиширилган давр тилида **-дуқ, -дўқ** қўшма гапнинг кесими бўлиб қўлланади. Обидаларда қўшма гапнинг икки гуруҳи учрайди: бир гуруҳида эгалик аффикслари бор бўлса, иккинчи гуруҳида эгалик аффикслари йўқ. Бироқ эгалик аффикслари бўлмаган қўшма гаплар nisбатан кўп процентни ташкил қилади. Кейинроқ эгалик аффикслари бу хил аффикслари йўқ қўшма гапларда кўпроқ қўллана бошлайди. Бу ҳолат гап структурасида иш-ҳаракатининг бажарувчисини дифференциация қилиш, грамматик субъектни кучайтириш учун хизмат қилади.

**-дуқ, -дўқ** кўмакчиси билан қўшма гап составидаги сабаб эргаш гапнинг кесими вазифасида қўлланади: *анта кисра тэнри билиг бартўк учўн дўум бк қаған қисдўм* 'шундан сўнг тангри билан бергани учун, хоқон булшини истадим' (Тон., 61); *куч биртўк учўн, анта санчдўм, йан-дўм* (Тангри) куч бергани учун ўша жойда (уларни) санчдим, енгдим' (МН., 17; яна қаранг: МН., 17; Тон., 63; ЕнПТ., 26; Тон., 64; 29-30) каби.

Худди шу функцияда эгалик аффикси билан: *мэн дўум қаған олуртуқым учўн тўрк будўниғ...* 'мен ўзим хоқон бўлганим учун турк халқини' (МН., 17); *тэнри йарлықадўқин учўн дўим қутым бар учўн* тангри мадад қилгани учун, ўзимнинг бахтим бор учун... (КТм., 28; Онг., II, 9).

**Учўн** кўмакчиси билан бирга келган **-дуқ, -дўқ** формасининг пайт, ўрин равиш, мақсад ҳоллари вазифасида келиши функциялари руник обидаларда учрамайди. Бу хил синтактик функциялар **-дуқ, -дўқ** аффиксининг келиши қўшимчаларини қабул қилиши натижасида бериләди. Масалан: **-дуқ, -дўқ** аффикси жуналиш келишиги қўшимчаси билан келганда мақсад, пайт ҳоли функцияларини бажаради: *бунча исиг кўчиг биртўккэру сайқиматы* 'бунча кучининг беришини ўйламади' (КТб., 29); *мэн босим қаған олуртуқыма (йир сайу) бармыш будўн* 'мен хоқон бўлиб ўтирганда ҳар ерга кетган халқ...' (КТб., 31; МН., 16).

Тўшум келишигида келганда аниқловчи, тўлдирувчи функцияларини бажаради: *Табладуқымын тутармэн савдўкмин ийўрмэн* 'кунгилда ҳуш келган нарсани ов қиламан, севган нарсани ейман' (Гки.).

Ёдгорликларда **-дуқ, -дўқ** ўрин-пайт келишиги аффикси билан қўлланади ва асосан пайт маъносини (баъзан сабаб ҳоли маъносини) англатади. **-дуқ, -дўқ** аффиксининг маз-

кур функцияси жуда кенг тарқалган бўлиб, мунтазам ҳаёт рақатига эгадир.

*Мағы Қурған қышладуқта йут болты* 'Мағиқурғонда қишлаган пайтда офат руй берди' (МН., 17); *қаным қаған улганда, иним Култэгин йити йашда қалты* 'Отам хоқон улганда, иним Култэгин етти ёшда қолди, (КТб., 31).

Шу нарсга диққатга сазоворки, Култэгин обидаларида ўрин-пайт келишиги билан **-дуқ, -дўқ** ўртасида эгалик аффиксининг келиши учрайди. *Ачым қаған или қамашығ болтуқынта будўн...* 'тоғам—хоқоннинг али қўзғолончи булганда, халқ...' (КТб., 32)

Эгалик аффиксининг бу ўринда қўлланишини бошқа обидаларда учратмадик: *дўум бби йағдўдукта* 'ўзим вақти келганда...' (U III, 43, 28); *игләмкэлиг толы йағмур сизларни уэз йағдўдукта бир орунқа тэбрэнчисиз йатғурун...* 'офат ёмғири сизларга тўла ёққанда, бир жойда ҳаракатсиз ётқизиб' (U III, 14, 5-7); *тўжэл билэг тнри тнриси Бурхан кёк қалығта учуп бардўкта уч мин* 'туғал билмли тангриларнинг тангриси Бурхан кукка учиб борганда, уч минг...' (ТТХ, 138) каби.

Пайт маъносини аниқлаш, конкретлаш учун **қачон, бт-ру, кисра** каби сўзлар қўлланади: *ол қан йоқ болтуқда кэсра...* 'ухон йўқ булгандан сўнг' (Онг., II, 8); *йағру контуқда кэсра* 'яқин жойлашгандан сўнг' (КТм., 28); *бир эа қабығына илтдўктэ бтру ол кёк* 'бир уй эшигига етгандан сўнг, у кўк' (Сувр., 154).

**Қачон** сўзи гапнинг бошида келәди. Унинг гап бошида келиши руник обидалар тилида учрамайди. **Қачон** сўзининг пайт маъноли эргаш гапнинг бошида қўлланиши асосан таржима адабиётларида учрайди: *қачан йиркэ тэгдўктэ...* 'қачон ерга етганда...' (Сувр., 616) *қачон барс ўскинўз тэгдўктэ бтру ол ддўн* 'қачон барс олдига етганда' (Сувр., 616) каби.

**-дуқ, -дўқ** замон формаси ясашда қўлланади.

**-йўқ, -йўк.** Бу сифатдош ўрхун-енисей ёдномалар тилида учрамайди. Мазкур форма манихей, уйғур, брахми, араб ёзув обидаларида қўлланган.

**-йўқ, -йўк** сифатдоши отлар каби келишик, кўплик, эгалик аффикслари, кўмакчалар билан бирга қўлланиши мумкин: *тилэгў оқ тэгинч болмайуққа* 'ўз тилаги рўебга чиқмагани учун' (Сувр. 610); *бэглиг бир кўр бор тэгомйўк учўн* 'бир беклик кюр (уллов) шароб келтирилмагани учун' (Юр. II, 206); *тэгирилэйўқи йағын* 'қуршаб олинган ёвнинг' (ТТ I, 9); *сайўқ* 'парчаланган нарсга' (КР., 54); *бутмэйўк тэг* 'битмагандек' (U I, 9; 52).

Аниқловчи функциясида келади: ... *йўқ айғ қилинчларыг шикләйу тақь қилмазмән қилмаган ёмон шиларни яна қайта қилмасман*' (Сувр., 138); *ёвкә кёнул брштмәйүк тынлыг мән эрур мән ўпка, жаҳл қилмайдиган жониворман*' (У III, 42); *эв ийәси турқар булганйўқ кёнул-лүғ 'уй эгәси доимо булганган күнгилли...*' (ТТ VI, 65-66 ТТ VIII); *ол түкәнйўк ташығ 'у тутмаган тошни*' (ТТ VIII, 71); *булқанйўқ тынлығлар 'шов-шув кўтарган жониворлар*' (ТТ III, 162); *эдгу титйўк номлүғ 'эзгу деган китбо*' (ТТ III, 108).

*-йўқ, -йўк* форманинг юқоридаги *-дук, -дўк* сифатдоши билан ўхшашлиги бор, улар генетик жиҳатдан ўзаро боғлиқдир. Лекин текшираётган давр тилида бу сифатдошлар ўзаро фарқланади ва икки формани ташкил қилади.

*-йўқ, -йўк* формаси билан ясалган сифатдошнинг отлашиши, адектив функцияда келиши учун кенг қўлланмаган.

*-дачы, -дәчи, -тачы, --тәчи, -дажы, -дәжи, -тажы, -тәжи, -дачы.* Бу сифатдош кенг истеъмолда булган. Сифатдошнинг *-дажы, -дәжи, -тажы, -тәжи, -дачы* шакллари фақат турфон текстларида (ТТ VIII—IX) келади: *бартажыққа 'борувчига*' (ТТ VIII, 38); *суқландажы 'хунари, қасб'* (ТТ VIII, 39); *тарқардажы 'тарқатувчи'* (ТТ IX, 12). Ёлғиз бир ўрнида брахми ёзувида ёзилган ёднома булмиш турфон тексти VIIIда *дачы* формасини учратдик: *пүшәр-дачы 'пиширувчи'* (ТТ VIII, 67).

*-дажы, -дәжи, -тажы, -тәжи,* шакллар мавжуд булган обидаларда булар билан параллел равишда *-тачы, -тәчи, -дачы, -дәчи* формалари ҳам қўлланган. Сунги шакллар *-дажы, -дәжи* га нисбатан кўпроқ учрайди.

Сифатдошнинг мазкур формаси ёдномаларда кенг истеъмолда булган. У ёки бу форманинг қўлланишида маълум бир мунтазамлик сақланмайди: *булдачы* (У III 74, 14); *бул-тачы* (У III, 74, 16) каби.

Мазкур сифатдош отлашиб келади: *удачына 'кучига'* (ЕнПТ.); *бартажыққа 'борувчига'* (ТТ VIII, ЕнПТ.); *ишлә-тачы 'ишловчини'* (ТТ VIII, 43); *бардачыларығ 'борувчи-ларини'* (ТТ VIII, 11); *иратындачынын 'яратувчининг'* (ТТ VIII, 18); *пишрундачынын 'пиширувчининг'* (ТТ VIII, 17); *қылтачысы 'қилувчиси'* (ТТ VIII, 51); *блтәчиси 'ўддирув-чиси'* (МН.); *йаратынтачыларығ 'яратилганларни'* (ТТ III, 75); *блуртәчи 'қотил'* (Сувр., 626); *башлабачы 'раҳбар'* (Сувр., 607); *қутрулдачы 'озод қилувчи'* (ТТ IX, 13); *ач-тачы 'очувчи'* (ТТ IX, 13) каби.

Руник обидаларида субстантивлашган ҳолатлари санокла-мисолларда (*қушлыдачы 'овчи', уоачи 'эрк'*) учраса, бошқи ёдгорликларда отлашиш ҳоллари жуда кўлдир.

*-дачы, -дәчи* ёрдамида ясалган сифатдошларнинг негати-в, куантатив аффикслар билан ҳам қўлланиши мавжуд: *блтәчи 'элимга қадар'* (МН., 16); *саргуртачысыз* (ТТ VIII, 8) каби.

Аниқловчи вазифасида кенг қўлланган: *блтәчи будувчи 'улувчи халқни'* (КТ6., 31); *илгәдәчи илгиләр 'азобланувчи хасталар'* (У III, 45, 17); *бярә иоридачы йирчи 'олдида юрүвчи йўл курсатувчи'* (У III, 57; 11); *қутрулдачы тын-лығлар 'қутулган жондилар'* (У III, 11, 7); *ундәчи тил 'ундовчи тил'* (ТТ I, II); *қатығлантачы қутлауғлар 'қат-тигланувчи бахтликлар'* (ТТ IV, 47); *сана удрунтачы киши 'сента қарши булган кишилар'* (ТТ I, 9); *йўлдачы киши 'йўловчи киши'* (Юр. II, 206) каби.

*-мыш, -миш,* баъзан *-муш, -муш'* ёдномаларда кенг истеъмолда булган сифатдош ясовчи аффикслар саналади.

Мазкур курсаткич билан ясалган сифатдошлар юқорида келтирилган аффикслар билан ясалган сифатдошлар каби отлашиб, ағалик, кўплик, келишик аффикслари, акуватиш формалари, кумақчи сузлар билан кенг қўлланган: *тоғмышии 'қариндошим'* (Юр XIII, 210); *асығ қылмышии 'фойда қи-лишинг'* (ТТ VIII, 36); *йир тәбрәмишии көрүп 'зилзилани қүриб'* (Сувр., 618); *амрашмышииыз 'муҳаббатингиз'* (ТТ VIII, 8) каби.

Келишикларда келиши: *йишии 'мева'* (Сувр., 608); *йавал-мишиларнын бахисии, (ТТ VIII, 45); йатмышии көрүп* (Сувр., 625); *қылмышии кәрүр* (Сувр., 155); *тағмишии* (Гкн., 84); *бармышиг* (ТТ VIII, 19); *кәлмишии* (У III, 56; 4); *битмишии* (ЕнПТ., 44); *болмышиққа* (У III, 37, 2); *уртул-мишләркә* (ТТ VIII, 11); *абырылыишда* (ПМК, 45); *бир-мишә* (ТТ X, 435); *аығынмишита* (ТТ VIII, 7) каби.

Мазкур форма қаратқич, ўрин-пайт, чиқиш келишикларин-да специфик хусусиятларга эга.

<sup>1</sup> Н. К. Дмитриев мазкур сифатдош формасини мўгул тизидиги *-мәл, -мәл* билан солиштиради Н. К. Дмитриев, К вопросу о значении османской глагольной формы на *-мыш*. Записки Коллегии в Восточном при Азиатском музее АН СССР, т. II, вып. I, Л., 1926, стр. 91—96. Унинг бу этимологияси Г. И. Рамstedт, В. Котвич томонидан тасдиқланган. W. Kotwicz. Studia nad językami ąstańskimi S. 277; Г. И. Рамstedт сунгрок бошқача тушунардаги ҳаракат қилган *-мыш < м + иш* бундаги иш предмет, ларсалир. В. Банг ва К. Бро-келмани *-мыш < м + иш* Räsänen, Materialien zur Morphologie 93.

**-мыш, -миш** аффиксли сўзларнинг қаратқич келишигида келиши руник обидалар тилида учрамайди. Қаратқич келишигидаги **-мыш, -миш** нинг аниқловчи функциясида қўлланиши турфон текстида учрайди (ТТ VIII, 45). Бошқа ёлгорликларда бундай ҳолатга дуч келмадик.

Жўналиш келишигида мазкур форма сабаб маъносини аңлатувчи эргаш гап ҳосил қилади: *мэн тирилмишкэ сизлар нэўдудук анча кэд қачарсызлар* 'мен тирилганим учун сизлар нимага бунча тез қочмоқдасизлар' (Сувр., 154); *сэн мунча мунча тынлығларың дларумишкэ ол сенин исиг өз алымчыларнын огуриянта анын сени алғалытдылар* 'сен бунча куп жониларни уддирганинг сабабли, у сенинг жонингни олиш учун юборди' (Сувр., 155) каби.

Бажарилиш ҳолатини билдиради: *тимишкэ битидим* 'айтиб турганда ёдним' (Юр., II, 206).

**-мыш, -миш** ўрин-пайт келишидаги пайт эргаш гапнинг кесини бўлиб қўлланади...*адирымшида сақнуур эртимиз...* айрилган (улган) вақтда биз ҳам чекдик' (ПМК., 45); *тынгалы олурмышта, эн улугь тизин ики ишилэринэ инча тил тиди* 'дам олишга ўтирганда, энг улугь (шаҳзода) икки иниларига шундай деди' (Сувр., 608); *оглум йақы болмышта дгруйгум севэн чим аз эрти* иккикат бўлганимда севинчим оз эди' (Сувр., 623) каби.

**-мыш, -миш** билан ясалган сўзлар ўрин-пайт келишигида *кин* кўмакчиси билан қўлланиб пайт эргаш гапнинг кесини бўлиб келади. Ўрин-пайт келишигичикш келишиги маъносига тўғри келади...*бирмишкэ кин йэнэ инчэ тил тизил* 'бергандан сўнг яна шундай дегин' [ТТ]; *аш қылу тўкэмистэ кин он кун эрмэз кнэ* 'ош қилиб тугатгандан кейин ҳам ўн кун ўтмаган эди' (Сувр., 154).

**-мыш, -миш** билан ясалган сўзлар *учун* кўмакчиси билан сабаб маъносини аңлатади: *будун ара болмышын учун* 'халқ бўлгани учун' (ЕнПТ., 38); *дларумиш учун дкунун* 'уддиргани учун ўқиниб' (Сувр., 156) каби.

**-мыш, -миш** ақуатив формалари билан келади: *дтумиш тэг* 'ўтингандек' (Сувр., 157); *унмиштэг* 'унгандек' (ТТ VIII, 35); *туғмышыг тэг* 'туққандек' (ТТ VIII, 35).

Аврим ўринда ақуатив аффиксидан сўнг предикатив аффикси билан қўлланади: *биз эз ичи ташын тутмыш тэг биз* 'ўзимизни ўзимиз тутгандек қоламиз' (Тон., 61).

Шуни қайд қилиш керакки, ўрхун-енисей обидаларида **-мыш, -миш** аффикси билан ясалган сўзларнинг субстантивлашган ҳолатлари кам учрайди. Руник обидаларида отлашган сўзларнинг кўпчилиги III шахс эғалик аффикслари билан

қўлланади: *кэлмиши алл* 'келгани али' (Тон., 63); *акта қалмышы* 'уша жойда қолгани' (КТб., 28) каби.

**-мыш, -миш** аффиксини қабул қилиб келган сўзларнинг отлашши ҳолатлари манихей, уйғур, брахми ёзув обидаларида кенг тарқалган ҳодисадир: *қарымышилар* 'қурашчилар' (ТТ VIII, 49); *элтмишлар* 'элтганлар' (ТТ VIII, 9); *аты котрулмиш* 'юқори мартабали' (АГ., 37); *дмиши* 'мақтов' (U III, 73; 2) каби.

**-мыш, -миш** аффикси билан келган феъллар аниқловчи вазифасида кенг қўлланиб, предметнинг сифати, белгиси, аломатини билдиради: *бармыш будун* 'борган халқ' (КТб., 31); *кэлмиш су* 'келган қўшин' (МН., 16); *кэтрулмиш ном* 'мақтаган китоб' (Сувр., 156); *ағзанмыш савын* 'айтилган сўзинг' (ТТ., I, 13); *қылмыш ишин* 'қилган ишинг' (ТТ I, 8); *кбсэмши кбсусун* 'истаган истагинг' (ТТ I, 14) каби.

**-мыш, -миш** аффикси билан келган феълларнинг бундай ҳолатларда қўлланиши энг қадимдан бўлгани учун, купгина сўзларда аниқланимиш билан қўшилиб, қўшма от ясада иштирок этади: *Озмыш тигин* 'Ўзимш — тегин' (ПМК., 35); *Ббтүрмиз тарқан* 'Битурмиш — тарқон' (Хуаст., 120); *Кутадмиш барс* 'Кутадмиш — барс (бахтиёр бўлган барс)' (ТТ IX, 40); *Турмуш Тэмур* 'Турмуштуғур' (Юр., XIII, 210); *сықтаммыш таму* 'йиғлайдиган жой (жаҳаннам)' (АГ., 79); *йэмши қагун* 'қовун' (ТТ VIII, 61) каби.

**-мыш, -миш** сифатдоши *кэргэк* сўзи билан келиб, иш-ҳаракатнинг бажарилиши лозимлиги, кераклигини кўрсатади: *мунча сақынмыш эргэк* 'шундай уйлаш керак [бўлади]' (U III, 4;4) *бу савығ укмыш кэргэк* 'бу сўзни тушуниш керак' (U III, 24; 9-10).

**-ғма, -гмэ, -ығма, -игмэ, -уғма, -ўгмэ, -ағма, -эгмэ.** Бу форма билан ясалган сифатдош руник текстларида истеъмолла бўлиб, уйғур, манихей, турфон текстларида эса архаиклашган форма ҳисобланади. Ўрхун-енисей обидалар тилида **-ғма, -гмэ** (ва бошқалар) кўпинча аниқловчи функциясида келади: *ббдкэ кбригмэ бэглэр* 'тахтта бўйсунган белгар' (КТм., 28); *сақынығма турк бэглэр* 'ғамгин турк белкари' (МН., 16); *кэлигмэ бэглэр* 'келган белкар' (Тон., 61); *учуғма тынлығқа* 'учувчи жонлакка' (Хуаст., 117); *кэлигмэ су* 'келган қўшин' (МН., 17) *ил биригмэ тэнри* 'эл берган тангри' (КТб., 31); *тэңиси оглы йатығма тагда тэғмиш* 'тенгеси улиб ётган тоққа етди (Тон., 64); *бағрин йорығма тынлығқа* 'бағрин билан юрган жонлакка' [Хуаст. 117]; *учуғма бағрин йорығма тынлығларыг дларугучи болтумуз* 'учувчи, бағри билан юрувчи жонликларни уддир-

моқчи бўлдиқ' (ТТ IV, 57, 58); *кўкта учугма қушлар* 'қўкда учувчи қушлар' (ТТ X, 209); *имаригма қамағ бодуни* 'мавжуд бўлган ҳамма халқни' (Сувр., 607); *кўргүмэ кун тәгри* 'қурувчи кун таггри' (U III, 79; 3) *учугма қушлар* (МГ., 4).

Руник ёдномалар тилида (-*ғма*, -*гмә* ва бошқалар) сифатдошнинг отлашиб келган ҳолатлари ҳам қайд этилади: *длүгмә блти* 'ўлгани улди' (МН., 18); *бәдиз йаратығма* 'наққош' (КТб., 43); *әтии йүз кишиг удмығма* 'етти юз кишини бошқарувчи' (Тон., 61) каби.

Култегин обидасида бир ўринда -*гмә* билан ясалган сифатдошнинг отлашиб келган ҳолатини алоҳида қайд қилиб ўтиш керак бўлади. Шу отлашиб келган сўздан кейинги сўз икки эгаллик аффиксини қабул қилади: *бу битиг битигмә атмыс* 'бу хат ёзганининг оти' (КТм., 28).

-*ғма*, -*гмә* билан ясалган сифатдошнинг маъно ва функцияларини ўша даврда кенг истеъмолда бўлган -*мыш*, -*миш*, -*р*, -*ур* -*ур* (ва бошқалари), сунгроқ -*ғлы*, -*гли* каби сифатдошлар аста-секин сиқиб чиқара бошлаган. Шу сабабли -*ғма*, -*гмә* аффиксларининг истеъмол доираси чекланган. Текшириляётган давр тилида -*р*, -*мыш* билан ясалган сифатдошлар билан -*ғма*, -*гмә* билан ясалган сифатдошлар баъзан синонимик конструкция ҳосил қилади: *қаным қағаныг бгүм қатуныг кәтүрмиш тәгри, ил биригмә тәгри* 'отамни хоқон, онамни бекач қилиб кўтарган таггри, эл берган таггри' (КТб., 31); *учугма қуш* 'унар қуш' (ТТ X, 38) каби.

-*ғучы*, -*гүчи*, -*қучы*, -*күчи*. Бу аффикслар билан ясалган сифатдошнинг маъноси -*дачы*, -*дәчи* ёрдамида ясалган сифатдошга мос келади. Мазкур сифатдошнинг руник обидаларида истеъмол доираси жуда тор эди: *бидгүчи әр* 'йиғилган аскар' (ПМК., 36) *айгүчи* 'маслаҳатчи' (Тон., 61, 62, 63, 64); *барқ итгүчи* 'қаср қурувчи' (КТб., 43); *ташигтүчи* 'тош кесувчи' (КТб., 43) каби.

Турфон, манихей, уйғур ёдгорликларида -*ғучы*, -*гүчи* формалари сифатдош ясаида кенг қўлланган.

Отлашиб келади: *қатыгланғучылар* 'қаттиқланувчилар' (U III, 46, 66); *қойи блүргүчи* 'қўй ўлдирувчи' (ТТ IV, 55); *тақығу иизигүчи* 'товуқ ушловчи' (ТТ IV, 56); *тавратгүчи* 'мажбур қилувчи' (ТТ II, 92, 93); *сақынғучылар* 'қаровчилар' (ТТ I, 12).

Аниқловчи вазиғасида: *длүргүчи йилкы* 'ўладаган йилки' (Сувр., 155); *чамлағачы киши* 'баҳсчи' (Юр., XVI, 213); *қолунғучы тынды* 'тиланувчи жойлик' (U I, 10,5) каби.

-*ғулуқ*, -*гүлүқ*, -*қулуқ*, -*күлүқ* баъзан -*ғунуғ*: *болгунуғ* (ТТ I, 9). Бу сифатдош ясовчи кўрәткич -*ғу*, -*гү*, *қу*, -*кү* ва -*луқ*, -*луғ*, -*лүқ*, -*лүғ* аффиксларининг бирикишидан ташкил топган.

Руник обидалар тилида мазкур сифатдош кам учрайди: *йуғка қалың болсар, топлағулуқ алл әрмиш* 'йиғиңг йоған болсар, ўзгүлүқ алл әрмиш' юпқа қалин бўлса тўплаган (тупловчи) баҳодир бўлади, йиғичка йўгон бўлса ўзувчи узадиган баҳодир бўлади' (Тон., 62).

Уйғур, турфон, манихей обидалари тилида мазкур формалар билан ясалган сифатдошлар жуда кенг истеъмолда бўлган.

Аниқловчи вазиғасида: *асығлыг болгунуғ йолун көзүм-мәз илгүлүг болғулуғ бәлгүлүг бәлгүрмәз* 'сен учун' фойдала бўлган йул кўринмас, ранжийдиган белгини бермайди' (ТТ I, 9); *ишләткүлүқ йонлағулуқ орун* 'ишлатиш, фойдаланиш мумкин бўлган жой' (Сувр., 612); *озғулуқ күтүлүчүлүқ* *бдүмүз күнүмүз* 'қутулиш, овоз бўлиш вақтимиз, куннимиз' (Сувр., 154); *йығлулуқ әвимиз* 'йиғиладиган уйимиз' (ТТ VIII, 48).

Отлашиб келади: *сбәлгүлүкүг* (ТТ VIII, 50); *булқулуқ* (ТТ VIII, 32); *уйатқулуқта* (ТТ VIII, 14); *йанқулуғун* (ТТ X, 208); *қылғулуқ* (КТм., 31); *умунқулуқ* *үзә* 'умид билан' (ТТ VIII, 14) каби.

Баъзан -*ғулуқ* билан ясалган сифатдош сўз ва форма узгаргучи аффиксларни қабул қилади: *дз боғағулуқчы* 'ўзини бугувчи' (ПВ., 136); *оқшатғулуқсуз* 'тенгсиз' (АГ., 77); *билмәгүлүқ* 'тушунмаслик' (U III, 43, 31); *әшитмәгүлүқ* 'әшитмаслик' (ТТ VIII, 13); *қылмағулуқ* 'қилмаслик' (ТТ VIII, 43) каби.

-*р*, -*ур*, -*үр*, -*ыр*, -*ир*, -*ар*, -*өр*, -*йур*, -*йүр*. Бу сифатдош ясовчиларнинг у ёки бу формаси қўлланшида қатъий бир мунтазамлик сақланмайди. Ёдномаларда -*ур*, -*үр* шакллари қуйидаги феллар билан қўлланади. Тубанда баъзи феллар берилган: *бир-үр*, *үкүл-үр*, *бил-үр*, *бол-үр*, *үкит-үр*, *қыл-үр*, *қал-үр*, *ағзүр-үр*, *бч-үр*, *ал-үр*, *кир-үр*, *тик-үр*, *қорқ-үр*, *бч-үр*, *әр-үр*, *тәкин-үр*, *кбр-үр*, *тур-үр*, *кбзүн-үр*, *үнтүр-үр*, *бил-үр*, *йат-үр*, *айыт-үр*, *әд-үр*, *қыл-үр*, *сәбин-үр*, *йалбар-үр*, *үр-үр*, *бй-үр*, *башғур-үр*, *қылын-үр*, *тәгин-үр*, *сақын-үр*, *йүкүн-үр*, *бат-үр*, *қазған-үр*, *ғш-үр*, *олур-үр*, *пусан-үр*, *пусырқан-үр*, *кәнрән-үр*, *йат-үр*, *ўләш-үр*, *сақын-үр*, *қарыш-үр*, *йүкүн-үр*, *әр-үр*, *бар-үр*, *кир-үр*, *көлдүр-үр*, *қал-үр*, *әмгәт-үр*, *үрүл-үр*, *тәкин-үр*, *илт-үр* *дл-үр*, *алқан-үр*, *қал-үр*, *қол-үр*, *бил-үр*, *иркәкәлч-үр*, *чәкәкәлч-үр*, *ула-үр*, *ыргал-үр*, *йараш-үр*, *қатғлан-тур-үр*, *қатағ-*

лан-ур, уқлаш-ур, алқын-ур, сықыл-ур, талаш-ур, эгир-ур, ардат-ур, қавит-ур, саньит-ур, сачыл-ур ва бошқалар.

Қуйида **-ар, -эр** шакллари билан келган сифатдошнинг баъзиларини берамиз: *уч-ар, куй-эр, тис-эр (тиз-эр), йэд-эр, бгир-эр, бас-ар, туш-эр, сат-ар, бэлгүр-эр, сат-ар, сэн-эр, тэг-эр, сөв-эр, адыр-ар, қорқ-ар, оз-ар, йот-ар, кұл-эр, сузлаш-эр, бол-ар, сач-ар, ақ-ар, қал-ар, тик-эр, қал-ар* ва шу каби.

Қуйида **-ыр, -ир** шакллари билан келган сифатдошнинг баъзиларини келтирамиз: *көл-ир, қабыш-ыр, йагуш-ыр, тэг-ир, қал-ыр, бар-ыр, бил-ир, эмгэт-ир, тикиләш-ир, севинт-ир, үркәл-ир* ва шу кабилар.

Қуйида **-р** сифатдош ясовчиси қушилиб келган феълларнинг баъзиларини келтирамиз: *қаршылар-р, тилә-р, титрә-р, үртә-р, ти-р, ақла-р, озарла-р* каби.

Қуйида **-йур, -йүр** сифатдош ясовчиси қушилиб келган феълларнинг баъзилари бериләди *йоры-йур, йи-йүр, тилә-йүр, йалт-ра-йүр, агла-йүр, ишлә-йүр, сөвлә-йүр, титрә-йүр, мәшилә-йүр, тәбрә-йүр, йаңра-йүр, йалтры-йүр, сөвлә-йүр, йаша-йүр, көвләти-йүр, йайла-йүр, қуры-йүр, үғра-йүр, үнтә-йүр, тапла-йүр, ыдала-йүр, ба-йүр, уды-йүр, алта-йүр, булга-йүр, өглә-йүр* каби.

Юқоридә келтирилган мисоллардан күриниб турибдики, у ёки бу формаларни ишлатишда мунтазам бир тартип сақланмаган. Ёдномаларда **-ур, -үр** (ундош товушга тамоланган феълларда), **-йур, -йүр** (унли товушга тугаган феълларда) жуда кенг, **-ар, -эр, -ыр, -ир** ва **-р** шакллари эса анча кам ўринда қўланган.

Шуни қайд қилиш лозим бўладики, у ёки бу формани ишлатишда қатъий мунтазамлик сақланмаганиги учун бир феъл узәги билан турли шаклларнинг қўланишини учратиш мумкин: болар, бол-ур (ТТ VIII, 57, 12 62); тәгин-ур, тәгин-эр (У II, 80-64) тир, ти-йүр (КТб., ПВ.); тиләр-йүр (ТТ VIII, 13); титрә-р, титрә-йүр (Сувр., ТТ VIII) каби.

Ҳозиргача юқоридә келтирилган шаклларнинг қайси бири энг қадимий деган саволга жавоб берилмаган. Эҳтимол, фонетик вариантларнинг күплити ва турлилиги эски ёдгорликларда турли диалектларнинг таъсири билан изоҳланар.

Мазкур сифатдошнинг отлашиб келиши руник обидаларда санокли ўринларда учрайди. *Сабық басар* 'киши оти' (ЕнПТ., 61). Субстантивлашган ҳолатлар сунги ёдномалар тилида ҳам кам учрайди: *мана тәгәр алды* 'менга тегишлигини олди' (Юр., XIII); *от бдүри* 'ўт учириси' (У II, 9; 4);

Мазкур сифатдошнинг келишклар билан қўланиши ҳам кам учрайди: *аз нызванықа агукуп артайу йоқатурурта*

*Эврдинлығым от үзә ана йүрүнтәг қылатымыз* 'улар) очқузлиқ дәрдиға гирифтор бўлиб, ўлар ҳолатға етган (дари)да, сен(сиз) у(лар)ни газаб (Амварадишн) дориси билан даволалинг(из)' (ТТ III, 28,29) каби.

Акуатив шакли билан келади: *үнтәйүр тәг* 'чақиргандек' (ТТХ, 282) каби.

**-ур, -үр** (ва бошқа вариантлар) билан сифатдошлар қадимдан аниқловчи (сифат) функциясида қўланган: *кдүрү* 'кдүрү' кўрар күзим' (КТб., 33); *билер билигим* 'билар билигим' (КТб., 33); *қалар әшим* 'қолган дустларим' (ЕнПТ., 73); *йүкүңүр күң* 'юкниар күң' (ПМК., 43); *ағып кәлир сагыс сув* 'оқиб келган соғуқ сув' (ТТ I, 11) каби.

Булишсизлик формаси **-ма | мә+р-з**.

**-қан, -кән, -ған, -гән, -қын, -кин, -қун, -күн, гын, -гин, -гун, -гүн.** Бу сифатдош ясовчилар ўрхун-енисей обидалар тилида деярли учрамайди<sup>8</sup>.

Сунги давр тилида отлашиб келган:

*Йазқы булут йашлап көкүрәп,  
йамғурлар му ол йагыдур,  
йашы кичгә алғанларым,  
Йашларым му ақыдыр* (Л., 5) каби.

**-кән** шаклининг **-эр** ёрдамчи феъли билан қўшилган ҳоллари учрайди: *анасы идиз қалығта йатым удыйүр әркән, түш түшәди* 'онаси саройда ётиб ухлар экан туш курди' (Сувр., 620) каби.

Мазкур сифатдошға акуатив қўшимчаси **-ча, -чә** қушилиб, равишдош формаси ясалади.

**-ғу, -зү, -қу, -ку.** Сифатдош ясовчи бу формалар руник ёдномаларида кам учрайди. Мазкур форма айниқса уйғур, турфон, манихей текстларида кенг истеъмолда бўлган.

**-ғу, -зү** сифатдошнинг аниқловчи бўлиб келиши ёдномалар учун характерлидир: *барғу йолукуз* 'борадиган йулнигиз' (ТТ II, 24-25); *кутрулқу йол* 'кутулиш йули' (ТТ III, 60); *кутқарқу тынғларығ* 'кутулиш керак бўлган жониворларни' (ТТ III, 61); *тәнри йиринә барқу көни йол* 'тангри ериға борадиган ҳақ йул' (ТТ III, 72-73) каби.

**-ғу, -зу, -зү, -ку** формадаги сүз жүнаलिш келишигида қўланганда иш-ҳаракатнинг бажарилиши лозимлигини, кераклигини билдиради: *тақы илгә қанқа янаны болуқа* 'яна элға хонға ишончли бўлишинг керак' (ТТ I, 15); *абам бир адақни сисар ичинтәки татығ* 'тбкүләүкә' 'агар бир

<sup>8</sup> Айрим феъллар билан қўланиши тахмин қилинади: И. А. Батма-инов, Язык енисейских памятников древнетюркской письменности, стр. 93.

оёғи синдирилса, ичидаги оши тукилиши керак' (ТТ I, 15) каби.

Акуатив формаси билан келади. Бунда **-ғу** специфик маъно ва функцияга эга: *Ол дегунчүмүз түкәти сөзләгүтөз әрмәз* 'уша шодлигимизни тўла сөзлаб бўлмайди' (ТТ II, 34-55).

**Учун, Узә** кўмакчилари билан келганда мақсад маъносини англатади: *көсәйүр әрти биргәру күнтәмәк тын сизни көрү учун* 'кунда ва доимо сизни қиришни истәрәди' (ТТ III, 96); *дәгу узә 'бушалиш учун'* (ТТ III, 142).

**-ғлы, -гли, -ығлы, -игли, -уғлы, Уғли** [баъзан ағлы, әгли, — қлы].

Бу аффикс ўрхун-енисей обидалар тилида учрамайди. Бунинг ўрнида ўрхун-енисей ва бошқа руник обидалар тилида **-ғма, -гмә** сифатдоши қўлланади<sup>9</sup>. Эски ёдномалардан мазкур форма 'Хуастуанифт'га икки ўрнида учрайди: *азгуруғлы йолқа 'өзадиган йўлга'* (Хуаст., 117); *қувратқлы* (ўқилиши керак: *қувратығлы*) *бристилар* 'янгилган бристилар' (Хуаст., 123). 'Хуастуанифт'да **-ғлы, -гли** сифатдоши билан параллел **-ғма, -гмә** қўлланган. **-ғма, -гмә** кўпроқ қўлланади.

**-ғлы, -гли** сифатдош ясовчи аффикслар манихей, уйғур, турфон текстларида отлашади, сифатловчи вазифасида келади: *йаратығлы 'яратган'* (АГ., 71); *әддеу дгли 'дўст, эзгу ниятли'* (У III, 7,13); *длүгүт тиригүлүгли бәг 'ўликларни тириктирүвчи бек'* (Ман., 1,24); *оқығлы унтәгли тәһри 'чақирүвчи, жавоб берүвчи тангри'* (АГ., 76) каби.

**-ғалыр, -гәлир, -кәлир**<sup>10</sup>. Сифатдош ясовчи бу формалар руник обидаларида учрамайди. Мазкур форма уйғур, турфон, манихей текстларида қайд этилган.

**-қалыр, -кәлир** сифатдош формалари юқоридә зикр қилинган обидаларда ҳам истеъмол доирәси чекланган аффикс ҳисобланади: *ол оғурда мукун тәбзинә әмрәнмәк көнүл сәвин түркәлир үчүн бир ном шлокин сөзләдим* 'шу орада бунинг вужудига севгили кўнгилни қувонтириш учун бир

шеър сөзлаб бердим' (ТТ X, 553-554); *анта бтру батра қатун илг бәгкә тәбзин совиткәлир үчүн күн күни нә тәбзүн йумшақ саялар сөзләйүр әрди* 'шундан сўнг Батра — бәгач Илг—бекнинг кўнгилни севинтириш йўлида кунда ёқимли сөзлар әди' (У III, 54; 16); *тутқалыр үчүн 'туттиш учун'* (Сувр., 448); *Қалмашапади илг маңа киртү сакыкыл браманқа алтун йармақ биркәлир үчүн мини мунта идты* 'Калмашапади—хоқон менга ишониб браманларга олтин танга бериш учун мени бунга юборди' (У III, 68,27); *адынлар сманч киргәлир әркон тидығ ада қылмазун* 'Сманч роҳибга киришни истаганларга (кирмоқчи экан) бошқалар йўлида ғов бўлмасинлар' (У III, 77,24).

Бошқа ёдномаларда ҳам учрайди (Ман., III, 37; У I, 14; У II, 92) каби.

**-ма, -мә**. Бу сифатдош ясовчилар саноқли феълларгагина қўшилиб келади: *йәлмә 'чавандоз'* (АГ., 72).

Асосан аниқловчи функциясида учрайди: *дин бәлгүртмә браман* ' (ҳар томондан пайдо бўлган браманлар' (У III, 12,7); *лаукик титмә йиртинчүдәки* 'Лаукик дейилган (номланган) ердаги' (У III, 38,23); *барма йыл 'утган йил'* (АГ., 78) каби.

**-сығ, -сиг, -суғ, -сүғ, -сақ, -сәк**. Бу сифатдош ясовчилар руник, уйғур, брахми, манихей ёзув ёдномаларида учрайди ва асосан булар ёрдамида ясалган сифатдошлар отлашиб келади: *күн тоғсуқ 'шарқ'* (КТм., 27; ЕнПТ., 84; Ман., III, 9,1); *кун батсық 'ғарб'* (КТм., 27; ЕнПТ., 84; Ман., III, 9,3); *алқансық 'мақтов'* (Хуаст., 96); *тутсық 'тутадиган'* (КТм., 28) *йылсығ 'бой, бадавлат'* (КТб., 28).

Аниқловчи функциясида ишлатилгандә: *ишләмәсиг иш 'ишланмаган иш'* (Хуаст., 118); *сөзләмәсик* (Хуаст., 119); *әтбәз қойықарсуғ ед* (Сувр., 190; 23); *тоғсық 'түк'* (ТТ V, 47); *тапығсақ* (ТТ VI, 102); *анчуласық көргәк* (Хуаст., 248) *адынсығ* (ТТ VI, 195); *ачсық* (ТТ V, 4) каби.

#### РАВИШДОШ

Одатда равишдошга феълнинг шахс, сон ва замонда ўзгармайдиган, асосий иш-ҳаракатга нисбатан бирор қўшимча ҳаракатни билдирадиган ёки шахсли феълларга қўшимча маъно берүвчи, маъносини кенгайтирүвчи, гапда шахсли феъл формалари ўрнида қўлланувчи, асосий феъл функциясида келиб, ёрдамчи феъл билан бирга вид маъносини ифодалашда хизмат қилүвчи феъл формаси деб таъриф берилади. Бу таъриф равишдошнинг энг кенг тарқалган функциясини ўз ичига олади.

<sup>9</sup> С. Малов, Памятники древнетюркской письменности. М.—Л., 1951, стр. 127.

<sup>10</sup> Проф. А. Габән-калыр формасининг анализига икки асаридә тўхтаган: W. Bang und A. von Gabain, Türkische Turfan-Texte, Berlin, 1929, S. 26; Alttürkische Grammatik, S. 364. Биринчи китобда Б. Банг ва А. Габән мазкур формани *кәл*-ёки *қал*-феълалари деб изоҳлаган. Сўнгги асарда ҳам бу фикр такрорланган. Бу ўрнида бу икки олимнинг фикрларига қўшилиб бўлмайди. А. М. Шчербак буни бошқачароқ тушунтиради: А. М. Шчербак Грамматический очерк языка тюркских текстов X-XIII вв. из Восточного Туркестана. М.—Л., 1961.

Эски ёдномаларни текшириш асосида юқорина равишдошга нисбатан берилган татриф мазкур категориянинг ҳамма функцияларини ўз ичига қамраб олади деб бўлмайди. Чунки қадимги ёдгорликларда равишдошинг яна бошқа бир қатор функциялари ҳам мавжудки, бу билан равишдош номинатив категорияларга ақин туради.

Унинг бу хил функциялари сифатдош каби аниқловчи вазифада келиши, келишдиқлар аффиксини қабул қилиши, кумакчи сўз билан қўллана олиши кабиларни кўрсатмоқ мумкин: *бирики будуныг 'бириккан халқни' (КТб., 27); кэлипэни... тутупаны... тийур 'келишни тутушини сўзалар' (Ман., II, 12: 2); кўлчирэ йүзин 'табассумли юзини' (ТТХ, 25, U III, 14); эрдини бирилэ 'хазина бериб' (ПВ., 135); муны эшитү бирлэ бк 'буни эшитиши биланоқ' (Сувр., 621); тэнри йэринтэн инипэнин 'тангри еридан тушишини' (Ман., III, 36); иччэ типү йарлыккайур (Ман., II, 9: 4).*

Равишдош қуйидаги аффикслар орқали ясалади: 1. *-п, -уп, -ўп, -ып, -ап; 2. -пан, -пэн, -упан, -ўпэн, -ыпан, -апэн; 3. -у, -ў, -йу, -йў, -ы, -и, -а, -э; 4. -ин, -йин; 5. -мады, -мэди, -матын, -мэтин, -мадын, -мэдин; 6. -галы, -гэли, -қали, -кэли; 7. -гинчэ, -ғынча, -қынча, -кинчэ.*

*-п, -уп, -ўп, -ып, -ап* баъзан *-ап, -эп; барап* (ЕнПТ, 69); *қанал* (U III, 67: 6); *тикилэп* (ТТ I, 8).

Равишдошининг бу шакллари кенг истеъмолда бўлган *-п* аффикси ушли билан туаган феъл негизларига [*тэбэлэп, анлап*], *-уп, -ўп* шакллари ундош товушга туаган лабланган ўзақларга [*туруп, ёндуруп*], *-ып, -ип* шакллари ундош билан тамомланган [*ағытып, бинип*] лабланмаган феъл негизларига қўшилиб келади. Бу ҳол бошқа формаларда ҳам қайд қилинади. Лекин ҳар вақт бу мунтазамлик сақланмайди.

Равишдошининг *-п* (ва бошқалар) формаси шахсли феъл орқали англашилган ҳаракат ё ҳолат билан бир вақтда руй берган иш-ҳаракатни билдиради: *йагы болып... йана ичкмиш 'душман бўлиб яна бўйсунди' (КТб., 29); ёглэрин кбнўллэрин ичкынып, нэ қылымышып арыты билнимэз болтылар 'эс-ҳушдан кетиб, нима қилишларини билмас эдилар' (Сувр., 625).*

Шахсли феъл орқали ифодаланган иш-ҳаракатнинг тамомланишидан аввал содир бўлган ҳаракат ё ҳолатни билдиради: *Бда ташда қадмышы кубарып йэти йүз болты 'урмонзор, тошлик (жойлар) да қолгани қўшилиб етти юз*

*бўлди' (Тон., 61); ат бинил тэгди 'от миниб ҳужум қилди' (КТб., 31); улуғ ил кэлип, кдл сувни токын... сув йа-йылыты йай қалты 'қаттиқ шамол келиб, қўл сувини тоштириб... сув ёйлади, чайқалди' (Сувр., 617); ал алтағ азун мақларығ шашқарып аадынларқа асығлық пшиг ишлэтиниз 'маккорлик ҳийлагарликни ташлаб, бошқаларга фойдали иш қилдингиз' (ТТ III, 68-69).*

Иш-ҳаракатнинг кетма-кет, навбатман навбат алмашилганлигини билдиради: *ол ёдун қатун бу савыг эшитип, улуғ нусушта қадгута туруп, ачыгы кэлип кэзинтэ толу йащы бирлэ тэркин илик ёзгэк барып 'ўша вақт бекач ойим бу сувни эшитиб, чуқур қайуга ботиб, аччиги келиб, кўзида тула ёш билан Илик Бекка тезда бориб' (Сувр., 622); аялап, билип, қорқуп 'англаб, билиб, қўрқиб' (ПВ., 135).*

Иш-ҳаракатнинг асосий маъносини, шахсли кумакчи феъл эса ҳаракатнинг турли оттенкаларини англашиб келади: *ўр-қўп бар— (ПМК., 37); тирилл бар— (МН., 18); тэзил бар— (КТб., 31); дэўл бар— (ТТ II, 16); ёнуп бар— (U III, 10-9); учуп бар— (ТТХ, 134); тирилип кэл— (МН., 17); кирилп кэл— (ТТХ, 254); йанып кэл— (ПВ., 134) каби.*

Айрим ўринларда мустақил ҳолатда қўлланиб шахсли феъл функциясини ўтайди: *ай инилэрим мэнин букунки кун эртингү қорқум ёелинлэгүм кэлип 'эй иниларим бугун эртаги кун учун қўрқинч келди' (Сувр., 608); бирлэ ки—а улуп учукү 'бирга учовимиз чиқди' (Сувр., 620).*

*-пан, -пэн, -упан, -ўпан, -ыпан, -ипэн.* Равишдошининг бу формаси ҳам кенг истеъмолда бўлган. Руник обидалар тилида ҳам маҳсулдор аффикс саналади. Ҳажм жиҳатдан унча катта бўлмаган Култегин ёдномасида кўпгина феълларда учрайди: *сбкыпан (КТб., 32); кэлипан (КТб., 29, 30); тутыпан (КТб., 29); олурыпан (КТб., 28, 30); сү сүлэпэн (КТб., 29) каби.* Руник обидаларида *-упан, -ўпан* шакллари учратмадик. Эски ёдгорликлардан "Ирқ битигда" учрайди.

Бу равишда иш-ҳаракатнинг шахсли феълдан олдин ёки кетма-кет содир бўлганини англайди: *ыгач узэ олурупан, мэнилайурмэн 'даррахт устида утириб севинмоқдаман' (Гкн., 80); йаш от кбрупан, йорыйу барыпан, сув ичипэн, йаш йилэн олүмдэ озмыш 'кўк ўт кўриб, юриб бориб, сув ичиб, ўт еб, ўлимдан қутулди' (Гкн., 81).*

Бу равишдошинг кумакчи феъллар билан келиши жуда ҳам кам учрайди: *қопупан бар— (Гкн., 83).*

*-у, -ў, -ы, -и, -а, -э, -йу, -йў.* Равишдошининг *-у, -ў* шакллари кенг истеъмолда бўлиб ундош товушга туаган

лабланган ва лабланмаган феъл ўзақ-негизларига қўшилиб келади. Қуйида мазкур равишдош билан қўлланган феълларнинг баъзилари келтирилди: *йўғур-ў, ўдиш-ў, иртир-ў, йандур-ў, эшит-ў, қйла-ў, йўқун-ў, бошун-ў, йат-ў, туур-ў, бл-ў, адырыл-ў, кэз-ў, айыт-ў, ычғын-ў, йоқад-ў, куй-ў, оқыт-ў, уч-ў, йалбар-ў, йўтун-ў, тун-ў, эбир-ў, бар-ў, бл-ў, йит-ў, қол-ў, қазған-ў, итин-ў, йаратун-ў, уд-ў, олур-ў, бар-ў, йат-ў, бил-ў, таллан-ў, кбтўр-ў, кэгўр-ў, унтўр-ў, йантур-ў, бўтўр-ў, дкўн-ў, қатын-ў, қотур-ў, ддўн-ў, талын-ў, бр-ў, талыш-ў, илт-ў* каби. Мисоллардан кўришиб турибдики, бу равишдош формаси асосан икки бугинли феълларга қўшилган.

Равишдош ясовчи *-а, -э* аффикслар асосан бир ва икки бугинли феълларга қўшилиб келади: *тук-э, дг-э, йво-а, сун-а, кчэ-э, йалвар-а, уч-а, тут-а, йўр-э, тэз-э, сўр-э, ач-а, бат-а, бас-а, аг-а, йод-а, кэз-э, тал-а, бўк-э, бур-а, дгир-э, сёбин-э, қықыр-а, тэгила-э, адыр-а, ддур-э, би-э, тоғ-а, уқ-а, чдк-э, ин-э, тид-а, тын-а, кэс-э, қавыр-э, эңир-э, тиз-э, тир-э, йар-а, сач-а, йан-а, тарт-а* каби.

Равишдошнинг *-ы, -и* шакли жуда тор доирада қўлланилган: *ал-ы, йаз-ы, қод-ы, улат-ы, кэл-и, тэг-и, қод-ы, қал-ы, мэнзэт-и, узат-ы, эрит-и, тўпэт-и* каби. Булардан баъзилари ёрдамчи сўзлар группасига ўтган.

Равишдошнинг *-йу, -йў* шакли феъл ўзаги унли билан тамом бўлганда қўшилиб келади: *мунчула-йу, оила-йу, алта-йу, арқанла-йу, кёрмэ-йў, бити-йў, башла-йу, оқу-йў, отла-йу, муныла-йу, йоры-йў, йилби-йў, сығма-йу, буди-йў, йара-йу, туйурқа-йу, тэбрэ-йў, қамша-йу, тэрклэ-йў, оғырла-йу, номла-йу, муныла-йу, сўла-йў, сыгда-йу, башла-йу, игда-йў, бошу-йу, айа-йу, тўшэ-йў, сэкри-йў, сында-йу, тоқы-йу, оқы-йў, тбкы-йў, агыла-йу, бэллинлэ-йў, йалына-йу, булга-йу, қышла-йў* кабилар.

Баъзи тадқиқотларда бу давр тилида *-йы, -йи, -йа, -йэ* шакллари мавжудлиги ҳақида маълумот берилди. Едгорликларда равишдошнинг бу шаклларига дуч келмадики.

Келтирилган равишдош формалари баъзи феълларда ўзаро элмашинуви мумкин: *аш-а, аш-у, дгирэ сёбин-э, дгирэ сёбин-ў, тол-а, тол-ы, тол-у* каби.

*-у, -ў* (ва бошқалар) формалар шахсли феълдан англашилган иш-ҳаракатнинг бажарилишидан аввал содир бўлган ҳаракат ё ҳолатни аңглатади: *аш қилу тўкэтмишгэ* 'ош қилиб туратганда' (Сувр., 154); *дзи йанлуру йана ол арыққа кирит...* 'ўзи қайтиб яна ўша арыққа кириб...' (Сувр., 616).

Шахсли феълда ифодаланган иш-ҳаракат билан бир вақтда навбатма-навбат бажарилган ҳаракатни кўрсатади: *кйик аййу, табышган аййу олурур эртими* 'кйик еб, қуён еб ўтирар эдик' (Тон, 61); *оларқа йалбару, йнча тил тибт* уларга ёлбариб шундай дедим' (Сувр., 155); *қымлы йазуқаларин ача йада йалбару этўну дкўну бошуну қиантти қымтылар* 'қилган гуноҳларини очиб, айтиб бериб, ёлбориб, ўтиниб тобини—қиантти қилдилар' (ТТ IV, 6-7); *аны кбрул йэклар бэги вайшрвани тэңри йашлыг кбзин йыглайу атаваки йэқниң ирйан ордусын кбрул...* 'уни кўриб арвоҳлар беги вайшрвани тенгри ёшли кузи билан атаваки арвоҳнинг ирйан қалъасини кўриб' (ТТ X, 291-301).

Шахсли феъл орқали ифодаланган иш-ҳаракатнинг мақсадини, сабабини билдиради: *энди тэңрим йазуқда бошуну дтунўрбиз* 'энди таңғрим гуноҳлардан кечир деб ўтинанизу' (Хуаст., 118); *алы йарлықады* 'олишга буюрди' (ПВ., 135); *кюрату йарлықады* 'сақлашга буюрди' (Сувр., 156); *қылу кэл* 'қилишга келди' (ТТ III, 106).

Шахсли иш-ҳаракатнинг бажарилиш усулини билдиради: *эгирэ тоқиды* 'қувиб ўлтирди' (КТб., 32); *мунчлау йыглады* 'дод-войлаб йнглади' (Сувр., 627); *йашык йутуну қатунин бтлэйў йнча тил тади* 'ёшники оқизмай (тўхтатиб), хогинини юпатиб шундай деди' (Сувр., с22).

Бу равишдош формалари синоним ва маънолари бир-биринга эид бўлган ҳаракатнинг жуфт ҳолда келганини кўрсатади: *блү йитў* (КТб., 31); *тирў блү* (КТб., 28); *йитини йаратуну* (КТб., 29); *ырлау будийў* (ТТ X, 143); *улыау сығтайу* (Сувр., 625); *тэбрэйў қамшайу* (ТТ X, 210).

Кумакчи феъллар билан келиб қўшма феъл ясади: *йўрэ кэл-* (ПМК., 35); *уча бар-* (КТб., 30); *адырылу бар-* (ЕнПТ., 56); *алы бэр-* (МН., 19); *қықыра бэр-* (Сувр., 156).

*-ғалы, -гэли, -қалы, -кэли*. Равишдошнинг *-ғалы, -гэли* шакллари кўп, *-қалы, -кэли* формалари эса кам учрайди: *йайқалы, сатқалы, тутқалы, брутқалы, битткэли, истэдкэли* каби.

Бу равишдош шахсли феъл томонидан ифодаланган иш-ҳаракатнинг мақсади, сабабини билдиради: *Тур будун олурғалы, тўрк қаған олурғалы* (Тон., 61); *санчғалы тўшўртмитэ* (Тон., 62); *йулғалы барды* (МН., 17); *тынылғар арасынта издэткэли йтды* 'жониворлар орасидан қилдиргани юборди' (Сувр., 156); *қылычын санчғалы оғрады* 'қилич билан санчгани отилди' (ТТ X, 356).

*-ғалы, -гэли, -қалы, -кэли* равишдоши одатда шахсли феълдан оддин қўлланади. Айрим урилларда шахсли феъл-

дан кейин ҳам келади. Бу ҳол асосан шеърӣ парчаларда келади: *сени қамағун таплати бэг қылғали* 'ҳамма сени бек қилиб сайлади' (ТТ I, 10); *анунтумуз, сизингә асра көнүлин йүкүнәғли* 'сенга итоатли кунгил билан ҳурмат кўрсатгани ҳозирландик' (ТТ III, 3).

**-маты, -мәти, -мады, -мәди, -мәтин, -мәтин, -мәдин.** Бу равишдош шаклларида **-маты, -мәти, -мады, -мәдининг** истеъмол доираси тор, **-мәтин, -мәтин, -мадын, -мәдининг** истеъмол доираси кенг бўлган.

**-маты, -мәти** шаклининг маъноси **-л, -у** билан ясалган равишдошнинг инкор маъносига тўри келади: *сәкиз оғуз тоқуз татар қалматы кәлти* 'сақкиз ўғуз, тўққиз татар қолмай келди' (ПМК., 35); *түн удыматы, кунтүз олурматы* 'тунда ухламай, кундузи ўтирмай' (Тон., 64).

**-матын, -мәтин, -мадын, -мәдин** формалари ҳам инкор маъносига келади: *сабын алматын... арылтығ* 'сўзига қулоқ солмай ҳоридик (КТМ., 28); *орукунуз учин булмадын улынчығ сансарта қалтымз* 'сенинг йўлингнинг учини (бошини) топмасдан уралган Сансарда қолдик' (ТТ III, 46); *йәмә бир қодматын тугәл санаб алтымыз* 'ҳеч нарса қўймасдан тўла санаб олдик' (Юр., II, 206); *тиләп, истәп булматын, йандуру йана кәлип* 'ахтариб, излаб топмай яна қайтиб келиб' (Сувр., 156).

Баъзан қўшма сўз ҳосил қилади: *билип билмәтин* 'билиб билмасдан' (Хуаст., 118).

**-мадын, -мәдин, -матын, -мәтин** формаларининг фонетик варианты сифатида **-мәйын, -мәйин** шакллари ҳам учрайди: *қанын болмадын, Табғачда адрылати* 'Турк ҳалқи) хоқони бўлмай Табғочдан айрилди' (Тон., 61); *қалдурмайын* 'қолдирмай' (USp., 6).

**-ын, -йын, -йин.** Равишдошнинг бу формаси саноқли феълларда учрайди: *туйун* 'билиб' (КТб., 35); *тийин* 'деб' (КТб., 29).

Текстларда тийин лексик элементга айланиб, қўшма гапда бир қатор функцияда қўлланади<sup>11</sup>.

**-ғынча, -гинчә, -қынча, -қинчә.** Бу равишдош формалари руник обидлар тилида қўлланмайди. Бу равишдош ҳаракатнинг бажарилиш пайтини билдиради: *көзүгә йумуш ач-қынча* 'кўз юмиб очгунча' (ТТ VIII, 152); *күчи йитгунчә* 'кучи етгунча' (ТТ V, А 73); *түгәгинчә* (Сувр., 36); *инан-*

<sup>11</sup> А. Н. Кононов, О синтаксической функции формы *тәйин* и *тийин*. Сб. «Белек С. Е. Малову», Фрунзе, 1946, стр. 44-46.

*мақынча* 'ишонмагунча' (Сувр., 162); *кәлгинчә* 'келгунча' (U III, 81); *инанмағынча* 'иноммагунча' (ТТ I, 10); *бәргинчә* 'бергунча' (Юр., XX VII, 215) каби.

## ФЕЪЛ ДАРАЖАЛАРИ

Даража категорияси иш-ҳаракатнинг бажарувчига бўлган муносабатини кўрсатади. Бу муносабат феъл узати ёки феъл узатига қўшилган махус аффикслар орқали ифодаланади. Даража категорияси феълдан феъл ясовчи аффикслар орқали ҳосил бўлади<sup>12</sup>.

## БОШ ДАРАЖА

Феълнинг бош даражаси махус аффиксга эга бўлмай, ҳаракатнинг эга билан ифодаланган шахс ёки предмет томонидан бажарилганлигини ёки бажарилмаганлигини кўрсатади. Феъл узаклари орқали ифодаланган маънога қараб феъллар утимли ёки утимсиз группаларни ташкил этади. Эски ёдгорликларда утимли ва утимсиз феъллар ҳали тўла шакланмаган бир ҳолатда бўлган. Утимсиз феъллар утимли феъллар каби тушум келишиги билан бошқариш хусусиятига эга бўлган. Масалан: *йирчи, йир танылып боғуланты* 'йўл кўрсатувчи йўлдан адашиб, улимга дучор бўлди' (Тон., 62); *билгә Тонқуқ Ашукән йәриг қонмыш* 'билимли Тўнюқуқ Утикан ерига қонди' Утикан ерни жой қилиб танлади' (Тон., 62); *Көгмән йашығ йорып* 'Кугман авомига бориб' (КТб., 32).

## ЎЗЛИК ДАРАЖА

Эски ёдгорликларда ўзлик даража феъл узаклари унли билан тамом бўлганда **-н** ва феъл узати ундош билан тамом бўлганда **-ун** (қолун-), **-уй** (көрүн-), **-ын** (қылын-), **-ин** (билин-) қўшимчаси билан ҳосил қилинади. Айрим урилларда **-л** аффикси ҳам ўзлик даража мазмунини ҳосил қилади.

XI аср тилига бағишланган баъзи талқиқотларда **-лан** аффикси ўзлик даража ясовчи қўшимчалар қаторига кири-

<sup>12</sup> Феъл даражалари тарих ҳақида қаранг: Э. В. Севортян, Аффиксы глаголообразования в азербайджанском языке, ИВЛ, М., 1962, стр. 448-525.

тилади. Ҳазил даражага **-лан** қўшимчасини киритиб бўлмайди, чунки **-лан** махсус отдан феъл ясовчи аффиксдир<sup>13</sup>.

Ҳазил даража аффикси феъл ўзаги орқали англашилган иш-ҳаракатнинг эга томонидан бажарилганлигини ва ҳаракат бажарувчининг ўзига қаратилганини англатади: *бзим саттым 'ўзим қайғу чекдим' (КТб., 33); бурхонларқа ынантимыз тайантмыыз (Хуаст., 118); алтун элиг, кэшиг бэлмтэ бантым 'олтинли эзлик белбоғни белимга боғладим' (ЕнПТ., 17); эми оқунўрбиз билинўрбиз 'энди ўқинамиз, тан одамиз' (ТТ IV, 32).*

Иш-ҳаракатнинг доираси чекланганлигини, медиал маънони англатади: *эр оғли бэгрэ сабишү кэлэр 'эр ўғли қувониб, севиниб келур' (Гкн., 82); бир балық қапыгы көзүнли 'бир шаҳар дарвозаси кўринди' (Сувр., 156).*

Мазкур маъно айниқса турфон, манихей обидалар тилида тез-тез учраб туради: *ўзкүнгөдэ тиридэм кут буян утмақ йигөдмөк китүн орнатты 'олдингда тангри бахт-саодати, ютуқ ва ғалаба ўз-ўзидан ўрин олди' (ТТ 192-3); катун 'қошишмоқ' (ТТ I, 15); өртэн 'уртанмоқ' (ТТ IV, 1)*

Ҳазил даража мажҳуллик мазмунда: *йазуқда бошунғалы 'гуноҳдан бушангани' (Хуаст., 119); нэ басымалым 'нима учун енгилайлик' (Тон., 63); боғинг чугунг йолунты 'боғнинг талон-тороғ қилинди' (ТТ I, 7).*

Феъл орқали ифодаланган маъно Ҳазил даража аффикси қўшилгандан кейин ҳам ўзгармайди: *агринмақ 'огримоқ' (Сувр., 156); кун тэври кўлунты чаригинг ўзэ 'Кунтангри аскарларингдан қулди' (ТТ I, 8).*

Ёдгорликларда Ҳазил даража аффикси феъл ўзаги орқали ифодаланган семантикани назарга олмаган ҳолда қўшилавереди: *кэврэн- 'фарёд қилмоқ'; алкын- 'ишдан чиқмоқ, ҳоримоқ' йазын- 'гуноҳ қилмоқ'; өртөн- 'уртанмоқ'; қарған- 'қарғамоқ'; билин- 'урганмоқ, билмоқ'; тапын- табын- 'топинмоқ'; қолун- 'ўзига сурамоқ, тиланмоқ' каби.*

#### МАЖҲУЛ ДАРАЖА

Ёдномаalarda мажҳул даража **-л** (феъл ўзаги унлига тугалганда), **-ул**, **-ўл**, **-ыл**, **-ил** (феъл ўзаги ундошга тугалганда), **-қ**, **-к**, **-сық**, **-туқ**, **-тук** аффикслари орқали яса-

лади. Ҳурни билан Ҳазил даража аффикси ҳам мажҳуллик маъносиде келади.

Маълумки, ҳозирги кўпчилик туркий тилларда феъл ўзагида **-л** ёки ўзакнинг сунги бугинида **-л** ундоши булганда мажҳул даража **-н** орқали ясалади. Текширилетган давр ёдгорликларида айрим уринда **-н** айрим уринда **-л** ишлатилган: қылын- (КТб.); қылым- (ТТ VIII); алым- (Сувр.); алым- (ТТ VIII) каби.

Мажҳул даража аффикслари модаль мазмунни ифодалайди: *ачыл- (ТТ I, 7); айыл- 'янгишмоқ' (КТб., 28); укүл- 'күпаймоқ', (Тон., 63); йүрүкми йарыл- (Сувр., 625); йүрүкми йарылып (U III, 18); бузул- (Сувр., 613); талин (ТТ I, 8); қонрул- 'утмас бўлмоқ, тушиб кетмоқ' (Сувр., 627) каби.*

Мажҳуллик маънони англатади: *этил- 'қилинмоқ' (ЕнПТ. 73), сачылып йатур (Сувр., 625); йоқару коды йайылыты йайқалты (Сувр., 617); эд тавар сачылул (ТТ I, 10).*

Мажҳул даража аффикси Ҳазил маънода: *адырылғай 'айрилғай' (Хуаст., 118); адырылым 'айрилдим' (ЕнПТ., 80); адырындым 'айрилдим' (ЕнПТ., 63) каби.*

Бу давр обидалар тилида саноқли феъллар билан **бирлэ** кўмакчили конструкция учрайди. *Табғач будун бирлэ түзүлдүн 'Хитой халқи билан қўшилдим' (АТб., 28); Огуз будун тоқуз — татар бирлэ тирилип кэлти 'огуз халқи тўққиз татар билан қўшилиб келди' (МН., 17); Кэйрэ башипта үч Биркүдө қан сүси бирлэ қатылымт 'гөйра булоғи бошида үч Биркүда хон лашкари билан қўшилдим' (ПМК); дг қан бирлэ қатылымтыз эрсар 'она билан бирик- сак' (ТТ IV, 35-36).*

Мисолларда **бирлэ** биргалик маъносиде келиб, пассив конструкция ҳосил қилмайди. Пассив конструкция **ўзэ** кўмакчиси ёрдамда ясалади: *булун йынақ барча бүтүрү қарарды қара түмэн ўзэ өртүлди 'бутун ер юзи қорайди, қора туман бирлан қопланди' (Сувр., 617); йити энүклэри эмгөк ўзэ сықылип 'еттита болалари қийинчилик билан сиқилиб' (Сувр., 610); ачыгы ўзэ тықылип 'аччиги билан тықилиб' (Сувр., 622).*

Ёдгорликларда **-қ**, **-к**, **-сық**, **-йық**, **-дық** (вариантлари) аффиксларнинг истемол доираси жуда тор булган: *оқын урсукмыш 'уқ билан урилган' (Сувр., 625); кишикжү алысқды 'одам томонидан олинди' (Юр., I, 203); ичкүн мәнин бултуқмаз 'тинчилик шодлик (сенга) тоқилмас' (ТТ I, 7);*

<sup>13</sup> XI асрда **-лан** аффиксининг отдан феъл ясашни Маҳмуд Кашғарий ҳам қайд қилди ва бу аффиксининг бир талай маънода феъл ҳосил қилишга мисоллар келтирди: Маҳмуд Кашғарий, Девону луготит турк. II том, Тошкент, 1961, 163, 170, 174, 185-бетабр.

Ёдгорликларда ортирма даража қуйидаги аффикслар орқали ҳосил қилинади: *-т-, -ут-, -ўт-, -ыт-, -ит-, -р-, -ур-, -ўр-, -ыр-, -ир-, -тур-, -тўр-, -дир-, -дур-, -дўр-, -гур-, -гўр-, -қур-, -з-, -тыз-, -кит-, -чир-* каби.

*-т* аффикси асосан унли товуш билан тугаган икки бўғинли феъл узакларига қўшилиб келади: *йарат-* 'яратмоқ', *туғат-* 'туғатмоқ', *ағрит-* 'ағритмоқ', *сўлат-* 'лашкар тортмоқ', *йорут-* 'юртмоқ', *эксўт-* 'камайтмоқ', *тартит-* 'торттирмақ' (У III, 84-15).

Ёдномаларда унли товуш билан тамом бўлган уч ва ундан ортиқ бўғинли феълларга *-т* ортириллиши характерли эмас. Мазкур форманинг ундош билан тугаган феълларга қўшилиши жуда кам учрайди: *сэвит-, басит-, йүгүрт-, дьлут-, агит-* каби.

*-р* (вариантлари) аффикси *л, г, т, ш, с, д, й, н* каби ундошлар билан тамом бўлган бир ва икки бўғинли феълларга қўшилиб келган: *калур-, дьлур-, кькьур-* (ТТ I, 18); *кьйўр-, олур-, тьгўр-, тьшўр-, кьчўр-, артур-, тугур-* 'туғмоқ' (У III, 21-11); *бутур-* 'битирмоқ' (ТТ III, 139); *тогур-* 'тикламоқ' (ТТ III, 60) каби. Ортирма даражанинг мазкур формаси асосан ўтимли феълларни ясади.

*-тур-* (вариантлари) аффикси тарихан *-т-* ва *-р-* шакллариининг бирикишидан ҳосил бўлган. Бу давр ёдгорликларида ушбу аффикснинг истеъмол доираси *-т-* ва *-р-* аффиксларига қараганда торроқ бўлган. Руник ёдномалар тилида *-тур-, -тўр-* вариантлари турфон, уйғур, манихей ёдномаларида *-тур-, -тўр-* ва *-дур-, -дўр-* вариантлари параллел қўлланган: *йүкүнтур-, дьглэнтур-, йантур-, йандур-, эшитдур-, уртур-, дьнтур-, йүқотмоқ* (ТТ III, 122); *қантур-, билтўр-, ириятур-* 'ёмон қилмоқ' (ТТ IV, 17) каби.

*-з-, -қур-, -ғур-, -гўр-, -тыз-, -кит-, -чир-* каби аффиксларнинг истеъмол доираси бу давр ёдномаларида тор бўлган: *утуз-* 'ютқизмоқ', *тутуз-* 'тутқазмоқ' (У III, 29, ТТ III, 57); *алтыз-* 'олдирмоқ'; *туғур-* 'туғизмоқ' (ТТ III, У III); *тургур-* 'турғизмоқ', *тиргўр-* 'тирилтирмоқ', *бьлгўр-* 'билдирмоқ', *оқур-* 'бўшатмоқ' (ТТ III, 47); *кьркит-* 'кўрсатмоқ' (ТТ III, 58); *турқур-* (ТТ V, 8; 55); *йатгур-* 'ётқизмоқ', (У III, 14-7); *азгур-* 'бўшатмоқ' (ТТ III, 119); *кьлчир-* 'кулдирмоқ' (У III, 21; 9; ТТХ, 25) каби.

Келтирилган мисоллардан кўриниб турибдики, баъзи феълларга ортирма даражанинг турли формалари қўшила олади. Бунга яна қуйидаги феълларни кўрсатиш мумкин:

*дьлур-, сиқыр-, сыгур-* 'йиғмоқ' (ТТ III, 100, 119); *кьркит-, кьргит-* (ТТ III 58, 73) каби.

Саноқли феълларда бир узакка икки ортирма даража аффикснинг қўшилиб келиши ҳам учрайди. Бу ҳолда маъно ўзгармайди: *бьлзўрт-* (У III 12-7); *кьлзўр-, кьлзўрт-* 'келтирмоқ' (ТТ III, 38, 12-16), *аққиттур-* 'бўйсундирмоқ' (ТТ III, 78);

Ортирма даража объектга бўлган интенсив йўналишни билдиради. Бу маъно ўтимли ва соф ортирма маъноларни ўз ичига олади. Ортирма даража асосан шу икки маънода келади: *кьркиз қаганин дьлуртумуз* (Тон., 63); *тылыг кьлзўрти* 'айгоқчини келтирди' (Тон., 63); *анар адинчыг туркутумуз* 'унга бошқа тоғни турғаздингиз' (ТТ III, 54); *аны нэгьлүк кьлзўртуньүзлэр* 'инмага уни келтирдингизлар' (Сувр., 156).

Айрим уринларда ортирма даража аффиксларининг семантикаси ўзлик-мажхул даража аффикслари ифодалаган маънога тўғри келади: *тэнирлэрдэ арытдымыз* 'тангирлардан қутулдик' (Хуаст., 118); *экисиң дзи алтызды* 'иккисини ўзи олдириди' (КТб.); *чькэ қанқа сэвинтмиш эртин* 'онанг ва отанг сэвиншарэди' (Сувр., 619); *киши кьчи қьрасар йад кишикэ бьсытур* 'киши кучи куриганда, тамом бўлганда, ёт киши томонидан енгилади' (ТТ I, 9); *бу ирқ кимкэ кьлэрэ сьдэ эрсэр санчытур* 'бу белги кимга келса (тегса), урушда бўлса санчилади' (ТТ I, 9); *ынагы титир* 'ишончли дейилади' (ТТ IV, 2) каби.

## БИРГАЛИК ДАРАЖА

Биргалик даража *-и (-уш, -ўш, -ыш, -иш)* аффикси орқали ҳосил бўлади. Бу даражанинг маъноси иш-ҳаракатнинг бир неча шахс ўртасида бўлганини, бирликда бажарилганлигини ва ҳаракатнинг бажарилишида бир неча субъект иштирок қилганини кўрсатади: *Утру ики айлыг киши оғлы сокушмиш* 'сўнгра у икки ойлик болани учратди' (Гкн., 80); *дэ кьндьлэрин* — *тэки сақынмиш савларин сэвлэшил...* 'ўз кўнгилларидаги ўйлаган сўзларини сўзлашиб...' (Сувр., 609); *бьш йэк талашур үч үзүт дьлэшүр* 'беш жин талашмоқда, уч арвоқ олишмоқда' (ТТ I, 8).

Урхун-енисей обидаларидан сўнграқо ёзилган ёдномаларда мазкур маънода келган феълларда *-лар-, -лэр* аффикси қўллана бошлади: *дындларлар бирлэ сэвлэшилэр* (ТТ I, 28); *кьнгэшилэр* (ПВ., 135).

Биргалик даража *бирлэ, бирлэн* кумақчилари билан ишлатилганда комитатив маънода келади. *Бирлэ* кумақчили биргалик даражанинг конструкцияси қадимдан мавжуддир: *Изгил будун бирлэ суншудимиз* 'Изгил халқи билан урушдик' (КТб., 32).

Биргалик даража интенсив, медиал маънода келади: *ол суг анта йоққишдым* 'қушинларни ўша ерда йўқ қилдим' (МН., 16); *Икки кбнўл қаршиды* 'икки кунгил ражиди' (ТТ I, 9) каби.

Шуни қайд қилиш керакки, Ёдгорликларда бир неча даража курсаткичи бир ўзакка қўшилиб келади: *йаратын* 'яратилмоқ' (ТТ III, 79); *соқлун* 'суқилмоқ' (ТТ III, 55); *қатрун* 'қотармоқ'; *йўрқун қатрунун* 'юрагини қаттиқ қилиб' (У III, 15-10); *йапшын* 'ёпишмоқ' (У III, 32; 25); *тудултур* 'асир қилмоқ' (ТТ III, 79).

### ФЕЪЛЛАРНИНГ ЯСАЛИШИ

Феъллар икки йул билан ясалади: морфологик ва синтактик. Феъл ясашда бу икки усулдан морфологик йул билан феъл ясаш обидаларда маҳсулдор ҳисобланади.

Морфологик усул билан феъл ясашда аффикслар қатнашиб, улар маҳсулдорлиги, янги феъл ясашда актив иштирок қилиши ёки кам унумлидигига қараб иккига бўлинади. Қуйидаги аффикслар феъл ясашда иштирок қилади.

*-ла, -лэ:* бу аффикс энг актив сўз ясовчилар қаторига киради ва купгина маънони англатади: *бошла* - *сўла* - 'қўшни тортмоқ'; *сбзлэ* - 'сўзламоқ'; *бэдизлэ* - 'нақшламоқ'.

*-ад, -эд:* *бунад* - 'қийналмоқ'; *йигэд* - 'якшилламоқ'; *қутад* - 'бахтли бўлмоқ, қилмоқ'; *йагыд* - 'душман бўлмоқ'; *кёкэд* - 'кўкка кўтармоқ'.

*-а, -э, -ы, -и, -у, -ў:* *атан* - 'шуҳрат қозонмоқ'; *аша* - 'емоқ'; *мўнрэмэк иччқламақ* (жуфт. Сувр., 12); *ула* - 'уламоқ'; *мўнрэ* - 'лод-вой қилмоқ'; *тилэ* - 'истамоқ'; *тул түшэ* - 'туш кўрмоқ'; *сыгыта* - 'йиғламоқ'; *бошу* - 'бушалоқ'; *куру* - 'қўримоқ'; *тару* - 'тораймоқ'; *уйу* - 'ухламоқ'; *ирин* - 'иримоқ'; *оқы* - 'оқу - 'ўқимоқ'; *қаны* - *қана* - 'қонамоқ'; *қин* - 'кенгаймоқ' каби.

*-қ, -к:* *ташық* - 'тошиқмоқ, ташқарига чиқмоқ'; *антиқ* - 'онт ичмоқ'; *тагық* - 'тоққа кўтарилмоқ'; *йолиқ* - 'йулиқмоқ'; *ичик* - 'бўйсунмоқ, ичкарига кирмоқ' каби.

*-та, -тэ, -да, -дэ:* *унтэ* - 'ундамоқ'; *истэ* - 'изламоқ'; *алта* - 'алдамоқ' каби.

*-ка, -кэ, -ға, -гэ:* *иринчэ* - 'марҳамат этмоқ, гам емоқ';

*қурға* - 'қуримоқ'; *йарлығқа* - *йарлықа* - 'буюрмоқ'; *кинэш* - 'кенгашмоқ';

*-ғар, -гэр, -қар, -кэр:* *кбнўлкэр* - 'ўйламоқ'; *тўпкэр* - 'охирига етказмоқ'; *биргэр* - 'бирлаштирмоқ'; *қодықартур* - 'пастлатмоқ'; *чинғар* - 'ростламоқ'; *тбзкэр* - 'асосламоқ'; *башғар* - 'бошқармоқ'; *ичкэр* - 'ичкарилатмоқ' каби.

*-қыр, -қир, -қур, -ғыр, -гур, -гўр, -гир:* *қы* - 'қийрмоқ'; *айқыр* - 'хайқирмоқ'; *йангур* - 'йочқыр', *йанқурт* - 'янғратмоқ' каби.

*-л, -ал, -эл (<а+л) түзэл* - 'тузатмоқ'; *онал* - 'якшилламоқ'; *йоклун* - 'йўқотмоқ'; *тўсул* - 'фойдаланмоқ' каби.

*-са, -сэ, -сы, -си, -сын, -син:* *барыгса* - 'бормоқчи бўлмоқ'; *кбўрсэ* - 'кўрмоқчи бўлмоқ'; *арсин* - 'куч қасб этмоқ' каби.

*-сыра, -сирэ:* *бгсирэ* - *тынсыра* - 'беҳуш бўлмоқ'; *қангасыра* - 'хоқонсиз бўлмоқ'; *илсирэ* - 'элисиз бўлмоқ'; *инчсирэ* - 'тивчликни йўқотмоқ'; *татыгсыра* - 'бирор нарсанинг мазасини йўқотмоқ, тотсизланмоқ' каби.

*-ра, -рэ:* *кбкрэ* - 'гулдирамоқ'; *кэкрэш* - 'ҳиддатланмоқ' каби.

*-р:* *йаныр* - 'янгилатмоқ' каби.

*-шур, -шур:* *кэнишур* - *кэкишур* - 'уришмоқ, хафта қилмоқ'; *йоншур* - 'гижгишламоқ, олқишламоқ' каби.

*-мын, -мин:* *қылымсын* - 'қилимсинмоқ'; *бэгимсин* - 'бек бўлишга ҳаракат қилмоқ'; *атақымсын* - 'шуҳрат қозонитиш учун ҳаракат қилмоқ' каби.

*-лаш, -лэш:* *бглэш* - 'ўйлашмоқ'; *кэңилэш* - 'кенгашмоқ'; *-лан, -лэн:* *ашлан* - 'банд бўлмоқ, мафтун бўлмоқ';

*йарықлан* - 'чулдуз кийим киймоқ' каби.

Едномаларда бир группа феъллар мавжудки, булар бажарувчи асосий феълларга қўшимча маъно оттенкаларини бериб қўшма феъллар ҳосил қилади. Етакчи феълга қўшимча маъно оттенкалари қуйидаги кумақчи феъллар орқали берилади.

*-бир, -бэр* 'бермоқ'; *тута бир* - 'қўлламоқ' (КТб., 28); *ити бир* - 'жойлаштирмоқ' (КТб., 28); *қазғану бир* - 'эришмоқ' (Мн., 18); *ғишдў бир* - 'эшитмоқ' (Тон., 62); *суйлэу бир* - 'уришиб бермоқ' (КТб., 29); *алы бир* - 'олиб бермоқ' (Мн., 19); *қилу бир* - 'тайёрлаб бермоқ' (Мн., 18); *тикэ бир* - 'тикламоқ' (Мн. 18); *алту бир* - 'эйтиб бермоқ' (ТТХ, 552); *қықыра бир* - 'кичқириб бермоқ' (Сувр., 156); *ача бэр* - 'очмоқ' (Ман., I, 13); *йарлықау бэр* - 'буюрмоқ' (Ман., III, 25); *сбзлэу бэр* - 'сўзлаб бермоқ' (Тш., 34) каби.

*кэл- 'келмоқ'; йорйу кэл- 'юриб келмоқ' (ПМК., 35); йүрә кэл- 'йүзгә тушмоқ' (ПМК., 35; Мн., 17); тирилип кэл- 'тирилмоқ' (Сувр., 154); илтү кэл- 'қайтиб келмоқ' (Сувр., 156); кирип кэл- 'кириб келмоқ' (ТТХ, 254); йанып кэл- 'қайтиб келмоқ' (ПВ., 134); тәркләйү кэл- (Гкн., 80); көрүп кэл- 'күриб келмоқ' (ТТХ, 180); ақыл кэл- 'оқиб кетмоқ' (Сувр., 621) каби.*

*бар- 'бормоқ'; адырылу бар- 'ажралиб кетмоқ' (ЕнПТ., 38); уча бар- 'учиб кетмоқ' (КТб., 30); үркүп бар- 'хүркиб кетмоқ' (ПМК., 35); тирилип бар- 'яңгилиб чиқмоқ' (Мн., 18); тәзил бар- 'қочиб кетмоқ' (КТб., 31); кушлайу бар- 'овламоқ' (Гкн., 83); қопулан бар- (Гкн., 83); қалыйу бар- 'қолиб кетмоқ' (Гкн., 82); қылыу бар- (Гкн., 83); йүзүру бар- (Гкн., 83); йорйу бар- 'ююриб кетмоқ' (Гкн., 81); учул бар- 'учиб кетмоқ' (ТТХ, 134); йорыл бар- 'юриб кетмоқ' (Сувр., 620); олүл бар- 'үлиб кетмоқ' (ТТ II, 16); днүл бар- 'ташлаб кетмоқ' (У III, 10-9); дни дни тартыл илтис бар- 'рырлар 'хамма томонга ташлаб кетдилар' (У III, 17-19); тарықыл бар- 'йүқолиб кетмоқ' (У III, 38, 36); илтү бар- 'әлтмоқ' (У III, 43, 5) каби.*

*ыт-, ыд-, 'юбормоқ'; иртүру ытмыыз- 'юбордик' (КТб., 32); ығыну ыдымыш 'тушкунликка келтирди' (КТб., 39); ыгыны ыд 'хәйдатмоқ' (Онг. П., 8); айыту ыд- 'айттирмоқ' (АГ., 129) каби.*

*қал- 'қолмоқ'; олуру қал- 'үтириб қолмоқ' (ЕнПТ., 48, 95); йату қал- 'әтиб қолмоқ' (Тон., 62; КТб., 33); туру қал- 'туриб қолмоқ' (Сувр., 618); әртип қал- (АГ., 129) каби.*

*тур- 'турмоқ'; қолу тур- 'сүраб турмоқ' (У III, 12; 8); алтайу тур- 'алдаб турмоқ' (АГ., 131); күзәтил тур-, көзүну тур- 'қараб турмоқ' (У II, 22, 6); киргәли тур- каби. ал- 'олмоқ'; қабраты ал- 'яңғмоқ' (ПМК., 34); авлап ал- каби.*

*олур- 'олмоқ'; алы олур- 'яңғиб олмоқ' (Тон., 63); чкүрүдү олур- 'чүкиб кетмоқ' каби.*

*қод- 'қүймоқ'; әлп қод- 'еб қүймоқ' (Сувр., 618); коллап қод- (АГ., 131).*

*тигин- қылу тигин- 'қилиб бұлмоқ' (АГ., 130); тута тәгин 'сақламоқ' (Сувр., 78); битийү тәгин- 'әзиб чиқмоқ' (У II, 402) каби.*

*йарлықа- эшитү йарлықа 'әшитмоқ' (Сувр., 608); бәлтүру йарлықа 'билдирмоқ' (АГ., 130) каби.*

*йүр- йатып йүр- 'әтиб юрмоқ' (АГ., XI)*

*тут- күйү тут- 'сақлаб турмоқ'.*

*алқ- қылу алқ- 'тамоамланмоқ'.*

*кир- севә кир- 'севмоқ' каби феъллар.*

## РАВИШ

Әдномалардаги равишлар иш-хәракатнинг бажарилишидаги турли ҳолатларни, ҳолат ва белгининг белгисини билдиришида қўлланади. Равиш категориясига кирган сўзларнинг күпчилигида равишдош ва келишиклар аффиксини күриш мумкин. Бу сўзлар тарихан от, феъл категорияларига кирган бўлиб, равишдош, келишик аффикслари билан бирикиб аста-секин равишлашиб кетган.

Равишдош аффиксларини қабул қилиб келган феълларнинг равиш ҳолатига (адвербиализация) ўтганига қуйдаги мисолларни келтириш мумкин: *йантуруу, йанюруу* 'яна, тагин' (Сувр., Юр., I, ТТ VIII); *ичкәруу* 'ичкари' (Сувр., 609); *бүтүрү* 'түла (Сувр., 156); *анчалайу* 'шундек' (ТТ IX, Сувр., 624); *йана* 'яна' (Сувр., ТТ); *тозу тугәти* 'түла, батафсил' (Сувр., 624); *қоды* 'қуйи' (ПМК., 35); *әмти, әмди, әмти* 'әнди' (Хуаст., 117); *тан үнтүрү* 'әрталаб'; *дтрү* 'сүнгра' (Сувр., 619); *тақы* 'яна' (Сувр., 158); *түгәти* 'түла' (Хуаст., 119); *түзү* 'түла' (ТТ IX, 42); *әдәүти* 'яхшилаб' (Хуаст., 119); *титрү* 'титирү 'алоҳида' (ТТХ, 168; Сувр., 612); *толү* 'түла' (ТТх., 186; Сувр.); *мунчулайу* 'шундай қилиб' (ТТ X, 164); *удышуру* 'бирин-кетин' (КТб., 32); *сайу* 'бўйлаб' (КТб., 31); *ан башлайу* 'әнг аввал' (Сувр., 154); *ташқару* 'ташқари' (Сувр., 622); *йумқи* 'бирга' (Сувр., 623); *йашуруқи* 'яширин' (ТТ I, 29); *тәгрә* 'атрофдан' (ТТ I, 9); *йантуруу* 'орқага' (ТТ I, 11); *арыты* 'түла' (Сувр., 623, 625); *қидирти* 'орқадан' (ТТ I, 12); *дндүрти* 'олдидан' (ТТ, I, 12; 14); *узаты* 'узюқдан' (ТТХ, 445); *иргүру* 'ластаввал' (ТТ I, 14); *таштырты* 'ташқаридан' (Ман. III, 19); *ичкәруу* 'ичкари' (У III, 10-12); *дру қоды* 'юкори паст' (У III, 31; 8); *икиләйү* 'иккинчидан' (ТТ II, 84); *түкәти* 'түла' (ТТ II, 3); *ыңкыл* 'шундай қилиб' (ПМК., 64); *йанғырды* 'янгидан' (ТТ I, 9);

қатысты 'қаттиқ' (Сувр., 208); ашну 'аввал, бурун' (Ман., III, 6); *йантуру* 'яна' (ТТ VII, 41); *анчолайу*, *анулайу* 'шунингдек' (Ман., I, 17, 24) каби.

Келишиклар аффикслари билан келган айрим сўзларда равишлашиш процесси кўринади. **-и, -ин, -ын:** *йадағи* *йалани* 'яёв ва яланг' (КТб., 31); *йақин* 'яқин' (Сувр., 134); *тәркин* 'тезда' (Сувр., 622); *устун* 'устида' (ТТ X, 208); *алтын* 'остида' (ТТ X, 271); *нәчүкин* 'нечук' (У I, 6); *ол* *одун* 'уша вақтда' (Сувр., 609; У III, 10; 12); *йақин* 'яқин' (УСр., 46); *қамағун* 'хамма' (Сувр., 623); *тимин* 'аста-секин' (Сувр., 620); *дини онын* 'ҳар хил' (Сувр.); *тәркин* 'тезда' (Сувр.); *эрксизин* 'хоҳишсиз' (Сувр.); *төрүн тоғун* 'қондага асосан' (ТТ); *әдгүн* 'яхшиликча'; *тәпсүзин* 'асосиз'; *чинсызин* 'қалбаки' каби.

**-ру, -рү, -ра, -рә, -дәрә:** 'олдинга' (ПМК., 34); *биргару* 'бирга' (Сувр., 623); *ичрә* 'ичкари' (Гкн., 84); *ташра* 'ташқари' (Сувр.); *инару бәрү* (Сувр., Ман., I) каби.

**-та, -тә, -да, -дә:** бунда 'бу ерда' (Ман., 63); *анта*, *анда* 'у ерда' (КТм., 28); *мунтада* 'шунда' (У III, 21; 15); *ол оғурда* 'сўнгра' (ТТ X, 553); *антада* 'сўнг' (Ман., II, 7); *анчата* 'сўнгра' (Сувр., 619); *қанта*, *қайуда* каби.

**-гару, -қару, -гәру, -кәру, -қа, -кә, -га, -гә, -йә:** *турқару* 'хамма ерда' (Ман., III, 45); *йоқару* 'юқори' (Тон., 62); *йығгару* 'чапга' (КТм., КТб., Ман., ПМК.); *йангару* 'ён томон' (ТТ I, 10; 75); *бирйа* 'ўндан' (КТб., 30); *қурйа* 'ғарбда' (ПМК., 35); *аднағуқа* 'бошқача' (Ман., III, 21); *нәгә* (КР., 10) каби.

**-туң, -түн, -дун, -дүн, -тын, -тин, -дын, -дин, -тан, -тән, -дан, -дән:** *қантан* 'қайдан' (КТб.); *днтүн* 'ўндан' (КР., 25); *қайудин* (Сувр., ТТ) каби.

**-ча, -чә:** *мунча* (Хуаст., 117); *анча*, *бунча*, *шунча* (КТм., 28; Ман., 17); *нәчә* 'кўп' (Хуаст., 120); *ашкуча* 'даст-аввал' (Сувр., 155); *антача* 'яқинда' (ПВ., 135); *бзиниччә* 'узича' (Ман., III, 22); *қанча* 'қайққа, қаерга' (КР., 28); *йыл йанннча* 'йил янги булганча' (УСр., 7) каби.

Айрим аффиксларни қабул қилиб келган сўзлар сузининг такроплиниши, икки сўзининг қўшилиши натижасида ҳам равишлар ҳосил булган: *күндүз* 'күндүз' (Сувр., ТТ); *букун*, *букүн* 'бугун' (Ман., I, 31 ПВ., 135); *эртә кәд* 'аввал' (Сувр., 154); *кин бир* 'бир кун' (Сувр., 154); *толу түкәл* 'тамоман' (Сувр., 155); *тәсү түкәл* 'батамом' (Сувр., 154); *әмтиқа тәги* 'ҳозиргача' (ТТ II, 40-41); *эртү кич* 'тез орада' (У III, 10-16); *күнтәмәк* 'ҳар кунни, кунда' (ТТ III, 96; Ман., III, 22); *күнтәм* (қийёсланг: *биртәм* (эк) юклама || *иша-*

*рү бәру* 'у ёққа бу ёққа' (У III, 42; 27); *қалы* 'шундай қилиб' (Хуаст., 118); *бек* 'қаттиқ' (ТТ I, 8); *дни дни* 'аста-секин' (У III, 16-18; 19); *дтрү дтрү* 'сўнг' (Сувр., 609); *тол* 'тула' (то—р ТТ II, 20) каби.

Юқориди келтирилган мисоллардан кўриниб турибдики, равиш категориясига кирган сўзлар иш-ҳаракатнинг бажарилиш ҳолатини, ўрнини, пайтини, даража-миқдорини (оз, қоп, талим *днүш* каби олмош баҳсига қаранг) англатади.

## КҰМАКЧИЛАР

Кұмакчилар асосан үзи боғланиб келган сўздан кейин келиб, хилма-хил маъноларни англатади. Едномадаги кўмакчилар туртга булинади:

1. Соф кўмакчилар
2. Ярим кўмакчилар
3. Кўмакчилашган равиш ва равишдошлар
4. Кўмакчи отлар.

**Соф кўмакчилар.** Соф кўмакчиларга *бирлэ, учун, ўзэ (бэз)* кабилар кириб, булар келишик аффиксларини қабул қилиб келмайди.

**Бирлэ** 'билан'. Бу кўмакчи куйидаги маъноларда келади. Бирор иш-ҳаракатнинг бажарилишида шахс, предметларнинг биргалигини (комитатив), бирга иштирок этганини, алоқадорлигини, дахлдорлигини билдиради: *Бишинч Өзгэнти Кадазда огуз бирлэ сунушдимиз* 'бешинчи марта Эзгенти Кадазда ўғуз билан уришик' (КТб., 33); *Илик қан уч оғлани бирлэ таштын..* 'ликхон уч ўғли билан ташқаридан' (Сувр., 608); *тапычмылары бирлэ қамагун* 'хизматчилари билан бирга' (Сувр., 623); *анчулабу ймэ мэн Ил түзмиш бирлэ* 'шундай қилиб мен Элтузмиш билан' (ТТ IV, 15-16).

Иш-ҳаракатнинг бажарилишида восита, қуролини билдиради: *бадыр бирлэ он ики бадыр күнжид алдым* 'бодир (улчов) билан 12 бодир күнжүт олдим' (Юр., XXVII, 215); *Кууш—тэмүр бақиштын узун қары бирлэ* 'Кууш—темир бахшидан узун қарич билан' (Юр., II, 206).

Иш-ҳаракатнинг бажарилиш вақтини, пайтнини, бир ҳаракатдан кейин иккинчи ҳаракатнинг мавжудлигини ва биринкетин рўй беришини билдиради: *атмыны эшидү бирлэ* 'отимни эшитиши билан' (Сувр., 156); *муны эшитү бирлэ*

*дк ўркип* 'буни эшитиши биланоқ қўрқиб...' (Сувр., 621); *дглану бирлэ дк* 'ўзига келиши биланоқ...' (Сувр., 625).

Ҳаракатнинг бажарилишидаги белги, ҳолатини ва унинг таърифини кўрсатади: *кдзунта толу йаши бирлэ барып* 'кўзида тула ёш билан бориб' (Сувр., 622); *йалын бирлэ* 'оташ билан' (ПВ., 135).

Бу давр тилида тушум келишигида келган кўпгина сўзлар билан қўлланишини қайд қилиш лозим: *ики қулын бирлэ олти* (ЕнПТ., 61); *қаганим бирлэ* (КТб., 32); *Сизни бирлэ* (ТТ II, 1); *бизни бирлэ* (Сувр., 620); *сини бирлэ* (У III, 84,5); *йитинч огушунузларни бирлэ* 'еттинчи авлодларингиз билан' (У III, 55; 11-2) каби.

**учун** 'учун'. Куйидаги маъноларни билдиради: сабаб, важ, боис; *азу мун учун* 'ёки қайғу (бор) учун' (Хуаст., 19); *дврт оғлум бар учун* 'турт ўғлим бор учун' (ЕнПТ., 41); *қутим бар учун ўлғим бар учун* 'бахтим бор учун, омадмин бор учун' (КТб., 31); *нэ учун* 'нима сабабдан' (ТТ V, 40); *нэ учун тисэр биз тэнри ырлыгын адруқ қылмазбиз* 'чунки биз тангри сўздан чиқмасмиз' (ТТ III, 44).

Иш-ҳаракат бирор шахсга, предметга, аталганлигини, йўналганлигини, боғлиқлигини кўрсатади, *алим учун* 'элим учун' (ЕнПТ., 43); *турк будун учун* 'турк халқи учун' (КТб., 31); *тынлыглар учун* (Сувр., 615); *Мамика қиз учун* (ТТ X, 524).

Иш-ҳаракатнинг мақсадини билдиради: *эрдэм учун бардым* 'шон-шавкат учун бордым' (ЕнПТ., 26); *кдргү учун* 'кўриш учун' (ТТ III, 96); *нам эшитгү учун* 'ном эшитиш учун' (ТТ VIII, 13); *тутқалыр учун* 'сақлаш учун' (Сувр., 448).

Қушма гал структурасида эргаш галнинг сабабини ва унинг натижасини англатади: *тэнри куч биртүк учун..* 'тангри куч бергани учун...' (КТб., 29); *мэн дзүм қаган олуртуқым учун..* 'Мен хон бўлганим учун' (МН., 17);

**ўчун** кўмакчиси юқоридаги мисолларда бош келишигида келган сўзлар билан қўлланган. Едномаларда тушум, қаратқич, урин-пайт, восита келишикларидаги сўзлар билан ҳам келади: *сакиз адақлығ барымығ учун* (ЕнПТ 30); *сизларни учун* (ТТ V A. 56); *сизларни учун* (ТТ VI., 26); *алты бағ будуным кучлугин учун* (ЕнПТ., 98); *сэни адақлығ барымығ учун* 'саккиз оёқли жонли учун' (ЕнПТ., 30).

Айрим сўзлар ва сўз бирикмалари баъзан бош, баъзан тушум келишигида *ўчун* кўмакчиси билан қўлланади. Бу ҳол айниқса ўрхун-енисей тексларида учрайди: *эр эрдэм*

уҷун (ЕнПТ., 54); *эр эрдэмин уҷун* (ЕнПТ., 62); *тэйри йар-лықадук уҷун* (МН., 17);

**Уза** (**бза**). Бу кўмакчи қуйидаги маъноларни билдиради: иш-ҳаракат предметнинг устки қисмида бўлганлигини билдириб, 'устида' мазмунига тўғри келади: *алтун орзин уза олдурулан* 'олтин тахт устида утириб' (Гкн., 81); *тағ уза йол суб қорўл* 'тоғ устида ер сув қуриб' (Орк., 25); *ал-тунлағ орзин уза олурди* 'олтин тахт устида утирди' (ТТ II, 68); *ат уза бимтурэ* 'от устига миндириб' (Тон., 62); *ол тдурдэ уза эчим қаган олурты* 'у тахтга тоғам хон бўлиб утирди' (КТб., 30); *топрағ уза топрағ онди* 'тупроқ пайдо бўлди' (ТТ I, 13); *тон уза тон кәшилти* 'тўн устига тўн кийилди' (ТТ I, 13).

Иш-ҳаракат предметга умуман йўналганлигини билдиради: *токуз оғуз будун уза қаган олурты* 'тўққиз ўғуз халқига хон бўлди' (Тон., 61); *ол сөнук уза кәмишил* 'ўша сувакка ташлаб' (Сувр., 619).

Иш-ҳаракатнинг бажарилишидаги воситани билдиради: *улуғ йрлықанчучи кәнүл уза (бза)* 'улуғ кўтаринки руҳ қилди' (ТТ III, 18); *дгмәк уза мақтов билан* (У III, 17, 4); *йилбикү уза йилбийү* 'елпигич билан елпиб' (Сувр., 625); *ики илиги уза қдкүзин тоқыйу* 'икки қўли билан кўксини уриб' (Сувр., 626); *бириси урук уза бойинимыз баты* 'бириси арқон билан бўйинимизни боғлади' (Сувр., 154).

Бирор нарсаннинг мавжудлигини билдиради: *чәчәк уза толу болты* 'чечак билан тўла бўлди' (Сувр., 617); *әд тавар уза толу али* 'бойлиқда жуда қаҳрамон' (Сувр., 73).

Иш-ҳаракатнинг бажарилиш сабабини билдиради: *аш ичкү кәдим орун тушәк ат йана қанди кәлүк әрдини йнчү*, *әд тавар уза талынтим* 'ош ичкилик, кийим-кечак, ўрин-тушак, от яна арава, қимматбаҳо мол, инжу, бойлик учун топиндим' (Сувр., 613); *ол тылтағ уза дгә йукү-нурин* 'шу сабабдан юкунаман' (ТТ IX, 13); *сизни аны уза* 'Сизни шу сабабли' (ТТ I, 7).

Иш-ҳаракатнинг пайтини, предметнинг белгисини, қай тарзда бажарилишини курсатади: *сатығ қылымыш күн уза* 'бозор қилган кунда' (Юр., XIV, 210); *уркә бәлинләйү ачыгы уза* 'изтироб, ҳаяжон аламини' (Сувр., 622);

Яна бир қатор маъноларни билдиради: *буларны уза* 'булардан' (ТТ VIII, 11); *Сизләрни уза* 'сизлардан' (У III, 14, 5); *чәригин уза кәлүнти* 'аскарининг устидан кулда' (ТТ I, 1, 8) каби.

Мисолларда **Уза** кўмакчиси бош **Йил** **Уза** 'шамолда у (билан)' ТТ I, 77], қаратқич **Қутуй** **Уза** 'бахтинга' ТТ I, 8],

тушум **[сизни уза** 'сиз орқали' Ман., III, 89], ўрин-пайт **[тдурдә уза** КТб., 30], чиқиси каби келишқлар билан келган сўзлардан кейин қўлланади.

**кин** <**ки**>; солиштиринг: кет (**ки** + **т** + **н** равншдо-тин). Бу кўмакчи **кейин**, **сўнг**, **сўнгра** маъносига қўлланади: *анта кин тәңри* 'ундан сўнг таңгри' (ТТ II, 30); *аш қылу тукәтмиштә кин* 'ош қилиб тугатгандан сўнг' (Сувр., 154); *бирмиштә кин* 'бергандан сўнг' (ТТХ, 464); *нәчәтә кин* 'шундан сўнг' (У III, 14—15); *турк бурханларта кин иштаниз* 'турк бурхонлардан кейин тушдингиз' (ТТ III, 65-66).

Бу кўмакчи ўзга функцияларда ҳам келади: *аз эмәжи бар, кин йана әдгу болур* 'озгина қийинчилиги бор, сўнгра яна эзгу бўлади' (Гкн., 84); *ортуңқи кинки әтбзләртә* 'ўртадаги орқадаги вужудларида' (Тш., 194; 16).

Мазкур кўмакчининг **кинитә**, **кинидә** шакли ҳам мавжуд аз **әрти кинидә** **оғулғ** **йтүрдүктә** (Сувр., 623); **ән кинитә** 'энг охирида' (Сувр., 514); **кинитә** 'келажакда' (У II 81).

**киз**, **кәз**. Бу кўмакчининг истеъмоладойраси тор бўлган: мунтада киз (кәз) 'бундан сўнг' (Сувр., 618).

**карү**, **кәрү**. Бу кўмакчи ҳам **орқа**, **сўнгра**, **кейин** каби маъноларни англатади: *анта кәрү барыл* 'ундан сўнг орқага (ғарб) бориб' (ПМК., 27); *кәрү, тәмир қапығча тәги* 'ғарбга Темир Қапығча' (КТб., 29); *илгәрү кирү аты иштидмиш* 'атрофта оти эштиланган' (Ман., I, 26, 27).

**тимин** (<**тим**, **тәм**> **дам** + **ин** восита келишиг); *аччата тимин* 'анчадан сўнг' (ТТ I, 21); *нәчәтә кин тимин* 'солдан сўнг' (Сувр., 625).

**-сайу** (<**са** + **йу**). **Йир сайу бармыш** 'бутун ер (юз) буйлаб борди' (КТб., 31); **будунин сайу** 'халқи сари' (Тон., 61); **орун орун сайу бардылар** 'ҳар бир ерга бордилар' (Сувр., 622); **тәбрәтүк сайу** 'тебраган сайин' (ТТ I, 119).

**ийә**. Бу кўмакчи билан маъносини англатади. **Айығ то-ру ийә әриллүрләр** 'эмон одат, истак билан қайтишурлар' (У III, 79, 4); **тап ийә асығ тусу қыла** 'умид билан фойда келтир' (Сувр., 245, 22); **айығ қылыч ийә барыл** 'эмон ишлар, қилмишлар билан бориб' (ТТ II, 195) каби.

**II. Ярим кўмакчилар**. Булар келишик аффиксларини қабул қилиб келишлари мумкин.

**сыңар**. Бу кўмакчи вазифасида келиб томон, йўналиш каби маъноларни англатади ва бу билан келган сўз чиқиси келишигида қўлланади: **днтүл сынар** 'олди томондан'

(ТТ X, 267); *ташдын сынар* 'ташқаридан' (ТТ IX, 41); *қолтын сынар* 'хамма томондан' (У III, 29, 2).

Шуни айтиш керакки, бу кумакчи түрт сони билан келганда бу сон ҳам чикиш келишиги аффиксини қабул қилиб келади: *төрттин сынар* 'түрт томондан' (Сувр., 607); *төрттин сынар көруп* 'түрт томонга қараб' (У III, 58, 7-8).

Баъзан *сынар* ҳам чикиш келишигида қўлланади: *төрттин сынартын* ўзүксүз 'түрт томондан чексиз' (У III, 24; 5-9); *төрт сынардын кәлти* 'түрт томондан келди' (У III, 12-18).

Бошланиш ўринини билдиради: *ичтин сынар* 'ичидан тортиб' (У III, 30, 31).

Баъзан *сынарқы* шаклида ҳам келади: *таштын сынарқы* (ТТ X, 412); *ичтин сынарқы* (ТТ X, 411).

**йынақ.** Бу кумакчи ўз маъно ва функцияси билан юқоридаги кумакчига синонимдир: *төртдин йынақ* 'түрт томондан' (У III, 27, 2); *төрт йынақтың* (У III, 13, 13); *төртдин йынақтың* (У III, 11, 11-3); *тағдын йынақ* 'тоғ томонга' (Сувр., 156); *қайулын йынақ* 'қайсы томондан' (ТТ X, 82-4); *солтун йынақ* 'чап томондан' (ТТ X, 159-161); *төрт йынақ түзүлти* 'түрт томон тузилди' (ТТ I, 22) каби.

**Ара.** Бу кумакчи ўринни, пайтни билдиради: *ич ара* 'марказида, ичида' (ЕнПТ., 69); *икин ара* 'иккисининг орасида' (КТб.), *тардум шад ара* (Тон., 63); *киши ара* 'кишиләр орасида' (ТТ I, 13); *анын ара* 'шу орада' (У III, 46, 19); *көчмөдин ара* 'тез орада' (У III, 46; 19); *кичмөдин ара* (У III, 31; 1-2); *анын икин ара* 'шу орада' (Сувр., 155).

**Ара** эгаллик ва ўрин-пайт келишиги аффикслари билан қўлланади: *анын арасынта* 'шу орада' (У III, 41; 2-5); *анын арасынта ики йрми* 'шу орада 12' (У III, 44; 5); *қалын қуврағ арасынта* 'кўп одамлар орасида' (У II, 23, 18; У III, 53); *мунун ики арасынта* 'шу орада' (У II, 36; 41); *тыллығлар арасынта* (Сувр., 156); *дларнын арасынта* (Сувр., 612).

**Ўскинтә.** *қуврағ ўскинтә бағрын йатып* 'халқ олдида бағрида ётиб' (ТТ IV, 4; 13); *бодиствар ўскинтә* 'бодиствалар олдида' (У II, 79.51); *анын ўскинтә* 'унинг олдида' (У III, 85, 15); *аллығ чөвишлиг кишиләр алтайу турур ўскүндә* 'алдамчи фирибрағ кишиләр (сенинг) олдингда алданмоқда' (ТТ I, 8).

**III. Кумакчилашган равиш ва равишдошлар.** Булар *көрү, кбрә* (*кбр* + *ү* + *ә*); *шадын көрү* 'шодлигингга күра' (УСр., 44).

**Бәру.** Бу кумакчи *бери, буйн* маъносида ишлатилган: *Көзмән йышығ бәрү кәлтмиз* 'Көгман урмонларидан бери келдик' (Тон.); *сансарда бәрү* (ТТ IV., 19); *иликсиздин бәрү* 'бошлангичсиликдан бери' (Сувр., 612); *днрәдә бәрү* 'аввалдан' (У III, 50, 10); *окрәнтә бәрү* 'аввалдан' (ТТ VIII, 7); *барча бәрү кәлзүнләр* 'барча буйн келсинлар' (У II, 26, 6); *инәрү бәрү йориды* 'у ёққа, бу ёққа юрди' (У IV, 82); *илкитә бәрү* 'бошидан' (ТТ III, 43); *иликсизтә бәрү* 'азалдан' (ТТ IV, 23).

Баъзан кумакчилик функциясини ўтамайди: *Бәрү сизни эмгәттим* 'ушандан бери сизни қийнадим' (ТТ II, 37).

**ынару, инәрү:** *аз инәрү бармыш* 'аз илгарига борган' (Ман. I, 135, 4); *бүкүнтә инәрү* 'бугундан бошлаб' (У III, 65, 23); *тупрақта инәрү* 'тупроқдан нари' (У III, 26; 2); *ичрә: сағыр ичрә элик кийик кирмиш* 'чайир ичига ёввойи кийик кирган' (Гкн., 84); *супурган ичрә* 'супурган ичидә' (Ман., 6; 13).

**кәрү:** *анда кәрү барыл* 'унда орқага (ғарбга) бориб' (ЕТУ 16; 138); *илгәрү кәрү* 'олдинга орқага' (Ман., 26; 27).

**кисрә.** (<*ки-с-рә*). Бу кумакчи *орқада, сунгра, ғарбда, ғарб* каби маъноларни англатади: *анда кисрә* 'ундан сунгра' (ПМК., 28); *кисрә Тардуш бәги* 'орқада' (Ғарбда Тардуш беги) (МН., 18); *йағру қодүнда кисрә* 'яқин жойлашгандан сунг' (КТм; 28); *кисрә күн батысығына тоғи* 'орқада кун ботиши томон' (КТб.); *антада кәсрә нә болғай* 'ундан сунг нима буладди' (Хуаст., 118).

**қоды.** Бу кумакчи *қуйи, наст, буйлаб, ёқалаб* каби маъноларни англатади: *ўкүши Сәләнә қоды барды* 'қуши Селенга буйлаб борди' (ПМК., 35); *ол суб қоды бардымыз* 'уша сув ёқалаб бордик' (Тон., 62); *тоған қуш тәнридин қоды қалмыш* 'лочин осмондан паस्ता тушди' (Гкн., 83); *ймә йоқару қоды илгәрү кирү* 'юқорига, паस्ता, олдинга орқага' (Ман., I, 26-26); *бошларын қоды* 'бошларини қуйи' (ТС, 254-102); *қыдыгдан қоды интим* 'осмондан қуйи тушди' (Ман., III, 23; 7); *устүнтән қоды* 'тепадан паस्ता' (МЕ., 13; 10).

**тәғи.** Бу кумакчи чегарани билдиради: *Темир Капығгәча тәғи* 'Темир — Капығгәча' (КТб.); *йышқа тәғи* 'авомгәча' (Онг., II, 8); *мын йыл тумән канкә тәғи* 'минг йыл туман кунгәча' (Юр., XVI, 212); *эмтәқатәғи* 'ҳозиргәча'

(ТТ III, 65); *нәчкә тәги 'қанчагача'* (Ман., I, 16; 16); *бир юзгәң тәги 'бир күзгәгача'* (ТТ II, 28); *йарынгатәги 'эрта-лабгача'* (ТТ II, 59).

Саноқли мисолларда *тәги* кумакчисининг *дәги* варианты ҳам учрайди: *илиг бәгнини баштын адақьнадаги қоду йалгадилар 'илик бегнини бошидан оёғигача силадилар, ардоқладилар'* (У III, 15, 2).

*Тала* (*тап + а* рәвишдош ясовчиси). Бу кумакчи харақатининг бирор томонга йўналганлигини күрсәтиб, *сарн*, *томон* маъноларига тўғри келади: *йирин тала барды '(үз) ерига томон борди'* (ПМК., 37); *атасы оғли тала барды 'отаси ўғли томон борди'* (ПМК., 37); *атасы оғли тала кәлмиштәк 'отаси ўғли томон келгәндәк'* (ТТ X, 71); *аны тала барайын 'унга қараб барайын'* (У III, 53); *бурхан тала 'бурхон сари'* (ТТ X, 152).

Қарши маъносидә: *оғуз будун тала 'ўғузларга қарши'* (КТб., 31); *Табгач тала 'Табгочларга қарши'* (КТб., 31).

Мақсад маъносидә: *отун сансар тала тоғмыш тәг му 'гүё гуноҳли Сансар учун туғилгәндәкми'* (У III, 20; 3) *из тала кәрәрсән 'касәл түғрисидә сүрасән'* (ТТ I, 10).

*утру* (*-утур + -у* рәвишдош ясовчиси). Бу кумакчи *қарши*, *тўғри* каби маъноларда келади: *сән утру йоридим 'мен қаршисига юрдим'* (ПМК., 36); *қамағ бар тамақ утру кәлир 'нима бўлса томоққа тўғри келади'* (ТТ I, 11; 84); *аниқ утру турдачи 'униинг рўпарасидә турәди'* (У IV, А 286); *йүзүмүз утру 'бизга қарши'* (ТТ II, 6); *йүзүн утру' юзи олдидә'* (Ман., 22);

Бу кумакчи „Ирк битиг“дә урта маъносидә келади: *күн утру (отру) йүтүрүк тўн отру қантә 'күн уртасидә (тушдә) ҳориди, ярим кәсәси қонга (бўялади)'* (Гкн., 82); *утру (отру) йирдә сооқушмиш 'йул уртасидә учрашди'* (Гкн., 83).

Бәзван әғалик, келишиқ аффиксларини қабул қилиб келади: *утрунда асығ тусу йитәрү кәлти 'сенга томон етарли фойда келди'* (ТТ I, 11).

*отру*, *отүрү* (*<отур + у* рәвишдош ясовчи). Бир воқеә, ҳодисадан кейин иккинчисининг бошланганлигини билдирәди: *антә отру 'ундан кейин'* (Тон., Сувр., ТТХ); *айдуқта отру... 'айтгандан сўнг'* (ТТ II, 53); *илдүктә отру... 'әлтгандан сўнг...'* (Сувр., 154); *тәздүктә отру... 'әлтгандан сўнг'* (Сувр., 154); *тәздүктә отру... 'теккәндан сўнг...'* (Сувр., 616).

Бу кумакчи күпинчә-*дүктә*, *-дүкта* формасидан кейин келади. Қўшма гап таркибидә қўлланиб, *сўнг*, *кейин*

маъносидәги боғловчи вазифасини утайди: *отру* (қаранг: У III, 5; ТТ II, 8-9; Сувр., 62).

*откүрү* (*<откүр, откүр + у* рәвишдош формаси). Бу кумакчи шәкл ва келиб қиқши жиҳатидан юқоридә келтирилган *отру* кумакчисига ўхшәса ҳам ләкин маънодә фарқланади. Бу кумакчи *сабабидан*, *сабабли*, *туфайли*, *орқасидә*, *учун*, *күра*; *нәтижәсидә*, *оқибатидә* каби маъноларни аңлатади: *нәвишма-қынғтмын откүрү 'қовушганлиги туфайли'* (Сувр., 52); *ол оқ тылтағтын откүрү 'у асослар, сабаблар орқасидә'* (Сувр., 118) *кучәдтүкинәтә откүрү 'кучайгани сабабли'* (У III, 5).

*баса* (*<бас + а*) бу савнин *баса сонынта* 'бу сўзининг охирида' (Сувр., 611).

*ташқару* (*<ташқар — + у*) *балықтың ташқару днүл* шаҳардан ташқари қиқиб' (Сувр., 100-22).

*кидин*. Бу кумакчи ҳам *орқа*, *кейин*, *ғарб* каби маъноларда ишлатилади: *Сәләнә кидин 'Селенгадан кейин'* (ПМК., 35); *кидин йишәк йүзләнип байақы тәг 'сўнг юзләнип боягидәк'* (ТТ I, 10; 99); *днүн кидин сатығқа йулуғқа бәрсар бай олур 'шарққа, ғарбга сәвдо-сотик қилса, бой булади'* (РР., 26-1).

Бәзван әғалик, келишиқ аффиксларини қабул қилади: *анда удук баш кидиктә.. 'ўша (жойдә) Удук бошиниң ғарбидә'* (ПМК.), *балықтың кидинтә туруп 'шаҳарнинг орқасидә туриб'* (У IV, 8-2).

*кидирти*: *кидирти тәбрәмиш 'орқадә тебрамиш'* (ТТ I, 132) *улайу* (*<ула + йу* рәвишдош формаси). Бу кумакчи маъносидә қўлланади: *дгум қатун улайу дгәләрим әкәләрим... 'онам — бегим каби оналарим акаларим'* (КТб., 33).

*улаты* (*<улат + ы* рәвишдош формаси). Өғли *қанли* *улаты киши оғул 'она ва она шунингдәк қиз (хотин) ва ўғил'* (Сувр., 554); *длум длүрмәткә улаты тоқуз кармапутлар 'улмидан бошқа түққиз Кармапәха'* (ТТ IV, 11); *йүз мин тўман улаты 'юз минг туман каби'* (ТТ V, А 67); *улаты* (ТТ VI, 77) каби.

*башлайу*, *башлаб* (*<башла + йу; башла + б*): *қаным қағанқа башлайу 'хон отам бошчилигида'* (КТб., 30); *татаби будун башлайу 'Татаби халқи бошчилигида'* (КТб., 33); *отуз әриг башлайу '30 әр бошчилигида'* (ЕнПТ., 63); *мысыр башлаб 'мысир бошчилигида'* (Юр., II, 206).

*башаду* (*<башад + у*): *Лисун Тай — Сәнун башаду 'Лисун — Тай — Сәнун бошчилигида'* (Мн., 18).

**баша** (<баш + а): анта баша төрт йинактақы 'ушандан бошлаб түрт томондагы' (У III, 54, 5).

**көчә** (<көч + ә): аичү дүзүзүг көчә тәмир қапығқа тәги сүләдимиз 'Ижиу дарәсини кечиб Темир Қапығгача қушни торгдик' (КТб.).

**аша** (<аш + а): көгмән аша қыркыз тәги 'Көгманни утиб қиргиз еригача' (КТб.).

**ашну** (<ашун + у): башда ашну ишләтүрләр 'бошидан ишләтадилар' (ТТ V, 58).

**бңи** (<бң—и): Мунтада бңи 'бундан бошқа' (МЕ., 13, 22); бурхантын бңи 'бурхандан уэга' (У II, 32, 63); тылтағынды бңи 'сабабинг, важингдан бошқа' (ТТ V, 13, 40).

**ыйын, ийин, ивин** (<ий, ив— + ин): қылмыш ишләрин ийин (ийин) қилган ишләрига күра' (Сувр., 624); көмүл ийин 'истагича' (ТТ II, 13-26); бд ийин 'вақтига күра' (Сувр., 596).

**адын** (<ад—, + ын; солиштиринг: айни, ўзармоқ, айнимоқ) мунтадын адын 'бундан бошқа, уэга' (Сувр., 627); әгәү қылымчта адын 'әзгү ишдан уэга' (У II, 80; 62).

Бу сүз равниш ва сифат вазифасида ҳам қўлланган: адынта 'иккинчидан'; адын киши 'бошқа киши' (У I, IV).

**тәгрә, тәгирә** (<тәгирә—): йағьмыз тәгрә 'душманимиз атрофда' (Тон., 61); әтдзүн тәгрә 'вужудингда' (ТТ I, 219).

Баъзан -ки аффиксини қабул қилад и тәгрәни будун 'атрофдаги халқ' (ТТ V, 41); көнт тәгрәки 'шахар атрофидаги' (ТТ X, 12); тәгрәки талығчылар 'атрофдаги хизматчилар' (У II, 22; 2); яна: йоғун тулуқлар тәгрәсиндә.

**йоқару, йүгәрү** (йоқар + у равнишлөш формасы). Бу сүз равниш, кўмакчи каби функцияларда келади: кдзи йүгәрү көрти 'күзни юқорига қаратди' (ПМК.); тиз йоқару биләкәтәги 'тизадан юқори биләкәчә' (ТТ V, 4, 4); башын йоқару көтүрүл 'бошини юқорига күтариб' (Ман., I, 6; 1).

**ташқару, ташғару** (<ташқар-, ташғар + у). ташғару илимчүкә 'ташқари томоша — сәйргә' (РР., 17, 1); балықтын ташғару бңиүл 'шаҳардан ташқарига чихиб' (Сувр., 100).

**онғару** (онғар + у): үч йолы онғарү тәгзинмәк 'үч марта олдида айланмоқ' (У II, 41; 17).

IV. Кўмакчи отлар. Булар ўзларининг мустақил маъноларини ҳам сақлайди, келишикләр билан ҳам турланади.

**башьинта**: бы ырқ башьинта аз әмгәки бар 'бу фол бошида әггина қийинчилиги бор' (Гкн., 84); кәйрә башьинта 'қайра бошида' (ПМК., 35).

**ал**: қум алына илинсәр 'қум тагида илинса' (Ман., 37, 4); алтын ануқын 'остидәги Ануқ' (У III, 20, 6); алтын йалнуқ 'остидә инсон' (У IV, 28, 12-3); орнағлығ орун алынта 'яхши ер остидә' (ТТ I, 12; 130).

**асра**: күн тәри асрасьинта ағналым 'қун тангри бўсағасига (узиньзини) ташлайлик' (УСр., 177; 3); асра йир 'пастки ер' (КТб.); асра атын 'тубан отинг' (ТТ I, 7-7).

**йүз**: йағьз йир йүзи йашарды көкләди 'ер юзи яшарди күкляди' (ТТ I, 7).

**күч**: ол анын күчинтә 'шу туфайли' (Сувр., 156).

**оғур**: ағрығ оғрынта 'оғринг туфайли' (Сувр.); бз алымчларнын оғурьинта 'ўз қасд қилувчиларинг туфайли' (Сувр., 165).

**ичинтә**: тўргәш әл ичинтә 'Турғаш халқи ичидә' (ЕнПТ., 67). көгмән ичинтә 'қучманда' (ПМК., 36); битиге ичинтә 'китоб ичидә' (Сувр., 155); тағ ичинтә ики йәк бар 'тоғда икки арвоқ бор' (ТТ I, 9); ол күдуг ичинтә (ПВ., 135); бир бок ичинә илтип 'бир зиндон ичига әлтиб' (Сувр., 156); там ичинтә 'уйда' (ТТ I, 9); ичиньсиз 'ичидан эмас' (ТТ VIII, 8).

**йан**: ймә кимавакт тағ йанынта 'Гимавакт тоғ ёнида' (У III, 30; 21); бәрү йаньсыннта 'бери ёнида' (Сувр., 44; 15).

**йир**: тағ йиринтә тағ бңити 'тоғ ўрнига тоғ пайдо бўлди, унди' (ТТ I, 8).

**брунта**: тынқулуқ орунта 'тирик жанвор ўрнида' (ТТ III, 110).

**бдунта**: бурханлар бдинтә ном әрдини бдунтә бурсон әрдини бдинтә 'Бурханлар олдида, қимматбаҳо номлар (қонунлар) олдида, қадрили жамоа олдида' (ТТ IV, 16-17); үч әрдини бдинтә 'үч қимматбаҳо (нараса) олдида' (ТТ IV, 6).

**ич**: ичин ташын 'ичини устини' (Тон., 61); оруқунуз учи 'ўйлингни учи' (ТТ III, 24); ичинтә бәкләдиләр 'ичига солдиләр' (Сувр., 110; 21); балық ичинтә (РР., 44; 21); ичинь синар (Ман., III, 9); ичирти 'ичига' (ТТ V, 8, 54).

**тпбү**: кдк сачын тпбүсинтә 'күк сочини тепасида' (У III, М 84—10).

**бқ**: сизин онқунздә 'сизинг олдингизда' (Ман., III, 24, 4).

**уст**: сол қолынинг устинтә базун 'сүл қўлинг устига бөгләнсин' (У, 51); устунки алмыкы таплады 'устидәги, остидәги розилигини берди' (ТТ I, 12); устун тәри 'устидә тангри' (У IV, 28, 12-3); бироқ устүкдән 'фақат юқоридан' (Ман., III, 23-24).

**сон:** *сон йорилу* 'сўнг юриб' (Юр., I, 202); *мунта (н)* *сон* 'бундан кейин' (Юр., I, 202); *анта сон* 'ундан кейин' (Юр., I, 202); *Бу савний сочинта* 'бу гапнинг охирида' (Сувр., 611).

Кейинги мисолда *сон* *изобат* сўзи олдидаги сўз билан, эгаллик кўрсаткичи билан боғланган.

**огрынта:** *низванлар огрынта* 'низванлар таъсирида' (ТТ IV, 11); *алымчиларнинг огуринта* 'олувчилар туфайли' (Сувр., 155).

**отрў:** *анта отрў* 'шундан сўнг' (Сувр., 607); *анта этру батра қатун* 'шундан сўнг Батра хоним (У III, 54).

**отинтә:** *уч эрдини отинтә* 'уч хазина туфайли' (Сувр.).

**тылтақынта:** *кин бир тушта қыз ашы тылтақынта* 'бир кун қыз оши сабабли' (Сувр., 154).

**тоға:** *Көгмән йашығ тоға йорил* 'Көгмен ўрмонига тўғри (қараб) юриб' (ЕТУ, I Д 35; I, 45).

**арқа:** *арқада* 'орқадан' (Тон., 61); *узун сацын кидик арқасынта итип* 'узун сочини орқасига ташлаб' (У II, 25, 15).

**арт:** *сочларын артларында итдип* 'сочларини орқаларига ташлаб' (У IV, 8; 38).

**орту:** *биргәрү кун ортусынару* 'жанубда кун уртасида' (КТм., 37); *кун орту* 'тушда' (ГКн., 74); *тун орту* 'ярим кечаси' (Гкн., 36); *ол кдл ортасынта* 'у кўл уртасида' (ТТ V, 12; 125); *ики ортун эрқәк* 'уртадаги икки бармоқини' (ТТ V, 8; 55).

**таши:** *ичин ташын* 'ичини ташқарисини' (КТб.); *балығ таштын* 'шаҳардан ташқари' (РР., 17, 2); *таштан* 'ташқаридан' (Ман., I, 16; 5); *таштирти* 'ташқарида' (Ман., III, 19; 12); *йалынўз ташынта* 'ёлғиз ташқарида' (Сувр., 154).

## БОҒЛОВЧИЛАР

Гап булаклари ёки қўшма гапнинг қисмларини боғлаш учун хизмат қилувчи ёрдамчи сўзлар ёдномаларда кичик бир группани ташкил этади.

**йәмэ; йәмэ йәмэ** (С. Е. Малов; ешә, также; В. В. Радлов, П. Мелноранский; Все; В. М. Насилов; и, также, ещә).

Бу сўз кўп функцияга эга:

равинш функцияси: *биз йәмэ сўләдимиз* 'биз яна уришдик' (Тон. 64); *йәмэ илки* 'яна аввалги' (Хуаст., 117); *йылқы йәмэ кдтүрү уматтын турур* 'яна йилқи кўтара олмастан турибди' (ПВ., 155) каби.

сўнгги воқеа-ҳодисани англатиш учун қўлланади: *бир йәмэ* 'биринчи қуйидагидан иборат' (Хуаст., 117); *бир йигирминч йәмэ* 'ун биринчи қуйидагидан иборат' (Хуаст., 118); *алтынч йәмэ* 'олтинчи қуйидагича' (Хуаст., 117) каби.

кучайтириш маъносиде: *буйурукты бәлләри йәмэ олти* 'буйурукчиси ва беклари ҳам улди' (КТб., 30); *ол йәмэ Мағаради* 'уша мағаради' (Сувр., 607); *қилмнч йәмэ дкүш турлүг эрүр* 'қилмнш ҳам кўп турли булади' (У III, 14);

боғлаш маъносиде: *Қол қара энч қора йәмэ Мысыр* 'Қулқора, энг қора ва Мисир' (Юр., II, 206); *сақынчын едзин қылымчын йәмэ қдзин кдөрүл* 'фикри, сўзи, қилмиши ва кўзи билан кўриб' (Хуаст., 119); *дтүндиләр йәмэ айқырдылар* 'утиндилар ва ҳайқирдилар' (ТТ II, 82); *нә йәмэ тынлыглар* 'ва агар сувдаги жонлилар' (ТТ IV, 8); *йәмэ қамағ улуг йәмэ қунчуйлар тайшылар улуг атлғлар башлагучы улуг кичиш қамғ будун той қапғына тәги бардылар* (ТТ II, 64-65) каби.

қиёслаш функциясида: *бурсай қуврағлар йәмэ кшанти бәрдиләр* 'бәъзи қуврағлар (община)каби кшанти бердилар' (ТТ IV, 7-8).

Уюшқ булақли гапларнинг кесими инкор маъносини аниқлаб келганда *ймә ймә* боғловчиси *на.. на, ҳам* функциясини бажаради: *ил ймә, бұдун ймә йоқ әртәчи әрти* 'на давлат, на халқ бор булар эди' (Тон., 64); *бод ймә бұдун ймә, киши ймә иди йоқ әртәчи әрти* 'давлат ҳам, халқ ҳам, инсон ҳам, бошлиқ ҳам йуқ эди' (Тон., 64); *Сансарқа ймә илинмәз ыраваңқа ймә бұдулмаз* (Тангри Бадисатва) Сансарға ҳам әғилмайди, Нирванға ҳам букилмади' (Сувр., 373); *улуғ иш кәдүг ймә дәрүңлүг әрмәз кичиг иш кәтүгләр ймә бұдун әрмәз* 'улуғ ишлар ҳам севинчли эмәс, кичик ишлар ҳам амалға ошмайпти' (ТТ V, 10) каби.

Уюшқ гапнинг кесими инкор булмаган тақдирда айырувчи маъносини билдирәди: *Түрк бұдун ймә буганч ол, тишиш, оғузи ймә тарканч ол — тишиш* 'турк халқи вәсвәсәдә қолди, уғуз халқи вәс тарқалди' (Тон., 62).

Юқоридә келтирилган мисоллардан куринадики, *йәкә, ймә ймә, йимә* боғловчиси отдан (*барс ймә; йолта ймә; он-луқлар ймә*), оломошдан (*мин ймә, биз ймә, ол ймә*), сондан (*икинти ймә; алтын ймә*), феълдан (*отундиләр ймә*), равшдан (*бунча ймә, йана ймә*) сунг қуланади. Баъзан сүзларнинг бошида келиши мүмкин: *йәкә игидий* 'яна күтәрилди' (МН., 19); *йәкә нән ол айығ қылынчун әмтәкә тәг йавлақ түшин утлысын билмәмә әртим* (Сувр., 158); *йәкә бирәк қылмадымз әрсәр* 'ва агар қилмаган булсак эди' (ТТ IV, 25) каби.

*ма, ма; бизмә* 'биз ҳам' (МЕ, 8); *негүкә мә* 'нима учун ҳам' (УСР., 12); *бу дәркә ким ким мә* 'бу ерда кимдә ким' (Юр., II, 206); *ол битигни ма бәзимкә биртим* 'у хатни ҳам бегимгә бердим' (Юр., I, 202); *Тигәй тайшы ма тақы дзгә кишиләр* 'Тигай тайши ва бошқа кишиләр' (Юр., I, 202) каби.

*азу, азуу, асу* Азу бу сабымдә игид барғу 'ахир бу сүзимдә хатә борми?' (КТг., 28); *азу мун үчүн азу басу дүргәл қызғаныр* 'әки қайғу учун, әки қурбон беришгә қызғаниб (Хуаст, 119); *азу бизин әмрәк өкүнүмиз* 'әхүд бизинчә, севикли боламиз' (Сувр., 622); *азу йәкә тиши тындығқа бутулмақ, йащынмақ оғрыпта* 'әки аёлларгә ёпишганим учун' (Сувр., 102); *азу әзруа тириник му брунч тыләзүр-ан* 'әки Азруа тангриник үринини истайсан' (У III, 61; 5).

*азу... азуу, азу... йа; азу* улуғ бачағ кун азу кичиг бачағ күнкә (ТТ II, 13); *азу бағу борлуқ тарығ... йа бәдүк бәргән қатығ қағамык тоқыл...* (ТТ IV, 5-7).

*абам, агар абам, бир адақын сысар* 'агар бир оёқини сиздирсә' (ТТ I, 15).

*ара... ара; ара* кун тоғмыш бусанч *ара мәни* кәл-миш 'гоҳи кун туққанда (әрталаб) қайғу, гоҳи шоддик келганда...' (Гкн., 80).

*та, тә, да, дә; оғам та қаған болмыш* 'үғли хоқон бұлган шекили' (КТб.) *нәчә тә ким тимин дгәшил бир оздан сунг аста-секин үзигә келиб* (Сувр., 619; 620); *бизни та адим ким болғай* 'биздан яна үзгә ким булади' (Сувр., 611); *әжсир да ймә қатығрақ* 'ва яна диамантдан қаттиқроқ' (У III, 26; 13) каби.

*-лы, -ли:* бу боғловчи текшириләтган дәвр тилидә кенг истеъмолдә бұлган *инли әчили* 'кичик үкә, ини ва ака' (КТб., 29); *бәгли бұдумли* 'бек ва халқ' (КТб., 29); *түнли күнли* 'тун ва кун' (МН., 19); *туруқ буқалы сәмиз буқалы* 'өзгин буқа ва сәмиз буқа' (Тон., 61); *кулсабади хатун лы видулачантра тигин ли булар иккүү мәнинләр ол* 'Кумбади хотун ва Видулачантра тигин булар иккови мәниқидир' (У III, 27; 15-16); *отли, сувлы* 'ут ва сув' (ТТ VI, 64); *адығлы тоқузлы* 'айық ва тунгиз' (Гкн., 80); *бәгли қатунлы әшитип* 'бек ва унинг хотини әшитиб' (Сувр., 625); *тәрсли онлы әдәули айығлы* 'тескари ё үнг, яхши ё ёмон' (ТТ VI, 196).

Баъзи үриндә *-лы, -ли* қушимчаларидан сунг келишик аффикс келиши мүмкин: *тәңрили йирлидә* 'осмон ва ерда' (ТТ VI, 02).

*Ким:* бу боғловчининг функцияси турли синтактик муносабатларни күрсәтишдан иборәтдир. *Ким* қушма гап таркибида муस्ताқил гапнинг изоҳлаш, аниқлаш, үзи орқали муносабатга киришган гапни тобеллик ҳолатини күрсәтиш учун ишләтлади.

*Ким* сүзининг боғловчилик функцияси руник обидалар тилидә учрамайди. Мазкур боғловчи сунгроқ бошқа, чунончә санскрит, хитой, түхор каби тиллардан қилинган таржи-ма асарлар тилидә кенг равшдә учрайди. Бу ҳолат эски ёдномалар тилига, айниқса, таржима асарларгә юқоридә санаб утилган тилларнинг бевосита тәтсири борлиғидан келиб чиқади. Қуйида *ким* боғловчиси билан келган мисолларнинг баъзиларини келтирәмиз.

*ймә* бу *тәрт арығ дындарлар ким тавғач йиринтә әрдүрләр* 'бу түрт пок диндорларки, Табғоч ердандирлар' (ТТ II, 12-13); *ол тылтағин ким инчә әшипти* 'шу сабаб-лики, қуйидәтиларни әшитди' (ТТ II, 31); *ол айағ қылынч йоқ ким биз қылмадымз әрсәр* 'хеч бир ёмон ишлар йуқ-ки, биз қилмасак' (ТТ IV, 23); *йарынғә тәғи улуғ дәрүнк өгирмек ким дгирди сәвинти* 'әрталабгачә кәттә шодийна

булдики, (хамма) севинди, қувонди' (ТТ II, 59-60); *Бурхан қуты нэгү болурким ни учун исиг өзүниги модалайур си* 'Бурхон бахти қандай булурки, (уша бахт учун) өз ҳаётингдан кечмоқдасан' (У III, 71; 26-7) каби.

*Ким „Олтун ёруқ“, манихей, уйғур, турфон текстларида* кенг истеъмолда булган боғловчи саналади (қараиғ: Сувр., 609; 175; 155; 154; ПВ., 134; Хуаст., 117; ТТ VIII, 50, 19; ТТХ, 501 кабилар).

*тақы: тангунтан манистан тақы кичиг динтар* 'тангунтан, манистан ва кичик диндор' (Гкн., 85); *тақы ур* 'ва яна ур' (Гкн., 82); *аны көрүп тақы артуқрақ* 'уни кўриб ва яна ортиқроқ' (Сувр., 621); *мунтада адын тақы дни аш ичку йоқ* 'бундан ўзга яна бошқа озиқ-овқат йуқ' (Сувр., 610); *тақы йәмә мән кәлтим* 'мен яна ҳам келдим' (ТТ II, 74); *тақы йәмә* 'ва бошқа' (ТТ IV, 33); *бу мунтаг қылынчын өз үтүңуз башунмагай тақы дықа дындар қәлгәй* 'бундай қилмиши өз вужудини озод қилмайди ва дықа диндор келмайди' (ТТ II, 45-46) каби.

Айрим уринларда *дағы* шаклга ҳам эга: *дағы* 'ва' (У III, 55).

Едномалар тилида боғловчи вазифасида *ти*-феълидан ясалган равишдошлар *тип*, *тәйин*, *тийин* кенг истеъмолда булган<sup>1</sup>.

<sup>1</sup> Бу ҳақда қараиғ: А. Н. Кононов, О синтаксической функции форм *ти* и *ти* в тиб. Сб. „Белек С. Е. Малову“, Фрунзе, 1946-стр. 44-46.

## УНДОВАЛАР

Едномаларда кичик бир гуруҳ сўзалар борки, булар ҳис-ҳаяжон, туйғу, кишининг турли кечинмалари ва эмоцияларини англатиш учун хизмат қилади. Буларга *йиу* — эвоҳ: *йыта* — афсус; *а* — эй; *ай* — а — о; *ай* — эй; *у* — эй; *ай* — эй кабилар киради. Мисоллар: *сакиз оғлум адырылдын йиу* 'саккиз ўғлимдан айрилдим, эвоҳ' (ЕнПТ., 35. В. В. Радлов *йиу* сўзини равишдош деб изоҳ беради); *адырылтым йыта* 'мен улдим, афсус' (ЕнПТ., 55); *күн ай азыдым йыта* 'күёш ва ойна кўрмас булдим, афсус' (ЕнПТ., 80); *йа Кү — тау* 'эй Кю — тау' (Сувр., 156); *ай эра* 'эй эр, баҳодир' (Сувр., 155); *ай эдгүләрим* 'эй эзгуларим!' (Сувр., 155); *ай — а* 'эй!' (ТТ X, 24); анча-ку (ПВ., 135); *қамат сингиләрим-а!* 'ҳаммаси сингилларим!' (У III, 14; 17); *ун аначым — а!* 'эй менинг онажоним' (У III, 9; 2) каби.

## ЮКЛАМАЛАР

Юкламалар тузилиши жиҳатидан иккига бўлинади: соф юкламалар ва аффикс характериға эға бўлган юкламалар. Соф юкдамаларға *нэ, ош, чў, кўк* кабилар киради.

Аффикс характериға эға бўлган *му, мў, қына, кинэ, қыа, кийэ, киа, киз, ақ, оқ, агў, кўк* кабилар.

*нэ; нэ ймэ мэн Ил Тузмиш бирлэ* 'ва мен Элтузмиш билан' (ТТ IV, 19); *бу савыг нэ эшитў бирлэ* 'бу сўзини эшитиш билан' (Сувр., 155) каби.

*ош* || *уш* кучайтириш юкламаси. Руник обидалар тилида учрамайди.

*кўк*: Бу сўз С. Е. Малов ва А. Габэнларнинг фикрича, ҳаракатнинг бажарилишидаги тахмин ва имкониятни кўрсатади.

В. В. Радлов *кўк* сўзини кучайтириш маъносида келади деб таъкидлайди. Бизнингча ҳам *кўк* кучайтириш маъносига эға: *қач нэн эрсэр блўртэчи кўк* 'нима бўлса ҳам улдиради, албатта' (Тон., 62); *қач нэн эрсэр бизни блўртэчи кўк* 'нима бўлса ҳам бизни улдиради' (Тон., 63); *йандук йолта йэмэ влти кўк* 'қувланган йўлда ўлди' (Тон., 62) каби.

*Гў*: *Гў йақылтачы сиз* 'ахир сиз янглишасиз' (КТ., 28). *-му, -мў*: бу юклама отдан [қаған му, кишикэ му], феълдан сўнг келиб, сўроқ мазмунини англатади: *бар му нэ 'борми ахир?'* (Тон., 62); *Қаған му қисайын* 'хоқонга раҳм қилайми' (Тон., 61); *иринч тынлыг болгай му* 'бахтсиз жондилар топиладими' (Сувр., 610); *киши кэ мў алсықды* 'кишига олдирдим' (Юр., I, 203); *ачыг болур му* 'очик, бўлурми' (ТТ I, 14); *алқаммазму 'йўқолмасми?'* (ТТ III, 65).

Сўроқ юкламасидан сўнг баъзан предикативлик аффикслари қўлланади: *ичқынмиш эрэй мў биз* 'йўқотдикми' (Сувр., 622); *анча ймэ кутлўг қывалыг эрмэз мў мэн* 'ахир мен шундай бахтли ва олқиниға сазовор эмасманми' (U III, 85-5).

*-қына, -кинэ, -гина, -гинэ*. Бу юклама чегаралаш маъносида келади: *аз қына* 'озгина' (Тон., 61); *илтмэзкина* 'ҳали олиб бормасдан' (Сувр., 154); *оң кўн эртмэз кинэ* 'ўн кун ўтмасдан' (Сувр., 154); *ашнуқына* 'ҳозиргина' (ТТ I, 13); *эмтықына* 'эндигина' (ТТ I, 13) каби.

*-қыа, -киа, -қыйа, -кийэ*. Бу юклама юқоридаги юкламанинг фонетик вариантдир: *ўчэгў бирлэ кийэ* 'учови бирла' (Сувр., 620); *азқыа* 'озгина' (Сувр., 61); *биркийэ* 'биргина' (Кр., 19); *эдзўкийэ* 'яхшигина' (U III, 31; 11) каби.

*оқ, бк*. Бу юклама ёдномалар тилида кенг истемолда бўлган *оқ, бк* юкламасининг асосий семантикаси кучайтириш, айириш, чегаралаш каби маъноларни англиштириш иборат бўлган.

Отлардан сўнг келади: *куруг сднўклэри бк туру қалты* 'қуруқ суякларгина қолди' (Сувр., 618); *бақшмун оқ* 'бахшини ҳам' (Сувр.).

Олмошлардан сўнг келади: *ола оқ тўн* 'ўша тун' (Тон., 63); *булар оқ* 'худди булар' (U III, 25; 3); *бу оқ* 'бугина' (U III, 43; 11); *кэнтў бзи бк* 'факат ўзи' (U III, 20; 8);

равнш билан: *йэнэ бк 'яна'* (U III, 12-6); *ирактым оқ* 'узоқдан' (U III, 70; 4); *аята оқ* 'шундан сўнг' (U III, 18; 4) каби.

Боғдовчилар билан: *йэнэ бк* 'тез орада' (ТТ IX.).

Сифатдошлар ва феъллар билан: *бгузуг блўртэчи бк* 'ўғузларни улдиради' (Тон., 61); *кэлўртим бк* 'келтирдим' (Тон., 62) каби.

Равншдошларға қўшилиб, иш-ҳаракатнинг бирин-кетин, тез орада содир бўлишини кўрсатади: *аны кбрлп бк* 'уни кўршиш билан' (Сувр., 619); *йалын қылыч тутул оқ ўзгэлир* 'яланг қилич тушибоқ узади' (ТТ I, 13) каби.

Сифатдошнинг *-миш, -миш, -дўк, -дўк* формалари урин-пайт келишиги аффикси билан келганда *бк, оқ* юкламаси иш-ҳаракатнинг бирин-кетин, тез орада содир бўлишини англатади: *тэярим сизни кбрмантэ бк* 'тангрим сизни кўршиш биланоқ' (ТТ III, 145); *бу мунтаг савын эшитдўк-тэ бк браманнин илгин идыл қодты* 'бу шундай сузаларни эшитганда, Брахманнинг қўлини қўйиб юборди' (U III, 30; 2-3).

Ушбу маъно равиншдош ва *бирлэ* кўмакчисидан сўнг қўлланганда ҳам ангилашади: *бу савыг нэ эшитў бирлэ бк* 'бу сўзини эшитиш биланоқ' (Сувр., 11).

Баъзан акуватиш қўшимчасидан сўнг ҳам келади: *аны тэг бк дкўш тэлим браман* 'ушандек кўп браманлар' (U III, 12-17).

*а*. Бу юклама кучайтириш, ундов мазмунинда қўлланади (ундов баҳсига қаранг).

## МОДАЛ СЎЗЛАР

Модал сўзларга *эринч*, *эрки*, *эркли*, *эркан*, *кэргэк* кабилар киради.

Модал маъносини англатувчи *эринч* сўзи ўрхун-енисей обидалар тилида қайд этилган.

Сунгги давр ёдномаларида, Маҳмуд Кошғарийнинг „Девону луғотит турк“ асарида ҳам учратамиз. *эринч* сўзининг келиб чиқиши ҳақида бир қатор фикрлар мавжудки, булар проф. П. М. Мелиоранскийнинг асарида келтирилган<sup>1</sup>.

<sup>1</sup> Форма *эринч* в позднейшем языке как глагольная неизвестна, да и в орхонском она употребляется только от глагола *эр* — „быть“; надо думать, что это — остаток какого-нибудь очень древнего образования. По окончании скорее всего ее можно было бы связать с именными отглагольными образованиями из *-мич*, *-мич*, *-мич-и*, *-мич-и*, как например, *кылымч* — образ действия (от *кыл-* или *кылым*), *сэвмич* — радость и т. п. Интересно, что в „Кутаду билиг“ есть слово *эринч* со значением „спокойствие, удовольствие“. Не есть ли *эринч* своего рода возвратный залог от *эр* — „быть“ — как „думать для себя, иметь досуг, отдыхать“.

Я думаю, что *эринч* в орхонских надписях есть именно причастие или отглагольное имя, от которого могали образовываться (а может и образовывались) так называемые Nominal formen окончательного глагола. По мнению В. Томсена это — gerundium, т. е. деепричастие, но мне кажется, что за деепричастие синтаксически эту форму принять нельзя, так как ею, по-видимому, оканчиваются самостоятельные главные предложения.

В. В. Радлов, наоборот, считает *эринч* за Verbum finitum и дает ей не совсем для меня ясное название die Form der vollendung (форма завершения, совершенности). Несомненно, во всяком случае, что значение этой (быть может первоначально деепричастной) формы и большинство мест орхонских надписей ослаблено, как выражается В. Томсен, до значения наречия вроде того, прибавляю я от себя, как это случилось, например, в киргизском языке по крайней мере отчасти с формами „*еди*“ и „*экан*“. Точное значение подобных форм в языке определить очень труд-

П. М. Мелиоранский *эринч* сўзининг келиб чиқишини *эр*-фэлига боғлаб (*эр-ин-и*) В. Томсенни уридли равишда таъкид қилган. Бу сўз Маҳмуд Кошғарийнинг „Девони“ да ҳам келади:

أرينچ *иринч* 'майшат билан кун кечирिश, яхши туриш'<sup>2</sup> демакдир. Мазкур сўз турфон, уйгур, манихей обидаларида ҳам учрайди: *иринч чыгай* (U III, 10-3).

Баъзан *иринч* 'бахтсиз, қулфатли' каби маъноларда ҳам келади: *иринч қылыл блуртум* — 'бахтсиз қилиб улдирдим' (ТТ II, 15).

Модал сўзи *эринч*га проф. С. Е. Малов берган изоҳ (пожалуй, надо думать, возможно<sup>3</sup>) ҳақиқатга яқиндир. XI аср автори Маҳмуд Кошғарий *эринч*нинг 'эҳтимол, балки, зора' каби маъноларини келтиради: *ол калди, эринч* 'балки у келгандир'; 'у келган чиқар' (МК I, 152).

Проф С. Е. Малов *эринч* сўзига берган изоҳида („пожалуй, надо думать, возможно“ С. Е. Малов, Памятники древнетюркской письменности) М. Кошғарийнинг фикрига асосланиб тўғри қилади.

Руник обидалар тилида *эринч* кенг истеъмолла булган: *дзимин ол тэдри қаган олурты эринч* 'ўзини у тангри хоқон қилиб тахтта утқазди' (КТб., 31); *қаган қуты талламды эринч* 'хоқон бахтини ҳурматламади, шекилли' (МН., 17); *Огуз эриг бошлайу туғқа бады эринч* 'уттиз эрни бошлаб байроқни (туғни) боғлади' (ЕнПТ., 63); *йэр сурт баса бэрти эринч* 'ер кўкни босди, шекилли' (Тон., 63); *бэдүк айрды эдгүг ол эринч* 'борган ерда бахтдир' (КТб., 30); *йэг эрбүкүм ол эринч* 'энг яхши ишмидир шекилли' (ЕнПТ., 44); *анта кисрэ иниси эчисин тэг қылыммадук эринч олгы қанын тэг қылыммадук эринч, билигсиз, қаган олғымши эринч, буйурқы йэмэ билгисиз эринч даблақ эрмиш эринч* 'шундан сўнг иниси акасидек булмаган чиқар, ўгли хонидек булмаган чиқар, билимсиз хоқон тахтта утирган чиқар, буюриқи ҳам билимсиз шекилли, ёмон экан шекилли' (КТб., 29) каби.

Сунгги давр ёдномалар тилида *эринч* кам учрайди: *билмадын уқмадын бкүш түрлүг тсуп иринчу қылымыз қаз*

но, иногда они употребляются плеонастически. В. Томсен сравнивает *эринч* с латинским iam (уже), однако это сравнение едва ли улачно.

П. М. Мелиоранский. Памятник в честь Кюль-Тегина, СПб., 1899, стр. 101, примечание 25.

<sup>2</sup> Маҳмуд Кошғарий, Девону луғотит турк, I том, Тошкент, 1960, 152-бет.

<sup>3</sup> С. Е. Малов, Памятники древнетюркской письменности.

гантымз эринч 'билмасдан, тушунмасдан кўп турли гуноҳлар, айблар қилдик, эришдик, афус' (ТТ IV, 22); *ол бодисатъ эринч* 'у балки Бадисатва' (Сувр., 26);

*Эрки* 'балки'<sup>4</sup>. Иккиланиш, шубҳаланиш, сўроқ мазмунини ифодалайди. Руник обидалар тилида учрамайди. Бу сўнги давр тилига характерлидир: *бу нэ сав эрки* 'бу сўз нима экан' (Сувр., 622); *Қайтунқа йарлықады му эрки* 'бекам буюрдими экан' (Сувр., 621); *ким эрти эрки олуртэчи* 'жаллод ким экан' (Сувр. 623); *нэгү эрки этти* 'нимвага экан энди' (Сувр., 621); *эмты эрти қалыр эрки сэн* 'нимда балки қарамай ўтарсан' (ТТ II, 15); *алтунлуғ йиччүлуғ ҳап йиртэ йатим йурур эрки сэн* 'олтинли, инжули кўп ерда ётиб (сён) юрарсан шекилли' (ТТ II, 15); *йона кэлгэй эрки* 'балки яна қайтади' (U III); *қанта эрки ол* 'қай ерда экан у?' (U III, 45; 6) каби.

*Эркэн*. Бу сўз ҳаракатнинг ҳолатини англатишда ишлатилади. Қадимги ёдгорликлардан „Хуастуанифт“да қайд этилган. Руник обидаларида учрамайди. *Эркэн* асосан *-р*, *-ур*, *-ур*, *-йур*, *-йур* формаси билан қўлланади ва иш-ҳаракатнинг бажарилиш вақтини, ҳолатини англатади: *йорыйур эркэн* 'юрар экан' (U III, 6); *савлар сбзлэйу турур эркэн* 'сўзлаб турган пайтда' (U III, 58); *алқанур эркэн* 'махтар экан' (Хуаст., 118); *йатар эркэн* 'ётар экан' (Сувр., 620) каби.

*Эрикли*. Бу сўзни проф. С. Е. Малов таржима қилмасдан қолдирган. П. Мелиоранский *эрикли* сўзини сифатдеш деб тахмин қилган.

Мазкур сўз Култегин, Тунюқуқ, Моғилонхон, Мўянчур каби обидалар тилида учрайди ва ҳолат, вақт, пайт маъносини англатади: *Туғ ташықыр эрикли йәлмэ эри кәлти* 'туғ (байроқ) дилар йулга тушган пайтда отли аскарлар келди' (ПМК., 35); *кичә йаруқ батур эрикли сунүшдим* 'кеч кўёш ботар пайтгача уришдим' (ПМК., 35); *анча олурур эрикли оғуздан тан көрүг кәлти* 'шунча ўтирганда ўғузлардан жосус келди' (Тон., 61) каби.

*Кәргәк*: Бирор иш-ҳаракатнинг бажарилиши лозимлиги, кераклигини кўрсатади: *қолмағ кәргәк эрти* 'сўраш керак

эди' (Хуаст., 119); *сақынмыш кәргәк* 'уйлаш керак' (Ман., III, 13); *тутмақ кәргәк эрти* 'тушиш керак эди' (Хуаст., 119); *мунь билиш кәргәк* 'буни билиш керак' (ТТ II, 16); *мунча сақынмыш кәргәк* 'шундай фикр юритиш керак' (U III, 4); *күнжид кәргәк болды* 'күнжид керак бўлди' (Юр., XXVII, 215) каби.

Мазкур сўз мустақил маънода келиши ҳам мумкин: *мана эд тавар кәргәки йог* 'менга мол-мулкнинг кераги йўқ' (U III, 47; 23-4).

<sup>4</sup> А. Га б э н э р к и юклагасини эркэн > эркин > экин, экиннинг фонетик варианты деб қарайди. А. von Gabain. Alttürkische Grammatik, § 359. М. Р а с я н е н э р к и юклагасини тува тилидаги эрга билан қиёслади. М. Räsänen. Materialien zur Morphologie... S. 215. К. Борюк кельман эр- феълдан келтириб чикариб, эрки кейинчалик эркин, экин, икин билан экинлашиб кетган деб тушунтиради. С. Brockelmann. Osttürkische Grammatik... S. 189. Д. Н а с и л о в. К вопросу о модальных словах эринч, эрки и эркин в древнетюркских языках. стр. 127-132.

## ГРАММАТИК ФОРМАЛАР КЎРСАТКИЧИ

- а, - э

- а, - э — жуналиш келишиги 32—39
- а, - э — равишдош 120
- а, - э — феъл ясовчи аффикс 128
- ағ, - эғ — от ясовчи аффикс 51
- ағ, - эғ — сифат ясовчи аффикс 56
- ағ, - эғ — тушум келишиги 24—29
- ағлм, - эғли — сифатдош 116
- ағу, - эғу — жамловчи сон 73
- айм, - эйм — истак майли (I шахс кўплик) 79—80
- айм, - эйм — истак майли (II шахс кўплик) 79—80
- ак, - эк — от ясовчи аффикс 50
- ак, - эк — тушум келишиги 24—29
- ал, - эл — сифат ясовчи аффикс 56
- аласы, - эласи — жамловчи сон 73
- алым, - элим — истак майли (I шахс кўплик) 79—80
- алм, - элим — истак майли (II шахс кўплик) 79—80
- ам, - эм — эгалик аффикси (I шахс бирлик) 15
- ан, - эн — восита келишиги 29—32
- ан, - эн — кўплик аффикси 14
- ан, - эн — эгалик аффикси (II шахс бирлик) 15—16
- ан(лар), - эн(лар) — буйруқ майли (II шахс кўплик) 81
- ар, - эр — равишдош 118—119
- ар, - эр — якка сон 73
- ар, - эр — феъл ясовчи аффикс 129
- ар, - эр — сифатдош 113—114
- ар, - эр — кўплик аффикси 14

б

- биз, - биз — эгалик аффикси 15

Ғ, г

- га, - га — келаси замон (III шахс бирлик) 90
- га, - га — жуналиш келишиги 32—36
- га — сифат ясовчи аффикс 56
- гай, - гай — келаси замон (III шахс бирлик) 89—90

166

- гақ, - гэк — от ясовчи аффикс 50
- галы, - гали — равишдош 121—122
- ган, - гэн — сифатдош 115
- гар, - гэр — феъл ясовчи аффикс 129
- гар, - гэр — жуналиш келишиги 32—34
- гару, - гэру — жуналиш келишиги 32—34
- гат, - гат — орттирма даража 126—127
- гат, - ги — сифат ясовчи аффикс 56
- гат, - гил — буйруқ майли (II шахс бирлик) 81
- гын, - гин — от ясовчи аффикс 50
- гыр, - гир — орттирма даража 126—127
- гыт, - гит — орттирма даража 126—127
- гым, - гич — от ясовчи аффикс 50
- гу, - гу — сифатдош, ҳаракат номи 115—116
- гу, - гу — от ясовчи аффикс 50
- гулуқ, - гулуқ — сифатдош 113
- гуи — жамловчи сон 73
- гур, - гур — орттирма даража 126—127
- гусы, - гуси — сифатдош 115
- гусу, - гусу — жамловчи сон 73
- гучы, - гучи — сифатдош, ҳаракат номи 112

д

- да, - дэ — ўрин-пайт келишиги 39—42
- дағ, - дағ — акуатив формаси 44—45
- дай, - дэй — акуатив формаси 44—45
- дақ, - дэк — акуатив формаси 44—45
- дам, - дэм — ўтган замон феъл формаси (I шахс бирлик) 93—96
- дам, - дэм — сифат ясовчи аффикс 55—56
- дамаз, - дэмэз — ўтган замон феъл формаси (I шахс кўплик) 93—96
- дам, - дэн — чиқиш келишиги 42—44
- дамч, - дэнч — сифатдош 108—109
- дамч, - дэнч — от ясовчи аффикс 48
- даш, - даш — ўтган замон (III шахс бирлик, кўплик) 93—96
- дэ, - дэг — ўтган замон (I—III шахс бирлик, кўплик) 97—99
- дык, - дик — ўтган замон (I—III шахс бирлик, кўплик) 97—99
- дылар, - дилэр — ўтган замон (III шахс кўплик) 93—96
- дым, - дим — ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96
- дымыз, - димиз — ўтган замон (I шахс кўплик) 93—96
- дым, - дин — чиқиш келишиги 42—44
- дымыз, - диныз — ўтган замон (II шахс кўплик) 93—96
- дир, - дир — орттирма даража 126
- ду, - дү — ўтган замон (II шахс бирлик) 93—96
- дуг, - дүг — ўтган замон (I—III шахс бирлик, кўплик) 97—99
- дук, - дүк — ҳаракат номи
- дук, - дүк — ўтган замон (I—III шахс бирлик, кўплик) 97—99
- дум, - дүм — ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96
- дум, - дүм — чиқиш келишиги 42—44
- дүк, - дүк — ўтган замон (II шахс бирлик) 93—96
- дур, - дүр — орттирма даража 126

з

- з — кўплик аффикси 14
- зу, - зу — истак майли (III шахс бирлик) 79—80

\* 1060

167

**М, И**

- **м, - и** — равишдош 119—120
- **м, - и** — эгалик аффикси (III шахс бирлик) 15—16
- **мр, - ир** — тушум келишиги 24—25
- **мр, - ир** — сифат ясовчи аффикс 56
- **мр, - ир** — от ясовчи аффикс 51
- **мрлы, - ирли** — сифатдош 112, 116
- **мрма, - ирма** — сифатдош 111—112
- **мрчы, - ирчи** — ҳаракат номи
- **мқ, - иқ** — от ясовчи аффикс 51
- **мқ, - иқ** — сифат ясовчи аффикс 56
- **мқлы, - иқли** — сифатдош 116
- **мл, - ил** — сифат ясовчи аффикс 56
- **мл, - ил** — мажхул даража 124—125
- **мим, - им** — эгалик аффикси (I шахс бирлик) 15—16
- **мим, - им** — от ясовчи аффикс 50
- **мим, - им** — восита келишиги 29—32
- **мим, - им** — тушум келишиги 26
- **мим, - им** — сифат ясовчи аффикс 56
- **мим, - им** — от ясовчи аффикс 51
- **мим, - им** — ўзлик даража 123—124
- **миди** — тартиб сон 71—72
- **мити** — тартиб сон 71—72
- **мич, - ич** — от ясовчи аффикс 50
- **мич, - ич** — тартиб сон 71—73
- **миқ, - иқ** — эгалик аффикси (II шахс бирлик) 15—16
- **миқыз, - иқиз** — эгалик аффикси (II шахс кўплик) 15—16
- **миқыз, - иқиз** — буйруқ майли (II шахс кўплик) 80—81
- **миқ(лар), - иқ(лар)** — буйруқ майли (II шахс кўплик) 80—81
- **мил, - ил** — равишдош 118—119
- **мили, - ил** — равишдош 118—119
- **мир, - ир** — сифатдош 113—115
- **мит, - ит** — кўплик аффикси 14
- **мич, - ич** — от ясовчи аффикс 48
- **миш, - иш** — биргалик даража 127—128

**Й**

- **йа, - ая** — равишдош 120
- **йақ, - аяқ** — от ясовчи аффикс 48—51
- **йим, - аим** — равишдош 122
- **йу, - аю** — равишдош 119—120
- **йуқ, - аюқ** — сифатдош 107—108
- **йуқ, - аюқ** — от ясовчи аффикс 49
- **йур, - аюр** — сифатдош 113—115

**Қ, Қ**

- **қ, - қ** — мажхул даража 124—125
- **қа, - қа** — жўналиш келишиги 32, 35—36
- **қа, - қа** — келас замон 90
- **қа, - қа** — от ясовчи аффикс 51

- **қақ, - қақ** — от ясовчи аффикс 50
- **қан, - қан** — от ясовчи аффикс 51
- **қар, - қар** — жўналиш келишиги 32—34
- **қар, - қар** — жўналиш келишиги 32—34
- **қим, - қим** — сифат ясовчи аффикс 56
- **қим, - қим** — от ясовчи аффикс 51
- **қир, - қир** — орттирма даража 126—127
- **қир, - қир** — орттирма даража 126—127
- **қу, - қу** — сифатдош 115—116
- **қум, - қум** — от ясовчи аффикс 51
- **қур, - қур** — орттирма даража 126—127

**Д**

- **да, - да** — феъл ясовчи аффикс 128
- **да, - да** — восита келишиги 31
- **да, - да** — якка сон 73
- **дағ, - дағ** — сифат ясовчи аффикс 56
- **дай, - дай** — якка сон 73
- **дай, - дай** — якка сон 73
- **дақ, - дақ** — от ясовчи аффикс 48—51
- **дар, - дар** — кўплик аффикси 12—14
- **ди, - ди** — боғловчи (жуфт сўзларин) 147
- **дығ, - дығ** — сифат ясовчи аффикс 56
- **дық, - дық** — от ясовчи аффикс 48—50
- **дым, - дым** — истак майли (I шахс кўплик) 79—80

**М**

- **ма, - ма** — от ясовчи аффикс 51
- **ма, - ма** — бўлишсизлик формаси 77
- **ма, - ма** — сифатдош 117
- **маз, - маз** — сифатдош (бўлишсиз формада) 115
- **май, - май** — равишдош (бўлишсиз формада) 122
- **майин, - майин** — равишдош (бўлишсиз формада) 122
- **мақ, - мақ** — инфинитив, от 51
- **ман — олмош** 57—58
- **мақыз, - мақыз** — буйруқ майли (II шахс кўплик) 80—81
- **масун, - масун** — буйруқ майли (III шахс бирлик, кўплик) 80—81
- **матын, - матин** — равишдош 122
- **миз, - миз** — предикатив аффикси (I шахс кўплик) 78
- **мыз, - миз** — эгалик аффикси (I шахс кўплик) 15—16
- **мыш, - миш** — сифатдош 109—111
- **мыш, - миш** — от ясовчи аффикс 50—51
- **мур, - мур** — от ясовчи аффикс 50

**Н**

- **нақ, - нәқ** — қаратқич келишиги 21—24
- **ны, - ни** — тушум келишиги 24—26
- **нық, - ниқ** — қаратқич келишиги 21—24
- **нуқ, - нуқ** — қаратқич келишиги 21—24

**П**

- **пақ, - пән** — равишдош 119

## P

- pa, -pə — жуналиш келишиги 35
- pap, -pəp — якка сон 73
- paq, -pəq — даража аффикси 54—55
- pu, -pu — жуналиш келишиги 35

## c

- ca, -cə — шарт майли 81—85
- caq, -cəq — сифат ясовчи аффикс 55—56
- cən — предикатив аффикси (II шахс бирлик) 78
- cap, -cəp — шарт майли 81—85
- cəy, -cəy — эгалик аффикси (III шахс бирлик) 15—16
- cəz, -cəz — привативлик аффикси 78
- cəyq, -cəyq — мажхул даража 124—125
- cəyq, -cəyq — сифат ясовчи аффикс 56—57
- cəyn, -cəyn — буйруқ майли (III шахс бирлик, кўплик) 80—81
- cu, -cu — буйруқ майли (III шахс бирлик) 80—81
- cuз, -cuз — привативлик аффикси 78
- cun, -cun — буйруқ майли (III шахс) 80—81

## T

- t — орттирма даража 126—127
- ta, -tə — феъл ясовчи аффикс 129
- tar, -tər — акуатив формаси 45—46
- tamaz, -təmaz — ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96
- təy, -təy — сифатдош 108—109
- ty, -təy — ўтган замон (III шахс) 93—96
- tyr, -təyr — ўтган замон (II шахс) 97—99
- təym, -təym — ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96
- təyməz, -təyməz — ўтган замон (I шахс кўплик) 93—96
- təyn, -təyn — чиқиш келишиги 42—44
- tuq, -təuq — мажхул даража 124—125
- təym, -təym — ўтган замон (I шахс бирлик) 93—96
- təyməz, -təyməz — ўтган замон (I шахс кўплик) 93—96
- təynəz, -təynəz — ўтган замон (II шахс кўплик) 93—96
- tur, -təur — орттирма даража 126—127

## У, Y

- y, -y — равишдош 119—121
- y, -y — феъл ясовчи аффикс 128
- yб, -yб — равишдош 118—119
- yғ, -yғ — от ясовчи аффикс 51
- yғ, -yғ — тушум келишиги 24—29
- yғ, -yғ — сифат ясовчи аффикс 56
- yғы, -yғы — сифатдош 116
- yғы, -yғы — сифатдош 111—112, 116
- yз, -yз — орттирма даража 126—127
- yм, -yм — эгалик аффикси (I шахс бирлик) 15—16
- y(ма), -y(ма) — бўлишчи, бўлишсизлик формаси 77
- yқ, -yқ — сифат ясовчи аффикс 56

- yқ, -yқ — от ясовчи аффикс 51
- yч, -yч — тушум келишиги 24—29
- yч, -yч — тартиб сон 71—73
- yн, -yн — восита келишиги 29—32
- yч, -yч — эгалик аффикси (II шахс бирлик) 15—16
- yч, -yч — буйруқ майли (II шахс бирлик) 80—81
- yч, -yч — буйруқ майли (II шахс кўплик) 80—81
- yч(лар), -yч(лар) — буйруқ майли (II шахс кўплик) 80—81
- yғəz, -yғəz — эгалик аффикси (II шахс кўплик) 15—16
- yл, -yл — равишдош 118—119
- yр, -yр — сифатдош 113—115
- yр, -yр — орттирма даража 126—127

## Ч

- ч, -ч — акуатив формаси 44—45
- чн, -чн — сифат ясовчи аффикс 55—56
- чн, -чн — от ясовчи аффикс 47—48
- чғ, -чғ — сифат ясовчи аффикс 55
- чур, -чур — орттирма даража 126—127

## Ш

- ш — биргалик даража 127—128
- шар, -шар — якка сон 73

### АДАБИЁТ<sup>1</sup>

- Азиев П. Туркменский язык (Словообразовательные аффиксы). Ашхабад, 1950.
- Айдитова Г. О языке памятников Тонькука и его отношении к некоторым современным тюркским языкам, Алма-Ата, 1959, автореферат кандидатской диссертации.
- Александров П. П. Поселогои в современном турецком языке, автореферат кандидатской диссертации, М., 1956.
- В. И. Аслаинов. О соотношении категории переходности и категории залога при управлении, Известия АН АзербССР, 1959, № 6.
- Бартольд В. В. Новые исследования об орхонских надписях, Ж. МНП, т. 325, 1902.
- Баскаков Н. А. Залог в каракалпакском языке, Ташкент, 1951.
- Баскаков Н. А. К вопросу об отношении языка горных алтайцев к древнетюркскому языку, Известия АН КазССР, Серия филология и искусства, 1959, Алма-Ата, вып. 1—2.
- Баскаков Н. А. Каракалпакский язык. II. Фонетика и морфология, ч. 1 (части речи и словообразование), М., 1952.
- Батманов И. А. Язык енисейских памятников древнетюркской письменности, Фрунзе, 1959.
- Батманов И. А. Употребление падежей в киргизском языке, Фрунзе — Казань, 1938.
- Батманов И. А., Арагачи З. Б., Бабушкин Г. Ф. Современная и древняя Енисейка, Фрунзе, 1962.
- Бернштам А. Н. Руническая надпись в уйгурской рукописи, Записки Института востоковедения АН СССР, Сборник статей, посвященный В. В. Бартольду, 1927.
- Богородицкий В. А. Введение в татарское языковедение в связи с другими тюркскими языками, изд. 2-ое Казань, 1953.
- Владимирцов Б. Я. Заметки к древнетюркским и старомонгольским текстам, Доклады АН СССР — В, 1929.

<sup>1</sup> Единообразия на туркий тиллар грамматикасини ўрганишга бағишланган адабиёт рўйхати С. Е. Малов, А. Н. Кононов, Н. А. Баскаков, Э. В. Севортьян, А. М. Шчербак, А. Рабън, М. Р. Расьян ва каби олимларнинг китобларида келтирилади.

Бувада биз факат айримларинингина берамиз.

- Владимирцов Б. Я. Географические имена орхонских надписей, сохранившиеся в монгольском, Доклады АН СССР — В, 1929.
- Владимирцов Б. Я. По поводу древнетюркского Otïken yës, Доклады АН СССР — В, 1929.
- Гордлевский В. А. Числительное 50 в турецком языке (к вопросу о счете в тюркских языках), Известия АН СССР, т. IV, вып. 3—4, М., 1944.
- Грамматика алтайского языка, составленная членами алтайской миссии, Казань, 1869.
- Гребнев В. О значении древнетюркского термина ЭШ, Тувиинский научно-исследовательский институт языка, литературы и истории. Ученые записки, вып. VI, Кызыл, 1958.
- Гулямов А. Г. Проблемы исторического словообразования узбекского языка, I. Аффикация, ч. I. Словообразующие аффиксы имен, Автореферат докторской диссертации, М., 1955.
- Гулямов А. Г. О суффиксе -dash в узбекском языке, «Белек», Сборник статей, посвященный С. Е. Малову, Фрунзе, 1946.
- Гулямов А. Г. К некоторым вопросам аффикации в узбекском языке, Сб. «Акад. В. А. Гордлевскому», М., 1953.
- Фуломов А. Узбек тили морфологиясига кириш, Ташкент, 1953.
- Фуломов А. Узбек тилида суз яшаш йўллари ҳақида, А. С. Пушкин номдаги тил ва адабиёт институти асарлари, биринчи китоб, Ташкент, 1949.
- Фуломов А. Фезл, Ташкент, 1954.
- Фуломов А. Узбек тилида келишқлар, СССР Филар Академияси Ўзбекистон филиалининг асарлари, II серия, филология, 2-китоб, Ташкент, 1941.
- Дыренкова Н. П. Грамматика шорского языка, М.—Л., 1940.
- Дмитриев Н. К. Грамматика башкирского языка, М.—Л., 1948.
- Дмитриев Н. К. Служебные имена в турецком языке, «Советское языковедение», т. III, Л., 1937.
- Дмитриев Н. К. Указательные местоимения в османском языке, Доклады АН СССР — В, 1926.
- Дмитриев Н. К. Об указательных местоимениях в башкирском языке, Труды МИВ, сб. 4, посвященный В. А. Гордлевскому, М., 1947.
- Дмитриев Н. К. О парных словосочетаниях в башкирском языке, ИОГН, 7:501—22—30.
- Дмитриев Н. К. Грамматика кумыкского языка, М.—Л., 1940.
- Дмитриев Н. К. Категория принадлежностей, ИСГТЯ, II.
- Дмитриев Н. К. Категория числа, Исследования по сравнительной грамматике тюркских языков, часть II, М., 1956.
- Дмитриев Н. К. О парных словосочетаниях в башкирском языке, Известия АН СССР, Отделение гуманитарных наук, сер. VII, № 7, 1930.
- Ефтяхова Л. А. Археологические памятники енисейских киргизов (хакасов), Абакан, 1948.
- Ефтяхова Л. и Киселев С. Чаа-тас у села Копены, Труды Государственного исторического музея, вып. XI, М., 1940, стр. 21 и сл.
- Ефтяхова Л. и Киселев С. Открытия Саяно-алтайской археологической экспедиции в 1939 г., Вестник древней истории, № 4 (9), стр. 159—168.
- Ефтяхова Л. А. и Киселев С. В. Десятый сезон раскопок Саяно-алтайской экспедиции НИИМК и ГИМ. Краткие сообщения

- о докладах и полевых исследованиях Института истории материальной культуры, II, 1940, стр. 39—42.
- Захарова О. В. Детский-направительный падеж в языке «Кутадгу билиг». Ученые записки филологического факультета КирГУ, вып. 3, Фрунзе, 1957.
- Ислямов А. Употребление падежей в языке древнетюркских памятников. Ученые записки Семипалатинского Государственного педагогического института им. Н. К. Крупской, вып. II, Семипалатинск, 1957.
- Ислямов А. М. Строй предложения в языке древнетюркских памятников. Ученые записки Семипалатинского Государственного педагогического института, Алма-Ата, 1959, вып. 3.
- Исхаков Ф. Г. Числительное, ИСГТЯ, II.
- Киселев С. В. Саяно-алтайская археологическая экспедиция 1935 г. Советская археология, 1936, № 1, стр. 282—284.
- Кокочков П. К. Несколько новых надгробных камней с христіанско-сирийскими надписями из Средней Азии, Известия АН, СПб., 1907, № 12.
- Комилова Х. Узбек тилида сон ва олмон, Тошкент, 1953.
- Кононов А. Н. Грамматика современного турецкого литературного языка, М.—Л., 1956.
- Корш Ф. Е. По поводу второй статьи проф. П. М. Мелиоранский о турецких элементах в языке «Слово о полку Игореве». Отдельный оттиск из «Известий Отделения русского языка и словесности АН», т. XI, кн. I, СПб., 1906.
- Кощгарин М. Ахмед Девону дугон турк, Таржимон ва ширга таърифи филология филолари кандидати С. М. Муталибов, I том, 1960; II том, 1963.
- Майзель С. С. Категория уникальности и множественности, Труды МИВ, № 4, М., 1947.
- Малов С. Е. Древнетюркские надгробия с надписями бассейна р. Талас, Известия АН СССР, Отделение гуманитарных наук, 1929, Перевод и объяснение двух надгробий. Заметки на восьмью и другие строчки памятника Тоньюкука.
- Малов С. Е. Образцы древнетюркской письменности с предисловием и словарем (Стеклография). Издание Восточного факультета САГУ, Ташкент, 1926. Первые 33 строчки памятника Тоньюкука в латинской транскрипции, со словарем.
- Малов С. Е. Новые памятники с тюркскими рунами. Язык и мышление VI—VII, стр. 251—279 (с рисунками).
- Малов С. Е. К изучению турецких числительных, в кн. «Академику Н. Я. Марру», М.—Л., 1935.
- Малов С. Е. Уйгурские рукописные документы экспедиции С. Ф. Ольденбург. Записки Института востоковедения АН СССР, т. I, Л., 1932.
- Малов С. Е. Два уйгурских документа, Из работ Восточного факультета САГУ, Ташкент, 1927.
- Малов С. Е. Sitatariḡa — ānaratı in uйgurской редакции. Доклады АН СССР, 1930, текст, перевод и языковые примечания.
- Малов С. Е. Новые памятники с тюркскими рунами. Язык и мышление, VI—VII, М.
- Малов С. Е. К истории открытия древнетюркских рунических надписей в Средней Азии, Материалы Узкомстарица, вып. 6—7, Л., 1936.
- Малов С. Е. Таласские эпиграфические памятники, Материалы Узкомстарица, вып. 6—7, Л., 1936.
- Мелиоранский П. М. Краткая грамматика казак-киргизского языка, ч. I, СПб., 1894.
- Мелиоранский П. М. Об орхонских и енисейских надгробных памятниках с надписями, ЖМНП, ч. 317, 1898, июль, отд. 2.
- Мелиоранский П. М. Pein. на Vambery. H. Noten zu dem alttürkischen inschriften der Mongolei und Sibiriens, Mamotres de la soc. Finno-Ougr, XII, 1899, ЗВО, XII (1900), стр. 0146—162, № 275.
- Мелиоранский П. М. Два серебряных сосуда с енисейскими надписями, ЗВО, XIV, вып. I, 1902, стр. 017—022. С табличей.
- Мелиоранский П. М. Небольшая орхонская надпись на серебряной кружке Руменевского музея, ЗВО, XV, 1903, стр. 034 и сл. С табличей.
- Мелиоранский П. М. Араб-филолог о турецком языке, СПб., 1900.
- Муталибов С. XI аср ёзма ёлгорликлари феъл категорияси, Тошкент, 1955.
- Муталибов С. М. Морфология ва лексика тарихидан қисқача очерк (XI аср ёзма ёлгорликлари асосида), Тошкент, 1959.
- Насилов В. М. Язык орхоно-енисейских памятников, М., 1960.
- Насилов Д. К вопросу о модальных словах эрич, эрич, эркин в древнетюркских языках, Труды Самаркандского Государственного университета им. А. Навои, Кафедра узбекского языкознания, № 102, Самарканд, 1960.
- Насилов Д. О некоторых сложных глагольных формах в древнетюркских языках, Труды Самаркандского Государственного университета им. А. Навои, кафедра узбекского языкознания, № 102, Самарканд, 1960.
- Насилов Д. М. Урхун-енисей ёзма ёлгорликларида равнидон категорияси. Узбек тили ва адабиёти масаллари, № 1, 1961.
- Радлов В. В. и Мелиоранский П. М. Памятники в Котшо-Шайдаме. Сборник трудов Орхонской экспедиции, вып. IV, СПб., 1897.
- Радлов В. В. Опыт словаря тюркских наречий, I-IV, СПб., 1893—1911.
- Рамstedt Г. Перевод надписи Селгинского камня, Труды Троицко-Савско-яхтского отделения Русского географического общества, XV, вып. I, СПб., 1914.
- Рамstedt Г. И. Введение в алтайское языкознание, Морфология, М., 1957.
- Раҳматуллаев Ш. Хозирги замон тилидаги сон туркуми хақида баъзи мулоҳазалар, В. И. Ленин номидаги САГУ асарлари, Узбек тили масаллари, Тошкент, 1957.
- Решетов В. В. Об одной узбекской падеже, Тюркологический сборник, I, М.—Л., 1951.
- Севортян Э. В. Категория принадлежности, М., ИСГТЯ, II.
- Севортян Э. В. Словообразование в тюркских языках, ИСГТЯ, II.
- Севортян Э. В. Об историческом положении категории перекрестности и неперекрестности в тюркских языках, Вопросы языкознания, 1958, № 2.
- Севортян Э. В. О глаголообразующем аффиксе -са, -си, -сим, в тюркских языках. Исследования по истории культуры народов Востока, Сборник статей, посвященный акад. И. А. Орбели, М.—Л., 1960.
- Серебрянников Б. А. О залог в финно-уйгурских и тюркских языках, Тезисы доклада на координационном совещании по проблемам простого предложения и категории залога, Уфа, 1958.
- Тенишев Э. Р. Грамматический очерк древнеуйгурского языка по сочинению «Золотой блеск», кандидатская диссертация, Л., 1953.

- Вильгельм Томсен как тюрколог, Труды Троицкосавско-яхтского отделения Русского географического общества, XV, вып. 1, 1912, СПб., 1914.
- Убрятова Е. И. Парные слова в якутском языке, Сб. «Язык и мышление», т. XI, 1949.
- Фердаус. Фель даражалари, Труды Среднеазиатского Государственного Университета им. В. И. Ленина, Новая серия, вып. IV, филологические науки, кн. II, Ташкент, 1957.
- Шербак А. М. Способы выражения грамматических явлений в тюркских языках, Ж. ВЯ, 1957, № 1, стр. 18—26.
- Шербак А. М. Грамматический очерк языка тюркских текстов X—XIII вв. из Восточного Туркестана, М.—Л., 1961.
- Шчербак А. М. Узбек тилида *ur* феълнинг сўз ясадаги роли, Ж. «Узбек тили ва адабиёти масалалари», 1961, № 2.
- Шчербак А. М. Турк ва ярагул тилларининг узаро муносабати, Ж. «Узбек тили ва адабиёти масалалари», 1959, № 4.
- Шчербак А. М. Мўғулстонида топилаган қадимги бир бош ёзма, Ж. «Узбек тили ва адабиёти масалалари», 1959, № 3.
- Юлдашев А. А. Система словообразования и спряжения глаголов в башкирском языке, М., 1958.
- Юнусалиев В. М. Синтаксический способ образования корневых слов. Труды Института языка и литературы и Института Истории АН КиргССР, вып. V, Фрунзе, 1956.
- Юнусалиев В. М. К вопросу о корне в киргизском и родственных ему языках. Первая науч. сессия АН КиргССР, 1956.
- Мелиоранский П. М. Rec. in Vamberg, H. Notes zu dem alttürkischen Inschriften der Mongolei und Sibiriens, Mémoires de la Soc. Rinno—Ougr., XII, 1895, 3 Во, XII (1900), стр. 0146—0162, № 278.
- Bang W. Von Köktürkischen zum Osmanischen, 1. Mitteilung, APAW, Phil. Histor. Klasse, No. 6, 1917; 2, 3. Mitteilung, APAW, Phil.-Histor. Klasse, No. 5, 1913; 4. Mitteilung, APAW, Phil. Histor. Klasse, No. 2, 1931, Berlin.
- Bang W. Zu den türkischen Zeitbestimmungen, Turan, 1918, S. 91—96.
- Bang W. Das negative Verbum der Türksprachen, Sitzungberichte d. Preuss. Akad. d. Wissenschaft, XVII, 1923.
- Bang W. Zur Erklärung der Köktürkischen Inschriften, in журн. «Wiener Zeitschr. f. d. Kunde d. Morgenl.», Bd. XII.
- Bang W. Türkische Manichaica aus Chotscho I, Bulletin de la Classe des Lettres, et des morales et politiques et de la Classe des Beaux-Arts, No 6, 1912.
- Bang W. Zu den Köktürkischen Inschriften, журн. «Archives T'oung pao».
- Bang W. und A. von Gabain. Uigurische Studien. Ungarische Jahrbücher. Band X, Juli, 1930, Heft 3.
- Bang W. Turcica, журн. MVAG, 1917, Leipzig, Mitteilungen der Vorderasiatischen Gesellschaft, Jahrgang 1916.
- Bang W. Vom Köktürkischen zum Osmanischen. Vorarbeiten zu einer vergleichenden Grammatik des Türkischen, Mittell. 1, 4, Berlin, 1917—21, Bd. 2.
- Bang W. Studien zur vergleichenden Grammatik der Türksprachen I. Über die osmanische Fluchformel *adzajl yanasi* und ihre Verwandten, SPAW, 1916, XXII.522—5—35 II. Über das Verbum *al* „nehmen“ als Hilfszeitwort, XXVII.920—928. III. Über das Possesivsuffix *si* und einige seiner möglichen Verwandten, SPAW, 1916, LI, 1236—1234.

- Bang W. Zu den köktürkischen Inschriften und den türkischen Turfanfragmente, WZKM, XVIII, 1909, S. 416—419.
- Bang W. Zur köktürkischen Inschriften, JS, 19—21, TP VII, 1896, S. 611.
- Bang W. Türkologische Briefe aus dem Berliner Ungarischen Institut, UJ, Bd. IV, V, VII, X.
- Bang W. Türkologische Briefe aus dem Berliner Ungarischen Institut—Dritter Briefe, Ungarische Jahrbücher, Band V, Heft 4.
- Bang W. und Rachmatti G. Z. Die Legende von Oghuz Qaghan, Berlin, 1932. Sonderausgabe aus den Sitzungsberichten der Preussischen Akademie der Wissenschaften, Phil.-Hist. Klasse, 1932, XXV.
- Bang W. Studien zur vergleichenden Grammatik der Türksprachen, SPAW, XXXVIII, 1916.
- Bang W. Über die köktürkische Inschrift auf der Südseite des Kül-Tägin—Denkmals, Leipzig, 1896.
- Böhtlingk O. Über die Sprache der Jakuten, Spb., 1851.
- Brockelmann K. Osttürkische Grammatik den islamischen Literatursprachen Mittelasiens, Leiden, 1954.
- Caferoglu Ah. Türkçede *daş* lahkasi, Istanbul, 1929.
- Clouston G. The Turkish numerals, Journ. of the Royal Asiatic Soc. of Great Britain and Ireland, L, 1959, pt. 1—2, p. 19—31.
- Deny J. Türk dili gramari, Istanbul, 1, 1941, II, III, 1942, IV, 1943;—V, 1943; VI, 1944 VII, 1945; VIII, 1945.
- Deny J. Türkçede —ler edatunu menşel ünçüncü türk dil kurultayı (1936), Istanbul, 1937.
- Donner O. Wörterverzeichnis zu den Inscriptions de l'Enisei, Mémoires de la Soc. Finno-Ougr., IV, Helsingfors, 1892.
- Denner Kal und Martil Räsänen Zwei neue türkische Runenschriften, Journal de la Société Finno-Ougrienne, XLV, 2.
- Duran Suzan Türkçede *cihet* ve *mekân* gösteren ek ve sözlür, TDAYB, 1956.
- Gabain A. Alttürkische Grammatik, 2. Verbesserte Auflage, Leipzig, 1950.
- Gabain A. Alttürkische. Philologiae turcicae fundamenta, Jussu et auctoritate Universi studiosorum rerum orientalium, ediderunt J. Denny, K. Gronbech, H. Scheel, Zeki Velidi Toğan. I, 1959, Wiesbaden.
- Gabain A. n. e. m. a. r. l. e. Die Pronomina im Alttürkischen, ZDMG Gabain A. Über Ortsbezeichnungen im Alttürkischen. Helsinki, 1950 (Studia Orientalia 14,5).
- Gabain A. v. Briefe der uigurischen Hünen-tsang-Biographie, Berlin, 1938, SPAW, Phil.-Hist. Klasse 1938, 29.
- Gabain A. v. Müller E. W. ve Gabain A. Uyğrca *uç hikâye*. Istanbul, 1946.
- Gabain A. v. Alttürkisches Schrifttum. Berlin, 1950.
- Gabain A. v. Die Verbform auf *n* im Uigurischen, in Annale, der R. Istituto Superiore di Napoli Neue Folge I, Rom, 1940.
- Grönbech K. Der türkische Sprachbau, Kopenhagen, 1936.
- Emre Ahmet Cevat. Türkçede isim temelleri. Istanbul, 1943.
- Kissling H. J. Mazil nakld. Zum Gebrauch der —miş—Vergangenheit im Osmanisch-Türkischen, ZDMG Wiesbaden, 1959. Bd. 109, Hf. 2, S. 286—302.
- Koseeraif Fuat H. Çoğul takimizin çıkanağı (menşel) nedir? Türk Dil, seri III, v. 10—11, 1947.

- Kotwicz Z. Le monument turc d'Ikhe-khuchotu en Mongolie Centrale, *Rocznik Orientalistyczny*, t. IV, (1926). Lwow, 1928.
- Kotwicz Władysław. Les pronoms dans les langues altaïques, *Krakow*, 1936. -*larler* in den Türkischen Sprachen, 1936.
- Kotwicz W. Studia nad językami altajskimi/wydział M. Lewicki „Rocznik orientalistyczny”, t. XVI (1950), Krakow, 1953.
- Kowalski T. Zur semantischen Funktion des Pluralsuffixes -*lar*, -*ler* in den Türkischen Sprachen, *Krakow*, 1936.
- Kowalski T. Die ältesten Erwähnungen der Türken in der arabischen Literatur, *Körösi Csoma-archivum*, II kötet, 1925—32.
- Kraellitz F. Türkische Etymologie, *BZKM*, 27, 1913.
- Kraellitz F. Osmanische Urkunden in türkischen Sprachen aus der zweiten Hälfte des 15. Jahrhunderts, *Akademie der Wissenschaft in Wien, Phil.-Hist. Klasse, Sitzungsberichte*, Bd. 197, 3. Abhandlung, Wien, 1921.
- Coqvonle A. Köktürkisches aus Turfan, Sonderabdrücke aus den Sitzungsberichten, 1909—10(4 Tafeln).
- Munkacsi B. Von Köktürkischen zum Osmanischen, *Ksz*, XVIII.
- Nemeth J. Die köktürkischen Grabinschriften aus dem Tale des Talas in Türkistan, *Körösi Csoma-Atchivum*, Bd. II, 1—2, Budapest, 1926.
- Orkun Hüseyin Namık Eski türki yazitlari, I, *Istanbul*, 1936, II, 1939, III, 1940, IV, 1941.
- Pelliot P. La version ougouree de l'histoire des princes Kalyanankara et Papamkara. *Toung Pao*, vol. XV, Leiden, 1914.
- Pentti Aalto Zu den Pferdennamen der Orchon-Inschriften, *JSFou*, Heft 1—3, 1946.
- Pröhle W. Zur Frage der negativen Verbalformen in den Türkischen Sprachen, *Enlekönyv Dr. Mahler Ede Festschrift*, Budapest, 1937.
- Sinor D. On some ural-altai plural suffixes, *Asia Major*, 1952, New Series, Vol. II, part 2.
- Thomsen V. Inscriptions de l'Orkhon, *MSFOu* 5, Helsingfors, 1895.
- Thomsen V. Inscriptions de l'Orkhon déchiffrées par... *Mémoires de la Soc. Finno-Ougr.*, V, Helsingfors, 1886.
- Thomsen V. M. A. Stein's Manuscripts in Turkish „Runic” Scripts from Miran and Tun-Huang, *Journ. of the R. As. Soc. London*, 1912.
- Thomsen V. Ein Blatt in Türkischer „Runenschrift” aus Turfan, *SPAW*, Phil.-Hist. Klasse, XV, 1910.
- Thomsen V. Turcica. Etudes concernant l'interprétation des inscriptions turques de la Mongolie et de la Sibirie, *Mémoires de la Soc. Fin.-Ougr.*, XXXVII, Helsingfors, 1916.
- Thomsen V. Altürkische Inschriften aus Mongolei, *ZDMg*, t. 78, Leipzig, 1924.
- Temir A. Konjunktionen und Satzleitungen, *Oriens* 1956, 9, 2.
- Radioff W. Die Altürkischen Inschriften der Mongolei, I. Das Denkmal zu Ehren des Prinzen Kül-Tegin, *SPb*, 1894.
- Radioff W. Die Altürkischen Inschriften der Mongolei, 1—3, *SPb*, 1895.
- Radioff W. Die Altürkische Inschriften der Mongolei. Neue Folge, *SPb*, 1897.
- Radioff W. Chuastuanit, *SPb*, 1909.
- Radioff W. Altürkische Studien I, *SPb*, 1900.
- Radioff W. Altürkische Studien III, *SPb*, 1910.
- Radioff W. Altürkische Studien, V, *SPb*, 1911.
- Radioff W. Altürkische Studien, VI, *SPb*, 1912.
- Radioff W. Die Altürkische Inschriften der Mongolei, Zweite Folge, Die Inschriften des Tunjukuk, *SPb*, 1899.
- Ramstedt J. J. Über die Zahlwörter der altaïschen Sprachen, *Journal de la Soc. Finno-Ougr.* XXIV, 1 Helsingfors.
- Ramstedt J. J. Zwei uigurische Runenschriften in der Nord-Mongolei, *Journal de la Soc. Finno-Ougr.* XXX, 3, Helsinki, 1913.
- Ramstedt G. J. Die Pluralendung mo. -*nar*, tü. -*lar*, *Journal de la Soc. Finno-Ougr.* Nr 55, 2, Helsinki, 1951.
- Ramstedt G. Die Verbalnamen auf *i* in den altaïschen Sprachen, *Studia Orientalia*, XI, 1945.
- Ramstedt G. J. Das Verbalnomen auf -*m* in den altaïschen Sprachen, *ISFOu*, XCVIII, 1950.
- Räsänen M. Beiträge zu den Türkischen Runenschriften, *Studia Orientalia editit societatis Orientalis Fennica* XVII, 6, Helsinki, 1952.
- Räsänen M. Zu den türkischen Runenschriftentrag in der uigurischen Übersetzung des buddhistischen Sutra Šōkiz Jūkmāk, *Studia Orientalia editit societatis Orientalis Fennica*, VI, 1.
- Räsänen M. Aus der türkischen Formlehre, I. Das türkische Pluralsuffix -*lar*, -*lar*, Helsinki 1939 (extrait du „Journal de la Société Finno-Ougrienne”, Nr. 50).
- Räsänen Marti. Materialien zur Morphologie der türkischer Sprachen, Helsinki, 1957.
- Ross E. Denison. The Tonjukuk Inscriptions. *Bulletin of the School of Oriental Studies*, London, t. VI, 1930—1932.
- Vambery H. Noten zu den altürkischen Inschriften der Mongolei und Sibiriens. *JSFou* XII, 1898—1899.

### МУНДАРИЖА

Китобда қабуд қилинган шартли қисқартмалар	3
Сўз боши	6
Кириш	7
ОТ	11
Кўплик категорияси	11
Эғалик категорияси	14
Келишик категорияси	17
Бош келишик	18
Қараткич келишиги	21
Тушум келишиги	24
Восета келишиги	29
Жўналиш келишиги	32
Урин-пайт келишиги	39
Чиққиш келишиги	42
Акуатив формаси	44
Отларнинг ясалиши	46
●СИФАТ	53
Сифатларнинг ясалиши	56
●ОЛМОШ	58
Кишилик олмошлари	58
Кўрсатиш олмошлари	61
Ўзлик олмоши	62
Сўроқ олмоши	65
Биргалик олмоши	67
Белгилаш олмоши	68
●СОН	69
●ФЕЪЛ	78
Истак майли	80
Буйруқ майли	81
Шарт майли	82
Феълнинг аниқ майли	86
Хозирги-келаси замон	86
Ўтган замон феъллари	94
Сифатдош	105
Раъишдош	117
●Феъл даражалари	123
Бош даража	123

Ўзлик даража	123
Мажҳул даража	124
Орттирма даража	126
Биргалик даража	127
Феълларнинг ясалиши	128
РАВИШ	131
КўЗМАҚЧИЛАР	134
БОҒЛОВЧИЛАР	145
УНДОВЛАР	149
ЮКЛАМАЛАР	150
МОДАЛ СЎЗЛАР	151
Грамматик формалар кўрсаткичи	155
Адабиёт	161

На узбекском языке

Эргаш Фахмолов

ИСТОРИЧЕСКАЯ МОРФОЛОГИЯ УЗБЕКСКОГО ЯЗЫКА

Издательство „Наука“ УзССР  
Ташкент, 1965

Муҳаррир Д. Мурчинова  
Расм В. С. Тий  
Техмуҳаррир Х. Қарабаева  
Корректор Ҳ. Садуллаева, А. Ҳолиқов

Р12369. Теришга берилди 27/VIII-64 й. Босишга рухсат этилди 23/XI-64 й.  
Формат 60×90<sup>1/16</sup>—5,375 Қогоз. л. — 10,75 босма л. Ҳисоб нашриёт л. 9,5  
Нашриёт № 1020. Тиражи 1200. Баҳоси 57 т. Муқаваси 20 т.

УзССР „Фан“ нашриётининг босмахонаси, 2-чи Високовольная, 24.  
Заказ 1060.  
Нашриёт адреси: Гоголь кўчаси. 70.